



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 29]
No. 29]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 20, 1985/आषाढ़ 29, 1907
NEW DELHI, SATURDAY, JULY 20, 1985/ASADHA 29, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किये गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the
Ministry of Defence)

गृह मंत्रालय
नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1985

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 11th July, 1985

क्र.आ. 3323--केन्द्रीय सरकार, आतंकवादी क्षेत्र (विशेष
न्यायालय) अधिनियम, 1984 (1984 का 61) की धारा
9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते
हुए, इससे संलग्न अनुसूची के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट
व्यक्तियों को उनके नामों के सामने उक्त अनुसूची के स्तम्भ
(3) में तत्संबंधी प्रविष्टि में विशेष न्यायालयों में अपर
लोक अभियोजक नियुक्त करती है :—

अनुसूची

| क्र.सं. | व्यक्ति का नाम विशेष न्यायालय का नाम |
|------------------------|--|
| 1. श्री कौर चंद | पटियाला जूडिशियल जोन जिला सहायक अटर्नी-1 (संगरूर) अभियोजन एजेंसी, संगरूर। |
| 2. श्री विक्रम लुम्बा, | जालन्धर जूडिशियल जोन जिला सहायक अटर्नी-1 (गुरदासपुर) अभियोजन एजेंसी, गुरदासपुर। |

[सं. 3/5/84-लीगल सेल]
एन. पी. नवानी, संयुक्त सचिव

S.O.3323.--In exercise of the powers conferred by
Sub-section (1) of Section 9 of the Terrorist Aff-
ected Areas (Special Courts) Act, 1984 (61 of
1984), the Central Government hereby appoints
the persons named in column (2) of the Schedule
annexed hereto to be Additional Public Prosecu-
tors for the Special Courts specified against their
names in the corresponding entry in Column (3)
thereof :—

SCHEDULE

| S. No. | Name of the person | Name of the Special Court |
|--------|--|--|
| 1. | Shri Kaur Chand, Assistant District Attorney-I Prosecuting Agency, Sangrur. | Patiala Judicial Zone (Sangrur) |
| 2. | Shri Vikram Loomba, Asstt. District Attorney-I Prosecuting Agency, Gurdaspur. | Jalandhar Judicial Zone (Gurdaspur) |

[No. 3/5/84-Legal Cell]
N.P. NAWANI, Jt. Secy.

कामिक और प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार
और लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
(पेंशन और पेंशन भोगी कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1985

का० आ० 3324—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 148 के खंड (5) के साथ पठित अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग की सेवा में कर रहे व्यक्तियों के संबंध में नियंत्रक महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात्, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) (संशोधन) नियम, 1985 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 में,

(1) नियम 48 के उपनियम (1) में निम्नलिखित और परन्तुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

परन्तु यह और भी कि इस उपनियम के खंड (क) के उपबंध किसी ऐसे सरकारी सेवक, जिसके अंतर्गत वैज्ञानिक या तकनीकी विशेषज्ञ भी हैं, को जो :—

(i) विदेश मंत्रालय के भारत तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आई. टी. ई. सी.) कार्यक्रम तथा अन्य सहायक कार्यक्रमों के अधीन नियोजन पर है,

(ii) मंत्रालयों/विभागों के विदेश स्थित कार्यालयों में तैनात हैं,

(iii) किसी विदेशी सरकार के किसी विनिर्दिष्ट संविदा नियोजन पर है,

तब तक लागू नहीं होंगे जब तक कि भारत में स्थानांतरण हो जाने के पश्चात् उसने भारत में पद का कार्यभार न संभाल लिया हो और कम से कम एक वर्ष की अवधि तक सेवा न कर ली हो।

(2) नियम 48-क के उपनियम (1) में निम्नलिखित परन्तुक अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

परन्तु यह भी कि यह उपनियम ऐसे किसी सरकारी सेवा जिसके अंतर्गत वैज्ञानिक या तकनीकी विशेषज्ञ भी है को

(i) विदेश मंत्रालय के भारत तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आई. टी. ई. सी.) कार्यक्रम तथा अन्य सहायक कार्यक्रमों के अधीन नियोजन पर है,

(ii) मंत्रालयों/विभागों के विदेश स्थित कार्यालयों में तैनात हैं,

(iii) किसी विदेशी सरकार के किसी विनिर्दिष्ट संविदा नियोजन पर है, तब तक लागू नहीं होंगे जब तक कि भारत में स्थानांतरण हो जाने के पश्चात् उसने भारत में पद का कार्यभार न संभाल लिया हो और कम से कम एक वर्ष की अवधि तक सेवा न कर ली हो।

टिप्पण :— केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 का. आ. 934, तारीख 1-4-72 के रूप में प्रकाशित किए गए थे। इन नियमों का तीसरा संस्करण (दिसंबर 1981 तक संशोधित) 1982 में मुद्रित किया गया था। तत्पश्चात्, कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग की अधिसूचना सं. 32/4/83-पेंशन यूनिट, तारीख 26-8-1983 (दा.आ. सं. 3477, तारीख 10/9/83) और अधिसूचना सं. 29/4/83 पेंशन यूनिट तारीख 15/11/84 (दा.आ.सं. 4041, तारीख 1-12-84 और अधिसूचना सं. 7/3/84-पेंशन यूनिट, तारीख 17/11/84, (दा.आ.सं. 4218, तारीख 8-12-84 द्वारा संशोधित किया गया।

[संख्या 38/15/85—पेंशन यूनिट]

एन.एस.शंकरन, अव्वर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMN.
REFORMS AND PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(Department of Pension and Pensioners' Welfare)

New Delhi, the 1st July, 1985

S.O. 3324.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309, read with clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Amendment) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972—

(i) In sub-rule (1) of rule 48, the following further proviso shall be inserted, namely :—

“Provided further that the provisions of clause (a) of this sub-rule shall not apply to a government servant, including scientist or technical expert who is—

(i) on assignments under the India Technical and Economic Cooperation (ITEC) Programme of the Ministry of External Affairs and other aid programmes,

(ii) posted abroad in foreign based offices of the Ministries/Departments,

(iii) on a specific contract assignment to a foreign government,

unless, after having been transferred to India, he has resumed the charge of the post in India and served for a period of not less than one year.

(2) In sub-rule (1) of rule 48-A, the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that this sub-rule shall not apply to a government servant, including scientist or technical expert who is—

- (i) on assignments under the India Technical and Economic Cooperation (ITEC) Programme of the Ministry of External Affairs and other aid programmes,
 - (ii) posted abroad in foreign based offices of the Ministries/Departments,
 - (iii) on a specific contract assignment to a foreign government,
- unless, after having been transferred to India, he has resumed the charge of the post in India and served for a period of not less than one year.

Note :—The Central Civil Services (Pension) Rules, 1972 were published as S.O. 934 dated 1-4-1972. The Third Edition (corrected upto December, 1981) of the rules was printed in 1982. Subsequently amended by Department of Personnel and A.R. Notification No. 32/4/83-Pension Unit, dated 26-8-1983 (S.O. No. 3477, dt. 10-9-83) and Notification No. 29/4/83-Pension Unit, dated 15-11-84 (S.O. No. 4041 dated 1-12-1984) and Notification No. 7/3/84-Pension Unit dated 17-11-1984 (S.O. No. 4218 dated 8-12-84).

[No. 38/15/85-Pension Unit]
N. S. SANKARAN, Under Secy.

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1985

का. आ. 3325:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक, और अनुच्छेद 148 के खंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में सेवा कर रहे व्यक्तियों के संबंध में नियंत्रक महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् मूल नियमों का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :

1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम मूल (पहला संशोधन) नियम, 1985 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. मूल नियमों के नियम 56 में, खंड (ट) (1) के परन्तुक (क) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक (ख) के रूप में अंतःस्थापित किया जाएगा तथा विद्यमान परन्तुक (ख) को परन्तुक (ग) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(ख) इस खंड की कोई बात, किसी ऐसे सरकारी सेवक, जिसके अंतर्गत वैज्ञानिक या तकनीकी विशेषज्ञ भी है, को जो (i) विदेश मंत्रालय के भारत तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आई.टी.ई.सी.) कार्यक्रम और अन्य सहायक कार्यक्रमों के अधीन नियोजन पर है; (ii) किसी मंत्रालय/विभाग के विदेश स्थित कार्यालय में तैनात है, और (iii) किसी विदेशी सरकार के विनिर्दिष्ट संविदा नियोजन पर जाता है, तब तक लागू नहीं होगी जब तक

कि भारत में स्थानांतरण हो जाने के पश्चात् उसने भारत में पद का कार्यभार न संभाल लिया हो और कम से कम एक वर्ष की अवधि तक सेवा न करली हो।”

[सं. 25013/25/83-स्था. (क)]

ए. जयरामन, निदेशक

(Deptt. of Personnel & Training)

S.O. 3325.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General in regard to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Fundamental Rules, namely :—

1. (1) These rules may be called the Fundamental (1st Amendment) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Rule 56 of the Fundamental Rules, after proviso (a) to clause (1), the following shall be inserted as proviso (b) and the existing proviso (b) shall be re-numbered as proviso (c) namely :—

“(b) nothing in the clause shall also apply to a government servant, including scientist or technical expert who (i) is on assignment under the India Technical and Economic Co-operation (I.T.E.C) Programme of the Ministry of External Affairs and other Aid programmes, (ii) is posted abroad in a foreign based office of a Ministry/Department and, (iii) goes on a specific contract assignment to a foreign government unless, after having been transferred to India, he has resumed the charge of the post in India and served for a period of not less than one year.”.

[No. 25013/25/83-Estt. (A)]

A. JAYARAMAN, Director

वित्त मंत्रालय

राजस्व विभाग

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1985

आदेश

स्टाम्प

का. आ. 3326.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एनडूद्वारा मैसर्स टांटा कैमिकल्स लिमिटेड, बम्बई को मात्र तेरह लाख बारह हजार पांच सौ रुपये की समेकित स्टाम्प शुल्क अदा करने की अनुमति देती है जो उक्त कंपनी द्वारा सत्रह करोड़ पच्चास लाख रुपये के अंकित मूल्य में ऋण पत्रों के रूप में जारी किए जाने वाले 3500001 से 52,50,000 संख्या वाले बंधपत्रों पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभावी है ।

[सं. 27/85-स्टाम्प/फा.सं. 33/22/85-वि. क.]

भगवान दास, अव्वर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 2nd July, 1985.

ORDER

STAMPS

S.O. 3326.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the India Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits M/s. Tata Chemicals Limited, Bombay, to pay consolidated stamp duty of rupees thirteen lakhs, twelve thousand and five hundred only, chargeable on account of the stamp duty on bonds bearing Sl. Nos. 3500001 to 52,50,000 in the form of debentures of the face value of rupees seventeen crores and fifty lakhs to be issued by the said company.

[No. 2785-Stamps/F. No. 33/22/85-ST]

BHAGWAN DAS, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 जून, 1985

क्रा०आ० 3327.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री एस. आर. विश्वकर्मा को, जिनकी उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के अंतर्गत हरदोई-उन्नाव बैंक, हरदोई के अध्यक्ष के रूप में इससे पहले की गई 3 वर्ष की नियुक्ति की अवधि 31 मार्च, 1985 को समाप्त हो गई थी, दिनांक पहली अप्रैल 1985 को शुरू होने वाली और 17 अप्रैल, 1985 को समाप्त होने वाली अवधि के लिये उसी पद पर पुनः नियुक्त करती है।

[सं 2-6/85-आरआरबी]

New Delhi, the 26th June, 1985

S.O. 3327.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government reappoints Shri S. R. Vishwakarma as the Chairman of Hardoi-Unnao Gramin Bank, Hardoi whose earlier tenure of three years appointment under sub-section (1) of section 11 had expired on 31-3-1985 for a period commencing from 1-4-85 and ending with 17-4-85.

[No. F. 2-6/85-RRB]

नई दिल्ली, 27 जून, 1985

क्रा०आ० 3328.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री आर. एन. चतुर्वेदी को, जिनकी प्रायः 11 की उपधारा (1) के अंतर्गत इससे पहले 3 वर्ष के लिए नियुक्ति की अवधि 31-3-85 को समाप्त हो गई थी, दिनांक पहली अप्रैल, 1985 को शुरू होने वाली और 31 मार्च, 1986 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए देवास शाजापुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, देवास के अध्यक्ष के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[एफ 2-4/85-आरआरबी]

श्री. डा. मीरचन्दानी, निदेशक

New Delhi, the 27th June, 1985

S.O. 3328.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government reappoints Shri R. N. Chaturvedi as the Chairman of Dewas Shajapur Kshetriya Gramin Bank, Dewas whose earlier tenure of three years appointment under sub-section (1) of Section 11 had expired on 31-3-85 for a period commencing from 1-4-85 and ending with 31-3-86.

[No. F. 2-4/85-RRB]

C. W. MIRCHANDANI, Director

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 1985

क्रा. आ. 3329.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबंध बैंक ऑफ़ इंडिया पर, गिरवोग्राहों के रूप में 28 मई, 1986 तक की अवधि के वास्ते मँसूर करण एन्टरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड को प्रदत्त शेयर पूंजी की 30 प्रतिशत से अतिरिक्त की शेयरधारिता के संदर्भ में लागू नहीं होंगे।

[संख्या 15/11/84-बी. ओ. -III]

एम. के. एम. कुट्टि, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd July, 1985

S.O. 3329.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (2) of Section 19 of the said Act shall not apply to Bank of India for a period upto the 28th May, 1986 in respect of its holding of shares in excess of 30 per cent of the paid-up share capital of M/s. Karan Enterprises Pvt. Ltd. as pledgee.

[No. 15/11/84-B.O.III]

M.K.M. KUTTY, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1985

क्रा. आ. 3330.—भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (ग) के उप खण्ड (iv) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री डी. एन. घोष, अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक, बम्बई को भारतीय औद्योगिक विकास बैंक का निदेशक मनोनीत करती है।

[सं. एफ. 7/8/85-बी. ओ. आई(1)]

एस. एस. हसूरकर, निदेशक

New Delhi, the 4th July, 1985

S.O. 3330.—In pursuance of sub-clause (iv) of clause (c) of sub-section (1) of section 6 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government hereby nominates Shri D. N. Ghosh, Chairman,

State Bank of India, Bombay as the Director of the Industrial Development Bank of India.

[No. F. 7/8/85-BO.I(1)]
S.S. HASURKAR, Director

(बीमा विभाग)

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1985

का. आ. 3331:—जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन.एस.वी. नारायणन को निगम में प्रबन्ध निदेशक के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से 2 वर्ष के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम में सदस्य के रूप में नियुक्त करता है।

[फाईल सं. 108/1/85 इश्योरेंस-IV]

एन. दास, अवर सचिव

(Insurance Division)

New Delhi, the 2nd July, 1985

S.O. 3331.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Life Insurance Corporation Act, 1956, (31 of 1956), the Central Government hereby appoints Shri S. V. Narayanan as Member of the Board of Life Insurance Corporation of India from the day he takes over as Managing Director of the Corporation for a period of 2 years.

[File No. 108/1/85-Ins.IV]

N. DAS, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 20 जून, 1985

का. आ. 3332:—शुष्क मछली को निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरोक्षण के अधीन रखने के लिए कतिपय प्रस्ताव निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरोक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षा अनुसार भारत के राजपत्र भाग-II खंड-3, उपखंड-(ii) तारीख 5 जनवरी, 1985 में भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश संख्या का. आ. 25, तारीख 20 दिसम्बर, 1985 के अधीन प्रकाशित किए गए थे, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, जिनके उपसे प्रभावित होने की संभावना थी, राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशित होने की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को 11-1-85 को उपलब्ध करा दी गयी थी;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप प्रस्ताव के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरोक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 2137 तारीख 5 जून, 1970 को उन बातों के सिवाय अधिकान्त करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने से लोप किया गया है, निर्यात निरोक्षण परिषद से परामर्श करने के पश्चात्, यह राय होने पर कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है, —

(1) यह अधिसूचित करता है कि शुष्क मछली निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरोक्षण के अधीन होंगी;

(2) ऐसी शुष्क मछली के लिए इस आदेश के उपाबंध में दिए गए विनिर्देशों को नामक विनिर्देशों के रूप में मान्यता देती है।

(3) यह विनिर्दिष्ट करती है कि शुष्क मछली निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरोक्षण) नियम, 1985 में दिया गया निरोक्षण का प्रकार निरोक्षण का वह प्रकार होगा जो निर्यात से पूर्व ऐसी शुष्क मछली को लागू होगा; और

(4) शुष्क मछली के अंतरीष्टीय व्यापार के दौरान निर्यात को तब तक प्रतिषेद्ध करती है जब तक कि उसके साथ उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन, मुम्बई कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली और मद्रास में स्थापित निर्यात निरोक्षण अभिकरणों में से किसी एक द्वारा जारी किया इस आशय का प्रमाण-पत्र न हो कि उक्त सूची मछली उप-पैरा (2) के अधीन मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप है और निर्यात योग्य है।

(2) इस आदेश को कोई भी बात भावी क़ेताओं के लिए जल-मार्ग, भूमि-मार्ग या वायु-मार्ग द्वारा शुष्क मछली के नमूनों के रूप में निर्यात को लागू नहीं होगी, परन्तु यह तब जब कि प्रत्येक ऐसा नमूना भार में दो किलोग्राम से अधिक न हो।

(3) इस आदेश के प्रयोजन के लिए "शुष्क मछली" से शुष्क मछली को निम्नलिखित किस्मों में व्यापार से कोई एक अभिप्रेत है, अर्थात् —

| क्रम सं. | किस्म | वैज्ञानिक नाम (जाति) |
|----------|------------------------|------------------------------|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | सियर | साइबियम |
| 2. | एंगाइला | साइबियम |
| 3. | बलाया (टुना) | थाईन्नस |
| 4. | परावा | कारानक्स |
| 5. | काट्टा | चोरीनेमज |
| 6. | कोडुवा (ज्यू मछली धोल) | सियाना, स्यूजी सियाना (मछली) |

| 1 | 2 | 3 | 1 | 2 | 3 |
|--------------------------|--------------------------|---|--|----------------------|---|
| 7. लबाया | सेरानस | | 26. ब्ल, ईकीलडम | चिरोसिट्स | |
| 9. स्प्रेटस एनचॉविस | स्टोलफोरस एनचॉविस | | 27. थालापथ | मिसफियोफोरस | |
| 9. कालाईनथोल | स्टोलफोरस | | 28. मगराचैरो कारचारीनस | भारचारीनस विशेष | |
| 10. कूने (जाबला) | पोनियस (छाटा) | | (खाल और हड्डों के बिना कार्क स्ट्राइप्स) | | |
| 11. शैल रहित सागे | पोनियस, मैटोपीनियस | | 29. मूथिल्ला | इलफोटे विशेष | |
| | पैरापिना ओपसिस | | 30. पुलुनों (लेपिया) | लैक्टोरिनस विशेष | |
| 12. शैल रहित मंजे (कडा) | पोनियस, मैटोपीनियस | | 31. नमक मुक्त और शुष्क थोने- | दुस्सुमेरिया विशेष | |
| | पैरापिना ओपसिस | | दया | | |
| 13. शार्क | कारचारीनस, स्मिर्टेन, | | 32. बोलान | डोकैपटेरस विशेष | |
| | प्रिसटिस गैलकुंडा | | 33. कोली (नमक रहित) | एक्सोकाट्स | |
| 14. मडुवा (रे मछली) | ट्राईगन, माईलियोबाटाईडे, | | 34. कोली (नमक मुक्त) | एक्सोकाट्स | |
| | राईनकोबाटस रिनाबट्स | | 35. सालाया (मालाबार का तेली सरडाइन) | सारडिनल्ला लॉगीसेप्स | |
| 15. एंगुलुवा (कैट मछली) | पेरिअस | | 36. सालाया | सारडिनल्ला गिबबोसा | |
| 16. एंगुलुवा (तुतुकोरोन) | पेरिअस | | | सारडिनल्ला क्रिबेट | |
| 17. हुमल्ला | स डैनिल्ला मर्म | | | सारडिनल्ला अलवेले ला | |
| 18. सूडया | साडिनिल्ला गिबबोसा | | | कोली विशेष | |
| 19. मोरोल्लो | हमिरहम्फस | | | | |
| 20. बैनगमवा | पिल्लोना | | | | |
| 21. पेशावा छोटा | कारातक्स | | 37. शुष्क मुम्बई डक | हारपोडेन नेह्रिअस | |
| 22. कृम्बालवा (मैकरल) | राष्टेलिंगर का नागुर्ता | | 38. लेमिनेटेड मुम्बई डक | हारपोडेन नेह्रिअस | |
| 23. थोनदया शुष्क | दुस्सुमेरिया | | 39. एंगुलुवा छोटा (डूबर) | पेरिअस | |
| 24. चोव्वाकीलम | लियरीनस, एपरिओन, | | 40. सिल्वर बैल्ली (मुल्लेन) | लियोनेथस विशेष | |
| | लूटियानस, गेटोरिमा | | 41. मोल मछली (मेथल) | साईनोलोसग विशेष | |
| | और प्रिस्टोपोना | | 42. रिब्वन मछली | टिचिरम विशेष | |
| 25. जीला | स्क्रिनेना | | | | |

उपाबंध 2

सूखे मछल के लिए विनिर्देश

सामान्य :- सूखे मछल स्वास्थप्रद होगी। जिसमें गर्त-संसाधित मछल या ऐसे मछल, जिससे पान निकलता हो (पचपच, अल्प-शुष्क, अर्ध-शुष्क अन्य-शुष्क) या ओ सूखे (रोगजीवाणु बाली) या फफूँ से ग्रस्त (फफूँ ग्रस्त) है या कटों द्वारा खाई हुई या कट ग्रस्त मछल या परिष्कृत मछल अनुगत नहीं की जाएगी।

| क्रम सं. | किस्म | वैज्ञानिक नाम (जाति) | संयोग में संसाधन के पद्धति | क्यालिटा का स्तर | | | | बाह्य पदार्थ अन्य टिप्पण | |
|----------|-------|----------------------|---|---------------------------------|---|----------------------------------|-----------------------------------|--------------------------|---|
| | | | | आकार | रूप | गंध | शुष्क अवस्था | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 1. | सियर | माइनियम | केवल कीलम के रूप में नमक से संसाधित मालाबार तट के सियर मछल को दशा में यह सिर सहित या रहित अथवा खंड-खंड रूप में हो सकेगा। टुकड़ों में कट हो सकेगा। | सिर रहित 37.5 सेम और उससे अधिक। | रंग भूरा होगा अच्छे तरह से शुष्क, या सड़े गये अथवा सियर मछल। क विशिष्टता। | बदबूदार मछली बाय। गंध नहीं होगी। | आर्द्रता 40 प्रतिशत से अधिक नहीं। | कोई नहीं। | मछल का मोम दूढ़ होगा और धरिज्यों में नहीं होगा। |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
|-------------------------------|-----------------------|---|------------------------------------|---|---|---|--|---|-----|
| 2. एंगाइया | साइवियम | केवल कलम के रूप में तमक से संसाधित वह मिर सहित या रहित अथवा खंडखंड में हो सकेंगी दुकड़ों में कटा हो सकेंगे। | 37.5 सं. से कम | रंग भूरा होगा या अच्छे तरह से शुष्क अथवा सियर मछली की विधिपुत्रता | बहुतदार या सड़ भला प्रतिशतसे मछल-वाल अधिक नहीं गंध नहीं होगा। | आर्द्रता 35 प्रतिशतसे अधिक नहीं | कोई नहीं | | --- |
| 3. बलाया (टूना) | थाइलैन्ड | कलम के रूप में तमक से संसाधित | मिर सहित | रंग में गाढ़ा | बिल्कुल ताजा संसाधित गंध कोई भी सड़ गंध नहीं होगा। | आर्द्रता 35 प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं | | --- |
| 4. परावा | काराकंस | कलम के रूप में तमक से संसाधित | --- | रंग भूरा | बिल्कुल ताजा संसाधित गंध कोई भी सड़ गंध नहीं होगा। | आर्द्रता 35 प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं | | --- |
| 5. काट्टा | फोर नेमज | कलम के रूप में तमक से संसाधित | मिर सहित या रहित | रंग भूरा | बिल्कुल ताजा संसाधित गंध कोई भी सड़ गंध नहीं होगा। | आर्द्रता 35 प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं। | | --- |
| 6. कोखुवा (न्यू मछल वाल मछल) | मियाता स्लूडो-मियाता | कलम के रूप में तमक से संसाधित | मिर सहित या रहित | भूरा रंग | बिल्कुल ताजा संसाधित गंध कोई भी सड़ गंध नहीं होगा। | आर्द्रता 35 प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं | | --- |
| 7. लावाया | सेरानस | कलम के रूप में तमक से संसाधित | मिर सहित या रहित | भूरा रंग | बिल्कुल ताजा संसाधित गंध कोई भी सड़ गंध नहीं होगा। | आर्द्रता 35 प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं | | --- |
| 8. स्पैट्लेस एंकोव | स्टोलेफोरस एंकोविल्ला | तमक युक्त या तमक रहित | मिर सहित | गहरे या मंद रंग या कावापन लिए हुए रंग | स्वास्थ्यप्रद गुणक मछली का गंध, न कि तल गंध | नमक रहित किस्म के लिए आर्द्रता 18 प्रतिशत से अधिक नहीं और तमक युक्त किस्म के लिए 25 प्रतिशत | स्प्रेटम या किस्म के टूटे दुरुबे या छोड़ा मछल के अन्य किस्म का मिश्रण 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। | कुल रेश का अंश भार में 7 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। | |
| 9. *बालाइनेथाल | स्टोलेफोरस एंकोविल्ला | तमक युक्त या तमक रहित | मिर सहित पूर्णतया शल्कों से आमुक्त | सफेद या मंद रंग या कावापन लिए हुए रंग | स्वास्थ्यप्रद गुणक मछली का गंध, न कि तल गंध | नमक रहित किस्म के लिए आर्द्रता 18 प्रतिशत से अधिक नहीं और तमक युक्त किस्म के लिए 25 प्रतिशत | स्प्रेटम या अन्य किस्म के टूटे दुरुबे या छोटा किस्मों अथवा मछली का मिश्रण 6% से अधिक नहीं होगा। | कुल रेश का अंश भार में 7 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। | |

शुष्क स्प्रेट्स एनकोवी में कुल रेश अंश 14.5 प्रतिशत तक उस वर्ण में तुलना होगा जब 7 प्रतिशत से अधिक अनिश्चित रेश अंश उन्हीं जातियों की अनिश्चित सामग्री मिलाकर पूरा किया जाए, परन्तु यह तब जब कि केत। इस विशेष महिष्णुता के लिए सहमत हो।

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
|--|---------------------------|--|---|--|---------------------------------------|---|---|--|--|
| 10. | *शुल्के (आबला) | विनिमय (छोटा) | शुल्क दो और नमक से संसाधित नहीं। | -- | सफेद या मंद रंग या कालापन लिए हुए रंग | स्वास्थ्यप्रद शुल्क भीगा मछल का गंध, न कि तखा गंध | भारत 25 प्रतिशत से अधिक नहीं। | कोई नहीं | -- |
| <p>*शुल्क स्प्रेड्स एनजॉय में कुल रेट अंश 14.5 प्रतिशत तक उस दशा में अनुज्ञात होगा जब 7 प्रतिशत से अधिक प्रतिरिक्त रेट अंश उन्हीं जातियों के अतिरिक्त सामग्री मिलाकर पूरा किया जाए, परन्तु यह तब जब कि केला इस विशेष सट्टिण्णुना के लिए सहमत हो।</p> | | | | | | | | | |
| 11. | *शुल्क रहित क्षीये | पिनियम मैटा- विनियम पैरा- पिता ओपसिस | उबले हुए बिना उबले हुए शुल्क और बिना शुल्क के पिता ओपसिस | साबुन क्षीये अन्य जातियों के क्षीये भार 10 से अधिक नहीं होंगे। | काले धब्बे से मुक्त विशिष्ट रंग | ताजे न कि ताखे | (i) जब प्रश लित कक्षों में पोत लदान किया जाएगा तो श्रावता 30% से अधिक नहीं। (ii) जब अव्यथा पोत लदान किया जाए तो 25% अधिक नहीं होंगे। | दूटे हुए टुकड़े भारत में 15% जनशाल से अधिक नहीं 4 प्रतिशत तक भ्रम्य भ्रम्य प्रशु- भारत में 5% भ्रम्य 5% से अधिक नहीं। अधिक नहीं। | -- |
| 12. | *शुल्क रहित क्षीये (ऊड़) | पिनियम मैटापिनियम पैरा पिता ओपसिस | उबले हुए बिना उबले हुए, शुल्क रहित शुल्क | -- | काले धब्बे से मुक्त विशिष्ट रंग | ताजे न कि ताखे | भारत 25% से अधिक नहीं | खराब टुकड़े भारत में 5% से अधिक नहीं। होंगे। | भ्रम्य प्रशुलनशाल भ्रम्य 5% अधिक नहीं। |
| <p>टिप्पण :-यदि दूटे टुकड़े 15 से अधिक हैं तो परेषण को साबुत और दूटा हुआ माना जाएगा। शुल्क रहित/सहित क्षीये (क्रमशः 10, 11, 12) जब मानव उपभोग के लिए निर्यात नहीं होंगे तब विनिर्देश केला और विवेका के बोध करार किए गए के अनुसार होगा।</p> | | | | | | | | | |
| 13. | *शार्क | कारनारिनम रिफरना प्रिमिटिम गोलीयोरवा | सिर सहित/रहित और रीड क हडा कतले के रूप में या नमक से संसाधित *कोलम के रूप में | टुकड़े पुच्छ य के साथ धारित या कतलों के रूप में हो सकते हैं | मांस का तरफ सफेद या सफेद सा | शार्क की विशिष्ट गंध (हल्का सो ताखो) | भारत 35% से अधिक नहीं | कोई नहीं | -- |
| 14. | महुषा (रे मछल) | ट्राइगन, मा- लियोबाटाइडे रिता कोबेटस, वेटम | कतलों या कामरों के रूप में नमक से संसाधित | टुकड़े पुच्छ य के साथ धारित या कतलों के रूप में हो सकते हैं। | -- | महुषा का विशिष्ट गंध (हल्का सो ताखो) | भारत 35% से अधिक नहीं | कोई नहीं | -- |
| 15. | एंगुलुवा (कैट मछल) | ऐरिग्रस | लम्बाई में कटे हुए आते निकाला हुई और खंड-खंड मछल या कं लम नमक युक्त और शुष्क | सिर सहित या रहित 30 सें. मं. से अधिक | -- | संसाधित मछलों को ताजा गंध | भारत 35 प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं | -- |
| 16. | एंगुलुवा (सुत- कोर न) | ऐरिग्रस | लम्बाई में कटे हुए आते और निकाला हुई और खंड-खंड मछल या कं लम नमक युक्त और शुष्क | सिर सहित या रहित 20 सें. मं. से अधिक | -- | संसाधित मछल का ताजा गंध | भारत 35 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा | कोई नहीं | -- |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
|-----|----------------------|--------------------------|--|-----|--|---|---|--|---|
| 17. | द्रुमल्ला | साँड़िल्ला सर्प | गोलाकार रूप में नमक से संसाधित | --- | भूरा या सफेद | ताज: संसा- धित मछली का गंध कोई अन्य अमोनियाई या अरुचिकर गंध नहीं होगा। | आर्द्रता 30 प्रतिशत | कोई नहीं | मांस दृढ़ होगा और रेशों में नहीं होगा। |
| 18. | सूइया | साँड़िल्ला गिम्बोसा | गोलाकार रूप में नमक से संसाधित | --- | भूरा या सफेद | ताज: संसा- धित मछली का गंध कोई अन्य अमो- नियाई या अरुचिकर गंध नहीं होगा। | आर्द्रता 30 प्रतिशत से अधिक नहीं | शून्य | मांस दृढ़ होगा और रेशों में नहीं होगा। |
| 19. | मोरिल्लो | हमिरहम्फल | गोलाकार रूप में नमक युक्त और शुष्क | --- | भूरा या सफेद | ताज: संसा- धित मछली का गंध कोई अन्य अमो- नियाई या अरुचिकर गंध नहीं होगी। | आर्द्रता 30 प्रतिशत से अधिक | कोई नहीं | मांस दृढ़ होगा और रेशों में नहीं होगा। |
| 20. | वेनगनवा | भिल्लोवा | गोलाकार रूप में नमक से संसाधित और अच्छी तरह से सुखाई हुई। | --- | सफेद से पीला | ताज: संसा- धित मछली की गंध कोई अन्य अमो- नियाई या अरुचिकर गंध नहीं होगी | आर्द्रता 30% से अधिक नहीं | कोई नहीं | मांस दृढ़ होगा और रेशों में नहीं होगा। |
| 21. | परावा छोटा | कारानमस | गोलाकार रूप में नमक से संसाधित और अच्छी तरह से सुखाई हुई। | --- | सफेद से हल्का भूरा | ताज: संसा- धित मछली की गंध कोई अन्य अमो- नियाई या अरुचिकर गंध नहीं होगी। | आर्द्रता 30% से अधिक नहीं | कोई नहीं | मांस दृढ़ होगा और रेशों में नहीं होगा। |
| 22. | कुम्बासवा (मेकरल) | राम्प्रेलियर काबायुता | आंठों और गलफड़ों को निकाल दिया जाएगा नमक से संसाधित और शुष्क | --- | सफेद से हल्का पीला या हल्का भूरा | ताज: संसा- धित मछली की गंध कोई अन्य अमो- नियाई या अरुचिकर गंध नहीं होगी। | आर्द्रता 30 प्रतिशत से अधिक नहीं (यदि फेता नहम हो तो आर्द्रता 35 प्रतिशत तक अनुमत) | कोई नहीं | नमक की पपड़ी लगाने के सिवाय अधिक से अधिक 4 प्रतिशत खुला नमक किंतु टेपर जोड़ने की व्यवस्था सहित। |
| 23. | थोनवया शुष्क | कुमुमिरिया | गोलाकार रूप में शुष्क तथा नमक युक्त नमक रहित | --- | मछली का प्राकृ- तिक रंग किंतु फंका चमकीला नहीं | हल्की ताजी गंध किंतु ताजी शुष्क गंध अथवा कोई सड़ा गली गंध नहीं होगी। | आर्द्रता 20 प्रतिशत से अधिक नहीं | स्प्रेड्स के टूटे हुए या छोटी मछली के अन्य किल्लों का मिश्रण 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। | मछली के अलग की हुई रेत टेपर बनाएगी। |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
|-----|---|--|--|---|--------------------------------------|---|--|----------|---|
| 24. | चिवाकीलम | कीथरीलम एपुगिओल बुहियानम गेटिरिला और प्रिस्टीपोम | कीलम के रूप में नमक से संसाधित और शुष्क मिर सहित या रहित हो सकती है। | — | हल्का पीला से ग.ह. म.जी संसा- मृग | आर्द्रता 3.5 धित गंध कोई बुगंध नहीं होगी। | प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं | — |
| 25 | जिला | भिकरेम। | खंड-खंड या कीलम | — | रंग से ग.ह. म. | ताजी संसा- धित गंध, कोई बुगंध नहीं होगी। | आर्द्रता 3.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। | कोई नहीं | कीलम खंवाई में कटे हुए खंड-खंड और अति निकासी हुई मछली को अधिमन्यता दी जाएगी |
| 26 | बलाईकडम | चिरोमेंटस | मछली से अति निकाली हुई। टुकड़ों में कटी हुई। नमक से संसाधित तथा शुष्क | — | मफेद सा भंव भूरा | त.जी | आर्द्रता 3.5 प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं | — |
| 27. | घालापाथ | मिमपियोफो- रस | कटे हुए रूप में या कीलम या स्तूप कतलों के रूप में (मिर सहित या मिर रहित) हो सकती है। (साबुत रूप में मछली या टुकड़ों में यदि मछली बहुत बड़े आकार की है, संसाधित। | यथास्थिति साबुत मछली के रूप में या टुकड़ों के रूप में। | मफेद या भूरा | त.जी | आर्द्रता 3.5 प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं | — |
| 28. | मगराचिरी (खाण और हड्डी विशेष के बिना शार्क स्ट्राइप्स) | कारचारिन्तम | हड्डी या खाल या पंख के बिना शार्क मछली के कटे छटे टुकड़े और नमक से संसाधित तथा शुष्क | टुकड़े 10 से मी. से अधिक भूरा या माम का रंग | मफेद से विवरण | शार्क माम की गंध विशिष्ट गंध (हड्डी सां. त.खी) | आर्द्रता 3.5 प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं | — |
| 29. | सूधिल्ला इला- काटे | विशेष | नमक से संसाधित और खंड- खंड में शुष्क या मिर सहित या रहित कीलम के रूप में | — | मफेद से विवरण भूरा | विकृत और मड़ी-गली मछली की गंध नहीं होगी | आर्द्रता 3.5 प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं | — |
| 30. | पुतुलों (ले- पिसा) | लेक्टोसिम विशेष | नमक से संसाधित और अंतिम सहित या रहित गोलाकार रूप में शुष्क खंड-खंड रूप में भी संसाधित की जा सकती। | — | — | विकृत या मड़ी-गली मछली की गंध नहीं होगी। | आर्द्रता 3.5 प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं | — |
| 31. | थोतदया | हुस्मूमेरिया विशेष | गोलाकार रूप में नमक से संसाधित और शुष्क | — | — | विकृत या मड़ी-गली मछली की गंध नहीं होगी। | आर्द्रता 3.0 प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं | — |
| 32 | बोमान | डिकेपेटेरम विशेष | गोलाकार रूप में नमक से संसाधित और शुष्क | — | मफेद से हल्का भूरा काला | विकृत या मछली की गंध नहीं होगी। | सड़ी-गली आर्द्रता 3.5 प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं | पैकिंग के समय 4 प्रतिशत तक नमक लगाने की अनुज्ञा होगी किन्तु यह देयर में जोड़ा जाएगा। |
| 33. | कोली (नमक रहित) | एक्सोफोर्टम विशेष | गोलाकार रूप में शुष्क नमक नहीं लगाया जाएगा। | — | हल्का नीला या काला | विकृत या सड़ी गली मछली की गंध नहीं होगी। | आर्द्रता 2.5 प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं | — |
| 34. | कोली (नमक युक्त) | एक्सोफोर्टम विशेष | गोलाकार रूप में नमक से संसाधित और शुष्क। | — | हल्का नीला से पीला | विकृत या सड़ी-गली मछली की गंध नहीं होगी। | आर्द्रता 3.5 प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं | अधिलवर्गीय भस्म भार में 5 प्रति- शत हो सकती है |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
|-----|--------------------------------------|---|--|---|---|--|--|--|--|
| 35. | सलाया (मालादार का तैयार मण्डल) | सरडाहनल्ला सोमसिप्प | आने निकालने के बाद नमक से संसाधित और शुष्क। | — | हरिताभ से भूरा | विकृत या संशोधित मछली का गंध नहीं होगा। | आर्द्रता 30 प्रतिशत से अधिक नहीं। | कोई नहीं | पैकिंग के लिए प्रयुक्त रहा या चूर्ण के रूप में नमक भार में 4 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा और टेयर में जोड़ा जाएगा। |
| 36. | सलाया | सरडाहनल्ला गिळवागा, सरडाहनल्ला फिमिबण्ट, सरडाहनल्ला अलबला, काली विशेष | गोलाकार रूप में नमक से संसाधित और शुष्क/ आने निकाली हुई | — | हरिताभ से भूरा | विकृत या संशोधित मछली का गंध अधिक नहीं होगा। | आर्द्रता 30 प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं | पैकिंग के लिए प्रयुक्त रहा या चूर्ण के रूप में नमक भार 4 प्रति शत से अधिक नहीं होगा और यह टेयर में जोड़ा जाएगा। |
| 37. | शुष्क सुवर्ण छक | हू पोडन नेट- रियम | स्वास्थ्यकर घणा में धूप में सुवर्ण छक या कृत्रिम शोथक सुवर्ण छक | — | — | विकृत गंध से मुक्त विशिष्ट गंध। | आर्द्रता भार में अधिकतम 2.5 प्रतिशत | कोई नहीं | (आर्द्रता मुक्त आधार पर) अम्ल में अधुनशील भस्म अधिक से अधिक 5 प्रतिशत। |
| 38. | लेमिनेटेड सुवर्ण हूपोडन नेट- छक | रियम | मिर, पंख और आंसों की हड्डाने के पश्चात् शुष्क मछली की उपयुक्त रूप से काट-छांटकर तथा समान आकार के टुकड़े प्राप्त करने के लिए दोप और बाएँ भागों की काटछांटकर तैयार की गई | वर्ण गुलबो वर्ण 15 से 1.5 से अधिक और उमने अधिक विशिष्ट रंग। छोटी 1.5 से 1.0 से कम | वर्ण 15 से 1.5 से अधिक और उमने अधिक विशिष्ट रंग। छोटी 1.5 से 1.0 से कम | किसी दुर्गंध से मुक्त विशि- ष्ट गंध में अधिक नहीं | आर्द्रता भार में अधिकतम 2.5 प्रतिशत | कोई नहीं | (आर्द्रता मुक्त आधार पर) अम्ल अधुनशील भस्म अधिक से अधिक 2.5 प्रतिशत। |
| 39. | एगुलूवा छोटा (रबर) | ऐरिअम | लम्बाई में कटी हुई आने निकाली हुई और खंड- खंड मछली या मिर सहित या मिर रहित नमक युक्त शुष्क कंलम | 1.5 से 1.0 से अधिक | सफेद ना भूरा फीका भूरा | संसाधित मछली का तैयार गंध | आर्द्रता 3.5 प्रतिशत से अधिक नहीं | कोई नहीं | — |
| 40. | मिन्डर बेल्लो (मुरेत) | लियोनेथस विशेष | मिर सहित नमक युक्त या नमक रहित शुष्क | — | रंग भस्मदार सफेद से सफेद होगा शुष्क मिन्डर बेल्लो की विशिष्टता | स्वास्थ्यप्रद शुष्क मछली की गंध न कि तोखी गंध | आर्द्रता नमक युक्त किस्म के लिए 3.5 प्रतिशत और नमक रहित किस्म के लिए 2.5 प्रतिशत से अधिक नहीं। | दृढ़, हृद और अन्य किस्मों की मछलियों 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। | अम्ल अधुनशील भस्म 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। |
| 41. | सोन मछली (मैथल) | संडनोगलासम विशेष | मिर सहित नमक युक्त या नमक रहित शुष्क | — | विशिष्टता न जी शुष्क रिबन मछली या सफेद रंग | स्वास्थ्यप्रद शुष्क मछली का गंध न कि तोखी गंध। | आर्द्रता नमक युक्त किस्म के लिए 3.5 प्रतिशत और नमक रहित किस्म के लिए 2.5 प्रतिशत से अधिक नहीं। | — | अम्ल अधुनशील भस्म भार में 1.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। |
| 42. | रिबन मछली | टिथिरम विशेष | संवृत मछली नमक से संसा- धित और शुष्क | — | विशिष्टता न जी शुष्क रिबन मछली या सफेद रंग | स्वास्थ्यप्रद शुष्क मछली की गंध न कि तोखी गंध। | आर्द्रता 3.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। | कोई नहीं | अम्ल अधुनशील भस्म भार में 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। |

का.आ. 3332 (क);—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (स्वालिटी निर्वहन और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 2138 तारीख 5 जून, 1970 को उन बातों के विषय अधिकांश करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने से लोप किया गया है, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम शुष्क मछली निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1985 है;

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ : इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(1) “अधि.नियम” से निर्यात (स्वालिटी निर्वहन और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है;

(2) “अभिकरण” से अधिनियम की धारा 7 के अधीन मुम्बई, कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली और मद्रास में स्थापित अभिकरणों में से कोई एक अभिकरण अभिप्रेत है;

(3) “परिषद” से अधिनियम की धारा 3 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण परिषद अभिप्रेत है;

(4) “शुष्क मछली” से इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शुष्क मछली की व्यापारिक किस्मों में से कोई किस्म अभिप्रेत है।

3. निरीक्षण का आधार :— निर्यात के लिए आशयित शुष्क मछली का निरीक्षण यह देखने के उद्देश्य किया जाएगा कि शुष्क मछली अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप है।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया :— (1) शुष्क मछली का निर्यात करने का इच्छुक निर्यातकर्ता, निर्यात किए जाने के लिए आशयित परेषण की विशिष्टियाँ देते हुए, अभिकरण के निकटतम कार्यालय को आवेदन देगा ताकि वह ऐसे परेषण का परीक्षा इस दृष्टि से कर सके या करवा सके कि परेषण नियम 3 के निर्दिष्ट विनिर्देशों के अनुसार है या नहीं।

(2) उपनियम (1) के अधीन प्रत्येक आवेदन निर्यातकर्ता के परिसर से परेषण पोत लदान के लिए भेजे जाने की प्रत्याशित तारीख से कम से कम तीन दिन पूर्व किया जाएगा

(3) उपनियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर, अभिकरण परिषद द्वारा इस निमित्त जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार शुष्क मछली के परेषण का निरीक्षण करेगा और अपना यह समाधान करेगा कि परेषण अधिनियम की धारा 6 के खंड (ग) के अधीन मान्यता

प्राप्त या निर्यात संबिदा में अनुबद्ध विनिर्देशों की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है :

(4) निर्यातकर्ता अभिकरण को सब आवश्यक सुविधाएँ देगा ताकि वह ऐसा निरीक्षण करने में समर्थ हो सके।

5. प्रमाणन :— यदि परेषण का निरीक्षण करने के पश्चात् अभिकरण का यह समाधान हो जाता है कि वह अधिनियम की धारा 6 के खंड (ग) के अधीन मान्यता प्राप्त या निर्यात संबिदा में अनुबद्ध है, और उसे इन नियमों के अनुसार पैक और चिह्नित किया गया है तो वह निरीक्षण तारीख से तीन दिन के भीतर यह घोषणा करते हुए एक प्रमाण-पत्र जारी करेगा कि परेषण निर्यात योग्य है।

(2) जहाँ अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है, वहाँ वह उक्त तीन दिन की अवधि के भीतर, ऐसा प्रमाण पत्र जारी करने से इंकार कर देगा और ऐसे इंकार की सूचना उसके कारणों सहित निर्यातकर्ता को देगा।

6. निर्यात के लिए पैकिंग और चिह्नित किया जाना :—

(1) शुष्क मछली को निर्यात संबिदा में विनिर्दिष्ट रूप में पैक किया जाएगा।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट किसी कणर के न होने पर, उसे चटाई और मजबूत बोरियों/मजबूत दोहरी बोरियों मजबूत हैसियन कपडों/लकड़ी की पेटियों में पैक किया जाएगा।

(3) प्रत्येक पैकेज पर निम्नलिखित विशिष्टियों अमिट स्याही से अंकित की जाएंगी या निम्नलिखित विशिष्टियों सहित लेबल लगाया जाएगा, अर्थात् :—

(क) सामग्री का नाम और किस्म,

(ख) अंतर्वस्तु का शुद्ध भार और पैकेजों का कुल भार;

(ग) पोत लदान चिह्न; और

(घ) गन्तव्य पत्तन;

7. निरीक्षण का स्थान :— (1) इन नियमों के प्रयोजन के लिए निरीक्षण निर्यातकर्ता के परिसर में किया जाएगा जिसमें प्रकाश की अच्छी व्यवस्था होगी और जिसे स्वच्छ और स्वास्थ्यप्रद दशाओं में रखा जाएगा और उसमें तोलने, पैक करने और निरीक्षण का आवश्यक सुविधाएँ भी होंगी।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट परिसरों पर निरीक्षण के अतिरिक्त अभिकरण को परेषण की स्वालिटी का भंडार, अभिवहन में या पत्तनों पर पुनः निर्वहन करने का अधिकार होगा जैसा वह इन नियमों के प्रयोजन को क्रियावित करने के लिए आवश्यक समझे।

(3) परेषण के उपनियम (2) में निर्दिष्ट किसी भी प्रक्रम पर अधिनियम की धारा 6 के खंड (ग) के अधीन मान्यता प्राप्त या निर्यात संबिदा में अनुबद्ध विनिर्देशों के अनुरूप, न पाए जाने की दशा में, नियम 5 के अधीन जारी किया गया प्रमाण पत्र वापिस ले लिया जाएगा।

8. निरीक्षण फीस : प्रति परेषण न्यूनतम 50 रुपये के अधीन रहते हुए, परेषण के पीछे पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 0.4 प्रतिशत की दर से फीस अभिकरण को दी जाएगी।

9. अपील : (1) अभिकरण द्वारा नियम 5 के अधीन प्रमाण पत्र जारी करने से इंकार करने से व्यक्ति कोई नियमितकर्ता, उसके द्वारा ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के दो दिन के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त विशेषज्ञों के पैनल को, जिसमें कम से कम तीन और अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे, अपील कर सकेगा।

(2) विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्यता से कम से कम दो निम्नलिखित सदस्य गैर-सरकारी होंगे।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन सदस्यों से होगी।

(4) अपील उसकी प्राप्ति के पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

अनुसूची

[नियम 2(4) देखें]

| क्रम सं. | किसम | वैज्ञानिक नाम (जाति) |
|----------|-----------------------|--|
| (1) | (2) | (3) |
| 1. | सियर | साइबियम |
| 2. | एंगुलुवा | साइबियम |
| 3. | बलाया | थाइफम |
| 4. | परावा | कराइनस |
| 5. | काट्टा | चोरीनेमज |
| 6. | कोडुवा | सियाना स्पूडो-सियाना |
| 7. | लवाया | सेरानम |
| 8. | मोट्स/एनलाविस | स्टोलेफोरस/एनलाविस-विला |
| 9. | बालाइनेथाली | स्टोलेफोरस/एनलाविस |
| 10. | कुंभे (जावना) | पीनियस (छोटा) |
| 11. | शल्क रहित झोंगे | पीनियस, मैटापीनियस, पैरामिना- ओपसिस |
| 12. | शैल रहित झोंगे (कड़ी) | पीनियस, मैटापीनियस, पैरामिना ओपसिस |
| 13. | शार्क | कारचारिनस, स्फिटना, प्रिसटिस, गोलकुंडा |

| (1) | (2) | (3) |
|-----|---|---|
| 14. | मडुवा | ट्राइगन, माइलियो, बाटाइडे गडन कांबाट्स डितो- बेट्स |
| 15. | एंगुलुवा | ऐरिअस |
| 16. | एंगुलुवा (नूतीकारन) | ऐरिअस |
| 17. | हुल्ला | साडी नेल्ला सम |
| 18. | सूड्या | साडिनेल्ला गिबबोस |
| 19. | मोरोल्लो | हमिरहम्पस |
| 20. | बेनगनवा | पिल्लोना |
| 21. | पेरावा छोटा | काराइनस |
| 22. | कुमबालवा | राष्ट्रसिगर |
| 23. | थोनदया शुष्क | कानागुता |
| 24. | चिब्याकीलम | टुसुमिरिया लीथरीनस, एपरिओन, गेटीरिमा लुरियानस और प्रिस्टीपोमा |
| 25. | जीला | स्फिगेना |
| 26. | ब्लाइकन्टम | चिरोसेन्टस |
| 27. | थालापाथ | मिसफियोफोरस |
| 28. | मगराघेरी कारचम रीनस (खाल और हड्डी के बिना शाक स्ट्राइप्स) | कारचमरीनस विशेष |
| 29. | मूथिल्ला | इलाकाटे विशेष |
| 30. | पुल्लो (लापिसा) | लैक्टिअस विशेष |
| 31. | नमक युक्त और शुल्क थोनदया | टुसुमिरिया विशेष |
| 32. | बोलान | डीकंपटरस विशेष |
| 33. | काली (नमक रहित) | ऐक्सोकाटेस |
| 34. | कोली (नमक युक्त) | ऐक्सोकाटेस |
| 35. | सालायार (मालायार का तैलीय सरडाइन) | सारडीनेल्ला लॉंगीसेट्स |
| 36. | सलाया | मरडीनेल्ला सारडीनेल्ला गिबबोसा, सारडीनेल्ला फिमिप्रोट, सारडीनेल्ला अलबेल्ला कोली विशेष |
| 37. | शुष्क मुम्बई डक | हारपोडेन नेहरियस |
| 38. | लमिनेटेड मुम्बई डक | हारपोडेन नेहरियस |
| 39. | एंगुलुवा छोटा (डूबर) | ऐरिअस |
| 40. | सिल्वर बेल्ली (मुल्लेन) | लियोनेयस विशेष |

| 1 | 2 | 3 |
|-----|-----------------|--------------|
| 41. | सोल मछली (मैथल) | साइनोग्लोसस |
| | | विशेष |
| 42. | रिबबन मछली | टिचिरस विशेष |

[फाइल नं. 6/1/84-ई आर्थ एण्ड ई. पी.]

सी. बी. कुकरेती, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 20th June, 1985

ORDER

S.O. 3332.—Whereas certain proposals for subjecting dried fish to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 5th January, 1985 under the order of the Government of India, Ministry of Commerce No. S.O. 25, dated the 20th December, 1984, inviting the objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within forty-five days from the date of publication of the said order in the Official Gazette;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on 11th January, 1985.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft proposal have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) and in supersession of the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2137 dated the 5th June, 1970, except as respect things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of export trade of India hereby,

(1) notifies that dried fish shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) recognises the specifications as set out in Annexure to this Order as the standard specifications for such dried fish;

(3) specifies that the type of inspection set out in the Export of Dried Fish (Quality Control and Inspection) Rules, 1985 shall be the type of inspection which shall be applied to such dried fish prior to export; and

(4) prohibits the export, in the course of international trade of such dried fish, unless the same is accompanied by a certificate issued by any of the export inspection agencies established at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras, under section 7 of the said Act, to the effect that the said dried fish conform to the standard specifications as recognised under subparagraph (2) and are exportworthy.

2. Nothing in this order shall apply to export by sea, land or air of dried fish as samples to the Prospective buyers, provided that each such sample does not weigh more than two kilograms.

3. For the purpose of this order "dried fish" means any of the following trade varieties of dried fish, namely:—

| Sl. No. | Variety | Scientific Name (Species) |
|---------|---------------|---------------------------|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | Seer | Cybium |
| 2. | Angila | Cybium |
| 3. | Balaya (Tuna) | Thynnus |

| 1 | 2 | 3 |
|-----|--|--|
| 4. | Parawa | Caranx |
| 5. | Katta | Chorinemuz |
| 6. | Koduwa (Jew Fish/-Ghol Fish) | Sciaena, Pseudo-Sciaena |
| 7. | Lavaya | Serranus |
| 8. | Spratts/Anchovis | Stolephorus/Anchovilla |
| 9. | Valainetholi | Stolephorus |
| 10. | Kooney (Jawla) | Penacus (small) |
| 11. | Prawns without shell | Penaeus, Metapenaeus Parapenaeopsis |
| 12. | Prawns with shell- (Kardi) | Penacus Metapenaeus Parapenaeopsis |
| 13. | Shark | Carcharinus, Sphyrna, Pristis Galeourda |
| 14. | Maduwa (Ray fish) | Trygon, Myliobatidae, Rhynchobatus Rhinabatus |
| 15. | Anguluwa Cat (fish) | Arius |
| 16. | Anguluwa (Tuticorin) | Arius |
| 17. | Hurulla | Sardinella Sirm |
| 18. | Soodaya | Sardinella gibbosa |
| 19. | Morollo | Hamirhamphus |
| 20. | Venganawa | Pellona |
| 21. | Parawa Small | Caranx |
| 22. | Kumbalawa (Mackeral) | Restrelliger Kanagurta |
| 23. | Thondaya Dried | Dusumeria |
| 24. | Chevva Kcelam | Lethrimus, Aprion, Lutianus Gaterina & Pristipoma |
| 25. | Jeela | Sphyracna |
| 26. | Valaikandam | Chirocentrus |
| 27. | Thalapath | Misfophorus |
| 28. | Magaracheri Carcharinus (Shark strips without skin and bone) | Carcharinus spp. |
| 29. | Moothilla | Elacto spp. |
| 30. | Pulunno (Iapisa) | Lactarius spp. |
| 31. | Thondaya salted & dried | Dusumeria spp. |
| 32. | Bolan | Decapterus spp. |
| 33. | Koli (unsalted) | Exocaetus |
| 34. | Koli (salted) | Exocaetus |
| 35. | Salaya (Oil Sardine of Malabar) | Sardinella Longiceps |
| 36. | Salaya | Sardinella Gibbosa Sardinella fimbriate, Sardinella albella, Colic spp. |
| 37. | Dried Bombay Duck | Harpoden nehereus |
| 38. | Laminated Bombay Duck | Harpoden nehereus |
| 39. | Anguluwa small (Dubar) | Arius |
| 40. | Silver Belly (Mullen) | Leiognathus spp. |
| 41. | Sole Fish (Manthal) | Cynoglossus spp. |
| 42. | Ribbon fish | Thichurus spp. |

ANNEXURE

SPECIFICATIONS FOR DRIED FISH

General : Dried Fish shall be wholesome. No pit-cured fish or fish oozing with water (pachaped, "semi-dried", "half-dried", "Soft dried" or having 'red' (bacteria) or mould attack (fungal attack) or maggot-ridden or insect infested fish or reconditioned fish shall be permitted.

| Sl. No. | Variety | Scientific Name (species) | Method of cure in brief | Standrd of quality | | | Foreign matter | Other Remarks | |
|---------|------------------------------|---------------------------|--|-----------------------------|--|--|--|--|---|
| | | | | Size/ Type | Appearance | Smell | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 1. | Seer | Cybiu | Cured with salt as keelam only. May be with or without head or in split open form in case of seer fish from the Malabar coast. May be cut into pieces. | 37.5cm & above without head | Colour shall be brown or characteristic of well dried goods seer fish | Shall not be that of rancid or decomposed fish | Moisture not exceeding 40% | Nil | Fish flesh shall be firm and shall not come off in shreds |
| 2. | Angila | Cybiu | Cured with salt as keelam. May be with or without head or in split open form may be cut into pieces | Below 37.5 cm | Colour shall be brown or characteristic of well dried good Angila Fish | Shall not be that of rancid or decomposed fish | Moisture not exceeding 35% | Nil | |
| 3. | Balaya (Tuna) | Thynnus | Cured with salt as keelam | Without head | Dark in colour | Freshly cured smell. Shall not have any decomposed odour | Moisture not exceeding 35% | Nil | — |
| 4. | Parawa | Caranx | Cured with salt as keelam | — | Brown coloured | Freshly cured smell. Shall not have any decomposed odour | Moisture not exceeding 35% | Nil | — |
| 5. | Katta | Chorinemuz | Cured with salt as keelam | With or without head | Brown coloured | Freshly cured smell. Shall not have any decomposed odour | Moisture not exceeding 35% | Nil | — |
| 6. | Koduwa (Jew Fish/ Ghol Fish) | Sciaena/ Pseudo-sciaena | Cured with salt as keelam | With or out head | Brown coloured | Freshly cured smell. Shall not have any decomposed odour | Moisture not exceeding 35% | Nil | — |
| 7. | Lavaya | Serranus | Cured with salt as keelam | With or out head | Brown coloured | Freshly cured smell. Shall not have any decomposed odour | Moisture not exceeding 35% | Nil | — |
| 8. | Spratts/ Anchovy | Stolephorus/ Anchovietla | Salted or unsalted | With head | White or dull coloured or blackish coloured | Wholesome dried fish smell and not pungent | Moisture not exceeding 18% for unsalted variety & 25% for salted variety | Broken bits of spratts or any other fish or mixture of other varieties of small fish shall not be more than 6% | *Total sand content shall not exceed 7% by wt. |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
|---------------------|-------------------------|--------------------------|---------------------------------|---|---|---|--|----------------------------------|----|
| 9. Valam-tholi | Stolephorus/Anchoviella | Salted or unsalted dried | Without head fully covered with | White or dull coloured or blackish coloured | Wholesome dried fish smell and not pungent | Moisture not exceeding 18% for unsalted variety & 25% for salted variety. | Broken bits of spratts or other fish or mixture of other varieties of small fish shall not be more than 6% | *Total sand not exceed 7% by wt. | |
| 10. Koonney (Jawla) | Penaeus (Small) | Dried and not salt cured | — | White or dull coloured or blackish coloured | Wholesome dried prawn smell and not pungent | Moisture not exceeding 25% | Nil | — | |

*Total sand content upto 14.5% shall be permitted in dried spratts anchovy if the excess sand content above 7% is compensated by adding additional material of the same species, provided that the buyer agree to this special tolerance.

| | | | | | | | | | |
|------------------------------|------------------------------------|-----------------------------------|--|---|-----------------------|--|---|---|--|
| 11. Prawns without shell | Penaeus Metapenaeus Parapenaeopsis | Boiled/unboiled Dried & deshelled | Whole prawn (prawns of other species shall not exceed 10% by weight) | Characteristic colour free from black discoloration | Fresh & not pungent | Moisture not exceeding (i) 30% when shipped in refrigerated chambers & (ii) 25% if shipped otherwise | *The broken pieces shall not exceed 15% by wt. spoiled pieces eyes, shells and tails excluding the broken pieces shall not exceed 2% by wt. | Acid insoluble ash not to exceed 1% (Acid insoluble ash upto 4% is permitted in case the buyer agrees for the same) | |
| 12. Prawns with shell (Kard) | Penaeus Metapenaeus Parapenaeopsis | Boiled/unboiled, dried with shell | — | Characteristic colour free from black discoloration | Fresh and not pungent | Moisture not exceeding 30% | Spoiled pieces shall not exceed 5% by wt. | Acid insoluble ash not to exceed 5% | |

*In case the broken pieces exceed 15%, the consignment shall be treated as whole and broken/broken.

Note : Prawns with/without shell (Sl. No. 10, 11, 12) when exported as not for human consumption, the specifications shall be as agreed to between the buyer and the seller.

| | | | | | | | | | |
|-----------|---|---|---|------------------------------------|---|----------------------------|-----|---|--|
| 13. Shark | Carcharinus Sphyrna Pristis Galeorhinus | Salt cured as filets or as keejams without head and back-bone | As pieces being held together at the caudal or can be in the form of filets | White or whitish on the flesh side | Characteristic smell of shark (lightly pungent) | Moisture not exceeding 35% | Nil | — | |
|-----------|---|---|---|------------------------------------|---|----------------------------|-----|---|--|

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
|-----------------------------------|---|---|---|--|--|--|------------------------------------|---|-----|
| 14. Maduwa (Ray Fish) | Trygon, Myliobata- tidae, Rhynohobatus Rhinalotus | Salt cured as fillets or as keelams | As pieces being held together at the caudal or can be in the form of fillets | --- | --- | Characteris- tic smell of Maduwa (lightly pun- gent) | Moisture not exceed- ing 35% | Nil | --- |
| 15. Anguluwa (Cat Fish) | Arius | Cut open longitudinally entrails removed and fish split open or keelams salted and dried | Above 30 cm with/ without head | --- | --- | Fresh flav- our of cured fish | Moisture not exceeding 35% | Nil | --- |
| 16. Anguluwa (Tuticorin) | Arius | Cut open longitudinally entrails removed and fish split open or keelams salted and dried. | Above 20 cm. with/ without head. | --- | --- | Fresh flavour of cured fish | Moisture not exceeding 35% | Nil | --- |
| 17. Huralla | Sardinella sirm | Salt cured in the round form | --- | Brown or white | That of freshly cured fish. No other ammonical or foul odour shall be present | Moisture not exceed- ing 30% | Nil | Flesh shall be firm and not come off in shreds | |
| 18. Soodaya | Sardinella gibbosa | Cured with salt in the round form | --- | Brown or white | That of freshly cured fish. No other ammoni- cal or foul odour shall be present | Moisture not exceeding 30% | Nil | Flesh shall be firm and not come off in shreds | |
| 19. Morcello | Hemirham- phus | Salted and dried in the round form | --- | Brown or white | That of freshly cured fish. No other ammonical or foul odour shall be present | Moisture not exceeding 30% | Nil | Flesh shall be firm and not come off in shreds | |
| 20. Venganawa | Pellona | Cured with salt in the round form and well dried | --- | White to yellow | That of freshly cured fish. No other ammoni- cal or foul odour shall be present | Moisture not exceeding 30% | Nil | Flesh shall be firm and not come off in shreds | |
| 21. Parawa Small | Caranx | Cured with salt in the round form and well dried | --- | White to light brown | That of freshly cured fish. No other ammoni- cal or foue odour shall be present | Mositure not exceed- ing 30% | Nil | Flesh shall be firm and not come off in shreds | |
| 22. Kumba- lawwa (Mackerel) | Rastrel- liger kanagurta | Guts and gills shall be removed cured with salt and dried | --- | White to light yellow or light brown | Fresh | Moisture not exceeding 30% (upto 35% moisture per- mitted if the buyer agrees) | Nil | Maximum 4 % loose salt except salt encrustation but with provision to add tare. | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
|---|--|--|--|---|---|---|--|--|--|
| 23. Thondaya Dried | Dussumeria | Dried in the round form and salted/unsalted | — | — | Natural colour of the fish but dull and not brilliant | Light pungent smell but freshly dried, smell otherwise no decomposed smell shall be present | Moisture not exceeding 20% | Broken bits of spratts or any other mixture of other varieties of small fish shall not be more than 5% | Sand separated from fish shall go to make the tare |
| 24. Chevva Keelam | Lethrinus, Aprion Lutianus Gaterina & Pristipoma | Cured with salt as Keelam and dried. May be with or without head | — | — | Light yellow to dark brown | Fresh cured flavour, no bad odour shall be present | Moisture not exceeding 35% | Nil | — |
| 25. Jeela | Sphyraena | Split open or Keelams | — | — | Dark in colour | Freshly cured smell, shall not have any decomposed odour | Moisture not exceeding 35% | Nil | Keelams cut open longitudinally Fish split and entrails removed shall be preferred |
| 26. Valaikandam | Chirocentrus | Fish removed of guts. Cut into pieces. Cured with salt & dried. | — | — | Whitish to dull brown | Fresh | Moisture not exceeding 35% | Nil | — |
| 27. Thalapath | Misfio-phorus | Cured in the cut open form or as keelam or strips fillets (can be with or without head) as a whole fish or in pieces if the fish is of a very large size | In the whole fish form or as pieces as the case may be | — | White or brown | Fresh | Moisture not exceeding 35% | Nil | — |
| 28. Magaracheri (shark strips without skin and bone). | Carcharias spp. | Dressed pieces of shark fish without bone or skin or fin and cured with salt and dried | Pieces above 10 cm | — | White to ash grey or flesh coloured | Characteristic smell of shark flesh (lightly pungent). | Moisture not exceeding 35% | Nil | — |
| 29. Moothilla | Elacate sp. | Salt cured and dried in the split open or as keelam with or without head | — | — | White to ash grey | Shall not be that of rancid or decomposed fish. | Moisture not exceeding 35% | Nil | — |
| 30. Putunoo (Lapia) | Lactarius sp. | Salt cured and dried in the round form with or without guts. May be cured also in the split open form. | — | — | — | Shall not be that of rancid or decomposed fish. | Moisture not exceeding 35% by wt. max. | Nil | — |
| 31. Thondaya | Dussumeria sp. | Cured with salt in the round form and dried | — | — | — | Shall not be that of rancid or decomposed fish. | Moisture not exceeding 30% | Nil | — |
| 32. Bolan | Decapterus sp. | Cured with salt in the round form and dried | — | — | White to light dark | Shall not be that of rancid or decomposed fish | Moisture not exceeding 35% | Nil | Salt used at the time of packing to the extent of 4% will be allowed but this will add to tare |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
|---|---|---|---|---|---|---|--|--|----|
| 33. Koli (unsalted) | Exocoetus sp. | Dried in the whole form not salt added | — | Light blue to dark | Shall not be that of rancid or decomposed fish | Moisture not exceeding 25% | Nil | — | |
| 34. Koli (salted) | Exocoetus sp. | Salt cured in the round form and dried | — | Light blue to dark | Shall not be that of rancid or decomposed fish. | Moisture not exceeding 35% | Nil | Acid insoluble ash can be 5% by wt. | |
| 35. Salaya (oil sardine longiceps or Malabar) | Sardinella | Cured with salt after removing the viscera and dried | — | Greenish to brown | Shall not be that of rancid or decomposed fish. | Moisture not exceeding 30% | Nil | Salt as crystal or powder used for packing shall not exceed 4% by wt. and will be added to tare | |
| 36. Salaya | Sardinella gibbosa, Sardinella fimbriata, Sardinella albella, colie sp. | Cured with salt in the round form and dried. Guts not removed | — | Greenish to brown | Shall not be that of rancid or decomposed fish | Moisture not exceeding 30% | Nil | Salt as crystal or powder used for packing shall not exceed 4% by wt. and will be added to tare. | |
| 37. Dried Bombay Duck | Harpodon nehereus | Sundried or dried in artificial drier under hygienic condition | — | — | Characteristic flavour free from any rancid odour | Moisture 25% by wt. max. | — | Acid insoluble ash (on moisture free basis max. 5% | |
| 38. Laminated Bombay Duck | Harpodon nehereus | Prepared by suitable dressing of dried fish after removing head, fins and entrails sides trimmed to get pieces of uniform size. | Large 15 cm & above small less than 15 cm | Characteristic colour free from any pink discolouration | Characteristic flavour free from any rancid odour | Moisture 20% by wt. max. | — | Acid insoluble ash (on moisture free basis) 25% max. | |
| 39. Anguluwa small (Dubar) | Arius | Cut open longitudinally entrails removed and fish split open or keelamssa lted dried with or without head | Above 15 cm | Whitish to dull brown | Fresh flavour of a cured fish | Moisture not exceeding 35% | Nil | — | |
| 40. Silver belly (mullen) | Leiognathus sp. | Salted or unsalted dried with head | — | Colour shall be shining white to white characteristic of dried silver belly | Wholesome dried fish smell and not pungent | Moisture shall not exceed 35% for salted variety & 25% for unsalted variety | Broken & fishes of other species shall not exceed 5% | Acid insoluble ash shall not exceed 2% | |
| 41. Sole fish (Maunthal) | Cynoglossus sp. | Salted or unsalted dried with head | — | Characteristic brown to deep violet colour of dried sole fish. | Wholesome dried fish smell and not pungent | Moisture shall not exceed 35% for salted variety & 25% for unsalted variety | — | Acid insoluble ash shall not exceed 1.5% by wt. | |
| 42. Ribbon Fish | Trichirus sp. | Whole fish cured with salt and dried | — | Characteristic white colour of fresh dried ribbon fish. | Wholesome dried fish and not pungent | Moisture shall not exceed 35% | Nil | Acid insoluble ash shall not exceed 2% by wt. | |

S.O. 3332(A).—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) and in supersession of the Notification of the Government of India, in the Ministry of Commerce No. S.O. 2138 dated the 5th June, 1970 except as respect of things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Dried Fish (Inspection) Rules, 1985;

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (1) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
- (2) "Agency" means any one of the Agencies at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras, established under section 7 of the Act;
- (3) "Council" means Export Inspection Council established under section 3 of the Act;
- (4) "Dried Fish" means any of the trade varieties of dried fish as specified in the Schedule annexed to these rules.

3. Basis of inspection.—Inspection of dried fish intended for export shall be carried out with a view to seeing that the dried fish conforms to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act.

4. Procedure of Inspection.—(1) An exporter intending to export dried fish shall submit an application to the nearest office of the Agency, giving particulars of the consignment intended to be exported, to enable it to examine such consignment or cause the same to be examined and to see whether the same conforms to the specification referred to in rule 3;

(2) Every application in sub-rule (1) shall be made not less than three days before the anticipated date of despatch of the consignment from the exporter's premises for shipment;

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2), the Agency shall inspect the consignment of dried fish as per the instructions issued by the Council in this behalf and satisfy itself that the consignment complies with the requirements of the specifications recognised under clause (c) of section 6 of the Act or as stipulated in the export contract;

(4) The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

5. Certification.—If after inspection of the consignment, the Agency is satisfied that the same conforms to the specifications recognised under clause (c) of section 6 of the Act, or as stipulated in the export contract, and has been packed and marked according to these rules, it shall issue a certificate within three days from the date of inspection, declaring the consignment as exportworthy.

(2) Where the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of three days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter alongwith the reasons therefor.

6. Packing and Marking for export.—(1) The dried fish shall be packed as specified in the export contract.

(2) In the absence of any agreement referred to in sub-rule (1), the same shall be packed in mat and sound gunny bags/sound of gunny bags/sound double gunny bags/sound hessian clothes wooden cases.

(3) Each package shall be marked with indelible ink or labelled with the following particulars, namely:—

- (a) name and variety of the material;
- (b) net weight of contents and the gross weight of the packages;
- (c) shipping marks; and
- (d) port of destination.

7. Place of inspection.—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the exporters' premises which shall be well lighted and maintained in sanitary and

hygienic conditions and shall also have necessary facilities for weighing, packing and inspection.

(2) In addition to the inspection at the premises referred to in sub-rule (1), the Agency shall have the right to re-assess the quality of the consignment in the storage, in transit or at the ports, as it may consider necessary to carry out the purpose of these rules.

(3) In the event of the consignment being found not conforming to the specifications recognised under clause (c) of rule 6 of the Act, or as stipulated in the export contract at any of stages referred to in sub-rule (2), the certificate issued under rule 5 shall be withdrawn.

8. Inspection fee.—A fee at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment, subject to a minimum of Rs. 50 per consignment, shall be paid to the Agency.

9. Appeal.—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue a certificate under rule 5, may within two days of the receipt of the communication for such refusal by him, prefer an appeal to a Panel of Experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Government.

(2) At least two-thirds of the total membership of the Panel of Experts shall consist of non-officials.

(3) The quorum of the Panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed off within 15 days of its receipt.

SCHEDULE

[See rule 2(4)]

| Sl. No. | Variety | Scientific Name (species) |
|---------|---------------------------|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | Seer | Cybium |
| 2. | Angila | Cybium |
| 3. | Balaya | Thynnus |
| 4. | Parawa | Caranx |
| 5. | Katta | Chorinemuz |
| 6. | Koduwa | Sciaena/Pseudo-sciacna |
| 7. | Lavaya | Serranus |
| 8. | Spratts/Anchovis | Stolephorus/Anchoville |
| 9. | Valainetholi | Stolephorus/Anchoville, |
| 10. | Kooney (Jawla) | Penaeus(small) |
| 11. | Prawns without shell | Panacus, Metapenaeus, Parapenaeopsis |
| 12. | Prawns with shell (Kardi) | Penaeus, Metapenaeus, Parapenaeopsis |
| 13. | Shark | Carcharinus, Sphyrna, Pristis, Galeourda |
| 14. | Maduwa | Trygon, Myliobatidae, Rhynchobatus, Rhi-nabatus |
| 15. | Anguluwa | Arius |
| 16. | Anguluwa (Tuticorin) | Arius |
| 17. | Hurulla | Sardinella sirm |
| 18. | Soodaya | Sardinella gibbosa |
| 19. | Morollo | Hemirhamphus |
| 20. | Venganawa | Pellona |
| 21. | Parawa Small | Caranx |

| 1 | 2 | 3 |
|---|--|---|
| 22. Kumbalawa | Rastrelliger Kanagurta | |
| 23. Thondaya Dried | Dussumeria | |
| 24. Chevva Keelam | Lethrinus, Aprion, Lutianus, Gaterina & Pristipoma | |
| 25. Jeela | Sphyraena | |
| 26. Valaihandam | Chirocentrus | |
| 27. Thalapath | Misfiophorus | |
| 28. Magaracheri Caracharinus (Shark strips without skin and bone) | Carcharinus sp. | |
| 29. Moothilla | Elacata spp. | |
| 30. Pulunno (Lapisa) | Lactarius spp. | |
| 31. Thondaya salted and dried | Dussumeria spp. | |
| 32. Bolan | Decapterus spp. | |
| 33. Koli (unsalted) | Exocaetus | |
| 34. Koli (salted) | Exocaetus | |
| 35. Salaya (Oil sardine of Malabar) | Sardinella Longiceps | |
| 36. Salaya | Sardinella gibbosa, Sardinella fimbriate, Sardinella albella, colic spp. | |
| 37. Dried Bombay Duck | Harpoden nehereus | |
| 38. Laminated Bombay Duck | Harpoden nehereus | |
| 39. Anguluwa small (Dubar) | Arius | |
| 40. Silver Belly (Mullen) | Leiognathus spp. | |
| 41. Sole Fish (Manthal) | Cynoglossus spp | |
| 42. Ribbon fish | Trichiurus spp. | |

C.B. KUKRETI Joint Director
[F. No. 6/1/84-EI&EP]

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1985

का.आ. 3333.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (I) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार 21 मई 1985 से भारत पीस्ट-अर्ड—सर्विस 2/8—बी, भारत बोस रोड, कलकत्ता-700020 को अभिकरण के रूप में धुन्नीकरण की निर्मालिखित मर्चों के लिए एक वर्ष की और अवधि के लिए मान्यता देती है।

1. तेल रहित चावल की भुसी, और
2. हड्डियों का चुरा खुर और सींग।

[फाइल सं. 5(4)/82(निनि/निउं)
सी. बी. कुक्रेती, संयुक्त निदेशक]

New Delhi, the 5th July, 1985

S.O. 3333.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 21st May 1985, M/s. Bharat Pest-Erad Services, 2/8-B, Sarat Bose Road, Calcutta-700020 as an agency for the fumigation of following items :—

1. De-oiled Rice Bran; and
2. Crushed Bones, Hooves and Horns.

[F. No. 5(4)/82-EI&EP]

C. B. KUKRETI, Jt. Director

मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात का कार्यालय,

नई दिल्ली, 1985

का. आ. 3334.—मैसर्स चण्डीगढ़ न्यूरोलोजिकल रिसर्च सेंटर, चण्डीगढ़ को एक नग अल्ट्रासाउंड डायग्नोस्टिक इक्विपमेंट माडल तोशिवा एस एम जी-40 ए और एस ए एल 30-ए का आयात करने के लिए लाइसेंस जारी करने की तारीख से 18 मास की अवधि की वैधता के साथ 11, 80, 584/- रुपये के लिए एक आयात लाइसेंस सं. पी./एफ/2032127/सी एक्स एक्स/94/एच/84 ए एल एस, दिनांक 18-2-1985 दिया गया था। अब पार्टी ने दोनों प्रतियों के लिए अनुलिपि आयात लाइसेंस देने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल आयात लाइसेंस खो गया/अस्थानस्थ हो गया है। लाइसेंसधारी ने यह बताते हुए कि आयात लाइसेंस किसी भी पलन प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं किया गया था और इस प्रकार लाइसेंस बिल्कुल भी उपयोग में नहीं लाया गया है और लाइसेंस के प्रति शेष धनराशि 11,80 584/-रुपये है, आवश्यक शपथ-पत्र दाखिल किया है।

शपथ-पत्र में यह यह भी घोषणा समाविष्ट की गई है कि आयात लाइसेंस बाढ़ में मिल जाने अथवा प्राप्त हो जाने पर उसे लाइसेंस जारी करने वाले प्राधिकारी को वापस कर दिया जाएगा। यह सन्तुष्ट होने पर कि आयात लाइसेंस की दोनों प्रतियां खो गई हैं, अधोहस्ताक्षरी निदेश देता है कि आवेदक को एक लाइसेंस जारी किया जाना चाहिए। आयात (निर्यात) आदेश, 1955 की धारा 9 की उप-धारा (घ) में दिए गए अधिकारों का उपयोग करते हुए, मैं भी एतद्वारा आयात लाइसेंस की दोनों प्रतियां खूद करता हूँ।

[फाइल सं. 14/29/ए एम-85/ए एल एस]

बी० आर० अहीर, उप मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

New Delhi, the 24th July, 1985

S.O. 3334.—M/s. Chandigarh Neurological Research Centre, Chandigarh were granted an Import Licence No. P/F/2032127/C/XX/94/H/84/ALS, dated 18-2-85 for import of one number Ultrasound Diagnostic Equipment Model Toshiba SSG-40-A and SAL 30-A, valued at Rs. 11,80,584 with a validity of 18 months from the date of issue. Now the party have applied for grant of a Duplicate Import Licence for both copies on the ground that the original import licence has been lost/misplaced. The licence has furnished the necessary affidavit stating the import licence has not been registered with any Customs Authority and as such the value of licence has not been utilised at all and the balance against the licence is Rs. 11,80,584.

A declaration has also been incorporated in the affidavit to the effect that in case the import licence is traced or found later on, it will be returned to the issuing authority. On being satisfied that both the copies of import licence have been lost, the undersigned directs that a duplicate licence should be issued to the applicant. I also in exercise of the powers conferred in Sub-clause (d) of clause 9 of the imports (Control) Order 1955, hereby cancel the both copies of the said import licence.

[File No. 14/29/AM85/ALS/327]

B. R. AHIR, Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

क. आ. 3335.—मैसर्स उत्तर प्रदेश मेडिकल सेंटर लखनऊ को 11,45,000 रुपये मूल्य के एक नम अलोक श्चकी कैमरा एलएस माडल एसएसडी - 280, मल्टी फ़ॉर्मेट कैमरा माडल एसएस जेड-110 और अल्ट्रा साउण्ड रिकार्डर माडल एसएसजेड-93 के लिए एक सेट आप्टीकल उपसाधित का आयात करने के लिए एक आयात लाइसेंस सं. पीएफ़ 2032125/सी/एक्सएक्स/94/एच/85/ए. एसएस दिनांक 16-2-85 जारी होने की तिथि से 18 महीने की वैधता अवधि के साथ जारी किया गया था। अब पार्टी इस आधार पर अनुर्तिप आयात लाइसेंस की दोनों प्रतियां जारी करने के लिए अनुरोध किया है कि मूल आयात लाइसेंस खो गया अस्थानस्थ हो गया है। लाइसेंस-

धारो ने यह बताते हुए एक आवश्यक शपथ पत्र दाखिल किया है कि लाइसेंस किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं था और इस प्रकार लाइसेंस का मूल्य बिल्कुल भी उपयोग में नहीं लाया गया था और लाइसेंस के मद्दे शेषांक 11,45,000 रुपए है।

शपथ पत्र में एक घोषणा यह भी शामिल की गई है कि यदि आयात लाइसेंस बाद में मिल जाता है या प्राप्त हो जाता है तो उसे जारीकर्ता प्राधिकारी को वापस कर दिया जाएगा। ऐसी सन्तुष्टि होने के पश्चात् कि आयात लाइसेंस की दोनों प्रतियां खो गई हैं, अधोहस्ताक्षरी यह निदेश देता है कि आवेदक को लाइसेंस जारी किया जाना चाहिए। मैं भी आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9 को उपधारा (घ) में प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए आयात लाइसेंस की दोनों प्रतियों को एतद्वारा रद्द करता हूँ।

[फाइल सं. 14/55/अप्रैल-माच 85/एलएस 328]

बी. आर. अहीर, उप मुख्य नियंत्रक, आयात, निर्यात
हुते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

S.O. 3335.—M/s. Uttar Pradesh Medical Centre, Lucknow were granted an Import Licence No. P/F/2082125/C/XX/94/H/85/ALS dated 16-2-85 for import of One set Optional Accessories for ECHO Camera-Multiformat Camera Model SSZ-110 and Ultrasound Recorder Model SSZ-93, value at Rs. 11,45,000 with a validity of 18 months from the date of issue. Now the party have applied for grant of a duplicate import licence for both copies on the ground that original import licence has been lost/misplaced. The Licensee has furnished the necessary a davit stating that the import licence has not been registered with any Customs Authority and as such the value of licence has not been utilised at all and the balance against the licence is Rs. 11,45,000.

A declaration has also been incorporated in the affidavit to the effect that in case the import licence is traced or found later on, it will be returned to the issuing authority. On being satisfied that the both copies of Import Licence have been lost the undersigned directs that a licence should be issued to the applicant. I also in exercise of the powers conferred in Sub-Clause (d) of Clause 9 of the imports (Control) order 1955, hereby cancel the both copies of the Import Licence.

[File No. 14/55/AM85/ALS/328]

B. R. AHIR, Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

साघ और नागरिक पुर्ति मंत्रालय

(नागरिक पुर्ति विभाग)

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून, 1985

का.आ. 3336:-- भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) नियम और विनियम- 1955 के नियम 3 के उपनियम (2) और विनियम 3 के उपनियम (2) एवं (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन भारतीय मानकों के ब्योरे दिये गये हैं, के 1982-07-31 की निर्धारित क्रिये गये हैं :

अनुसूची

| क्रम सं. | निर्धारित भारतीय मानकों की पद संख्या और शीर्षक | नये भारतीय मानक द्वारा रद्द हुए भारतीय मानक 18 की पदसंख्या और शीर्षक | अन्य विवरण |
|----------|--|--|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | IS 138-1981 पैंकेजों और पेट्रोल के डिब्बों पर निशान लगाने के लिए मिले-मिलाये रंगन की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण) | IS 138-1969 पैंकेजों और पेट्रोल के डिब्बों पर निशान लगाने के लिये मिले-मिलाये रंगन की विशिष्टि अभीष्ट रंग का (प्रथम पुनरीक्षण) | -- |
| 2 | IS 139-1981 रबड़ की मूहर से निशान लगाने के लिये जल्दी सूखने वाले मिले-मिलाये रंगन की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण) | IS 139-1969 रबड़ की मूहर से निशान लगाने के लिये जल्दी सूखने वाले मिले-मिलाये रंगन की विशिष्टि अभीष्ट रंग (प्रथम पुनरीक्षण) | -- |
| 3 | *IS 164-1981 सड़क पर निशान लगाने के लिये मिले-मिलाये रंगन की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | IS 164-1951 सड़क पर निशान लगाने के लिये मिले-मिलाये रंगन की विशिष्टि, भारतीय मानक रंग संख्या 356 सुतहरी पीला, और सफेद एवं काला | 1981-10-31 को निर्धारित *भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिये; IS 164-1981 1982-12-01 से लागू होगा। |
| 4 | IS:398(भाग 4)-1982 शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एलुमिनियम चानको की विशिष्टि; भाग 5 अतिरिक्त उच्च बोधता (400 किबो और उससे अधिक के लिए प्रसिद्धित हस्तात प्रबलित एलुमिनियम चानको। | -- | -- |
| 5 | IS:1448(भाग:67)-1982 पेट्रोलियम और उसके उत्पादों की परीक्षण पद्धतियाँ; (भाग:67) विक्रान्ति तेलों की संरूपण लक्षण (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:1448(भाग:67)-1967 पेट्रोलियम और उसके उत्पादों की परीक्षण पद्धतियाँ; (भाग 67) फेनल लक्षण | -- |
| 6 | IS:1559(भाग 4)-1982 फेरोमिनिक्न के रासायनिक विश्लेषण की पद्धतियाँ; भाग 4 फास्फोरम जान करना (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:1559-1961 फेरोमिश्रधातुओं के रासायनिक विश्लेषण की पद्धतियाँ | -- |
| 7 | *IS:1848-1981 लेखन और मुद्रण कागज की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण) | IS:1848-1971 लेखन और मुद्रण कागज की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | *भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिए; IS:1848-1981 1982-10-01 से लागू होगा। |
| 8 | IS:1919-1982 सोडियम हाइड्रो मल्फाइट की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:1919-1961 सोडियम हाइड्रोमल्फाइट। विशिष्टि | -- |
| 9 | IS:1944(भाग 6)-1981 सार्वजनिक मार्गों पर रोशनी करने की रीति संहिता भाग 6 घरों और नगर केन्द्रों तथा नागरिक महत्व के क्षेत्रों में रोशनी (युप ई) | तकनीकी की | -- |
| 10 | IS:1973-1981 गन्ने के कोन्कुरों की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण) | IS:1973-1973 गन्ने के कोन्कुरों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | -- |
| 11 | IS:2367-1981 बाक्स टाईप की खड़ी बरमा मशीनों की परीक्षण तालिका (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:2367-1963 बाक्स स्लैब बरमा मशीनों की परीक्षण तालिका | -- |
| 12 | IS:2478-1981 औद्योगिक एक्स-रे विज्ञान सम्बन्धी शब्दावली (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:2478-1963 औद्योगिक एक्स-रे विज्ञान सम्बन्धी शब्दावली | -- |
| 13 | *IS:2699-1982 पत्तियों और पत्ती पेशों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:2699-1964 पत्तियों और पत्ती पेशों की विशिष्टि | 1982-06-30 को निर्धारित *भारतीय मानक संस्था प्रमाण चिह्न, योजना के प्रयोजनों के लिये IS:2699-1982 1983-01-01 से लागू होगा। |
| 14 | IS:2984-1981 स्लिप गेजों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:2984-1966 स्लिप गेजों की विशिष्टि | -- |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|--|---|--|---|
| 15. IS:3109-(भाग-2) 2982 छोटी कड़ीवाली जंजीर ग्रेड एम (4) की विनिष्टि; भाग 2 धिरनी धानियों तथा अन्य उत्पादन उपकरणों के लिये अंशकित भार जंजीर (द्वितीय पुनरीक्षण) | IS:3109(भाग 2)-1970 गोल इस्पात कड़ी-वाली जंजीर (विद्युत कृत्वा वेल्डित) ग्रेड 40, की विनिष्टि भाग 2 धिरनी धानियों तथा अन्य उत्पादन उपकरणों के लिये अंशकित भार जंजीर (प्रथम पुनरीक्षण) | — | |
| 16. IS:3308-1981 लकड़ी के बुरादे से बनी संरचना पट्टियों की विनिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:3308-1969 लकड़ी के बुरादे से बनी संरचना पट्टियों की विनिष्टि | — | |
| 17. *IS:3502-1981 इस्पात की चैकदार प्लेट की विनिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:3502-1966 इस्पात की चैकदार प्लेट की विनिष्टि | *भारतीय मानक संस्था प्रमाणित चिन्ह योजना के प्रयोजनों के लिये, IS:3502-1981 1982-11-30 से लागू होगा | |
| 18. IS:3996-1982 थूकदान की विनिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:3996-1967 थूकदान की विनिष्टि | — | |
| 19. IS:4046(भाग 1)-1981 मलाई से बूने मदानि सूती जाधियों की विनिष्टि: भाग 1-2 प्लाई की मलाई से बूने (द्वितीय पुनरीक्षण) | IS:4046-1977 सूती बूने मदानि जाधियों की विनिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | 1982-02-31 को निर्धारित | |
| 20. IS:4294-1982 जिग बटनों की विनिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:4294-1967 जिग बटनों के माप | — | |
| 21. IS:4410(भाग 5)-1982 नवी घाटी परियोजनाओं सम्बन्धी शब्दावली भाग 5 नहरें (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:4410(भाग 5)-1967 नवी घाटी परियोजनाओं सम्बन्धी शब्दावली भाग 5 नहरें | — | |
| 22. IS:4853-1982 इस्पात पाईपों में संगलन वेल्डित टक्कर जोड़ों के रेडियोग्राफी निरीक्षण की अनुशासित रीति (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:4853-1968 इस्पात पाईपों में संगलन वेल्डित परिधि जोड़ों के रेडियोग्राफी परीक्षण की अनुशासित रीति | — | |
| 23. IS:5030 (भाग 1)-1982 धातुकर्तक पट्टी आरा ब्लोडों की विनिष्टि भाग 1 परिभाषाओं और शब्दावली (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:5030-1969 नम्यपृष्ठ धातुकर्तक पट्टी आरा ब्लेडों की विनिष्टि | — | |
| 24. IS:5036(भाग 2)-1982 धातुकर्तक पट्टी आरा फलकों की विनिष्टि भाग 2 छूटें (प्रथम पुनरीक्षण) | यथोपरि | — | |
| 25. IS:5143-1982 लकड़ी की समजतीय बैनाखी की विनिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:5143-1969 लकड़ी की समजतीय बैनाखी की विनिष्टि | — | |
| 26. IS:5182-(भाग 19)-1982 वायु प्रदूषण की मापन पद्धतियां, भाग 19 क्लोरीन | — | — | |
| 27. IS:5182 (भाग 20)-1982 वायु प्रदूषण की मापन पद्धतियां, भाग 20 कार्बन डाईऑक्साइड | — | — | |
| 28. IS :5616-1982 उत्पादन कार्यों के लिए छोटी कड़ी की जंजीर: स्वीकृति की सामान्य शर्तें (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:5616-1970 उत्पादन कार्यों के लिए विद्युत् कृत्वा वेल्डित इस्पात की जंजीर: स्वीकृति की सामान्य शर्तें | — | |
| 29. IS :5701(भाग 1)-1981 प्रयोगशाला जीवों के पोषण, देखभाल, प्रबन्ध और आवास की संहिता भाग 1 प्रयोगशाला चूहिया और बूढ़े (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:5701 (भाग 1)-1970 प्रयोगशाला जीवों के पोषण, देखभाल, प्रबन्ध और आवास की संहिता, भाग 1 प्रयोगशाला चूहिया और बूढ़े | — | |
| 30. IS 5701(भाग 6)-1981 प्रयोगशाला जीवों के पोषण, देखभाल, प्रबन्ध और आवास की संहिता, भाग 6 प्रयोगशाला कृपास बूढ़े (सिम्प्लोडोन हिस्पिड और सिम्प्लोडोन हिस्पिडस (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:5701 (भाग 6)-1974 प्रयोगशाला जीवों के पोषण, देखभाल, प्रबन्ध और आवास की संहिता भाग 6 प्रयोगशाला कृपास बूढ़े | — | |
| 31. IS: 5772-1982 कोयला काटने के औजारों की विनिष्टि पैरटवीक चपटे अग्रभाग वाले, टंगस्टन कार्बाइड की नोकवाले (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:5772-1970 कोयला काटने के औजारों की विनिष्टि पैरट वीक चपटे अग्रभाग वाले, टंगस्टन कार्बाइड की नोक वाले | — | |
| 32. IS: 6134(भाग 9)-1981 सूक्ष्मतरंग ट्यूबों के विद्युतीय लक्षणों की मापन पद्धतियों भाग 9 पृष्ठगामी तरंग दोलक ट्यूबों "ओ" टाइप | — | — | |
| 33. IS: 6205-1982 प्रोटों के लिये स्थिर साहकिय व्यायामक (प्रथम पुनरीक्षण) | IS:6205-1971 प्रोटों के लिये स्थिर साहकिय व्यायामक | — | |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-----|---|---|-----|
| 34. | IS 6215-1982 उत्पादन कार्यों के लिये छोटी कड़ी वाली अंतर्भाकित जंजीर ग्रेड टी (8) की विनिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | IS: 6215-1971 उत्पादन कार्यों के लिये इस्पात की गोल कड़ी वाली अंतर्भाकित जंजीर (विद्युत कुन्दा वेल्डित) ग्रेड 80 की विनिष्टि | --- |
| 35. | IS 6216-1982 घिरनी घातियों तथा अन्य उत्पादन उपकरणों के लिये छोटी कड़ी वाली अंशाकित जंजीर ग्रेड टी (8) विनिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) | IS 6216-1971 घिरनी घातियों तथा अन्य 1982-06-30 की निर्धारित उत्पादन उपकरणों के लिये मिश्रधातु इस्पात की अंशाकित भार जंजीर, ग्रेड 80 की विनिष्टि | --- |
| 36. | IS 7934-1981 शुष्ककीय अक्साइडों और सम्बन्ध भागों में बने वर्गाकार फोटो के माप (प्रथम पुनरीक्षण) | IS: 7934-1975 शुष्ककीय अक्साइडों और सम्बन्ध भागों में बने वर्गाकार फोटो के माप | --- |
| 37. | IS 8010 (भाग 2)-1982 तकनीकी रिपोर्ट सैयार करने के मार्गदर्शी सिद्धान्त भाग 2 व्यवहार्यता रिपोर्ट | --- | --- |
| 38. | IS 9900(भाग 1)-1981 उच्च दाब के पारदर्शक माप दीर्घों की विनिष्टि, भाग 1 अपेक्षार्य और प्ररीक्षण | --- | --- |
| 39. | IS: 9913-1981 आर-पार जन विकास कार्यों के निर्माण की रीति संहिता | --- | --- |
| 40. | IS 9941-1981 निम्न आवृत्ति केबलों और तारों के सादा और कलईदार तांबा चालकों की प्रतिरोधिता ज्ञानने की मार्गदर्शिका | --- | --- |
| 41. | IS 9973-1981 स्कूटर हेल्मेटों के अग्रभाग की विनिष्टि | --- | --- |
| 42. | IS: 9996-1981 पेट्रोलियम उद्योग में प्रयुक्त लार्डन पार्डप चूड़ियों की मापन रीति | --- | --- |
| 43. | IS 9998-1981 सूती लार्डनर वस्त्रों की विनिष्टि | --- | --- |
| 44. | IS 10015(भाग 1)-1981 पहनने के कपड़ों के साइज नाप, भाग 1 परिभाषाये और शरीर माप की प्रक्रिया | --- | --- |
| 45. | IS: 10017-1981 कोको बीन संग्रह संरचनाओं के निर्माण की रीति संहिता | --- | --- |
| 46. | IS 10019-1981 मृदु इस्पात टैकों और कोयलों की विनिष्टि | --- | --- |
| 47. | IS 10027-1981 560 वा एमी से अधिक बोल्डता के लिये एयरशैक स्थिती और पुनः तार लगाने योग्य टायरफ्यूजों की संयुक्त इकाईयों की विनिष्टि | --- | --- |
| 48. | IS 10045-1981 गैयर नमूने के लैकोमल अस्थि पंच की विनिष्टि | --- | --- |
| 49. | IS 10073-1982 प्लास्टिक के अंशाकित मापन मिलिडरो विनिष्टि | --- | --- |
| 50. | IS 10089-1981 घटना बूटों के लिये धातु के साबु की विनिष्टि | --- | --- |
| 51. | IS 10101-1982 अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के क्रम संख्याकन (आईएसएमएन) सम्बन्ध मार्गदर्शिका | --- | --- |
| 52. | IS 10105-1982 अतर्वहन इंजनों के लिये सिलिंडर दाब सकेतकों की फिटिंगों की विनिष्टि | --- | --- |
| 53. | IS 10124 (भाग 8)-1982 पेय जन पूर्ति के लिये निर्मित पीबीसी फिटिंगों की विनिष्टि भाग 8 900 बैटों की विनिष्टि अपेक्षार्य | --- | --- |
| 54. | IS 10124(भाग 10)-1982 पेय जन पूर्ति के लिये निर्मित पीबीसी फिटिंगों की विनिष्टि, भाग 10 450 बैटों की विनिष्टि अपेक्षार्य | --- | --- |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-----|---|-----|-----|
| 55. | IS 10125-1982 तांबा कार्बोनेट की विशिष्टि | --- | --- |
| 56. | IS 10131-1982 डोल उत्पादकों के लिये इस्पात की गोल कड़ी की जंजीर (विजली कुन्दा बेस्डित) की विशिष्टि । | --- | --- |
| 57. | IS 10152-1982 कागज उद्योग के टोम अपशिष्ट के उपयोग एवं निपटान के मार्गदर्शी सिद्धान्त | --- | --- |
| 58. | IS 10154-1982 अस्थि छेदन के लिये ब्लेड प्लेट की विशिष्टि थेलराइट—हैमन्ड नमूने की | --- | --- |
| 59. | IS 10155-1982 जाँच की निचली हड्डी के लिए ब्लेड प्लेट की विशिष्टि | --- | --- |
| 60. | IS 10157-1982 मैक गिल नमूने के ताँडी धाप यन्त्र की विशिष्टि | --- | --- |
| 61. | IS 10159-1982 ज्यु एट नमूने की उपरिसंधि कद कीम विशिष्टि | --- | --- |
| 62. | IS 10165-1982 पशु आहार के अंश के रूप में छिलका रहित सूरजमुखी की खमी की विशिष्टि | --- | --- |
| 63. | IS 10166-1982 कठोरता परीक्षण के लिये श्वेतपटल वर्गी उपस्करों की जाँच के लिये मानकीकृत परीक्षण ब्लॉक की अंशांकन पद्धति | --- | --- |
| 64. | IS 10167-1982 वार्षिक सामग्रियों पर स्थूल परीक्षण पद्धति | --- | --- |
| 65. | IS 10168-1982 खाद्य पदार्थों में फेनोटीपियान अवशेष ज्ञात करने की पद्धतियाँ | --- | --- |
| 66. | IS 10169-1982 फलों और सब्जियों में कार्बॉग्ल अवशेष ज्ञात करने की पद्धतियाँ | --- | --- |
| 67. | IS 10171-1982 खाद्य पदार्थों की पैकेजबन्दी के लिये प्लास्टिक की उपयुक्तता सम्बन्धी मार्गदर्शिका | --- | --- |
| 68. | IS 10172-1982 बरमा कमानी के बर और छिद्रों की विशिष्टि | --- | --- |
| 69. | IS 10174-1982 फवफोल्ड नमूने की कपाल कर्षण चिमटियों की विशिष्टि | --- | --- |

इन भारतीय मानकों की प्रतियाँ भारतीय, मानक संस्था मानक भवन, 8, बहादुर शाह जफर मार्ग, नयी दिल्ली में तथा अहमदाबाद, बंगलौर, बंबई, भोपाल, बंबेनेश्वर, कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, मोडली, पटना, और विजेश्वर, स्थित इसके शाखा कार्यालयों में विक्रयार्थ उपलब्ध है

[सं. सीएमडी/1113]

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Deptt. of Civil Supplies)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 10th June, 1985

S. O. 3336—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have established on 1982-07-31 :

SCHEDULE

| Sl. No. | No. and Title of the Indian Standards Established | No. and Title of the Indian Standard or Standards if any superseded by the new Indian Standard | Remarks if any |
|---------|--|--|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1. | IS : 138-1981 Specification for ready mixed paint, marking for packages and petrol containers (second revision) | IS : 138-1969 Specification for ready mixed paint, marking, for packages and petrol containers, colour as required. (first revision) | |
| 2. | IS : 139-1981 Specification for ready mixed paint, marking, quick drying, for marking with rubber stamps (second revision) | IS : 139-1969 Specification for ready mixed paint, marking, quick drying, for marking with rubber stamps, colour as required. (first revision) | |
| 3. | *IS : 154-1981 Specification for ready mixed paint for road marking (first revision) | IS : 164-1951 Specification for ready mixed paint, brushing, Standard colour No. 356 golden yellow and white and black. | Established on 1981-10-31 for purposes of ISI certification Marks Scheme; IS : 164-1981 shall come into force with effect from 1982-12-01 |
| 4. | IS : 398 (Part V)—1982 Specification for aluminium conductors for overhead transmission purposes Part V Aluminium conductors—galvanized steel-reinforced for extra high voltage (400 kV and above) | — | |
| 5. | IS : 1448 (P : 67)—1982 Methods of test for petroleum and its products (P : 67) forming characteristics of lubricating oils (first revision) | IS : 1448 (P : 67)—1967 Methods of test for petroleum and its products : P : 67 foaming characteristics. | |
| 6. | IS : 1559 (Part IV)—1982 Methods of chemical analysis of ferrosilicon Part IV Determination of phosphorus. (first revision) | IS : 1559-1961 Methods of chemical analysis of ferro-alloys. | Established on 1982-04-30 |
| 7. | *IS : 1848-1981 Specification for writing and printing papers. (second revision) | IS : 1848-1971 Specification for writing and printing papers. (first revision) | *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 1848-1981 shall come into force with effect from 1982-10-01 |
| 8. | IS : 1919-1982 Specification for sodium hydrosulphite. (first revision) | IS : 1919-1961 Specification for sodium hydrosulphite, technical. | |
| 9. | IS : 1944 (Part VI)—1981 Code of practice for lighting of public thoroughfares Part VI Lighting for town and city centres and areas of civic importance. (group E) | — | |
| 10. | IS : 1973-1981 Specification for sugarcane crushers. (second revision) | IS : 1973-1973 Specification for sugarcane crushers. (first revision) | |

| (1) | (2) | (3) | (4) |
|---|--|---|-----|
| 11. IS : 2367-1981 Test chart for box type vertical drilling machines (first revision) | IS : 2367-1963 Test chart for box column drilling machines. | --- | |
| 12. IS : 2478-1981 Glossary of terms relating to industrial radiology. (first revision) | IS : 2478-1963 Glossary of terms relating to industrial radiology. | --- | |
| 13. *IS : 2699-1982 Specification for flats and flats' screws. (first revision) | IS : 2699-1964 Specification for flats and flats' screws | Established on 1982-06-30. For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 2699-1982 shall come into force with effect from 1983-01-01 | |
| 14. IS : 2984-1981 Specification for slip gauges. (first revision) | IS : 2984-1966 Specification for slip gauges. | --- | |
| 15. IS : 3109 (Part II)—1982 Specification for short link chain, grade m(4) Part II Calibrated load chain for pulley blocks and other lifting appliances. (second revision) | IS : 3109 (Part II)—1970 Specification for round steel link chain (electric butt welded)-grade 40 : Part II calibrated load chain for pulley blocks and other lifting appliances. (first revision) | --- | |
| 16. IS : 3308-1981 Specification for wood wool building slabs. (first revision) | IS : 3308-1969 Specification for wood wool building slabs. | --- | |
| 17. *IS : 3502-1981 Specification for steel chequered plates. (first revision) | IS : 3502-1966 Specification for steel chequered plates. | *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 3502-1981 shall come into force with effect from 1982-11-30 | |
| 18. IS : 3996-1982 Specification for spittoons. (first revision) | IS : 3996-1967 Specification for spittoons. | --- | |
| 19. IS : 4046 (Part I)—1981 Specification for gent's cotton rib-knitted briefs Part I 1 x 1 2 Ply rib-knitted. (second revision) | IS : 4046-1977 Specification for gents—cotton, knitted briefs. (first revision) | Established on 1982-01-31 | |
| 20. IS : 4294-1982 Specification for jig buttons. (first revision) | IS : 4294-1967 Dimensions for Jigs buttons. | --- | |
| 21. IS : 4410 (Part V)—1982 Glossary of terms relating to river valley projects Part V Canals. (first revision) | IS : 4410 (Part V)—1968 Glossary of terms relating to river valley projects : Part V Canals. | --- | |
| 22. IS : 4853-1982 Recommended practice for radiographic inspection of fusion welded butt joints in steel pipes. (first revision) | IS : 4853-1968 Recommended practice for radiographic examination of fusion welded circumferential joints in steel pipes. | --- | |
| 23. IS : 5030 (Part I)—1982 Specification for metal cutting bandsaw blades Part I Definitions and terminology. (first revision) | IS : 5030-1969 Specification for flexible-back metal cutting saw blades. | --- | |
| 24. IS : 5030 (Part II)—1982 Specification for metal cutting bandsaw blades Part II Tolerances. (first revision) | -do- | --- | |

| (1) | (2) | (3) | (4) |
|--|-----|--|---------------------------|
| 25. IS : 5143-1982 Specification for adjustable wooden crutches (first revision) | | IS : 5143-1969 Specification for adjustable woollen crutches | — |
| 26. IS : 5182 (part XIX)—1982 Methods for measurement of air pollution Part XIX chlorine | | — | — |
| 27. IS : 5182 (Part XX)—1982 Methods for measurement of air pollution Part XX Carbon disulphide | | — | — |
| 28. IS : 5616-1982 Short Link chain for lifting purposes : general conditions of acceptance (first revision) | | IS : 5616-1970 Electric butt welded steel chains for lifting purposes : General conditions of acceptance | — |
| 29. IS : 5701 (Part I)—1981 Code for breeding care management and housing of laboratory animals Part I Laboratory mice and rats (first revision) | | IS : 5701 (Part I)—1970 code for breeding care management and housing of laboratory animals : Part I Laboratory mice and rats | — |
| 30. IS : 5701 (Part VI)—1981 Code for breeding care management and housing of laboratory animals. Part VI Laboratory cotton rats (<i>Sigmodon hispidus</i> and <i>sigmodon hispidus hispidus</i>) (first revision) | | IS : 5701 (Part VI)—1974 Code for breeding care management and housing of laboratory animals. Part VI laboratory cotton rats | — |
| 31. IS : 5772-1982 Specification for coal cutting tools, parrot-beak, flat-faced tungsten carbide tipped (first revision) | | IS : 5772-1970 Specification for coal cutting tools, parrot-beak, flat-faced tungsten carbide tipped | — |
| 32. IS : 6134 (Part IX)—1981 Methods of measurement of electrical characteristics of microwave tubes Part IX Backward-wave oscillator tube 'O' type | | — | — |
| 33. IS : 6205-1982 Specification for stationary cycle exerciser for adults (first revision) | | IS : 6205-1971 Specification for stationary cycle exerciser for adults | — |
| 34. IS : 6215-1982 Specification for short link chain, grade T(8), non-calibrated for lifting purposes (first revision) | | IS : 6215-1971 Specification for round steel link chain (electric butt welded), grade 80, non-calibrated for lifting purposes. | — |
| 35. IS : 6216-1982 Specification for short link chain, grade T(8) calibrated for pulley blocks and other lifting appliances (first revision) | | IS : 6216-1971 Specification for alloy steel calibrated load chain, grade 80, for pulley blocks and other lifting appliances | Established on 1982-06-30 |
| 36. IS : 7934-1981 Dimensions of square cores made of magnetic oxides and associated parts (first revision) | | IS : 7934-1976 Dimensions of square cores made of magnetic oxides and associated parts | — |
| 37. IS : 8010 (Part II)—1982 Guidelines for preparation of technical reports Part II Feasibility reports | | — | — |
| 38. IS : 9900 (Part I)—1981 Specification for high pressure mercury vapour lamps Part I Requirements and tests | | — | — |

| (1) | (2) | (3) | (4) |
|-----|---|-----|---------------------------|
| 39. | IS : 9913-1981 Code of practice for construction of cross drainage works | — | — |
| 40. | IS : 9941-1981 Guide to calculation of resistance of plain and tinned copper conductors of low frequency cables and wires | — | — |
| 41. | IS : 9973-1981 Specification for visor for scooter helmets | — | — |
| 42. | IS : 9996-1981 Gauging practice for line pipe threads used in petroleum industry | — | — |
| 43. | IS : 9998-1981 Specification for cotton liner fabrics | — | — |
| 44. | IS : 10015 (Part I)—1981 Size designation of clothes Part I Definitions and body measurement procedure | — | — |
| 45. | IS : 10017-1981 Code of practice for construction of cocoa beans storage structures | — | — |
| 46. | IS : 10019-1981 Specification for mild steel stays and fasteners | — | — |
| 47. | IS : 10029-1981 Specification for composite units of air-break switches and rewirable tyre fuses for voltages not exceeding 650 V AC | — | — |
| 48. | IS : 10045-1981 Specification for punch, lacrymal bone, Beyer's pattern | — | — |
| 49. | IS : 10073-1982 Specification for plastics graduated measuring cylinders | — | — |
| 50. | IS : 10089-1981 Specification for metal lasts for knee boots | — | — |
| 51. | IS : 10101-1982 Guide for international standard serial numbering (ISSN) | — | — |
| 52. | IS : 10105-1982 Specification for fittings for cylinder pressure indicators for internal combustion engines | — | — |
| 53. | IS : 10124—(Part VIII)—1982 Specification for fabricated VC fittings for potable water supplies Part VIII Specific requirements for 90° bends | — | — |
| 54. | IS : 10124 (Part X)—1982 Specification for fabricated pvc fittings for potable water supplies Part X specific requirements for 450° bends | — | — |
| 55. | IS : 10125-1982 Specification for copper carbonate | — | — |
| 56. | IS : 10131-1982 Specification for round steel link chain (electric butt welded) for bucket elevators | — | Established on 1982-06-30 |
| 57. | IS : 10152-1982 Guidelines for utilization and disposal of solid wastes from paper industry | — | — |
| 58. | IS : 10154-1982 Specification for blade plate, osteotomy, Wainwright-Hammond's pattern | — | — |

| (1) | (2) | (3) | (4) |
|-----|---|-----|-----|
| 59. | IS : 10155-1982 Specification for blade plate, femoral, lower | --- | --- |
| 60. | IS : 10157-1982 Specification for percussor neurological McGill's pattern | - | -- |
| 61. | IS : 10159-1982 Specification for nail, supracondylar Jewett's pattern | --- | -- |
| 62. | IS : 10165-1982 Specification for decorticated sunflower oilcake as livestock feed ingredient | - | -- |
| 63. | IS : 10166-1982 Method for calibration of standardized test block for verification of scleroscope hardness testing equipments | - | --- |
| 64. | IS : 10167-1982 Method for upsetting test on metallic materials | --- | --- |
| 65. | IS : 10168-1982 Methods for determination of fenitrothion residues in foods | - | --- |
| 66. | IS : 10167-1982 Methods for determination of carbaryl residues in fruits and vegetables | --- | --- |
| 67. | IS : 10171-1982 Guide on suitability of plastics for food packaging | -- | --- |
| 68. | IS : 10172-1982 Specification for burs and perforators for drill brace | -- | --- |
| 69. | IS : 10174-1982 Specification for tongs skull traction Crutchfield's pattern | --- | --- |

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi and also from its Branch Offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Bhopal, Bhubaneswar, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Mohali, Patna and Trivandrum.

[No. CMD 113 : 2]

| संख्या का. आ. | 3337:—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 252 लाइसेंसों के छोटे तोड़े अनुसूची में दिए गए हैं उनका सम्प्रदाय 1983 में नवीकरण किया गया है । | (1) | (2) | (3) |
|---------------|---|-----|---------|------------|
| | | 5 | 0024822 | 1984-11-30 |
| | | 6 | 0031718 | 1984-10-31 |
| | | 7 | 0034926 | 1984-10-31 |
| | | 8 | 0036122 | 1984-12-15 |
| | | 9 | 0036526 | 1984-02-29 |
| | अनुसूची | 10 | 0059235 | 1984-11-30 |
| | | 11 | 0059841 | 1984-11-30 |
| | | 12 | 0121618 | 1984-07-15 |
| | | 13 | 0132219 | 1984-11-15 |
| | | 14 | 0149034 | 1984-08-15 |
| | | 15 | 0149135 | 1984-08-15 |
| | | 16 | 0149236 | 1984-08-15 |
| | | 17 | 0151728 | 1984-09-15 |
| | | 18 | 0152528 | 1984-09-30 |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|-----|---------|------------|------|---------|------------|
| 19. | 0154027 | 1984-08-31 | 67. | 0392144 | 1984-09-30 |
| 20. | 0173031 | 1984-10-31 | 68. | 0393853 | 1984-08-31 |
| 21. | 0176744 | 1984-10-31 | 69. | 0394451 | 1984-09-30 |
| 22. | 0180230 | 1984-10-31 | 70. | 0395655 | 1984-09-30 |
| 23. | 0194241 | 1984-08-15 | 71. | 0396657 | 1984-06-30 |
| 24. | 0195445 | 1984-09-30 | 72. | 0400218 | 1984-10-31 |
| 25. | 0207951 | 1984-10-31 | 73. | 0401018 | 1984-10-31 |
| 26. | 0208327 | 1984-10-31 | 74. | 0403224 | 1984-11-30 |
| 27. | 0215829 | 1984-09-30 | 75. | 0404125 | 1984-11-15 |
| 28. | 0216124 | 1984-09-30 | 76. | 0404226 | 1984-11-15 |
| 29. | 0217025 | 1984-09-30 | 77. | 0405935 | 1984-11-15 |
| 30. | 0221925 | 1984-02-01 | 78. | 0409034 | 1984-11-15 |
| 31. | 0223020 | 1984-09-30 | 79. | 0410322 | 1984-09-30 |
| 32. | 0223222 | 1984-08-31 | 80. | 0411021 | 1984-09-30 |
| 33. | 0223727 | 1984-09-30 | 81. | 0421529 | 1984-08-31 |
| 34. | 0228232 | 1984-09-30 | 82. | 0422026 | 1984-10-31 |
| 35. | 0230724 | 1984-08-31 | 83. | 0431633 | 1984-08-31 |
| 36. | 0238336 | 1984-08-31 | 84. | 0441232 | 1984-10-31 |
| 37. | 0238437 | 1984-08-31 | 85. | 0441333 | 1984-10-31 |
| 38. | 0240424 | 1984-09-15 | 86. | 0450536 | 1984-08-31 |
| 39. | 0240626 | 1984-09-15 | 87. | 0450637 | 1984-08-31 |
| 40. | 0245737 | 1984-03-31 | 88. | 0456144 | 1984-08-31 |
| 41. | 0245838 | 1984-03-31 | 89. | 0460741 | 1984-09-15 |
| 42. | 0258140 | 1984-09-15 | 90. | 0462644 | 1984-08-31 |
| 43. | 0259546 | 1984-09-30 | 91. | 0465044 | 1984-09-30 |
| 44. | 0262989 | 1984-08-31 | 92. | 0465751 | 1984-09-30 |
| 45. | 0270635 | 1984-10-31 | 93. | 0465852 | 1984-09-30 |
| 46. | 0273035 | 1984-10-31 | 94. | 0466854 | 1984-09-15 |
| 47. | 0274441 | 1984-09-30 | 95. | 0466955 | 1984-09-15 |
| 48. | 0287955 | 1984-08-31 | 96. | 0469860 | 1984-09-30 |
| 49. | 0299962 | 1984-09-30 | 97. | 0470845 | 1984-09-30 |
| 50. | 0300517 | 1984-09-30 | 98. | 0471241 | 1984-09-30 |
| 51. | 0309232 | 1984-07-16 | 99. | 0471544 | 1984-09-30 |
| 52. | 0313627 | 1984-08-31 | 100. | 0475552 | 1984-10-31 |
| 53. | 0315631 | 1984-11-15 | 101. | 0476554 | 1984-10-31 |
| 54. | 0316835 | 1984-09-30 | 102. | 0478457 | 1984-11-15 |
| 55. | 0319033 | 1984-05-31 | 103. | 0478659 | 1984-11-15 |
| 56. | 0319942 | 1984-10-31 | 104. | 0479257 | 1984-11-15 |
| 57. | 0322022 | 1984-05-15 | 105. | 0482044 | 1984-08-31 |
| 58. | 0333532 | 1984-08-31 | 106. | 0485555 | 1984-11-30 |
| 59. | 0334433 | 1984-03-31 | 107. | 0548654 | 1984-09-15 |
| 60. | 0338340 | 1984-08-31 | 108. | 0550136 | 1983-12-31 |
| 61. | 0351433 | 1984-09-30 | 109. | 0554043 | 1984-09-30 |
| 62. | 0354139 | 1984-09-30 | 110. | 0584254 | 1984-10-31 |
| 63. | 0355643 | 1984-09-30 | 111. | 0584355 | 1984-10-31 |
| 64. | 0368349 | 1984-11-15 | 112. | 0585054 | 1984-10-31 |
| 65. | 0378453 | 1984-08-31 | 113. | 0585256 | 1984-10-31 |
| 66. | 0382747 | 1984-11-15 | | | |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|------|----------|------------|------|---------|------------|
| 114. | 0585357 | 1984-10-31 | 157. | 0789575 | 1984-08-15 |
| 115. | 0594358 | 1984-10-31 | 158. | 0790459 | 1984-08-15 |
| 116. | 0629755 | 1984-11-30 | 159. | 0798172 | 1984-09-15 |
| 117. | 0637047 | 1984-08-15 | 160. | 0799376 | 1984-09-15 |
| 118. | 0637451 | 1984-08-31 | 161. | 0799477 | 1984-09-15 |
| 119. | 0638150 | 1984-08-31 | 162. | 0799578 | 1984-09-30 |
| 120. | 0640137 | 1984-09-15 | 163. | 0800739 | 1984-10-31 |
| 121. | 0643547 | 1984-09-30 | 164. | 0804141 | 1984-10-15 |
| 122. | 0643648 | 1984-09-30 | 165. | 0804242 | 1984-10-15 |
| 123. | 0643749 | 1984-09-15 | 166. | 0804545 | 1984-10-15 |
| 124. | 0646452 | 1984-02-16 | 167. | 0806852 | 1984-10-31 |
| 125. | 0648254 | 1984-10-31 | 168. | 0807450 | 1984-10-31 |
| 126. | 0648355 | 1984-10-31 | 169. | 0809050 | 1984-11-15 |
| 127. | 0650746 | 1984-10-31 | 170. | 0809151 | 1984-11-15 |
| 128. | 0653247 | 1984-11-15 | 171. | 0811744 | 1984-11-15 |
| 129. | 0660446 | 1984-11-15 | 172. | 0815247 | 1984-11-30 |
| 130. | 0663149 | 1984-09-30 | 173. | 0815054 | 1984-11-15 |
| 131. | 0670348 | 1984-10-15 | 174. | 0816754 | 1984-11-30 |
| 132. | 0715546 | 1984-08-31 | 175. | 0820038 | 1984-10-31 |
| 133. | 0719453 | 1984-09-15 | 176. | 0876570 | 1984-06-30 |
| 134. | 0719756 | 1984-09-15 | 177. | 0878069 | 1984-09-30 |
| 135. | 07210336 | 1984-11-15 | 178. | 0887878 | 1984-09-15 |
| 136. | 0721743 | 1984-09-15 | 179. | 0887979 | 1984-09-30 |
| 137. | 0722139 | 1984-09-30 | 180. | 0891061 | 1984-08-31 |
| 138. | 0722442 | 1984-09-30 | 181. | 0891465 | 1984-08-31 |
| 139. | 0726551 | 1984-10-15 | 182. | 0894168 | 1984-09-15 |
| 140. | 0727957 | 1984-10-31 | 183. | 0894976 | 1984-09-15 |
| 141. | 0728353 | 1984-10-31 | 184. | 0895372 | 1984-08-31 |
| 142. | 0730037 | 1984-11-15 | 185. | 0898479 | 1984-09-30 |
| 143. | 0730976 | 1984-11-15 | 186. | 0900743 | 1984-09-30 |
| 144. | 0731039 | 1984-11-15 | 187. | 0905046 | 1984-10-15 |
| 145. | 0731443 | 1984-11-15 | 188. | 0905147 | 1984-10-15 |
| 146. | 0732142 | 1984-11-15 | 189. | 0905248 | 1984-10-15 |
| 147. | 0733144 | 1984-11-15 | 190. | 0908254 | 1984-10-31 |
| 148. | 0734752 | 1984-11-30 | 191. | 0911344 | 1984-11-15 |
| 149. | 0735350 | 1984-11-30 | 192. | 0911445 | 1984-11-15 |
| 150. | 0735653 | 1984-11-30 | 193. | 0911748 | 1984-11-15 |
| 151. | 0735754 | 1984-11-30 | 194. | 0911950 | 1984-10-31 |
| 152. | 0741244 | 1983-12-15 | 195. | 0912043 | 1984-10-31 |
| 153. | 0752956 | 1984-02-29 | 196. | 0912447 | 1984-11-15 |
| 154. | 0753049 | 1984-02-29 | 197. | 0913045 | 1984-11-15 |
| 155. | 0753150 | 1984-02-15 | 198. | 0914047 | 1984-12-31 |
| 156. | 0781054 | 1984-09-30 | 199. | 0924757 | 1985-12-31 |
| | | | 200. | 0927864 | 1984-01-15 |
| | | | 201. | 0932251 | 1984-01-31 |
| | | | 202. | 0976473 | 1984-06-30 |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|------|---------|------------|------|---------|------------------------|
| 203. | 0985171 | 1984-08-15 | 249. | 1133830 | 1984-11-15 |
| 204. | 0986375 | 1984-08-15 | 250. | 1134228 | 1984-11-30 |
| 205. | 0981166 | 1984-09-15 | 251. | 1137032 | 1984-11-15 |
| 206. | 0992168 | 1984-09-15 | 252. | 1150125 | 1984-10-31 |
| 207. | 0992076 | 1984-09-15 | | | |
| 208. | 0893572 | 1984-09-15 | | | |
| 209. | 0993473 | 1984-09-15 | | | [सं. सी एम डी/13 : 12] |
| 210. | 0997178 | 1984-09-30 | | | |
| 211. | 1000005 | 1985-04-30 | | | |
| 212. | 1002009 | 1984-11-15 | | | |
| 213. | 1004518 | 1984-10-31 | | | |
| 214. | 1005015 | 1984-11-15 | | | |
| 215. | 1005621 | 1984-11-15 | | | |
| 216. | 1006825 | 1984-11-15 | | | |
| 217. | 1007019 | 1984-11-15 | | | |
| 218. | 1008021 | 1984-11-15 | | | |
| 219. | 1009932 | 1984-11-30 | | | |
| 220. | 1010715 | 1984-11-30 | | | |
| 221. | 1064132 | 1984-04-15 | | | |
| 222. | 1065235 | 1984-04-15 | | | |
| 223. | 1087043 | 1984-06-15 | | | |
| 224. | 1090941 | 1984-06-15 | | | |
| 225. | 1092642 | 1984-06-30 | | | |
| 226. | 1111115 | 1984-08-31 | | | |
| 227. | 1111216 | 1984-08-31 | | | |
| 228. | 1112725 | 1984-09-15 | | | |
| 229. | 1115022 | 1984-08-31 | | | |
| 230. | 1115527 | 1984-09-15 | | | |
| 231. | 1117834 | 1984-09-30 | | | |
| 232. | 1119939 | 1984-09-30 | | | |
| 233. | 1120015 | 1984-10-15 | | | |
| 234. | 1120520 | 1984-10-15 | | | |
| 235. | 1121623 | 1984-10-15 | | | |
| 236. | 1122221 | 1984-10-15 | | | |
| 237. | 1122726 | 1984-10-15 | | | |
| 238. | 1124023 | 1984-10-15 | | | |
| 239. | 1124326 | 1984-10-15 | | | |
| 240. | 1125126 | 1984-10-31 | | | |
| 241. | 1126623 | 1984-10-31 | | | |
| 242. | 1127130 | 1984-10-31 | | | |
| 243. | 1127231 | 1984-10-31 | | | |
| 244. | 1127332 | 1984-10-31 | | | |
| 245. | 1129033 | 1984-11-15 | | | |
| 246. | 1130119 | 1984-11-15 | | | |
| 247. | 1131525 | 1984-11-30 | | | |
| 248. | 1131727 | 1984-11-15 | | | |

S. O. 3337 :—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that 252 licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of November, 1983.

SCHEDULE

| No. | CM/L. No. | Valid upto |
|-----|-----------|------------|
| (1) | (2) | (3) |
| 1 | 0002408 | 1984 10 15 |
| 2 | 0009624 | 1984 09 30 |
| 3 | 0019526 | 1984 09 30 |
| 4 | 0020511 | 1984 11 30 |
| 5 | 0024822 | 1984 11 30 |
| 6 | 0031718 | 1984 10 31 |
| 7 | 0034926 | 1984 10 31 |
| 8 | 0036122 | 1984 12 15 |
| 7 | 0036526 | 1984 02 27 |
| 10 | 0059235 | 1984 11 30 |
| 11. | 0059841 | 1984 11 30 |
| 12. | 0121618 | 1984 07 15 |
| 13. | 0132219 | 1984 11 15 |
| 14. | 0149034 | 1984 08 15 |
| 15. | 0149135 | 1984 08 15 |
| 16. | 0149236 | 1984 08 15 |
| 17. | 0151728 | 1984 09 15 |
| 18. | 0152528 | 1984 09 30 |
| 19. | 0154027 | 1984 08 31 |
| 20. | 0173031 | 1984 10 31 |
| 21. | 0176744 | 1984 10 31 |
| 22. | 0180230 | 1984 10 31 |
| 23. | 0194241 | 1984 08 15 |
| 24. | 0195445 | 1984 09 30 |

| 1 | 2 | 3 | (1) | (2) | (3) |
|-----|---------|------------|------|----------|------------|
| 25. | 0207931 | 1984 10 31 | 72. | 0400218 | 1984 10 31 |
| 26. | 0208327 | 1984 10 31 | 73. | 0401018 | 1984 10 31 |
| 27. | 0215829 | 1984 09 30 | 74. | 0403224 | 1984 11 30 |
| 28. | 0216124 | 1984 09 30 | 75. | 0404125 | 1984 11 15 |
| 29. | 0217025 | 1984 09 30 | 76. | 0404226 | 1984 11 15 |
| 30. | 0221925 | 1984 02 01 | 77. | 04045935 | 1984 11 15 |
| 31. | 0223020 | 1984 09 30 | 78. | 0409034 | 1984 11 15 |
| 32. | 0223222 | 1984 08 31 | 79. | 0410322 | 1984 09 30 |
| 33. | 0223727 | 1984 09 30 | 80. | 0411021 | 1984 09 30 |
| 34. | 0228232 | 1984 09 30 | 81. | 0421529 | 1984 08 31 |
| 35. | 0230724 | 1984 08 31 | 82. | 0422026 | 1984 10 31 |
| 36. | 0238336 | 1984 08 31 | 83. | 0431633 | 1984 08 31 |
| 37. | 0238437 | 1984 08 31 | 84. | 0441232 | 1984 10 31 |
| 38. | 0240424 | 1984 09 15 | 85. | 0441333 | 1984 10 31 |
| 39. | 0240626 | 1984 09 15 | 86. | 0450536 | 1984 08 31 |
| 40. | 0245737 | 1984 03 31 | 87. | 0450637 | 1984 08 31 |
| 41. | 0245838 | 1984 03 31 | 88. | 0456144 | 1984 08 31 |
| 42. | 0258140 | 1984 09 15 | 89. | 0460741 | 1984 09 15 |
| 43. | 0259546 | 1984 09 30 | 90. | 0462644 | 1984 08 31 |
| 44. | 0262939 | 1984 08 31 | 91. | 0465044 | 1984 09 30 |
| 45. | 0270635 | 1984 10 31 | 92. | 0465751 | 1984 09 30 |
| 46. | 0273035 | 1984 10 31 | 93. | 0465852 | 1984 09 30 |
| 47. | 0274441 | 1984 09 30 | 94. | 9466854 | 1984 09 15 |
| 48. | 0287955 | 1984 08 31 | 95. | 0466955 | 1984 09 15 |
| 49. | 0299962 | 1984 09 30 | 96. | 0469860 | 1984 09 30 |
| 50. | 0300517 | 1984 09 30 | 97. | 0470845 | 1984 09 30 |
| 51. | 0309232 | 1984 07 16 | 98. | 0471241 | 1984 09 30 |
| 52. | 0313627 | 1984 08 31 | 99. | 0471544 | 1984 09 30 |
| 53. | 0315631 | 1984 11 15 | 100. | 0475552 | 1984 10 31 |
| 54. | 0316835 | 1984 09 30 | 101. | 0476554 | 1984 10 31 |
| 55. | 0319033 | 1085 05 31 | 102. | 0478457 | 1984 11 15 |
| 56. | 0319942 | 1984 10 31 | 103. | 0478659 | 1984 11 15 |
| 57. | 0322022 | 1684 05 15 | 104. | 0479257 | 1984 11 15 |
| 58. | 0333532 | 1984 08 31 | 105. | 0482044 | 1984 08 31 |
| 59. | 0334433 | 1984 03 31 | 106. | 0485555 | 1984 11 30 |
| 60. | 0338340 | 1984 08 31 | 107. | 0548654 | 1984 09 15 |
| 61. | 0351433 | 1984 09 30 | 108. | 0550136 | 1983 12 31 |
| 62. | 0354439 | 1984 09 30 | 109. | 0554043 | 1984 09 30 |
| 63. | 0355643 | 1984 09 30 | 110. | 0584254 | 1984 10 31 |
| 64. | 0368349 | 1984 11 15 | 111. | 0584355 | 1984 10 31 |
| 65. | 0378453 | 1984 08 31 | 112. | 0585054 | 1984 10 31 |
| 66. | 0382747 | 1984 11 15 | 113. | 0585256 | 1984 10 31 |
| 67. | 0392144 | 1984 09 30 | 114. | 0585357 | 1984 10 31 |
| 68. | 0393853 | 1984 08 31 | 115. | 0594358 | 1984 10 31 |
| 69. | 0394451 | 1984 09 30 | 116. | 0629755 | 1984 11 30 |
| 70. | 0395655 | 1984 09 30 | 117. | 0637047 | 1984 08 15 |
| 71. | 0396657 | 1984 06 30 | 118. | 0637451 | 1984 08 31 |
| | | | 119. | 0638150 | 1984 08 31 |
| | | | 120. | 0640137 | 1984 09 15 |
| | | | 121. | 0643547 | 1984 09 30 |
| | | | 122. | 0643648 | 1984 09 30 |
| | | | 123. | 0643749 | 1984 09 15 |
| | | | 124. | 0646452 | 1984 02 16 |
| | | | 125. | 0648254 | 1984 10 31 |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 126. | 0648355 | 1984 10 31 | 179. | 0887979 | 1984 09 30 |
| 127. | 0650746 | 1984 10 31 | 180. | 0891061 | 1984 08 31 |
| 128. | 0653247 | 1984 11 15 | 181. | 0891465 | 1984 08 31 |
| 129. | 0660446 | 1984 11 15 | 182. | 0894168 | 1984 09 15 |
| 130. | 0663149 | 1984 09 30 | 183. | 0894976 | 1984 09 15 |
| 131. | 0670348 | 1984 10 15 | 184. | 0895372 | 1084 08 31 |
| 132. | 0715546 | 1984 08 31 | 185. | 0898479 | 1984 09 30 |
| 133. | 0719453 | 1984 09 15 | 186. | 0900743 | 1984 09 30 |
| 134. | 0719756 | 1984 09 15 | 187. | 0905046 | 1984 10 15 |
| 135. | 0721036 | 1984 11 15 | 188. | 0905147 | 1984 10 15 |
| 136. | 0271745 | 1984 09 15 | 189. | 0905248 | 1984 10 15 |
| 137. | 0722139 | 1984 09 30 | 190. | 0908254 | 1984 10 31 |
| 138. | 0722442 | 1984 09 30 | 191. | 0911344 | 1984 11 15 |
| 139. | 0726551 | 1984 10 15 | 192. | 0911445 | 1984 11 15 |
| 140. | 0727957 | 1984 10 31 | 193. | 9111748 | 1984 11 15 |
| 141. | 0728353 | 1984 10 31 | 194. | 0911950 | 1984 10 31 |
| 142. | 0730037 | 1984 11 15 | 195. | 0912043 | 1984 10 31 |
| 143. | 0730976 | 1984 11 15 | 196. | 0912447 | 1984 11 15 |
| 144. | 0731039 | 1984 11 15 | 197. | 0913045 | 1984 11 15 |
| 145. | 0731443 | 1984 11 15 | 198. | 0914047 | 1983 12 31 |
| 146. | 0732142 | 1984 11 15 | 199. | 0924757 | 1983 12 31 |
| 147. | 0733144 | 1984 11 15 | 200. | 0927864 | 1984 01 15 |
| 148. | 0734752 | 1984 11 30 | 201. | 0932251 | 1984 01 31 |
| 149. | 0735350 | 1984 11 30 | 202. | 0976473 | 1984 06 30 |
| 150. | 0735653 | 1094 11 30 | 203. | 0985171 | 1984 08 15 |
| 151. | 0735754 | 1984 11 30 | 204. | 0986375 | 1984 08 15 |
| 152. | 0741244 | 1983 12 15 | 205. | 0991166 | 1984 09 15 |
| 153. | 0752956 | 1984 02 29 | 206. | 0992168 | 1984 09 15 |
| 154. | 0753049 | 1984 02 29 | 207. | 0992976 | 1984 09 15 |
| 155. | 0753150 | 1984 02 15 | 208. | 0993372 | 1984 09 15 |
| 156. | 0781054 | 1984 09 30 | 209. | 0993473 | 1984 09 15 |
| 157. | 0789575 | 1984 08 15 | 210. | 0997178 | 1984 09 30 |
| 158. | 0790459 | 1984 08 15 | 211. | 1000005 | 1985 04 30 |
| 159. | 0798172 | 1984 09 15 | 212. | 1002009 | 1984 11 15 |
| 160. | 0799376 | 1984 09 15 | 213. | 1004518 | 1984 10 31 |
| 161. | 0799477 | 1984 09 15 | 214. | 1005015 | 1984 11 15 |
| 162. | 0799578 | 1984 09 30 | 215. | 1005621 | 1984 11 15 |
| 163. | 0800739 | 1984 10 31 | 216. | 1006825 | 1984 11 15 |
| 164. | 0804141 | 1984 10 15 | 217. | 1007019 | 1984 11 15 |
| 165. | 0804242 | 1984 10 15 | 218. | 1008021 | 1984 11 15 |
| 166. | 0804545 | 1984 10 15 | 219. | 1009932 | 1984 11 30 |
| 167. | 0806852 | 1984 10 31 | 220. | 1010715 | 1984 11 30 |
| 168. | 0807450 | 1984 10 31 | 221. | 1064132 | 1984 04 15 |
| 169. | 809050 | 1984 11 15 | 222. | 1065235 | 1984 04 15 |
| 170. | 0809151 | 1984 11 15 | 223. | 1087043 | 1984 06 15 |
| 171. | 0811744 | 1984 11 15 | 224. | 1090941 | 1984 06 15 |
| 172. | 0815247 | 1984 11 30 | 225. | 1092642 | 1984 06 30 |
| 173. | 0815954 | 1981 11 15 | 226. | 1111115 | 1984 08 31 |
| 174. | 0816754 | 1984 11 30 | 227. | 1111216 | 1984 08 31 |
| 175. | 0820038 | 1984 10 31 | 228. | 1112723 | 1984 09 15 |
| 176. | 0876570 | 1984 06 30 | 229. | 1115022 | 1984 08 31 |
| 177. | 0878069 | 1983 09 30 | 230. | 1115527 | 1984 09 15 |
| 178. | 0887878 | 1984 08 15 | 231. | 1117834 | 1984 09 30 |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|------|---------|------------|-----|---------|------------|
| 232. | 1119939 | 1984 09 30 | 8. | 0059136 | 1984-11-30 |
| 233. | 1120015 | 1984 10 15 | 9. | 0064935 | 1984-10-31 |
| 234. | 1120520 | 1984 10 15 | 10. | 0085151 | 1984-11-15 |
| 235. | 1121623 | 1984 10 15 | 11. | 0063252 | 1984-11-15 |
| 236. | 1122221 | 1984 10 15 | 12. | 0084458 | 1984-11-30 |
| 237. | 1122726 | 1984 10 15 | 13. | 0084557 | 1984-11-30 |
| 238. | 1124023 | 1984 10 15 | 14. | 0061730 | 1984-05-31 |
| 239. | 1124326 | 1984 10 15 | 15. | 0085367 | 1984-11-30 |
| 240. | 1125126 | 1984 10 31 | 16. | 0085559 | 1984-11-30 |
| 241. | 1126623 | 1984 10 31 | 17. | 0086945 | 1984-11-30 |
| 242. | 1127130 | 1984 10 31 | 18. | 0067058 | 1984-11-30 |
| 243. | 1127231 | 1984 10 31 | 19. | 0087240 | 1984-11-30 |
| 244. | 1127332 | 1984 10 31 | 20. | 0087442 | 1984-11-30 |
| 245. | 1129033 | 1984 11 15 | 21. | 0087644 | 1984-11-30 |
| 246. | 1130119 | 1984 11 15 | 22. | 0088040 | 1984-11-30 |
| 247. | 1131525 | 1984 11 30 | 23. | 0088242 | 1984-11-30 |
| 248. | 1131727 | 1984 11 15 | 24. | 0088444 | 1984-11-30 |
| 249. | 1133630 | 1984 11 15 | 25. | 0086646 | 1984-11-30 |
| 250. | 1134228 | 1984 11 30 | 26. | 0091029 | 1984-11-30 |
| 251. | 1137032 | 1984 11 15 | 27. | 0092758 | 1984-11-30 |
| 252. | 1130125 | 1984 10 31 | 28. | 0092839 | 1984-11-30 |

[N.S. CMD/13:12]

का० भा० 3338 :- समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिल्ड) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 424 साइसेंसों के बारे में नीचे अनुसूची में दिए गए हैं उनका विसम्बर 1983 में नवीनीकरण किया गया है।

अनुसूची

| क्रम संख्या | सी/एम/एस संख्या | वैध: तक |
|-------------|-----------------|------------|
| (1) | (2) | (3) |
| 1. | 0021614 | 1984-12-15 |
| 2. | 0036950 | 1984-12-31 |
| 3. | 0055820 | 1984-08-31 |
| 4. | 0054427 | 1984-12-31 |
| 5. | 0054750 | 1984-12-15 |
| 6. | 0055329 | 1984-12-31 |
| 7. | 0065420 | 1984-10-31 |
| 8. | 0059136 | 1984-11-30 |
| 9. | 0064935 | 1984-10-31 |
| 10. | 0085151 | 1984-11-15 |
| 11. | 0063252 | 1984-11-15 |
| 12. | 0084458 | 1984-11-30 |
| 13. | 0084557 | 1984-11-30 |
| 14. | 0061730 | 1984-05-31 |
| 15. | 0085367 | 1984-11-30 |
| 16. | 0085559 | 1984-11-30 |
| 17. | 0086945 | 1984-11-30 |
| 18. | 0067058 | 1984-11-30 |
| 19. | 0087240 | 1984-11-30 |
| 20. | 0087442 | 1984-11-30 |
| 21. | 0087644 | 1984-11-30 |
| 22. | 0088040 | 1984-11-30 |
| 23. | 0088242 | 1984-11-30 |
| 24. | 0088444 | 1984-11-30 |
| 25. | 0086646 | 1984-11-30 |
| 26. | 0091029 | 1984-11-30 |
| 27. | 0092758 | 1984-11-30 |
| 28. | 0092839 | 1984-11-30 |
| 29. | 0093437 | 1984-11-30 |
| 30. | 0094641 | 1984-11-30 |
| 31. | 0095845 | 1984-11-30 |
| 32. | 0114924 | 1984-12-15 |
| 33. | 0120919 | 1984-11-30 |
| 34. | 0121921 | 1984-12-31 |
| 35. | 0123723 | 1984-12-15 |
| 36. | 0128935 | 1984-11-30 |
| 37. | 0143325 | 1984-12-15 |
| 38. | 0154532 | 1984-11-15 |
| 39. | 0164232 | 1984-10-31 |
| 40. | 0164939 | 1984-11-15 |
| 41. | 0169848 | 1985-06-30 |
| 42. | 0170732 | 1984-11-15 |
| 43. | 0171532 | 1984-12-15 |
| 44. | 0171633 | 1984-12-15 |
| 45. | 0181737 | 1984-10-31 |
| 46. | 0186949 | 1984-12-15 |
| 47. | 0188246 | 1984-12-31 |
| 48. | 0191639 | 1984-12-31 |
| 49. | 0196750 | 1984-09-15 |
| 50. | 0198754 | 1984-10-31 |
| 51. | 0203822 | 1984-09-30 |
| 52. | 0208024 | 1984-10-31 |
| 53. | 0208630 | 1984-10-31 |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 54. | 0209735 | 1984-12-15 | 101. | 0414128 | 1984-12-15 |
| 55. | 0216730 | 1984-12-15 | 102. | 0414229 | 1984-12-15 |
| 56. | 0217530 | 1984-12-15 | 103. | 0414532 | 1984-12-15 |
| 57. | 0217833 | 1984-12-31 | 104. | 0418843 | 1984-12-15 |
| 58. | 0221319 | 1985-01-15 | 105. | 0437544 | 1984-11-15 |
| 59. | 0225428 | 1984-10-31 | 106. | 0455041 | 1984-10-15 |
| 60. | 0245636 | 1984-11-15 | 107. | 0464345 | 1984-11-30 |
| 61. | 0247741 | 1984-11-15 | 108. | 0471445 | 1984-09-30 |
| 62. | 0251328 | 1984-12-15 | 109. | 0474954 | 1984-10-31 |
| 63. | 0254435 | 1984-12-15 | 110. | 0475047 | 1984-10-31 |
| 64. | 0267848 | 1984-11-30 | 111. | 0476251 | 1984-12-15 |
| 65. | 0269044 | 1984-11-15 | 112. | 0476453 | 1984-06-15 |
| 66. | 0273843 | 1984-11-30 | 113. | 0478154 | 1984-10-31 |
| 67. | 0274643 | 1984-12-15 | 114. | 0478962 | 1984-10-31 |
| 68. | 0277245 | 1984-10-31 | 115. | 0479661 | 1984-11-30 |
| 69. | 0278247 | 1984-10-15 | 116. | 0480040 | 1984-11-30 |
| 70. | 0281034 | 1984-11-15 | 117. | 0481547 | 1984-11-30 |
| 71. | 0282238 | 1984-11-30 | 118. | 0482246 | 1984-11-30 |
| 72. | 0282541 | 1984-11-30 | 119. | 0462953 | 1984-12-31 |
| 73. | 0285145 | 1984-12-15 | 120. | 0483046 | 1984-12-31 |
| 74. | 0285648 | 1984-12-31 | 121. | 0486052 | 1984-11-30 |
| 75. | 0286246 | 1984-11-30 | 122. | 0488153 | 1984-11-30 |
| 76. | 0287551 | 1984-10-31 | 123. | 0488056 | 1984-12-15 |
| 77. | 0318235 | 1984-10-15 | 124. | 0488157 | 1984-10-31 |
| 78. | 0322224 | 1984-11-30 | 125. | 0489866 | 1984-10-15 |
| 79. | 0322325 | 1984-11-30 | 126. | 0489967 | 1984-10-15 |
| 80. | 0322527 | 1984-11-30 | 127. | 0496661 | 1984-12-31 |
| 81. | 0323630 | 1984-11-30 | 128. | 0497158 | 1984-12-15 |
| 82. | 0534420 | 1984-12-15 | 129. | 0504129 | 1984-02-29 |
| 83. | 0347745 | 1984-12-31 | 130. | 0516035 | 1984-10-31 |
| 84. | 0355239 | 1984-10-31 | 131. | 0516138 | 1984-10-31 |
| 85. | 0355948 | 1984-09-30 | 132. | 0518443 | 1984-12-15 |
| 86. | 0356140 | 1984-12-15 | 133. | 0526038 | 1984-05-31 |
| 87. | 0356241 | 1984-10-15 | 134. | 0527342 | 1984-11-30 |
| 88. | 0358851 | 1984-11-15 | 135. | 0527949 | 1984-12-15 |
| 89. | 0359045 | 1984-11-15 | 136. | 0533843 | 1984-12-15 |
| 90. | 0359550 | 1984-12-31 | 137. | 0533944 | 1984-12-15 |
| 91. | 0374041 | 1984-06-15 | 138. | 0541640 | 1984-10-31 |
| 92. | 0382040 | 1984-11-15 | 139. | 0551542 | 1984-12-31 |
| 93. | 0399966 | 1984-10-31 | 140. | 0563647 | 1984-12-31 |
| 94. | 0400319 | 1984-10-31 | 141. | 0557049 | 1984-10-15 |
| 95. | 0401523 | 1983-10-31 | 142. | 0558051 | 1984-10-15 |
| 96. | 0401624 | 1984-10-31 | 143. | 0559356 | 1984-11-30 |
| 97. | 0408028 | 1984-11-30 | 144. | 0559659 | 1984-08-31 |
| 98. | 0406230 | 1984-11-30 | 145. | 0561949 | 1984-11-15 |
| 99. | 0406634 | 1984-11-30 | 146. | 0563347 | 1984-11-15 |
| 100. | 0408032 | 1984-11-30 | 147. | 0563448 | 1984-10-31 |

| 1 | 2 | 3 | 1 | 2 | 3 |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 148. | 0564046 | 1984-11-30 | 194. | 0667763 | 1984-12-15 |
| 149. | 0564248 | 1984-11-30 | 195. | 0883357 | 1984-12-31 |
| 150. | 0566858 | 1984-11-30 | 196. | 0686060 | 1984-03-31 |
| 151. | 0568155 | 1984-12-15 | 197. | 0888165 | 1984-12-15 |
| 152. | 0568256 | 1984-12-15 | 198. | 0703236 | 1984-12-15 |
| 153. | 0570546 | 1984-11-30 | 199. | 0710233 | 1984-11-30 |
| 154. | 0570647 | 1984-11-30 | 200. | 0715142 | 1984-11-30 |
| 155. | 0571649 | 1984-11-30 | 201. | 0715748 | 1934-08-31 |
| 156. | 0573047 | 1984-12-31 | 202. | 0724345 | 1984-11-15 |
| 157. | 0579463 | 1984-12-31 | 203. | 0727351 | 1984-10-15 |
| 158. | 0584456 | 1984-10-31 | 204. | 0728656 | 1984-10-31 |
| 159. | 0584658 | 1984-10-31 | 205. | 0730340 | 1984-11-15 |
| 160. | 0584960 | 1984-10-31 | 206. | 0734146 | 1984-11-15 |
| 161. | 0584961 | 1934-10-31 | 207. | 0734954 | 1984-11-30 |
| 162. | 0585459 | 1984-10-31 | 208. | 0735047 | 1984-11-30 |
| 163. | 0593962 | 1984-12-15 | 209. | 0735349 | 1985-04-30 |
| 164. | 0595363 | 1984-12-15 | 210. | 0735855 | 1984-11-30 |
| 165. | 0597889 | 1984-11-30 | 211. | 0736251 | 1984-11-15 |
| 166. | 0599368 | 1984-12-15 | 212. | 0736653 | 1985-06-30 |
| 167. | 0607139 | 1984-12-15 | 213. | 0736756 | 1984-11-30 |
| 168. | 0812435 | 1984-12-15 | 214. | 0736857 | 1984-11-30 |
| 169. | 0635315 | 1984-08-31 | 215. | 0737051 | 1984-11-30 |
| 170. | 0635649 | 1984-11-30 | 216. | 0737152 | 1985-01-15 |
| 171. | 0637550 | 1984-08-31 | 217. | 0737253 | 1984-11-30 |
| 172. | 0639657 | 1984-09-15 | 218. | 0738559 | 1984-11-30 |
| 173. | 0643850 | 1984-11-15 | 219. | 0739158 | 1984-12-15 |
| 174. | 0644347 | 1984-10-15 | 220. | 0741042 | 1984-12-15 |
| 175. | 0645955 | 1934-10-15 | 221. | 0741244 | 1984-12-15 |
| 176. | 0646654 | 1984-10-31 | 222. | 0742549 | 1984-12-31 |
| 177. | 0648961 | 1984-10-31 | 223. | 0743248 | 1984-12-31 |
| 178. | 0649660 | 1984-10-31 | 224. | 0744250 | 1984-12-31 |
| 179. | 0652245 | 1984-11-15 | 225. | 0744351 | 1984-12-31 |
| 180. | 0652346 | 1984-11-15 | 226. | 0727155 | 1985-01-15 |
| 181. | 0652649 | 1984-11-15 | 227. | 0755659 | 1984-02-29 |
| 182. | 0652851 | 1984-11-15 | 228. | 0776869 | 1984-05-31 |
| 183. | 0653348 | 1984-11-15 | 229. | 0788472 | 1984-10-31 |
| 184. | 0653449 | 1984-11-15 | 230. | 0801034 | 1984-09-30 |
| 185. | 0653550 | 1984-11-15 | 231. | 0803038 | 1984-10-15 |
| 186. | 0653752 | 1983-11-30 | 232. | 0805850 | 1984-10-31 |
| 187. | 0655453 | 1984-11-15 | 233. | 0807551 | 1984-10-31 |
| 188. | 0655655 | 1984-11-30 | 234. | 0807953 | 1984-10-31 |
| 189. | 0656051 | 1984-11-30 | 235. | 0808654 | 1984-10-31 |
| 190. | 0656152 | 1984-12-15 | 236. | 0808755 | 1984-10-31 |
| 191. | 0656556 | 1984-11-30 | 237. | 0808957 | 1984-10-31 |
| 192. | 0657962 | 1984-12-15 | 238. | 0809252 | 1984-11-15 |
| 193. | 0658762 | 1984-12-31 | 239. | 0810540 | 1984-11-15 |

| 1 | 2 | 3 | 1 | 2 | 3 |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 240. | 0810742 | 1984-11-15 | 286. | 0908860 | 1984-11-15 |
| 241. | 0811441 | 1984-11-15 | 287. | 0909963 | 1984-11-15 |
| 242. | 0814043 | 1984-02-28 | 288. | 0910746 | 1984-11-15 |
| 243. | 0814245 | 1984-11-15 | 289. | 0912346 | 1984-11-15 |
| 244. | 0815348 | 1985-06-30 | 290. | 0914148 | 1984-11-30 |
| 245. | 0815550 | 1984-11-30 | 291. | 0914249 | 1984-11-30 |
| 246. | 0816148 | 1984-11-30 | 292. | 0914855 | 1984-11-30 |
| 247. | 0817251 | 1984-12-15 | 293. | 0914956 | 1984-11-30 |
| 248. | 0817756 | 1984-11-30 | 294. | 0915352 | 1984-11-30 |
| 249. | 0817857 | 1984-11-30 | 295. | 0915857 | 1984-11-30 |
| 250. | 0817958 | 1984-11-30 | 296. | 0915958 | 1984-11-30 |
| 251. | 0818051 | 1984-11-30 | 297. | 0916960 | 1984-11-30 |
| 252. | 0818253 | 1984-11-30 | 298. | 0917356 | 1984-11-30 |
| 253. | 0819659 | 1985-06-15 | 299. | 0917861 | 1984-12-15 |
| 254. | 0819760 | 1984-12-15 | 300. | 0918560 | 1984-12-15 |
| 255. | 0820947 | 1984-11-30 | 301. | 0918964 | 1984-12-15 |
| 256. | 0821842 | 1984-12-15 | 302. | 0919764 | 1984-11-30 |
| 257. | 0821343 | 1984-12-35 | 303. | 0920749 | 1984-12-15 |
| 258. | 0821747 | 1984-12-15 | 304. | 0921549 | 1984-12-15 |
| 259. | 0823953 | 1984-11-30 | 305. | 0922248 | 1984-12-15 |
| 260. | 0824046 | 1984-11-30 | 306. | 0922753 | 1984-12-15 |
| 261. | 0829258 | 1984-11-30 | 307. | 0922955 | 1984-12-15 |
| 262. | 0829359 | 1984-11-30 | 308. | 0923250 | 1984-12-15 |
| 263. | 0829561 | 1984-11-30 | 309. | 0924353 | 1984-12-31 |
| 264. | 0829662 | 1984-12-15 | 310. | 0926357 | 1984-12-31 |
| 265. | 0830344 | 1984-11-30 | 311. | 0965771 | 1984-05-15 |
| 266. | 0833249 | 1984-11-30 | 312. | 0969476 | 1984-11-30 |
| 267. | 0838562 | 1984-11-30 | 313. | 0975370 | 1984-06-15 |
| 268. | 0842856 | 1984-03-15 | 314. | 0981062 | 1984-07-15 |
| 269. | 0844254 | 1984-11-30 | 315. | 0992572 | 1984-09-15 |
| 270. | 0847664 | 1984-11-30 | 316. | 0994576 | 1984-09-30 |
| 271. | 0849365 | 1984-03-31 | 317. | 0997582 | 1984-09-30 |
| 272. | 0851756 | 1984-08-15 | 318. | 0999586 | 1984-10-15 |
| 273. | 0852354 | 1984-11-30 | 319. | 0999990 | 1984-10-15 |
| 274. | 0866971 | 1984-05-15 | 320. | 1000914 | 1984-10-15 |
| 275. | 0877875 | 1984-11-30 | 321. | 1003415 | 1984-10-31 |
| 276. | 0879071 | 1984-05-31 | 322. | 1003516 | 1984-10-31 |
| 277. | 0879172 | 1984-05-31 | 323. | 1003920 | 1984-10-31 |
| 278. | 0880864 | 1984-11-30 | 324. | 1004013 | 1984-10-31 |
| 279. | 0881765 | 1984-07-31 | 325. | 3005318 | 1984-11-15 |
| 280. | 0897174 | 1984-09-30 | 326. | 1005419 | 1984-11-15 |
| 281. | 0897376 | 1984-09-30 | 327. | 1005823 | 1984-11-15 |
| 282. | 0899279 | 1984-10-15 | 328. | 1006017 | 1984-11-15 |
| 283. | 0901098 | 1984-09-30 | 329. | 1006421 | 1984-11-15 |
| 284. | 0901442 | 1984-10-31 | 330. | 1006724 | 1984-11-15 |
| 285. | 0906854 | 1984-10-31 | 331. | 1007423 | 1985-02-15 |
| | | | 332. | 1007524 | 1984-11-15 |

| 1 | 2 | 3 | 1 | 2 | 3 |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 333. | 1008223 | 1984-11-30 | 380. | 1122827 | 1984-10-15 |
| 334. | 1008425 | 1984-11-30 | 381. | 1122928 | 1984-10-15 |
| 335. | 1008728 | 1984-11-30 | 382. | 1123122 | 1984-10-15 |
| 336. | 1008829 | 1984-11-30 | 383. | 1123223 | 1984-10-15 |
| 337. | 1009023 | 1984-11-30 | 384. | 1123627 | 1984-09-30 |
| 338. | 1009326 | 1984-11-30 | 385. | 1123930 | 1984-10-15 |
| 339. | 1009427 | 1984-11-30 | 386. | 1124124 | 1984-10-15 |
| 340. | 1009629 | 1984-11-30 | 387. | 1124225 | 1984-10-15 |
| 341. | 1010008 | 1984-11-30 | 388. | 1124427 | 1984-10-15 |
| 342. | 1010109 | 1984-11-30 | 389. | 1125631 | 1984-10-31 |
| 343. | 1010210 | 1984-11-30 | 390. | 1126431 | 1984-10-31 |
| 344. | 1010513 | 1984-11-30 | 391. | 1126835 | 1984-10-31 |
| 345. | 1011212 | 1984-11-30 | 392. | 1128132 | 1984-11-15 |
| 346. | 1011313 | 1984-11-30 | 393. | 1128233 | 1984-11-15 |
| 347. | 1011717 | 1984-11-30 | 394. | 1128334 | 1984-11-15 |
| 348. | 1013216 | 1984-12-15 | 395. | 1128738 | 1984-11-35 |
| 349. | 1013620 | 1984-12-15 | 396. | 1129336 | 1984-11-15 |
| 350. | 1013721 | 1984-12-15 | 397. | 1129740 | 1984-11-15 |
| 351. | 1013822 | 1984-12-15 | 398. | 1129841 | 1984-11-15 |
| 352. | 1015826 | 1984-12-15 | 399. | 1129942 | 1984-11-15 |
| 353. | 1016020 | 1984-12-15 | 400. | 1130018 | — |
| 354. | 1016121 | 1984-12-15 | 401. | 1130422 | 1984-11-15 |
| 355. | 1016323 | 1984-11-30 | 402. | 1130927 | 1984-11-15 |
| 356. | 1016727 | 1984-12-15 | 403. | 1131424 | 1984-11-30 |
| 357. | 1016828 | 1984-12-15 | 404. | 1132022 | 1984-02-28 |
| 358. | 1016929 | 1984-12-15 | 405. | 1132123 | 1984-11-30 |
| 359. | 1017426 | 1984-12-15 | 406. | 1134430 | 1984-11-30 |
| 360. | 1017830 | 1984-12-15 | 407. | 1134531 | 1984-11-30 |
| 361. | 1018226 | 1984-12-15 | 408. | 1134032 | 1984-11-30 |
| 362. | 1018529 | 1984-12-15 | 409. | 1135735 | 1984-11-30 |
| 363. | 1018731 | 1984-12-15 | 410. | 1135937 | 1984-11-30 |
| 364. | 1020112 | 1984-12-31 | 411. | 1136535 | 1984-12-15 |
| 365. | 1021821 | 1984-12-51 | 412. | 1137234 | 1984-12-15 |
| 366. | 1024120 | 1985-01-15 | 413. | 1157636 | 1984-12-30 |
| 367. | 1025627 | 1984-12-15 | 414. | 1137840 | 1984-11-30 |
| 368. | 1027025 | 1984-11-15 | 415. | 1138135 | 1984-02-15 |
| 369. | 1078244 | 1984-05-15 | 416. | 1138337 | 1984-12-15 |
| 370. | 1086011 | 1984-05-31 | 417. | 1138741 | 1984-12-15 |
| 371. | 1104926 | 1984-08-15 | 418. | 1139339 | 1984-12-15 |
| 372. | 1117320 | 1984-04-15 | 419. | 1140930 | 1984-12-15 |
| 373. | 1119838 | 1984-09-30 | 420. | 1143936 | 1984-12-31 |
| 374. | 1120621 | 1984-10-15 | 421. | 1145031 | 1984-12-15 |
| 375. | 1120722 | 1984-10-15 | 422. | 1145435 | 1984-12-31 |
| 376. | 1121118 | 1984-10-15 | 423. | 1146345 | 1985-01-15 |
| 377. | 1121219 | 1984-10-15 | 424. | 1150327 | 1984-10-31 |
| 378. | 1121320 | 1984-10-15 | | | |
| 379. | 1121421 | 1984-10-15 | | | |

[सं. सीएमडी/13:12]

बी० एन० सिंह,

अपर महानिदेशक

S.O. 3338 :—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that 424 licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of Dec' 1983.

SCHEDULE

| SL No. | CM/L No. | Valid upto |
|--------|----------|------------|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | 0021614 | 1984 12 15 |
| 2. | 0036930 | 1984 12 31 |
| 3. | 0053829 | 1984 08 31 |
| 4. | 0054427 | 1984 12 31 |
| 5. | 0054730 | 1984 12 15 |
| 6. | 0055328 | 1984 12 31 |
| 7. | 0055429 | 1984 10 21 |
| 8. | 0059134 | 1984 11 30 |
| 9. | 0064935 | 1984 10 31 |
| 10. | 0083131 | 1984 11 15 |
| 11. | 0083232 | 1984 11 15 |
| 12. | 0084436 | 1874 11 30 |
| 13. | 0084537 | 1984 11 30 |
| 14. | 0084739 | 1984 05 31 |
| 15. | 0085337 | 1984 11 30 |
| 16. | 0085539 | 1984 11 30 |
| 17. | 0086945 | 1984 11 30 |
| 18. | 0087038 | 1984 11 30 |
| 19. | 0087240 | 1984 11 30 |
| 20. | 0087442 | 1984 11 30 |
| 21. | 0087644 | 1984 11 30 |
| 22. | 0088040 | 1984 11 30 |
| 23. | 0088242 | 1984 11 30 |
| 24. | 0088444 | 1984 11 30 |
| 25. | 0088646 | 1984 11 30 |
| 26. | 0091029 | 1984 11 30 |
| 27. | 0092738 | 1984 11 30 |
| 28. | 0092839 | 1984 11 30 |
| 29. | 0093437 | 1984 11 30 |
| 30. | 0094641 | 1984 11 30 |
| 31. | 0095845 | 1984 11 30 |
| 32. | 0114924 | 1984 12 15 |
| 33. | 0120919 | 1984 11 30 |
| 34. | 0121921 | 1984 12 31 |
| 35. | 0123723 | 1984 12 15 |
| 36. | 0128935 | 1984 11 30 |
| 37. | 0143325 | 1984 12 15 |
| 38. | 0154532 | 1984 11 15 |
| 39. | 0164232 | 1984 10 31 |
| 40. | 0164939 | 1984 11 15 |

| 1 | 2 | 3 |
|-----|---------|------------|
| 41. | 0169848 | 1985 06 30 |
| 42. | 0170732 | 1984 11 15 |
| 43. | 0171532 | 1984 12 15 |
| 44. | 0171633 | 1984 12 15 |
| 45. | 0181737 | 1984 10 31 |
| 46. | 0186949 | 1984 12 15 |
| 47. | 0188246 | 1984 12 31 |
| 48. | 0191639 | 1984 12 31 |
| 49. | 0196750 | 1984 09 15 |
| 50. | 0198754 | 1984 10 13 |
| 51. | 0203822 | 1984 09 30 |
| 52. | 0208024 | 1984 10 31 |
| 53. | 0208630 | 1984 10 31 |
| 54. | 0209733 | 1984 12 15 |
| 55. | 0216730 | 1984 12 15 |
| 56. | 0217530 | 1984 12 15 |
| 57. | 0217833 | 1984 12 31 |
| 58. | 0221319 | 1985 01 15 |
| 59. | 0225428 | 1984 10 31 |
| 60. | 0245636 | 1984 11 15 |
| 61. | 0247741 | 1984 11 55 |
| 62. | 0251328 | 1984 12 15 |
| 63. | 0254435 | 1984 12 15 |
| 64. | 0267848 | 1984 11 30 |
| 65. | 0269044 | 1984 11 15 |
| 66. | 0273843 | 1984 11 30 |
| 67. | 0274643 | 1984 12 15 |
| 68. | 0277245 | 1984 10 31 |
| 69. | 0278247 | 1984 10 15 |
| 70. | 0281034 | 1984 11 15 |
| 71. | 0282238 | 1984 11 30 |
| 72. | 0282541 | 1984 11 30 |
| 73. | 0285143 | 1984 12 15 |
| 74. | 0285648 | 1984 12 31 |
| 75. | 0286246 | 1984 11 30 |
| 76. | 0287551 | 1984 10 31 |
| 77. | 0318233 | 1984 10 15 |
| 78. | 0322224 | 1984 11 30 |
| 79. | 0322325 | 1984 11 30 |
| 80. | 0322527 | 1984 11 30 |
| 81. | 0323630 | 1984 11 30 |
| 82. | 0324420 | 1984 12 15 |
| 83. | 0347745 | 1984 12 31 |
| 84. | 0355239 | 1984 10 31 |
| 85. | 0355946 | 1984 09 30 |
| 86. | 0356140 | 1984 12 15 |
| 87. | 0356241 | 1984 10 15 |
| 88. | 0358851 | 1984 11 15 |
| 89. | 0359045 | 1894 11 15 |
| 90. | 0359550 | 1984 12 31 |
| 91. | 0374041 | 1984 06 15 |
| 92. | 0382040 | 1984 11 15 |
| 93. | 0399966 | 1984 10 31 |
| 94. | 0400319 | 1984 10 31 |

| 1 | 2 | 3 | 1 | 2 | 3 |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 95. | 0401523 | 1984-10-31 | 150. | 0566858 | 1984-11-30 |
| 96. | 0401624 | 1984-10-31 | 151. | 0568155 | 1984-12-15 |
| 97. | 0406028 | 1984-11-30 | 152. | 0568256 | 1984-12-15 |
| 98. | 0406230 | 1984-11-30 | 153. | 0570546 | 1984-11-30 |
| 99. | 0406634 | 1984-11-30 | 154. | 0570647 | 1984-11-30 |
| 100. | 0408032 | 1984-11-30 | 155. | 0571649 | 1984-11-30 |
| 101. | 0414128 | 1984-12-15 | 156. | 0573047 | 1984-12-31 |
| 102. | 0414229 | 1984-12-15 | 157. | 0579463 | 1984-12-31 |
| 103. | 0414532 | 1984-12-15 | 158. | 0584456 | 1984-10-31 |
| 104. | 0418843 | 1984-12-15 | 159. | 0584658 | 1984-10-31 |
| 105. | 0437544 | 1984-11-15 | 160. | 0584860 | 1984-10-31 |
| 106. | 0455041 | 1984-10-15 | 161. | 0584961 | 1984-10-31 |
| 107. | 0464345 | 1984-11-30 | 162. | 0585458 | 1984-10-31 |
| 108. | 0471443 | 1984-09-30 | 163. | 0593962 | 1984-12-15 |
| 109. | 0474954 | 1984-10-31 | 164. | 0595663 | 1984-12-15 |
| 110. | 0475047 | 1984-10-31 | 165. | 0597869 | 1984-11-30 |
| 111. | 0476251 | 1984-12-15 | 166. | 0599368 | 1984-12-15 |
| 112. | 0476453 | 1984-06-15 | 167. | 0607139 | 1984-12-15 |
| 113. | 0478154 | 1984-10-30 | 168. | 0612435 | 1984-12-15 |
| 114. | 0478962 | 1984-10-31 | 169. | 0635245 | 1984-08-31 |
| 115. | 0479661 | 1984-11-30 | 170. | 0635649 | 1984-11-30 |
| 116. | 0480040 | 1984-11-30 | 171. | 0637350 | 1984-08-31 |
| 117. | 0481547 | 1984-11-30 | 172. | 0639657 | 1984-09-15 |
| 118. | 0482246 | 1984-11-30 | 173. | 0643850 | 1984-11-15 |
| 119. | 0482953 | 1984-12-31 | 174. | 0644347 | 1984-10-15 |
| 120. | 0483046 | 1984-12-31 | 175. | 0645955 | 1984-10-15 |
| 121. | 0486052 | 1984-11-30 | 176. | 0646654 | 1984-10-31 |
| 122. | 0486153 | 1984-12-30 | 177. | 0648961 | 1984-10-31 |
| 123. | 0488056 | 1984-12-15 | 178. | 0649660 | 1984-10-31 |
| 124. | 0488157 | 1984-10-31 | 179. | 0652245 | 1984-11-15 |
| 125. | 0489866 | 1984-10-15 | 180. | 0652346 | 1984-11-15 |
| 126. | 0489967 | 1984-10-15 | 181. | 0652649 | 1984-11-15 |
| 127. | 0496661 | 1984-12-31 | 182. | 0652851 | 1984-11-15 |
| 128. | 0497158 | 1984-12-15 | 183. | 0653348 | 1984-11-15 |
| 129. | 0504129 | 1984-02-29 | 184. | 0653449 | 1984-11-15 |
| 130. | 0516035 | 1984-10-31 | 185. | 0653550 | 1984-11-15 |
| 131. | 0516136 | 1984-10-31 | 186. | 0653752 | 1983-11-30 |
| 132. | 0518443 | 1984-12-15 | 187. | 0655453 | 1984-11-15 |
| 133. | 0526038 | 1984-05-31 | 188. | 0655655 | 1984-11-30 |
| 134. | 0527242 | 1984-11-30 | 189. | 0656051 | 1984-11-30 |
| 135. | 0527949 | 1984-12-15 | 190. | 0656152 | 1984-12-15 |
| 136. | 0533843 | 1984-12-31 | 191. | 0656556 | 1984-11-30 |
| 137. | 0533944 | 1984-12-15 | 192. | 0657962 | 1984-12-15 |
| 138. | 0541640 | 1984-10-31 | 193. | 0658762 | 1984-12-31 |
| 139. | 0551542 | 1984-12-31 | 194. | 0667763 | 1984-12-15 |
| 140. | 0553647 | 1984-12-31 | 195. | 0683357 | 1984-12-31 |
| 141. | 0557049 | 1984-10-15 | 196. | 0686060 | 1984-03-31 |
| 142. | 0558051 | 1984-10-15 | 197. | 0688165 | 1984-12-15 |
| 143. | 0559356 | 1984-11-30 | 198. | 0703236 | 1984-12-15 |
| 144. | 0559659 | 1984-08-31 | 199. | 0710233 | 1984-11-30 |
| 145. | 0561949 | 1984-11-15 | 200. | 0715142 | 1984-11-30 |
| 146. | 0563347 | 1984-11-15 | 201. | 0715748 | 1984-08-31 |
| 147. | 0563448 | 1984-10-31 | 202. | 0724345 | 1984-11-15 |
| 148. | 0564046 | 1984-11-30 | 203. | 0727351 | 1984-10-15 |
| 149. | 0564248 | 1984-11-30 | 204. | 0728656 | 1984-10-31 |

| 1 | 2 | 3 | 1 | 2 | 3 |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 205. | 0730340 | 1984-11-15 | 260. | 0824046 | 1984-11-30 |
| 206. | 0734146 | 1984-11-15 | 261. | 0829258 | 1984-11-30 |
| 207. | 0734954 | 1984-11-30 | 262. | 0829359 | 1984-11-30 |
| 208. | 0735047 | 1984-11-30 | 263. | 0829561 | 1984-11-30 |
| 209. | 0735249 | 1985-04-30 | 264. | 0829662 | 1984-12-15 |
| 210. | 0735855 | 1984-11-30 | 265. | 0830344 | 1984-11-30 |
| 211. | 0736251 | 1984-11-15 | 266. | 0833249 | 1984-11-30 |
| 212. | 0736655 | 1985-06-30 | 267. | 0838562 | 1984-11-30 |
| 213. | 0736756 | 1984-11-30 | 268. | 0842856 | 1984-03-15 |
| 214. | 0736957 | 1984-11-30 | 269. | 0844254 | 1984-11-30 |
| 215. | 0737051 | 1984-11-30 | 270. | 0847664 | 1984-11-30 |
| 216. | 0737152 | 1985-01-15 | 271. | 0849365 | 1984-03-31 |
| 217. | 0737253 | 1984-11-30 | 272. | 0851756 | 1984-08-15 |
| 218. | 0738559 | 1984-11-30 | 273. | 0852354 | 1984-11-30 |
| 219. | 0739156 | 1984-12-15 | 274. | 0866971 | 1984-05-15 |
| 220. | 0741042 | 1984-12-15 | 275. | 0877875 | 1984-11-30 |
| 221. | 0741244 | 1984-12-15 | 276. | 0879071 | 1984-05-31 |
| 222. | 0742549 | 1984-12-31 | 277. | 0879172 | 1984-05-31 |
| 223. | 0743248 | 1984-12-31 | 278. | 0880864 | 1984-11-30 |
| 224. | 0744250 | 1984-12-31 | 279. | 0881765 | 1984-07-31 |
| 225. | 0744351 | 1984-12-31 | 280. | 0897174 | 1984-09-30 |
| 226. | 0747155 | 1985-01-15 | 281. | 0897376 | 1984-09-30 |
| 227. | 0755659 | 1984-02-29 | 282. | 0899279 | 1984-10-15 |
| 228. | 0776869 | 1984-05-31 | 283. | 0901038 | 1984-09-30 |
| 229. | 0788472 | 1984-10-31 | 284. | 0901442 | 1984-10-31 |
| 230. | 0801034 | 1984-09-30 | 285. | 0906654 | 1984-10-31 |
| 231. | 0803033 | 1984-10-15 | 286. | 0908860 | 1984-11-15 |
| 232. | 0805850 | 1984-10-31 | 287. | 0909963 | 1984-11-15 |
| 233. | 0807551 | 1984-10-31 | 288. | 0910746 | 1984-11-15 |
| 234. | 0807955 | 1984-10-31 | 289. | 0912346 | 1984-11-15 |
| 235. | 0808654 | 1984-10-31 | 290. | 0914148 | 1984-11-30 |
| 236. | 0808755 | 1984-10-31 | 291. | 0914249 | 1984-11-30 |
| 237. | 0808957 | 1984-10-31 | 292. | 0914855 | 1984-11-30 |
| 238. | 0809252 | 1984-11-15 | 293. | 0914956 | 1984-11-30 |
| 239. | 0810540 | 1984-11-15 | 294. | 0915352 | 1984-11-30 |
| 240. | 0810742 | 1985-11-15 | 295. | 0915857 | 1984-11-30 |
| 241. | 0811441 | 1984-11-15 | 296. | 0915958 | 1984-11-30 |
| 242. | 0814043 | 1984-02-28 | 297. | 0916960 | 1984-11-30 |
| 243. | 0814245 | 1984-11-15 | 298. | 0917356 | 1984-11-30 |
| 244. | 0815348 | 1985-06-30 | 299. | 0917861 | 1984-12-15 |
| 245. | 0815550 | 1984-11-30 | 300. | 0918560 | 1984-12-15 |
| 246. | 0816148 | 1984-11-30 | 301. | 0918964 | 1984-12-15 |
| 247. | 0817251 | 1984-12-15 | 302. | 0919764 | 1984-11-30 |
| 248. | 0817756 | 1984-11-30 | 303. | 0920749 | 1984-12-15 |
| 249. | 0817857 | 1984-11-30 | 304. | 0921549 | 1984-12-15 |
| 250. | 0817958 | 1984-11-30 | 305. | 0922248 | 1984-12-15 |
| 251. | 0818051 | 1984-11-30 | 306. | 0922753 | 1984-12-15 |
| 252. | 0818253 | 1984-11-30 | 307. | 0922955 | 1984-12-15 |
| 253. | 0819659 | 1985-06-15 | 308. | 0923250 | 1984-12-15 |
| 254. | 0819760 | 1984-12-15 | 309. | 0924353 | 1984-12-31 |
| 255. | 0820947 | 1984-11-30 | 310. | 0926357 | 1984-12-31 |
| 256. | 0821242 | 1984-12-15 | 311. | 0965771 | 1984-05-15 |
| 257. | 0821343 | 1984-12-15 | 312. | 0969476 | 1984-11-30 |
| 258. | 0821747 | 1984-12-15 | 313. | 0975370 | 1984-06-15 |
| 259. | 0823953 | 1984-11-30 | 314. | 0981062 | 1984-07-15 |
| | | | 315. | 0992572 | 1984-09-15 |

| 1 | 2 | 3 | 1 | 2 | 3 |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 316. | 0994576 | 1984-09-30 | 372. | 1117329 | 1984-04-15 |
| 317. | 0997582 | 1984-09-30 | 373. | 1119838 | 1984-09-30 |
| 318. | 0999586 | 1984-10-15 | 374. | 1120621 | 1984-10-15 |
| 319. | 0999990 | 1984-10-15 | 375. | 1120722 | 1984-10-15 |
| 320. | 1000914 | 1984-10-15 | 376. | 1121118 | 1984-10-15 |
| 321. | 1003415 | 1984-10-31 | 377. | 1121219 | 1984-10-15 |
| 322. | 1003516 | 1984-10-31 | 378. | 1121320 | 1984-10-15 |
| 323. | 1003920 | 1984-10-31 | 379. | 1121421 | 1984-10-15 |
| 324. | 1004013 | 1984-10-31 | 380. | 1122827 | 1984-10-15 |
| 325. | 1005318 | 1984-11-15 | 381. | 1122928 | 1984-10-15 |
| 326. | 1005419 | 1984-11-15 | 382. | 1123122 | 1984-10-15 |
| 327. | 1005823 | 1984-11-15 | 383. | 1123223 | 1984-10-15 |
| 328. | 1006017 | 1984-11-15 | 384. | 1123627 | 1984-09-30 |
| 329. | 1006421 | 1984-11-15 | 385. | 1123930 | 1984-10-15 |
| 330. | 1006724 | 1984-11-15 | 386. | 1124124 | 1984-10-15 |
| 331. | 1007423 | 1985-02-15 | 387. | 1124225 | 1984-10-15 |
| 332. | 1007524 | 1984-11-15 | 388. | 1124427 | 1984-10-15 |
| 333. | 1008223 | 1984-11-30 | 389. | 1125631 | 1984-10-31 |
| 334. | 1008425 | 1984-11-30 | 390. | 1126431 | 1984-10-31 |
| 335. | 1008728 | 1984-11-30 | 391. | 1126835 | 1984-10-31 |
| 336. | 1008829 | 1984-11-30 | 392. | 1128132 | 1984-11-15 |
| 337. | 1009023 | 1984-11-30 | 393. | 1128233 | 1984-11-15 |
| 338. | 1009326 | 1984-11-30 | 394. | 1128334 | 1984-11-15 |
| 339. | 1009427 | 1984-11-30 | 395. | 1128738 | 1984-11-15 |
| 340. | 1009629 | 1984-11-30 | 396. | 1129336 | 1984-11-15 |
| 341. | 1010008 | 1984-11-30 | 397. | 1129740 | 1984-11-15 |
| 342. | 1010109 | 1984-11-30 | 398. | 1129841 | 1984-11-15 |
| 343. | 1010210 | 1984-11-30 | 399. | 1129942 | 1984-11-15 |
| 344. | 1010513 | 1984-11-30 | 400. | 1130018 | |
| 345. | 1011212 | 1984-11-30 | 401. | 1130422 | 1984-11-15 |
| 346. | 1011313 | 1984-11-30 | 402. | 1130927 | 1984-11-15 |
| 347. | 1011717 | 1984-11-30 | 403. | 1131424 | 1984-11-30 |
| 348. | 1013216 | 1984-12-15 | 404. | 1132022 | 1985-02-28 |
| 349. | 1013620 | 1984-12-15 | 405. | 1132123 | 1984-11-30 |
| 350. | 1013721 | 1984-12-15 | 406. | 1134430 | 1984-11-30 |
| 351. | 1013822 | 1984-12-15 | 407. | 1134531 | 1984-11-30 |
| 352. | 1015826 | 1984-12-15 | 408. | 1134632 | 1984-11-30 |
| 353. | 1016020 | 1984-12-15 | 409. | 1135735 | 1984-11-30 |
| 354. | 1016121 | 1984-12-15 | 410. | 1135937 | 1984-11-30 |
| 355. | 1016323 | 1984-11-30 | 411. | 1136535 | 1984-12-15 |
| 356. | 1016727 | 1984-12-15 | 412. | 1137234 | 1984-12-15 |
| 357. | 1016828 | 1984-12-15 | 413. | 1137638 | 1984-12-30 |
| 358. | 1016929 | 1984-12-15 | 414. | 1137840 | 1984-11-30 |
| 359. | 1017426 | 1984-12-15 | 415. | 1138135 | 1984-02-15 |
| 360. | 1017830 | 1984-12-15 | 416. | 1138337 | 1984-12-15 |
| 361. | 1018226 | 1984-12-15 | 417. | 1138741 | 1984-12-15 |
| 362. | 1018529 | 1984-12-15 | 418. | 1139339 | 1984-12-15 |
| 363. | 1018731 | 1984-12-15 | 419. | 1140930 | 1984-12-15 |
| 364. | 1020112 | 1984-12-31 | 420. | 1143936 | 1984-12-31 |
| 365. | 1021821 | 1984-12-31 | 421. | 1145031 | 1984-12-15 |
| 366. | 1024120 | 1985-01-15 | 422. | 1145435 | 1984-12-31 |
| 367. | 1025627 | 1984-12-15 | 423. | 1148845 | 1985-01-15 |
| 368. | 1027025 | 1984-11-15 | 424. | 1150327 | 1984-10-31 |
| 369. | 1078244 | 1984-05-15 | | | |
| 370. | 1086041 | 1984-05-31 | | | |
| 371. | 1104926 | 1984-08-15 | | | |

[N. JMD/13:12]

B.N. SINGH, Addl. Director General.

पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1985

का. आ. सं 3339 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. सं. 3752 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा संख्या | लिया गया रकबा |
|-------|--------|--------|--------------------|-------------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| इटावा | औरख्या | औरख्या | द्वारिकापुर औरख्या | 13 | 0-01 |
| | | | | 15 | 0-58 |
| | | | | 16 | 0-13 |
| | | | | 17 | 0-36 |
| | | | | 35 | 0-02 |
| | | | | 40 | 0-16 |
| | | | | 41 | 0-24 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|-----|------|
| | | | | 42 | 0-14 |
| | | | | 43 | 0-01 |
| | | | | 45 | 0-02 |
| | | | | 46 | 0-27 |
| | | | | 47 | 0-03 |
| | | | | 48 | 0-27 |
| | | | | 52 | 0-02 |
| | | | | 85 | 0-40 |
| | | | | 86 | 0-03 |
| | | | | 87 | 0-04 |
| | | | | 88 | 0-20 |
| | | | | 89 | 0-23 |
| | | | | 90 | 0-02 |
| | | | | 91 | 0-28 |
| | | | | 92 | 0-28 |
| | | | | 95 | 0-17 |
| | | | | 96 | 0-10 |
| | | | | 97 | 0-16 |
| | | | | 100 | 0-02 |
| | | | | 101 | 0-01 |
| | | | | 105 | 0-83 |
| | | | | 112 | 0-05 |
| | | | | 113 | 0-21 |
| | | | | 115 | 0-83 |
| | | | | 116 | 0-03 |
| | | | | 117 | 0-54 |
| | | | | 118 | 0-02 |
| | | | | 119 | 0-57 |
| | | | | 120 | 0-09 |
| | | | | 121 | 0-02 |
| | | | | 158 | 0-01 |
| | | | | 159 | 0-13 |

[सं. O-14016/86/84 जी.पी.]

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 4th July, 1985

S.O. 3339.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum S.O. 3752 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said land; shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this

declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe line Project

| Distt | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area Acquired |
|--------|---------|---------|---------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Etawah | Auraiya | Auraiya | Da- | 13 | 0-01 |
| | | | waskpur | 15 | 0-58 |
| | | | Auraiya | 16 | 0-13 |
| | | | | 17 | 0-36 |
| | | | | 35 | 0-02 |
| | | | | 40 | 0-16 |
| | | | | 41 | 0-24 |
| | | | | 42 | 0-14 |
| | | | | 43 | 0-01 |
| | | | | 45 | 0-02 |
| | | | | 46 | 0-27 |
| | | | | 47 | 0-03 |
| | | | | 48 | 0-27 |
| | | | | 52 | 0-02 |
| | | | | 85 | 0-40 |
| | | | | 86 | 0-03 |
| | | | | 87 | 0-04 |
| | | | | 88 | 0-02 |
| | | | | 89 | 0-23 |
| | | | | 90 | 0-02 |
| | | | | 91 | 0-28 |
| | | | | 92 | 0-28 |
| | | | | 95 | 0-17 |
| | | | | 96 | 0-10 |
| | | | | 97 | 0-16 |
| | | | | 100 | 0-02 |
| | | | | 101 | 0-01 |
| | | | | 105 | 0-83 |
| | | | | 112 | 0-05 |
| | | | | 113 | 0-21 |
| | | | | 115 | 0-83 |
| | | | | 116 | 0-03 |
| | | | | 117 | 0-54 |
| | | | | 118 | 0-02 |
| | | | | 119 | 0-57 |
| | | | | 120 | 0-09 |
| | | | | 121 | 0-02 |
| | | | | 158 | 0-01 |
| | | | | 159 | 0-13 |

[No. O-14016/86/84-GP]

का. आ. 3340 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 को उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं० 3753 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने

उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम को उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन लिए के एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकार लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन को इस तारोख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा संख्या | लिया गया रकबा |
|-------|--------|--------|---------|-------------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| इटावा | औरख्या | औरख्या | समरखपुर | 1 | 0-07 |
| | | | | 12 | 0-25 |
| | | | | 13 | 0-30 |
| | | | | 14 | 0-01 |
| | | | | 15 | 0-01 |
| | | | | 16 | 0-08 |
| | | | | 20 | 0-55 |
| | | | | 19 | 0-15 |
| | | | | 98 | 0-01 |
| | | | | 99 | 0-01 |
| | | | | 100 | 0-01 |
| | | | | 101 | 0-13 |

| (1) | (2) | (3) |
|-----|-----|----------|
| | | 102 0-50 |
| | | 103 0-08 |
| | | 120 0-07 |
| | | 121 0-28 |
| | | 133 1-25 |
| | | 137 0-49 |
| | | 138 0-82 |
| | | 151 0-62 |
| | | 156 1-32 |
| | | 157 0-01 |
| | | 158 0-01 |
| | | 159 0-01 |
| | | 160 0-58 |
| | | 161 0-01 |
| | | 128 0-15 |
| | | 140 0-01 |
| | | 141 0-01 |

[सं. O-14016/86/84-जी.पी.]

S.O. 3340.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy Deptt. of Petroleum S.O. 3753 dated 17-11-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

| Hajira Bareilly Jagdispur Pipe line Project. | | | | | |
|--|---------|---------|----------|----------|---------------|
| Distt | Pargana | Tehsil | Village | Plot No. | Area Acquired |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Etawah | Auraiya | Auraiya | Samrath- | 1 | 0-07 |
| | | | pur | 12 | 0-25 |
| | | | | 13 | 0-30 |
| | | | | 14 | 0-01 |
| | | | | 15 | 0-01 |
| | | | | 16 | 0-08 |
| | | | | 20 | 0-55 |
| | | | | 19 | 0-15 |
| | | | | 98 | 0-01 |
| | | | | 99 | 0-01 |
| | | | | 100 | 0-01 |
| | | | | 101 | 0-13 |
| | | | | 102 | 0-50 |
| | | | | 103 | 0-08 |
| | | | | 120 | 0-07 |
| | | | | 121 | 0-28 |
| | | | | 133 | 1-25 |
| | | | | 137 | 0-49 |
| | | | | 138 | 0-82 |
| | | | | 151 | 0-62 |
| | | | | 156 | 1-32 |
| | | | | 157 | 0-01 |
| | | | | 158 | 0-01 |
| | | | | 159 | 0-01 |
| | | | | 160 | 0-58 |
| | | | | 161 | 0-01 |
| | | | | 128 | 0-15 |
| | | | | 140 | 0-01 |
| | | | | 141 | 0-01 |

[No. O-14016/86/84-GP]

का. आ. सं 3341:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (162 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3795 तारीख 27-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार

को पाइप लाइनों की बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आग्रह घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार से निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गांवा [सं.] | लिया गया रकबा एकड़ में |
|-------|-------|-------|-------|----------------|------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| जालौन | जालौन | जालौन | गौरा | 302 | 1-05 |
| | | | राठौर | 301 | 0-52 |
| | | | | 239 | 0-09 |
| | | | | 240 | 0-04 |
| | | | | 241 | 0-30 |
| | | | | 243 | 0-09 |
| | | | | 242 | 0-24 |
| | | | | 244 | 0-01 |
| | | | | 173 | 0-26 |
| | | | | 174 | 0-42 |

[सं. O-14016/187/84-जी.पी.]

S.O. 3341.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3795 dated 27-10-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipeline Project

| Distt | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area Acquired |
|--------|--------|---------|---------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Jalaun | Jalaun | Jalaun | Gora | 302 | 1-05 |
| | | | Rothaur | 301 | 0-52 |
| | | | | 239 | 0-09 |
| | | | | 240 | 0-04 |
| | | | | 241 | 0-30 |
| | | | | 243 | 0-09 |
| | | | | 242 | 0-24 |
| | | | | 244 | 0-01 |
| | | | | 173 | 0-26 |
| | | | | 174 | 0-42 |
| | | | | 175 | 0-09 |
| | | | | 179 | 0-05 |

176 0-01

180 0-26

181 0-21

184 0-03

185 0-54

117/320 0-04

116 0-01

115 0-25

113 0-03

112 0-15

111 1-70

110 0-01

109 0-05

108 0-30

107 0-01

106 0-39

105 0-75

104 0-57

103 1-17

101 0-01

100 0-51

71 0-15

78 0-84

73 0-02

190 0-03

[No. O-14016/187/84-GP]

का० आ० 3342—यस: पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की

अधिसूचना का०आ०सं० 4064 तारीख 12-11-84 द्वारा
केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में
विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों
को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित
कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की
धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट
दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर
विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची
में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने
का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा
(1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार
एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची
में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-
लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया
जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती
है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार
में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में
सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस
तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा सं० | लिया गया रकबा एकड़ में |
|-------|-------|-------|--------|-------------|------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| जालान | कोच | कोच | फुलेला | 82 | 0-03 |
| | | | | 97 | 0-02 |
| | | | | 98 | 0-02 |
| | | | | 99 | 1-13 |
| | | | | 101 | 1-97 |
| | | | | 102 | 0-03 |
| | | | | 103 | 0-95 |
| | | | | 104 | 0-09 |
| | | | | 119 | 0-03 |
| | | | | 138 | 0-31 |
| | | | | 139 | 0-21 |
| | | | | 140 | 0-08 |
| | | | | 145 | 0-05 |
| | | | | 146 | 1-40 |
| | | | | 147 | 0-39 |
| | | | | 173 | 0-03 |
| | | | | 190 | 0-21 |
| | | | | 238 | 2-32 |
| | | | | 241 | 0-03 |
| | | | | 242 | 0-34 |
| | | | | 244 | 0-02 |
| | | | | 250 | 0-49 |
| | | | | 252 | 0-03 |

SCHEDULE

Gas Pipe Line From Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project

District Tahsil Pargana Village Plot Area
No. in acres

1 2 3 4 5 6

| | | | | | |
|--------|-------|-------|---------|-------|------|
| Jalaun | Konch | Konch | Fulaila | 82 | 0-03 |
| | | | | 97 | 0-02 |
| | | | | 78 | 0-02 |
| | | | | 99 | 1-13 |
| | | | | 101 | 1-97 |
| | | | | 102 | 0-03 |
| | | | | 103 | 0-95 |
| | | | | 104 | 0-09 |
| | | | | 119 | 0-03 |
| | | | | 138 | 0-31 |
| | | | | 139 | 0-21 |
| | | | | 140 | 0-08 |
| | | | | 145 | 0-05 |
| | | | | 146 | 1-40 |
| | | | | 147 | 0-39 |
| | | | | 173 | 0-03 |
| | | | | 190 | 0-21 |
| | | | | 238 | 2-32 |
| | | | | 241 | 0-03 |
| | | | | 242 | 0-34 |
| | | | | 244 | 0-02 |
| | | | | 250 | 0-49 |
| | | | | 252 | 0-03 |
| | | | | 253 | 0-75 |
| | | | | 255 | 0-02 |
| | | | | 256/1 | 1-21 |
| | | | | 273 | 0-05 |
| | | | | 274 | 0-75 |
| | | | | 275 | 0-41 |
| | | | | 277 | 0-02 |
| | | | | 281 | 0-53 |
| | | | | 282 | 0-02 |
| | | | | 284 | 0-06 |

[सं० O-14016/302/84-जी०पी०]

S.O. 3342.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4064 dated 12-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act., 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

कांआं 3343.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना कांआं सं० 4082 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेला-जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा सं० | लिया गया रकबा (एकड़ में) |
|------|-------|-------|-------|----------|--------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| झाबा | औरया | औरया | लहौसर | 16 | 0-05 |
| | | | | 26 | 0-47 |
| | | | | 30 | 0-70 |
| | | | | 39 | 0-13 |
| | | | | 40 | 0-54 |
| | | | | 52 | 0-40 |
| | | | | 53 | 0-24 |
| | | | | 54 | 0-14 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|-----|------|
| | | | | 55 | 0-64 |
| | | | | 56 | 0-24 |
| | | | | 58 | 0-04 |
| | | | | 59 | 0-44 |
| | | | | 60 | 0-30 |
| | | | | 61 | 0-46 |
| | | | | 173 | 0-60 |
| | | | | 174 | 0-34 |
| | | | | 175 | 0-30 |
| | | | | 177 | 0-06 |
| | | | | 193 | 0-20 |
| | | | | 195 | 0-03 |
| | | | | 199 | 0-68 |
| | | | | 201 | 0-62 |
| | | | | 295 | 0-10 |
| | | | | 311 | 0-98 |
| | | | | 342 | 0-10 |
| | | | | 317 | 0-07 |
| | | | | 320 | 2-15 |
| | | | | 315 | 0-20 |
| | | | | 29 | 0-82 |
| | | | | 194 | 0-28 |
| | | | | 243 | 0-09 |
| | | | | 327 | 0-05 |

[सं० O-14016/321/84-जी०पी०]

S.O. 3343.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Deptt. of Petroleum S.O. 4082 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

| Distt. | Pargana | Tehsil | Village | Plot No. | Area Acquired |
|--------|---------|---------|---------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Etawah | Auraiya | Auraiya | Laho- | 16 | 0-05 |
| | | | khar | 26 | 0-47 |
| | | | | 30 | 0-70 |
| | | | | 39 | 0-13 |
| | | | | 40 | 0-54 |
| | | | | 52 | 0-40 |
| | | | | 53 | 0-24 |
| | | | | 54 | 0-14 |
| | | | | 55 | 0-64 |
| | | | | 56 | 0-24 |
| | | | | 58 | 0-04 |
| | | | | 57 | 0-44 |
| | | | | 60 | 0-30 |
| | | | | 61 | 0-46 |
| | | | | 173 | 0-60 |
| | | | | 174 | 0-34 |
| | | | | 175 | 0-30 |
| | | | | 177 | 0-06 |
| | | | | 193 | 0-20 |
| | | | | 195 | 0-03 |
| | | | | 199 | 0-68 |
| | | | | 201 | 0-62 |
| | | | | 295 | 0-10 |
| | | | | 311 | 0-98 |
| | | | | 312 | 0-10 |
| | | | | 317 | 0-07 |
| | | | | 320 | 2-15 |
| | | | | 315 | 0-20 |
| | | | | 29 | 0-82 |
| | | | | 194 | 0-28 |
| | | | | 243 | 0-09 |
| | | | | 327 | 0-05 |

[No. O-14016/327/84-G.P.]

का० आ० 3344.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम, विभाग की अधिसूचना का०आ०सं० 4083 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आणव घोषित कर दिया था।

और यतः सज़म प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा संख्या | लिया गया रकबा |
|------|-------|-------|---------|-------------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| इटवा | औरिया | औरिया | लखनोपुर | 1 | 0-28 |
| | | | | 2 | 0-24 |
| | | | | 3 | 0-20 |
| | | | | 4 | 0-01 |
| | | | | 6 | 0-06 |
| | | | | 12 | 0-12 |
| | | | | 13 | 0-28 |
| | | | | 14 | 0-15 |
| | | | | 15 | 0-13 |
| | | | | 16 | 0-18 |
| | | | | 17 | 0-15 |
| | | | | 18 | 0-32 |
| | | | | 19 | 0-01 |

[सं० O-14016/322/84-जीपी]

S.O. 3344.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy Deptt. of Petroleum S.O. 4083 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the

Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipe Line Project

| Distt. | Tehsil | Pargana | Village | Plot No | Area Acquired |
|--------|---------|---------|-------------|---------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Etawah | Auraiya | Auraiya | Lakha-napur | 1 | 0-28 |
| | | | | 2 | 0-24 |
| | | | | 3 | 0-20 |
| | | | | 4 | 0-01 |
| | | | | 6 | 0-06 |
| | | | | 12 | 0-12 |
| | | | | 13 | 0-28 |
| | | | | 14 | 0-15 |
| | | | | 15 | 0-13 |
| | | | | 16 | 0-18 |
| | | | | 17 | 0-15 |
| | | | | 18 | 0-32 |
| | | | | 19 | 0-01 |

[No. O-14016/322/84-G.P.]

का० आ० 3345.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ०सं० 4084 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः संक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | पर्गना | ग्राम | गांवा सं० | लिया गया रकबा (एकड़ में) |
|-------|-------|--------|----------|-----------|--------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| इटावा | औरिया | औरिया | महंतोपुर | 105 | 0-09 |
| | | | | 130 | 0-06 |
| | | | | 113 | 0-33 |
| | | | | 114 | 1-45 |
| | | | | 119 | 0-03 |
| | | | | 127 | 1-50 |
| | | | | 120 | 0-55 |
| | | | | 126 | 0-35 |

[सं० O-14016/323/84-जी० पी०]

S.O. 3345.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum) S.O. 4084 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has, under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline,

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall, instead of vesting in Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

| Distt. | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area Acquired |
|--------|---------|---------|---------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Etawah | Auraiya | Auraiya | Mah- | 105 | 0-00 |
| | | | topur | 130 | 0-06 |
| | | | | 113 | 0-33 |
| | | | | 114 | 1-45 |
| | | | | 119 | 0-03 |
| | | | | 127 | 1-50 |
| | | | | 120 | 0-55 |
| | | | | 126 | 0-35 |

[No. O-14016/323/-84-GP]

का. आ. 3346.—अयतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन,) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के पेट्रोलियम विभाग के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, की अधिसूचना का. आ. सं. 4085 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था;

और यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है :

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है;

तथा यतः उक्त अधिनियम का भाग 3 का उपधारा (1)

द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्द्वारा अधिसूचना देती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा लिया गया रकबा स० (एकड़) में |
|-------|-------|-------|------------|-------------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| इटावा | औरैया | औरैया | चिरहू लिया | 214 |
| | | | | 215 |
| | | | | 0-05 |
| | | | | 0-60 |

[सं. O-14016/324/84-जीपी]

S.O. 3346.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Deptt. of Petroleum) S.O. 4085 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

1 2 3 4 5 6

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

Distt. Pargana Tehsil Village Plot Area
No. Acquire d

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------|---------|---------|----------------|------------|--------------|
| Etawah | Auraiya | Auraiya | Chir- bulia | 214 215 | 0-05 0-60 |

[No O-14016/324/84-GP]

का. आ. 3347.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 4109 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन को इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | पर्गना | ग्राम | गाँवा | लिया गया सं रकबा (एकड़) में |
|-------|-------|--------|-------|-------|-----------------------------------|
| 1 | 2 | 2 | 4 | 5 | 6 |
| इटावा | औरिया | औरिया | फैजरी | 166 | 0-05 |
| | | | | 167 | 0-15 |
| | | | | 170 | 0-12 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|------|------|
| | | | | 862 | 0-06 |
| | | | | 863 | 0-24 |
| | | | | 864 | 0-40 |
| | | | | 848 | 0-62 |
| | | | | 846 | 0-26 |
| | | | | 349 | 0-05 |
| | | | | 343 | 0-56 |
| | | | | 844 | 0-05 |
| | | | | 842 | 0-22 |
| | | | | 826 | 0-01 |
| | | | | 827 | 0-28 |
| | | | | 828 | 0-39 |
| | | | | 831 | 0-12 |
| | | | | 832 | 0-28 |
| | | | | 833 | 0-05 |
| | | | | 834 | 0-01 |
| | | | | 966 | 0-02 |
| | | | | 813 | 0-27 |
| | | | | 812 | 0-31 |
| | | | | 811 | 0-22 |
| | | | | 810 | 0-17 |
| | | | | 809 | 0-07 |
| | | | | 808 | 0-02 |
| | | | | 807 | 0-17 |
| | | | | 804 | 0-05 |
| | | | | 805 | 0-50 |
| | | | | 801 | 0-01 |
| | | | | 1098 | 0-01 |
| | | | | 1115 | 0-20 |
| | | | | 835 | 0-01 |

[सं. O-14016/325/84-जी. पी.]

S.O. 3347.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Deptt. of Petroleum) S.O. 4109 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

| Distt | Pargana | Tehsil | Village | Plot No. | Area Acquired |
|--------|---------|---------|----------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Etawah | Auraiya | Auraiya | Kainjari | 166 | 0-05 |
| | | | | 167 | 0-15 |
| | | | | 170 | 0-12 |
| | | | | 171 | 0-24 |
| | | | | 174 | 0-20 |
| | | | | 177 | 0-32 |
| | | | | 173 | 0-20 |
| | | | | 179 | 0-31 |
| | | | | 181 | 0-03 |
| | | | | 188 | 0-07 |
| | | | | 189 | 0-03 |
| | | | | 408 | 0-65 |
| | | | | 404 | 0-55 |
| | | | | 410 | 0-12 |
| | | | | 411 | 0-10 |
| | | | | 415 | 0-18 |
| | | | | 430 | 0-10 |
| | | | | 431 | 0-13 |
| | | | | 432 | 0-06 |
| | | | | 433 | 9-52 |
| | | | | 434 | 0-06 |
| | | | | 435 | 0-43 |
| | | | | 436 | 2-15 |
| | | | | 445 | 0-04 |
| | | | | 452/2 | 0-48 |
| | | | | 454 | 0-33 |
| | | | | 460 | 0-50 |
| | | | | 461 | 0-09 |
| | | | | 505 | 0-12 |
| | | | | 506 | 0-17 |
| | | | | 507 | 0-08 |
| | | | | 508 | 0-12 |
| | | | | 509 | 0-12 |
| | | | | 516 | 0-09 |
| | | | | 671 | 0-02 |
| | | | | 672 | 0-58 |
| | | | | 673 | 0-50 |
| | | | | 674 | 0-20 |
| | | | | 690 | 0-55 |
| | | | | 691 | 0-54 |
| | | | | 692 | 0-31 |
| | | | | 693 | 0-02 |
| | | | | 682 | 0-43 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|------|------|
| | | | | 730 | 0-12 |
| | | | | 857 | 0-18 |
| | | | | 860 | 0-02 |
| | | | | 861 | 0-20 |
| | | | | 862 | 0-06 |
| | | | | 863 | 0-24 |
| | | | | 864 | 0-40 |
| | | | | 848 | 0-62 |
| | | | | 846 | 0-26 |
| | | | | 849 | 0-05 |
| | | | | 843 | 0-56 |
| | | | | 844 | 0-05 |
| | | | | 842 | 0-22 |
| | | | | 826 | 0-01 |
| | | | | 827 | 0-28 |
| | | | | 828 | 0-39 |
| | | | | 831 | 0-12 |
| | | | | 832 | 0-28 |
| | | | | 833 | 0-05 |
| | | | | 834 | 0-01 |
| | | | | 966 | 0-02 |
| | | | | 813 | 0-27 |
| | | | | 812 | 0-31 |
| | | | | 811 | 0-22 |
| | | | | 810 | 0-17 |
| | | | | 809 | 0-07 |
| | | | | 808 | 0-02 |
| | | | | 807 | 0-17 |
| | | | | 804 | 0-05 |
| | | | | 805 | 0-50 |
| | | | | 801 | 0-01 |
| | | | | 1098 | 0-01 |
| | | | | 1115 | 0-20 |
| | | | | 835 | 0-01 |

[No.-O-14016/325/84-GP]

का. आ. 3348.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 4086 तारीख 1-12-1984 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा संख्या | लिया गया रकम |
|-------|-------|-------|--------|-------------|--------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| इटावा | औरमा | और मा | कुड़रा | 2 | 0-09 |
| | | | | 6 | 0-45 |
| | | | | 18 | 0-12 |
| | | | | 19 | 0-42 |
| | | | | 12 | 0-26 |
| | | | | 13 | 0-36 |
| | | | | 14 | 0-29 |
| | | | | 43 | 0-04 |
| | | | | 44 | 0-31 |
| | | | | 47 | 0-16 |
| | | | | 48 | 0-50 |
| | | | | 56 | 0-26 |
| | | | | 57 | 0-27 |
| | | | | 58 | 0-01 |
| | | | | 62 | 0-12 |
| | | | | 63 | 0-14 |
| | | | | 65 | 0-05 |
| | | | | 66 | 0-02 |
| | | | | 67 | 0-01 |
| | | | | 64 | 0-14 |
| | | | | 76 | 0-04 |
| | | | | 77 | 0-27 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|-----|------|---|---|---|---|-----|------|
| | | | | 78 | 0-32 | | | | | 43 | 0-04 |
| | | | | 79 | 0-06 | | | | | 44 | 0-31 |
| | | | | 83 | 0-07 | | | | | 47 | 0-16 |
| | | | | 84 | 0-18 | | | | | 48 | 0-50 |
| | | | | 85 | 0-20 | | | | | 56 | 0-26 |
| | | | | 123 | 0-08 | | | | | 57 | 0-27 |
| | | | | 86 | 0-13 | | | | | 58 | 0-01 |
| | | | | 87 | 0-27 | | | | | 62 | 0-12 |
| | | | | 94 | 0-12 | | | | | 63 | 0-14 |
| | | | | 95 | 0-05 | | | | | 65 | 0-05 |
| | | | | 96 | 0-21 | | | | | 66 | 0-02 |
| | | | | 16 | 0-01 | | | | | 67 | 0-01 |
| | | | | 238 | 0-05 | | | | | 64 | 0-14 |
| | | | | 239 | 0-05 | | | | | 76 | 0-04 |
| | | | | 240 | 0-12 | | | | | 77 | 0-27 |
| | | | | 242 | 0-30 | | | | | 78 | 0-32 |
| | | | | 36 | 0-14 | | | | | 79 | 0-06 |
| | | | | 15 | 0-02 | | | | | 83 | 0-07 |
| | | | | | | | | | | 84 | 0-18 |
| | | | | | | | | | | 85 | 0-20 |
| | | | | | | | | | | 123 | 0-08 |
| | | | | | | | | | | 86 | 0-13 |
| | | | | | | | | | | 87 | 0-27 |
| | | | | | | | | | | 94 | 0-12 |
| | | | | | | | | | | 95 | 0-05 |
| | | | | | | | | | | 96 | 0-21 |
| | | | | | | | | | | 16 | 0-01 |
| | | | | | | | | | | 238 | 0-05 |
| | | | | | | | | | | 239 | 0-05 |
| | | | | | | | | | | 240 | 0-12 |
| | | | | | | | | | | 242 | 0-30 |
| | | | | | | | | | | 36 | 0-14 |
| | | | | | | | | | | 15 | 0-02 |

[स. O-14016/326/84-जी पी]

S.O. 3348.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy Deptt. of Petroleum S.O. 4086 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of powers conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipe Line Project

| Distt. | Par-gana | Tehsil | Village | Plot No. | Area Acquired | Re-mark |
|--------|----------|--------|---------|----------|---------------|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Ettava | Ariya | Avriya | Kudra | | | |
| | | | | 2 | 0-09 | |
| | | | | 6 | 0-45 | |
| | | | | 18 | 0-12 | |
| | | | | 19 | 0-42 | |
| | | | | 12 | 0-26 | |
| | | | | 13 | 0-36 | |
| | | | | 14 | 0-29 | |

[No. O-14016/326/84-G. P.]

का. आ. 3349 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 4110 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और अगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस शर्तों को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा - बरेली - जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा सं. | लिया गया रकबा (एकड़) में |
|-------|-------|-------|-------|----------|--------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| इटावा | औरंगा | औरंगा | सेहुद | 3 | 0-03 |
| | | | | 4 | 0-06 |
| | | | | 5 | 0-30 |
| | | | | 6 | 0-06 |
| | | | | 7 | 0-08 |
| | | | | 8 | 0-20 |
| | | | | 9 | 0-16 |
| | | | | 71 | 0-13 |
| | | | | 73 | 0-06 |
| | | | | 74 | 0-14 |
| | | | | 119 | 0-16 |
| | | | | 120 | 0-10 |
| | | | | 121 | 0-72 |
| | | | | 122 | 0-14 |
| | | | | 125 | 0-01 |
| | | | | 126 | 0-64 |
| | | | | 127 | 0-13 |
| | | | | 128 | 0-24 |
| | | | | 129 | 0-06 |
| | | | | 163 | 0-02 |
| | | | | 164 | 0-36 |
| | | | | 165 | 0-10 |
| | | | | 173 | 0-10 |
| | | | | 174 | 0-12 |
| | | | | 175 | 0-25 |
| | | | | 176 | 0-04 |
| | | | | 179 | 0-38 |
| | | | | 184 | 0-08 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|-----|------|
| | | | | 197 | 0-39 |
| | | | | 200 | 0-26 |
| | | | | 202 | 0-04 |
| | | | | 203 | 0-04 |
| | | | | 204 | 0-23 |
| | | | | 226 | 0-34 |
| | | | | 228 | 0-02 |
| | | | | 229 | 0-68 |
| | | | | 230 | 0-02 |
| | | | | 231 | 0-12 |
| | | | | 232 | 0-06 |
| | | | | 233 | 0-03 |
| | | | | 236 | 0-03 |
| | | | | 247 | 0-26 |
| | | | | 250 | 0-44 |
| | | | | 257 | 0-01 |
| | | | | 281 | 0-42 |
| | | | | 282 | 0-24 |
| | | | | 283 | 0-18 |
| | | | | 256 | 0-01 |

[सं. O-14016/ 327/84-जी. पी.]

S.O. 3349.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum S.O. 4110 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe line Project

| Distt | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area Acquired |
|--------|--------|---------|---------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Etawah | Auriya | Auriya | Sehud | 3 | 0-03 |
| | | | | 4 | 0-06 |
| | | | | 5 | 0-30 |
| | | | | 6 | 0-06 |
| | | | | 7 | 0-08 |
| | | | | 8 | 0-20 |
| | | | | 9 | 0-16 |
| | | | | 71 | 0-13 |
| | | | | 73 | 0-06 |
| | | | | 74 | 0-14 |
| | | | | 119 | 0-16 |
| | | | | 120 | 0-10 |
| | | | | 121 | 0-72 |
| | | | | 122 | 0-14 |
| | | | | 125 | 0-01 |
| | | | | 126 | 0-64 |
| | | | | 127 | 0-13 |
| | | | | 128 | 0-24 |
| | | | | 129 | 0-06 |
| | | | | 163 | 0-02 |
| | | | | 164 | 0-36 |
| | | | | 165 | 0-10 |
| | | | | 173 | 0-10 |
| | | | | 174 | 0-12 |
| | | | | 175 | 0-25 |
| | | | | 176 | 0-04 |
| | | | | 179 | 0-38 |
| | | | | 184 | 0-08 |
| | | | | 197 | 0-39 |
| | | | | 200 | 0-26 |
| | | | | 202 | 0-04 |
| | | | | 203 | 0-04 |
| | | | | 204 | 0-23 |
| | | | | 226 | 0-34 |
| | | | | 228 | 0-02 |
| | | | | 229 | 0-68 |
| | | | | 230 | 0-12 |
| | | | | 231 | 0-12 |
| | | | | 232 | 0-06 |
| | | | | 233 | 0-03 |
| | | | | 236 | 0-03 |
| | | | | 247 | 0-26 |
| | | | | 250 | 0-44 |
| | | | | 257 | 0-01 |
| | | | | 281 | 0-42 |
| | | | | 282 | 0-24 |
| | | | | 283 | 0-18 |
| | | | | 256 | 0-01 |

का. आ. 3350. —यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. स. 4087 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा सं. | लिया गया रकबा |
|-------|-------|-------|---------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| इटावा | औरैया | औरैया | दौलतपुर | 200 | 0-08 |
| | | | | 210 | 0-41 |
| | | | | 211 | 0-37 |
| | | | | 212 | 0-03 |
| | | | | 215 | 0-30 |
| | | | | 216 | 1-04 |
| | | | | 217 | 0-50 |
| | | | | 218 | 0-25 |
| | | | | 220 | 0-04 |
| | | | | 019 | 0-25 |
| | | | | 621 | 0-56 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|------|------|
| | | | | 622 | 0-09 |
| | | | | 623 | 0-14 |
| | | | | 624 | 1-11 |
| | | | | 642 | 0-06 |
| | | | | 647 | 0-25 |
| | | | | 648 | 0-97 |
| | | | | 649 | 0-03 |
| | | | | 652 | 0-10 |
| | | | | 655 | 0-33 |
| | | | | 656 | 0-01 |
| | | | | 657 | 1-37 |
| | | | | 667 | 1-70 |
| | | | | 668 | 0-28 |
| | | | | 669 | 0-03 |
| | | | | 697 | 0-60 |
| | | | | 698 | 0-20 |
| | | | | 699 | 0-10 |
| | | | | 704 | 0-41 |
| | | | | 705 | 0-56 |
| | | | | 714 | 0-59 |
| | | | | 715 | 0-23 |
| | | | | 717 | 0-19 |
| | | | | 718 | 0-09 |
| | | | | 733 | 0-21 |
| | | | | 734 | 0-21 |
| | | | | 735 | 0-49 |
| | | | | 729 | 0-34 |
| | | | | 1010 | 1-02 |
| | | | | 1012 | 0-45 |
| | | | | 1013 | 0-36 |
| | | | | 1014 | 0-35 |
| | | | | 1015 | 0-22 |
| | | | | 1026 | 0-05 |
| | | | | 1027 | 0-10 |
| | | | | 1028 | 1-76 |
| | | | | 1029 | 0-82 |
| | | | | 1031 | 0-61 |
| | | | | 1036 | 0-45 |
| | | | | 1037 | 0-24 |
| | | | | 1038 | 0-39 |
| | | | | 1039 | 0-62 |
| | | | | 1069 | 0-03 |
| | | | | 1073 | 0-81 |
| | | | | 1111 | 0-26 |
| | | | | 1112 | 0-51 |
| | | | | 1055 | 0-04 |

S.O. 3350.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum S.O. 4087 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 5 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe line Project

| Distt. | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Acquired Area |
|--------|---------|-------------------|---------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Etawah | Auraiya | Auraiya Daulatpur | | 200 | 0-06 |
| | | | | 210 | 0-41 |
| | | | | 211 | 0-37 |
| | | | | 212 | 0-03 |
| | | | | 215 | 0-30 |
| | | | | 216 | 1-04 |
| | | | | 217 | 0-50 |
| | | | | 218 | 0-25 |
| | | | | 220 | 0-04 |
| | | | | 019 | 0-25 |
| | | | | 621 | 0-56 |
| | | | | 622 | 0-09 |
| | | | | 623 | 0-14 |
| | | | | 624 | 1-11 |
| | | | | 642 | 0-06 |
| | | | | 647 | 0-25 |
| | | | | 648 | 0-97 |
| | | | | 649 | 0-03 |
| | | | | 652 | 0-10 |
| | | | | 655 | 0-33 |
| | | | | 656 | 0-01 |
| | | | | 657 | 1-37 |
| | | | | 667 | 1-70 |
| | | | | 668 | 0-28 |
| | | | | 689 | 0-03 |
| | | | | 697 | 0-60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|-------|-------|
| | | | | 698 | 0-20 |
| | | | | 699 | 0-10 |
| | | | | 704 | 0-41 |
| | | | | 705 | 0-56 |
| | | | | 714 | 0-59 |
| | | | | 715 | 0-23 |
| | | | | 717 | 0-19 |
| | | | | 718 | 0-09 |
| | | | | 733 | 0-21 |
| | | | | 734 | 0-21 |
| | | | | 735 | 0-49 |
| | | | | 729 | 0-34 |
| | | | | 1010 | 1-02 |
| | | | | 1012 | 0-45 |
| | | | | 1013 | 0-36 |
| | | | | 1014 | 0-352 |
| | | | | 1015 | 0-22 |
| | | | | 1026 | 0-05 |
| | | | | 1027 | 0-10 |
| | | | | 1028 | 1-76 |
| | | | | 1029 | 0-82 |
| | | | | 1031 | 0-61 |
| | | | | 1036 | 0-45 |
| | | | | 1037 | 0-24 |
| | | | | 1038 | 0-39 |
| | | | | 11039 | 0-62 |
| | | | | 1069 | 0-03 |
| | | | | 1073 | 0-81 |
| | | | | 1112 | 0-51 |
| | | | | 1055 | 0-40 |

[No. O-14016/335/84-GP]

का. आ. 3351 :—यतः—पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 4495 तारीख 22-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आग्रह घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार

पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : राजपुर तहसील : महिदपुर जिला : उज्जैन राज्य : (म.प्र.)

अनु क्र. खसरा नं. उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टेर्स में)

| 1 | 2 | 3 |
|----------------------|-------|-------|
| 1. | 211 | 0.162 |
| 2. | 212 | 0.656 |
| 3. | 221 | 0.008 |
| 4. | 222/1 | 0.057 |
| 5. | 223/1 | 0.170 |
| | 223/3 | — |
| 6. | 223/2 | 0.380 |
| | 223/4 | — |
| 7. | 225/2 | 0.437 |
| | 225/3 | — |
| 8. | 250 | 0.243 |
| 9. | 251 | 0.154 |
| 10. | 252 | 0.089 |
| 11. | 254 | 0.384 |
| 12. | 209 | 0.004 |
| 13. | 246/2 | 0.287 |
| 14. | 255/2 | 0.036 |
| 15. | 248 | 0.061 |
| 16. | 258 | 0.020 |
| योग कुल क्षेत्रफल :— | | 3.148 |

[सं. O-14016/384/84-जो.पी.]

S.O. 3351.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4495 dated 22-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Acts the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline:

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Tappur Tehsil : Mahidpur Distt. : Ujjain

SCHEDULE

| S.No. | Survey No. | Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare |
|------------|------------|---|
| 1. | 211 | 0.162 |
| 2. | 212 | 0-656 |
| 3. | 221 | 0.008 |
| 4. | 222/1 | 0.057 |
| 5. | 223/1 | 0.170 |
| | 223/3 | — |
| | 223/2 | 0.380 |
| | 223/4 | — |
| 7. | 225/2 | 0.437 |
| | 225/3 | — |
| 8. | 250 | 0.243 |
| 9. | 251 | 0.154 |
| 10. | 252 | 0.089 |
| 11. | 254 | 0.384 |
| 12. | 209 | 0.004 |
| 13. | 246/2 | 0.287 |
| 14. | 255/2 | 0.036 |
| 15. | 248 | 0.061 |
| 16. | 258 | 0.020 |
| TOTAL AREA | | 3.148 |

[No. O-14016/384/84-GP]

का. आ. 3352 --यत पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 4496 तारीख 22-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों

को विछाने के लिये अधिनियम का अपना आणख घोषित कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत केन्द्रिय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करता है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बावजूद भारत गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : वेलाखेडा तहसील : महिदपुर जिला : उज्जैन राज्य : म.प्र.

अनु. क्र. खसरा नं. उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर्स में)

| 1 | 2 | 3 |
|-----|-------|-------|
| 1. | 79 | 0.020 |
| 2. | 84 | 0.020 |
| 3. | 83 | 0.344 |
| 4. | 82 | 0.040 |
| 5. | 85 | 0.202 |
| 6. | 86 | 0.162 |
| 7. | 72 | 0.283 |
| 8. | 87/1 | 0.020 |
| 9. | 74 | 0.283 |
| 10. | 73 | 0.202 |
| 11. | 71 | 0.275 |
| 12. | 90 | 0.028 |
| 13. | 91 | 0.214 |
| 14. | 92 | 0.020 |
| 15. | 70 | 0.016 |
| 16. | 96 | 0.348 |
| 17. | 95 | 0.085 |
| 18. | 103 | 0.283 |
| 19. | 107/2 | 0.032 |

| 1 | 2 | 3 |
|-----|-----------|-------|
| 20. | 108/5 | 0.214 |
| 21. | 108/6 | 0.194 |
| 22. | 108/4 | 0.202 |
| 23. | 108/3 | 0.352 |
| 24. | 107/3 | 0.024 |
| 25. | 115/1 | 0.138 |
| 26. | 116 | 0.263 |
| 27. | 168/1 | 0.243 |
| 28. | 167/4 | 0.202 |
| 29. | 167/5 | 0.243 |
| 30. | 165 | 0.081 |
| 31. | 190 | 0.332 |
| 32. | 167/1/1 | 0.365 |
| 33. | 167/1/1/2 | 0.059 |
| 34. | 175 | 0.020 |
| 35. | 176 | 0.028 |
| 36. | 177 | 0.170 |
| 37. | 178 | 0.020 |
| 38. | 179 | 0.344 |
| 39. | 164 | 0.020 |
| 40. | 189 | 0.251 |
| 41. | 191 | 0.024 |
| 42. | 192 | 0.458 |
| 43. | 197 | 0.016 |
| 44. | 102/2 | 0.004 |
| 45. | 166 | 0.020 |

योग कुल क्षेत्रफल — 7.164

[सं. O- 14016/385/84-जी.पी.]

S.O. 3352.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 4496 dated 22-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances,

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT Village : Belakheda Tehsil : Mahidpur Distt. : Ujjain

S.No. Survey No. Area to be Acquired for
R.O.U. in Hectare

| | | |
|-----|-----------|-------|
| 1. | 79 | 0.002 |
| 2. | 84 | 0.020 |
| 3. | 83 | 0.344 |
| 4. | 82 | 0.040 |
| 5. | 85 | 0.202 |
| 6. | 86 | 0.162 |
| 7. | 72 | 0.283 |
| 8. | 87/1 | 0.020 |
| 9. | 74 | 0.283 |
| 10. | 73 | 0.202 |
| 11. | 71 | 0.273 |
| 12. | 90 | 0.028 |
| 13. | 91 | 0.214 |
| 14. | 92 | 0.020 |
| 15. | 70 | 0.016 |
| 16. | 96 | 0.348 |
| 17. | 95 | 0.085 |
| 18. | 103 | 0.283 |
| 19. | 107/2 | 0.032 |
| 20. | 108/5 | 0.214 |
| 21. | 108/6 | 0.194 |
| 22. | 108/4 | 0.202 |
| 23. | 108/3 | 0.352 |
| 24. | 107/3 | 0.024 |
| 25. | 115/1 | 0.138 |
| 26. | 116 | 0.263 |
| 27. | 168/1 | 0.243 |
| 28. | 167/4 | 0.202 |
| 29. | 167/5 | 0.243 |
| 30. | 165 | 0.081 |
| 31. | 190 | 0.332 |
| 32. | 167/1/1 | 0.365 |
| 33. | 167/1/1/2 | 0.059 |
| 34. | 175 | 0.020 |
| 35. | 176 | 0.028 |
| 36. | 177 | 0.170 |
| 37. | 178 | 0.020 |
| 38. | 179 | 0.344 |
| 39. | 164 | 0.020 |
| 40. | 189 | 0.251 |
| 41. | 191 | 0.024 |
| 42. | 192 | 0.458 |
| 43. | 197 | 0.016 |
| 44. | 102/2 | 0.004 |
| 45. | 166 | 0.020 |

TOTAL AREA 7.164

[No. O- 14016/385/84-GP]

का. आ. 3353 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजिरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्व्यवस्था अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों को प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने इसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

जहाँ कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप रख सके प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हजिरा बरेली जगदीशपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट।

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम का नाम | गाँव संख्या | लिया गया रकबा |
|--------|----------|----------|--------------|-------------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| कानपुर | अकबर-पुर | अकबर-पुर | | 305 | 0-5-0 |
| देहात | पुर | पुर | | 303 | 1-3-0 |
| | | | | 293 | 0-18-0 |
| | | | | 296 | 2-3-0 |
| | | | | 16 | 0-6-0 |
| | | | | 24 | 1-1-0 |
| | | | | 23 | 0-11-0 |
| | | | | 25 | 1-8-0 |
| | | | | 28 | 0-17-0 |
| | | | | 19 | 0-2-0 |
| | | | | 280 | 0-2-0 |
| | | | | 22 | 0-2-0 |

[सं. O-14016/393/85-जी. पी.]

S.O. 3353.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 (U.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur pipe Line Project

| Distt. | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area Acquired |
|--------|--------|---------|---------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Kanpur | Akbar- | Akbar- | Pur | 305 | 0-5-0 |
| Dehat | pur | pur | | 303 | 1-3-0 |
| | | | | 293 | 0-18-0 |
| | | | | 296 | 2-3-0 |
| | | | | 16 | 0-6-0 |
| | | | | 24 | 1-1-0 |
| | | | | 23 | 0-11-0 |
| | | | | 25 | 1-8-0 |
| | | | | 28 | 0-17-0 |
| | | | | 19 | 0-2-0 |
| | | | | 280 | 0-2-0 |
| | | | | 22 | 0-2-0 |

[No. O-14016/393/85-GP]

का. आ. 3354 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अन्तर्गत भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. म. 4512 तारीख 22.12.84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

| और यह: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है। | | | | | |
|--|---|---|---|-------|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| | | | | 1391 | 0-2-16 |
| | | | | 1387 | 0-2-8 |
| | | | | 1388 | 0-2-0 |
| | | | | 1389 | 0-2-0 |
| | | | | 1390 | 0-6-7 |
| | | | | 1388/ | 0-1-0 |
| | | | | 1450 | |
| | | | | 1383 | 0-1-0 |
| | | | | 1243 | 1-18-14 |
| | | | | 1376 | 0-2-12 |
| | | | | 1380 | 0-5-18 |
| | | | | 1379 | 0-15-12 |
| | | | | 1378 | 0-1-6 |
| | | | | 1377 | 0-10-0 |
| | | | | 1374 | 0-2-12 |
| | | | | 1373/ | 1-0-0 |
| | | | | 1448 | |
| | | | | 1369 | 0-13-0 |
| | | | | 1370 | 0-9-2 |
| | | | | 1296 | 0-3-18 |
| | | | | 1295 | 1-2-0 |
| | | | | 1292 | 0-3-16 |
| | | | | 1298 | 0-8-15 |
| | | | | 1299 | 0-7-10 |
| | | | | 1300 | 0-18-4 |
| | | | | 1279 | 0-2-0 |
| | | | | 1281 | 0-4-4 |
| | | | | 1288 | 0-1-10 |
| | | | | 1282 | 0-15-0 |
| | | | | 1284 | 0-8-9 |
| | | | | 1280 | 1-9-18 |
| | | | | 1272 | 0-7-4 |
| | | | | 1266 | 0-4-19 |
| | | | | 1270 | 0-1-10 |
| | | | | 1267 | 2-18-19 |
| | | | | 630 | 6-14-8 |
| | | | | 1109 | 0-11-10 |
| | | | | 1381 | 0-0-15 |
| | | | | 1400 | 0-0-18 |
| [सं. O-14016/402/84-जी. पी.] | | | | | |
| S.O. 3384.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy Department of Petroleum S.O. 4512 dated 14-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline; | | | | | |
| And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government; | | | | | |

और यह: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और अतः यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और अतः उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गाँव | लिया गया सं. | रकबा एकड़ में |
|--------|---------|---------|--------|---------|--------------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | |
| कानपुर | देरापुर | देरापुर | नोनारी | बुजुर्ग | | |
| देहात | | | | 1145 | 0-2-0 | |
| | | | | 1146 | 0-10-0 | |
| | | | | 1144 | 0-11-4 | |
| | | | | 1147 | 0-2-12 | |
| | | | | 1150 | 1-4-14 | |
| | | | | 1156 | 0-6-15 | |
| | | | | 1129 | 1-19-0 | |
| | | | | 1128 | 1-7-05 | |
| | | | | 1160 | 0-2-16 | |
| | | | | 1197 | 0-11-11 | |
| | | | | 1196 | 0-4-15 | |
| | | | | 1198 | 0-0-7 | |
| | | | | 1199 | 0-1-8 | |
| | | | | 1188 | 0-9-16 | |
| | | | | 1156 | 1-2-15 | |
| | | | | 1189 | 1-8-8 | |
| | | | | 1232 | 0-3-18 | |
| | | | | 1393 | 0-8-0 | |
| | | | | 1384 | 0-0-10 | |
| | | | | 1392 | 0-11-0 | |
| | | | | 1385 | 0-0-10 | |
| | | | | 1386 | 0-8-4 | |

S.O. 3384.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy Department of Petroleum S.O. 4512 dated 14-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project

| Distt. | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area Acquired |
|--------|---------|---------|---------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Kanpur | Derapur | Derapur | Nonari | 1145 | 0-2-0 |
| Dehat | | | Bujurg | 1146 | 0-10-0 |
| | | | | 1144 | 0-11-4 |
| | | | | 1147 | 0-2-12 |
| | | | | 1150 | 1-4-14 |
| | | | | 1156 | 0-6-15 |
| | | | | 1129 | 1-19-0 |
| | | | | 1128 | 1-7-0 |
| | | | | 1160 | 0-2-16 |
| | | | | 1197 | 0-11-11 |
| | | | | 1196 | 0-4-15 |
| | | | | 1198 | 0-0-7 |
| | | | | 1199 | 0-1-8 |
| | | | | 1188 | 0-9-16 |
| | | | | 1186 | 1-2-15 |
| | | | | 1189 | 1-3-8 |
| | | | | 1232 | 0-3-18 |
| | | | | 1393 | 0-8-0 |
| | | | | 1384 | 0-0-10 |
| | | | | 1392 | 0-11-0 |
| | | | | 1385 | 0-0-10 |
| | | | | 1386 | 0-8-4 |
| | | | | 1391 | 0-2-16 |
| | | | | 1387 | 0-2-8 |
| | | | | 1388 | 0-2-0 |
| | | | | 1389 | 0-2-0 |
| | | | | 1390 | 0-6-7 |
| | | | | 1388/ | 0-1-0 |
| | | | | 1450 | |
| | | | | 1383 | 0-1-6 |
| | | | | 1243 | 1-18-14 |
| | | | | 1376 | 0-2-12 |
| | | | | 1380 | 0-5-18 |
| | | | | 1379 | 0-15-12 |
| | | | | 1378 | 0-1-6 |
| | | | | 1377 | 0-10-0 |
| | | | | 1374 | 0-2-12 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------------------|---|---|---|-------|---------|
| Kanpur Dehat—Contd | | | | 1374/ | 1-0-0 |
| | | | | 1448 | |
| | | | | 1369 | 0-13-0 |
| | | | | 1370 | 0-9-2 |
| | | | | 1296 | 0-3-18 |
| | | | | 1295 | 1-2-0 |
| | | | | 1292 | 0-3-16 |
| | | | | 1298 | 0-8-15 |
| | | | | 1299 | 0-7-10 |
| | | | | 1300 | 0-18-4 |
| | | | | 1279 | 0-2-0 |
| | | | | 1281 | 0-4-4 |
| | | | | 1288 | 0-1-10 |
| | | | | 1282 | 0-15-0 |
| | | | | 1284 | 0-8-9 |
| | | | | 1280 | 1-9-18 |
| | | | | 1272 | 0-7-4 |
| | | | | 1266 | 0-4-19 |
| | | | | 1270 | 0-1-10 |
| | | | | 1267 | 2-18-19 |
| | | | | 630 | 0-14-8 |
| | | | | 1109 | 0-11-10 |
| | | | | 1381 | 0-0-15 |
| | | | | 1400 | 0-0-18 |

[No. O-14016/402/84-GP]

का. आ. 3355.—यह: पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. सं. 4514, तारीख 22-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को प्राप्त करने के लिए विचारों के लिए अर्जित करने का अपने आदेश घोषित कर दिया था।

और यह: सूक्ष्म प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और अगे यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार प्राप्त करने के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और बायो उम धारा को उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रिय सरकार निवेश देता है। है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रिय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला तहसील पारगना गाँव गाँव सं. विद्य. गया
रकबा (एकड़ में)

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------------|---------|---------|--------------|-----|---------|
| कानपुर देहात | देरापुर | देरापुर | उमरी बुजुर्ग | 214 | 0-0-14 |
| | | | | 215 | 0-19-5 |
| | | | | 216 | 1-0-8 |
| | | | | 217 | 0-19-11 |
| | | | | 219 | 0-0-8 |
| | | | | 220 | 0-11-5 |
| | | | | 397 | 0-4-10 |
| | | | | 398 | 0-0-10 |
| | | | | 402 | 0-7-14 |
| | | | | 403 | 0-14-17 |
| | | | | 404 | 0-1-5 |
| | | | | 406 | 0-12-2 |
| | | | | 410 | 0-16-18 |
| | | | | 411 | 0-0-13 |
| | | | | 416 | 1-2-1 |
| | | | | 417 | 1-12-0 |
| | | | | 418 | 0-0-8 |
| | | | | 420 | 1-14-12 |
| | | | | 441 | 0-14-9 |
| | | | | 442 | 0-0-14 |
| | | | | 452 | 0-3-4 |
| | | | | 453 | 0-0-10 |
| | | | | 454 | 0-12-10 |
| | | | | 455 | 0-6-8 |
| | | | | 456 | 0-6-8 |
| | | | | 457 | 0-6-16 |
| | | | | 458 | 0-0-5 |
| | | | | 459 | 0-1-7 |
| | | | | 460 | 0-3-17 |
| | | | | 462 | 0-1-10 |
| | | | | 464 | 0-0-6 |
| | | | | 465 | 1-17-10 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------------|-------|------|---|-----|---------|
| कानपुर देहात | देहात | जारी | | 468 | 0-19-1 |
| | | | | 469 | 0-0-13 |
| | | | | 470 | 0-0-15 |
| | | | | 495 | 0-0-10 |
| | | | | 497 | 0-16-5 |
| | | | | 498 | 0-16-5 |
| | | | | 499 | 0-1-7 |
| | | | | 500 | 0-13-5 |
| | | | | 501 | 0-11-11 |
| | | | | 452 | 0-1-0 |
| | | | | 504 | 0-3-3 |
| | | | | 440 | 0-1-0 |
| | | | | 496 | 0-1-0 |

[सं. O-14016/404/84 जो.पो.]

S.O. 3355.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. No. 4514 dated 22-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project

| Distt. | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area Acquired |
|--------|--------|---------|---------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Kanpur | Dera- | Dera- | Umari | 214 | 0-0-14 |
| Dehat | pur | pu | Bajurg | 215 | 0-19-5 |
| | | | | 216 | 1-0-8 |
| | | | | 217 | 0-19-11 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------------------|---|-----|---|---------|---|
| Kanpur Debat-Contd | | | | | |
| | | 219 | | 0-0-8 | |
| | | 220 | | 0-11-5 | |
| | | 397 | | 0-4-10 | |
| | | 398 | | 0-0-10 | |
| | | 401 | | 0-7-14 | |
| | | 403 | | 0-14-17 | |
| | | 404 | | 0-1-5 | |
| | | 406 | | 0-12-2 | |
| | | 410 | | 0-16-18 | |
| | | 411 | | 0-0-13 | |
| | | 416 | | 1-2-1 | |
| | | 417 | | 1-12-0 | |
| | | 418 | | 0-0-8 | |
| | | 420 | | 1-14-12 | |
| | | 441 | | 0-14-9 | |
| | | 442 | | 0-0-14 | |
| | | 452 | | 0-3-4 | |
| | | 453 | | 0-0-10 | |
| | | 454 | | 0-12-10 | |
| | | 455 | | 0-6-8 | |
| | | 456 | | 0-6-8 | |
| | | 457 | | 0-6-16 | |
| | | 458 | | 0-0-5 | |
| | | 459 | | 0-1-7 | |
| | | 460 | | 0-3-17 | |
| | | 462 | | 0-1-10 | |
| | | 464 | | 0-0-6 | |
| | | 465 | | 1-17-10 | |
| | | 468 | | 0-19-1 | |
| | | 469 | | 0-0-13 | |
| | | 470 | | 0-0-15 | |
| | | 495 | | 0-0-10 | |
| | | 497 | | 0-16-5 | |
| | | 498 | | 0-16-5 | |
| | | 499 | | 0-1-7 | |
| | | 500 | | 0-13-5 | |
| | | 501 | | 0-11-11 | |
| | | 452 | | 0-1-0 | |
| | | 504 | | 0-3-3 | |
| | | 440 | | 0-1-0 | |
| | | 496 | | 0-1-0 | |

[No. O-14016/404/74-GP]

का. आ. 3350.—सम: पेट्रोलियम और खनिज पदार्थों का उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अंतर्गत भारत सरकार ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. स. 4515 तारीख 22-12-1984 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पदार्थों को निर्यात के लिए अर्जित करने का अपना अधिकार प्रोत्साहित कर दिया था।

और यह अधिनियम प्राधिकरण ने इस अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अंतर्गत सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्णय किया है।

अब, अब उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवम् द्वारा घोषित करती है कि उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार पदार्थों को निर्यात के प्रयोजन के लिए एवम् द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त अधिनियम की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के अन्तर्गत भारतीय नौकरी प्राधिकरण जि. में सभी व्यक्तियों से संलग्न रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

ताजिकिस्तान जगदीशपुर पदार्थों के निर्यात

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा सं. | नियत गया रकबा (एकड़ में) |
|----------------|-------|-------|-------|----------|--------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| का. आ. स. 4515 | देहली | देहली | परीब | 1 | 0-16-18 |
| देहली | | | | 2 | 0-3-10 |
| | | | | 11 | 0-4-5 |
| | | | | 15 | 2-7-18 |
| | | | | 22 | 0-0-13 |
| | | | | 28 | 0-3-5 |
| | | | | 29 | 0-4-1 |
| | | | | 30 | 0-2-9 |
| | | | | 31 | 0-1-10 |
| | | | | 35 | 0-0-6 |
| | | | | 36 | 0-14-19 |
| | | | | 40 | 0-15-5 |
| | | | | 41 | 1-7-19 |
| | | | | 37/1724 | 0-1-9 |
| | | | | 47 | 0-0-6 |
| | | | | 48 | 0-13-0 |
| | | | | 49 | 0-14-5 |
| | | | | 88 | 0-9-9 |
| | | | | 89 | 0-0-14 |
| | | | | 90 | 0-5-5 |
| | | | | 95 | 0-11-14 |
| | | | | 96 | 1-1-9 |
| | | | | 98 | 0-1-6 |
| | | | | 139 | 0-7-3 |
| | | | | 140 | 0-15-6 |
| | | | | 141 | 0-13-0 |
| | | | | 142 | 1-14-9 |
| | | | | 144 | 1-6-0 |
| | | | | 27 | 0-0-10 |

[सं. O-14016/405/84-जी.पी.]

S.O. 3356.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4515 dated 22-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Hajira—Bareilly—Jagdishpur Pipe Line Project

| Distt. | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area Acquired |
|------------------|--------------|--------------|--------------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Kannpur Dehat | Dera- pur | Dera- pur | Para- ukh | 1 | 0-16-18 |
| | | | | 2 | 0-5-10 |
| | | | | 11 | 0-4-5 |
| | | | | 15 | 2-7-18 |
| | | | | 22 | 0-0-13 |
| | | | | 28 | 0-3-5 |
| | | | | 29 | 0-4-1 |
| | | | | 30 | 0-7-9 |
| | | | | 31 | 0-1-19 |
| | | | | 35 | 0-0-6 |
| | | | | 36 | 0-14-19 |
| | | | | 40 | 0-15-5 |
| | | | | 41 | 1-7-19 |
| | | | | 37/1724 | 0-1-9 |
| | | | | 47 | 0-0-6 |
| | | | | 48 | 0-13-0 |
| | | | | 49 | 0-14-5 |
| | | | | 88 | 0-9-9 |
| | | | | 89 | 0-0-14 |
| | | | | 90 | 0-5-5 |
| | | | | 95 | 0-11-14 |
| | | | | 96 | 1-1-9 |
| | | | | 98 | 0-1-6 |
| | | | | 139 | 0-7-3 |
| | | | | 140 | 0-15-6 |
| | | | | 141 | 0-13-0 |
| | | | | 142 | 1-14-9 |
| | | | | 144 | 1-6-0 |
| | | | | 27 | 0-0-10 |

[No. O-14016/405/84-GP]

का. अ. 3357 --यत. पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. अ. सं. 4394 तारीख 13-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः मसम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा सं. | जिया गया रकबा एकड़ में |
|-----------------|---------|---------|-------|----------|------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| कानपुर देहात | देरापुर | देरापुर | राखोब | 401 | 0-2-12 |
| | | | | 407 | 0-0-13 |
| | | | | 416 | 0-9-12 |
| | | | | 417 | 0-12-8 |
| | | | | 418 | 1-5-8 |
| | | | | 419 | 0-4-15 |
| | | | | 426 | 0-0-6 |
| | | | | 428 | 2-19-16 |
| | | | | 430 | 1-1-12 |
| | | | | 429 | 0-0-13 |
| | | | | 486 | 0-0-18 |
| | | | | 487 | 0-2-12 |
| | | | | 316 | 0-7-12 |
| | | | | 317 | 0-11-4 |
| | | | | 315 | 0-4-11 |
| | | | | 314 | 0-19-10 |
| | | | | 338 | 0-3-8 |
| | | | | 327 | 0-0-5 |
| | | | | 309 | 1-6-10 |
| | | | | 304 | 0-0-15 |
| | | | | 313 | 0-18-17 |
| | | | | 312 | 0-0-13 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---------|---------|
| | | | | 305 | 0-1-19 |
| | | | | 206 | 0-2-12 |
| | | | | 302 | 0-0-7 |
| | | | | 307 | 0-18-0 |
| | | | | 308 | 0-1-19 |
| | | | | 297 | 0-0-10 |
| | | | | 296 | 0-1-0 |
| | | | | 295 | 0-18-0 |
| | | | | 294 | 0-4-8 |
| | | | | 488 | 0-0-14 |
| | | | | 489 | 1-17-1 |
| | | | | 491 | 0-0-7 |
| | | | | 492 | 0-1-7 |
| | | | | 493 | 1-1-9 |
| | | | | 286 | 0-15-0 |
| | | | | 239 | 0-5-0 |
| | | | | 240 | 0-0-10 |
| | | | | 293 | 0-0-10 |
| | | | | 247 | 0-12-0 |
| | | | | 248 | 1-1-0 |
| | | | | 246 | 0-11-11 |
| | | | | 251 | 0-0-6 |
| | | | | 262 | 0-7-12 |
| | | | | 265 | 0-0-11 |
| | | | | 266 | 0-1-8 |
| | | | | 402 | 2-15-0 |
| | | | | 398 | 0-3-4 |
| | | | | 391 | 0-4-0 |
| | | | | 390 | 0-1-0 |
| | | | | 261 | 1-8-17 |
| | | | | 260 | 0-0-10 |
| | | | | 259 | 0-3-8 |
| | | | | 271 | 0-0-14 |
| | | | | 273 | 1-2-0 |
| | | | | 274 | 0-2-0 |
| | | | | 295 | 0-1-5 |
| | | | | 276 | 0-0-6 |
| | | | | 273/609 | 0-2-0 |
| | | | | 249 | 0-0-2 |
| | | | | 250 | 0-0-3 |
| | | | | 263 | 0-5-10 |

[सं० O-14016/497/84-डीपी]

S.O. 3357.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4394 dated 15-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

458 GI/85-10

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe line Project.

| Distt | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area Acquired |
|--------|--------|---------|---------|----------|------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Kanpur | Dera- | Dera- | Rara- | 401 | 0-2-12 |
| Dehat | pur | pur | ukh | 407 | 0-0-13 |
| | | | | 416 | 0-9-12 |
| | | | | 417 | 0-12-8 |
| | | | | 418 | 1-5-8 |
| | | | | 419 | 0-4-15 |
| | | | | 426 | 0-0-6 |
| | | | | 428 | 2-19-16 |
| | | | | 430 | 1-1-12 |
| | | | | 429 | 0-0-13 |
| | | | | 486 | 0-0-18 |
| | | | | 487 | 0-2-12 |
| | | | | 316 | 0-7-12 |
| | | | | 317 | 0-11-4 |
| | | | | 315 | 0-4-11 |
| | | | | 314 | 0-19-10 |
| | | | | 338 | 0-3-8 |
| | | | | 327 | 0-0-5 |
| | | | | 309 | 1-6-10 |
| | | | | 304 | 0-0-15 |
| | | | | 313 | 0-18-17 |
| | | | | 312 | 0-0-13 |
| | | | | 305 | 0-1-19 |
| | | | | 306 | 0-2-12 |
| | | | | 302 | 0-0-7 |
| | | | | 307 | 0-18-0 |
| | | | | 308 | 0-1-19 |
| | | | | 297 | 0-0-10 |
| | | | | 296 | 1-1-0 |
| | | | | 295 | 0-18-0 |
| | | | | 294 | 0-4-8 |
| | | | | 488 | 0-0-14 |
| | | | | 489 | 1-17-1 |
| | | | | 491 | 0-0-7 |
| | | | | 492 | 0-1-7 |
| | | | | 493 | 1-1-9 |
| | | | | 286 | 0-15-0 |
| | | | | 239 | 0-5-0 |
| | | | | 240 | 0-0-10 |
| | | | | 293 | 0-0-10 |
| | | | | 247 | 0-12-0 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|------|---------|
| | | | | 248 | 1-1-0 |
| | | | | 246 | 0-11-11 |
| | | | | 251 | 0-0-6 |
| | | | | 262 | 0-7-12 |
| | | | | 265 | 0-0-11 |
| | | | | 266 | 0-1-8 |
| | | | | 402 | 2-15-0 |
| | | | | 398 | 0-3-4 |
| | | | | 391 | 0-4-0 |
| | | | | 390 | 0-1-0 |
| | | | | 261 | 1-8-17 |
| | | | | 260 | 0-0-10 |
| | | | | 259 | 0-3-8 |
| | | | | 271 | 0-0-14 |
| | | | | 273 | 1-2-0 |
| | | | | 274 | 0-2-0 |
| | | | | 295 | 0-1-5 |
| | | | | 276 | 0-0-6 |
| | | | | 273/ | 0-2-0 |
| | | | | 609 | |
| | | | | 249 | 0-0-2 |
| | | | | 250 | 0-0-3 |
| | | | | 263 | 0-5-10 |

[No. O-14015/407/84-GP]

का. आ. 3358—यह पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का आ. स. तारीख 15-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आणव्य घोषित कर दिया था।

और यह मसम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यह केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब यह उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय नैम प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से योग्यता के प्रकाशन की हम तारीख को निहित होगा।

| अनुसूची | | | | | |
|---|---------------|--------|------------|----------|---------------|
| हाजिरा-बरेली-अगदीशपुर, शाखा आगल प्रोजेक्ट | | | | | |
| जिला | तहसील | पञ्चना | ग्राम | गाँव सं. | लिया गया रकबा |
| एकड़ में | | | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| कानपुर | देहात बेरापुर | दरापुत | पुदलियापुर | 306 | 0-1-8 |
| | | | | 305 | 0-11-1 |
| | | | | 304 | 0-13-6 |
| | | | | 303 | 1-1-0 |
| | | | | 301 | 0-9-16 |
| | | | | 302 | 0-2-16 |
| | | | | 312 | 0-0-7 |
| | | | | 313 | 0-0-14 |
| | | | | 341 | 0-0-12 |
| | | | | 342 | 0-7-10 |
| | | | | 340 | 0-14-2 |
| | | | | 343 | 0-1-19 |
| | | | | 338 | 0-8-18 |
| | | | | 345 | 0-0-14 |
| | | | | 346 | 0-0-7 |
| | | | | 351 | 2-11-16 |
| | | | | 354 | 0-0-7 |
| | | | | 355 | 0-0-14 |
| | | | | 418 | 0-1-0 |
| | | | | 416 | 2-0-1 |
| | | | | 442 | 0-10-10 |
| | | | | 440 | 0-2-2 |
| | | | | 441 | 0-5-12 |
| | | | | 439 | 0-10-0 |
| | | | | 443 | 0-4-5 |
| | | | | 438 | 0-9-10 |
| | | | | 448 | 0-0-11 |
| | | | | 449 | 0-0-7 |
| | | | | 450 | 0-2-19 |
| | | | | 451 | 0-15-6 |
| | | | | 454 | 0-5-0 |
| | | | | 455 | 0-10-18 |
| | | | | 457 | 0-12-12 |
| | | | | 412 | 0-11-5 |
| | | | | 413 | 0-3-8 |
| | | | | 434 | 0-2-7 |
| | | | | 435 | 0-1-10 |
| | | | | 452 | 0-2-10 |
| | | | | 413 | 0-0-7 |

[सं. O-14015/101/84-जी. पी.]

S.O. 3358.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4394, dated 15-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project.

Distt. Tehsil Pargana Village Plot No. Area Acquired

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------------|-------|--------|-----|---------|---|
| Kanpur Dera- | Dera- | Bhud- | 306 | 0-1-8 | |
| Dehat pur | pur | tiapur | 305 | 0-11-1 | |
| | | | 304 | 0-13-6 | |
| | | | 303 | 1-1-0 | |
| | | | 301 | 0-9-16 | |
| | | | 302 | 0-2-16 | |
| | | | 312 | 0-0-7 | |
| | | | 313 | 0-0-14 | |
| | | | 341 | 0 0-12 | |
| | | | 342 | 0-7-10 | |
| | | | 340 | 0-14-2 | |
| | | | 343 | 0-1-19 | |
| | | | 338 | 0-8-18 | |
| | | | 345 | 0-0-14 | |
| | | | 346 | 0-0-7 | |
| | | | 351 | 2-11-16 | |
| | | | 354 | 0-0-7 | |
| | | | 355 | 0-0-14 | |
| | | | 418 | 0-1-0 | |
| | | | 416 | 2-0-1 | |
| | | | 442 | 0-10-10 | |
| | | | 440 | 0-2-2 | |
| | | | 441 | 0-5-12 | |
| | | | 439 | 0-10-0 | |
| | | | 443 | 0-4-5 | |
| | | | 438 | 0-9-10 | |
| | | | 448 | 0-0-14 | |
| | | | 449 | 0-0-7 | |
| | | | 450 | 0-2-19 | |
| | | | 451 | 0-15-6 | |
| | | | 454 | 0-5-0 | |
| | | | 455 | 0-10-18 | |
| | | | 457 | 0-12-12 | |
| | | | 412 | 0-11-5 | |
| | | | 413 | 0-3-8 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|-----|--------|
| | | | | 434 | 0-2-7 |
| | | | | 435 | 0-1-10 |
| | | | | 452 | 0-2-10 |
| | | | | 413 | 0-0-7 |

[No. O-14016/408/84—GP]

का. डा. 3359 1-यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. डा. सं. 4527 तारीख 22-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को वाइस लाइन को विछाने के लिए अजित करण का अपना आणख घोषित कर दिया था।

और यह: सक्षम प्राधिकारी ने उस अधिनियम की धारा 6 को उपधारा (1) के अधीन सरकार का रिपोर्ट दे दो है।

आर आगे यह केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करण को वाइस लाइन के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

अब, अब उस अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे डा धारा 3 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उस भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बराबर भारतीय गैस प्राधिकरण लि. से सभी आवश्यकताओं से मुक्त रूप से प्राप्ति के प्रयोजन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जिला - बरेली - जगदीशपुर - पाइप लाइन प्रायोजक

| जिला | तहसील | परागात | ग्राम | गाटा संख्या | जिला | गाटा संख्या |
|--------------|-------|----------|-------|-------------|------|-------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| कानपुर देहात | देहात | गयादास | 31/3 | 1-19-0 | | |
| | | पुर उर्फ | 10/3 | 1-4-1 | | |
| | | अराज | 10/4 | 0-19-10 | | |
| | | इबरापुर | 10/8 | 0-17-11 | | |
| | | | 13/2 | 1-8-13 | | |
| | | | 12/2 | 1-18-0 | | |
| | | | 12/3 | 0-5-01 | | |
| | | | 13/1 | 0-9-15 | | |
| | | | 23/4 | 0-15-0 | | |
| | | | 23/4 | 0-5-0 | | |
| | | | 23/4 | 0-5-0 | | |
| | | | 23/4 | 0-15-0 | | |
| | | | 23/1 | 0-13-13 | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---------|---------|
| | | | | 23/4 | 0-9-15 |
| | | | | 23/3 | 0-5-0 |
| | | | | 24 | 0-5-1 |
| | | | | 25/1 | 0-7-15 |
| | | | | 25/5 | 0-4-17 |
| | | | | 25/3 | 0-7-3 |
| | | | | 25/2 | 0-5-12 |
| | | | | 411 | 0-4-0 |
| | | | | 140/4 | 0-10-17 |
| | | | | 140/7 | 2-4-9 |
| | | | | 141/1 | 0-13-0 |
| | | | | 141/232 | 0-6-10 |

[सं. O-14016/420/84-जी. पी.]

S.O. 3359.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy S.O. 4527 dated 22-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Hajira- Bareilly -Jagdishpur Pipe Line Project.

| Distt. | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area Acquired |
|--------|--------|---------|---------|----------|------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Kanpur | Dara- | Ganga | 3/1 | 1-19-0 | |
| Dehat | pur | Derapur | 10/3 | 1-4-1 | |
| | | @ | 10/4 | 0-19-10 | |
| | | Auroji | 10/8 | 0-17-11 | |
| | | Derapur | 13/2 | 1-8-13 | |
| | | | 12/2 | 1-18-0 | |
| | | | 12/3 | 0-5-1 | |
| | | | 13/1 | 0-9-15 | |
| | | | 23/4 | 0-15-0 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---------|---------|
| | | | | 23/4 | 0-5-0 |
| | | | | 23/4 | 0-5-0 |
| | | | | 23/4 | 0-15-0 |
| | | | | 23/1 | 0-13-13 |
| | | | | 23/4 | 0-9-15 |
| | | | | 23/3 | 0-5-0 |
| | | | | 24 | 0-3-1 |
| | | | | 25/1 | 0-7-15 |
| | | | | 25/5 | 0-4-17 |
| | | | | 25/3 | 0-7-3 |
| | | | | 25/2 | 0-5-12 |
| | | | | 411 | 0-4-0 |
| | | | | 140/4 | 0-10-17 |
| | | | | 140/7 | 2-4-9 |
| | | | | 141/1 | 0-13-0 |
| | | | | 141/232 | 0-6-10 |

[No. O-14016/420/84-GP]

का. आ. 3360.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम 1962 (1962 का 50) के धारा 3 के उपधारा (1) के अधिनियम भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 4396 तारख 15-12-84 द्वारा केन्द्र सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूच में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को प्राप्त करने के लिए अर्जित करने का आग्रह घोषित कर दिया था।

और यतः संलग्न प्राधिकार ने उक्त अधिनियम का धारा 6 के उपधारा (1) के अधिनियम सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्र सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूच में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम के धारा 6 के उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूच में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा के उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्र सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्र सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सब बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन का इस तारख को निहित होगा।

अनुसूच

गुजिरा-बरेल्ल-जगदिपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गांव संख्या | लिया गया क्षेत्र |
|--------|--------|---------|--------|-------------|---------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| कानपुर | बरेल्ल | देरापुर | गुडिया | 20 | 0-05-10 |
| देहात | | | पुर | 29 | 0-16-10 |
| | | | | 22 | 0-06-10 |
| | | | | 23 | 0-01-00 |
| | | | | 31 | 0-07-15 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-----|-----|-----|-----|-----|---------|---|---|---|---|----|---------|
| | | | | 32 | 0-08-10 | | | | | 23 | 0-10-00 |
| | | | | 33 | 0-07-10 | | | | | 31 | 0-07-15 |
| | | | | 34 | 0-00-15 | | | | | 32 | 0-08-10 |
| | | | | 35 | 0-07-00 | | | | | 33 | 0-07-10 |
| | | | | 37 | 0-01-00 | | | | | 34 | 0-00-15 |
| | | | | 44 | 0-11-05 | | | | | 35 | 0-07-00 |
| | | | | 70 | 0-2-15 | | | | | 37 | 0-01-00 |
| | | | | 49 | 0-0-05 | | | | | 44 | 0 11-05 |
| | | | | 92 | 1-4-0 | | | | | 70 | 0-2-15 |
| | | | | 50 | 0-10-0 | | | | | 49 | 0-0-05 |
| | | | | 51 | 0-01-0 | | | | | 92 | 1-4-0 |
| | | | | 52 | 0-06-05 | | | | | 50 | 0-10-0 |
| | | | | 53 | 0-07-10 | | | | | 51 | 0-01-0 |
| | | | | 54 | 0-14-15 | | | | | 52 | 0-06-05 |
| | | | | 55 | 0-02-00 | | | | | 53 | 0-07-10 |
| | | | | 58 | 1-11-05 | | | | | 54 | 0-14-15 |
| | | | | 61 | 0-0-15 | | | | | 55 | 0-02-00 |
| | | | | 64 | 0-0-15 | | | | | 58 | 1-11-05 |
| | | | | 65 | 0-01-18 | | | | | 61 | 0-0-15 |
| | | | | 66 | 0-01-15 | | | | | 64 | 0-0-15 |
| | | | | 67 | 0-01-10 | | | | | 65 | 0-01-18 |
| | | | | 68 | 0-10-0 | | | | | 66 | 0-01-15 |
| | | | | 69 | 0-08-0 | | | | | 67 | 0-01-10 |
| | | | | | | | | | | 68 | 0-10-0 |
| | | | | | | | | | | 69 | 0-08-0 |

[नं. O-14016/426/84-ज. प.]

S.O. 3360.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4396 dated 15-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira-Barielly-Jagdishpur Pipe Line Project

| Dist | Police | Pargana | Village | Plot No | Area | Acquired Area |
|--------|--------|---------|---------|---------|---------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | |
| Kanpur | Dera- | Dera- | Gurya- | 20 | 0-05-10 | |
| Dehat | pur | pur | pur | 29 | 0-16-10 | |
| | | | | 22 | 0-06-10 | |

[No. O-14016/426/84-G.P.]

का प्रा. 3361—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) के धारा 3 के उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग का अधिसूचना नं. का. प्रा. सं. 4396 तारख 15-12-84 द्वारा केन्द्र सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूच में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः वक्ष्य प्राधिकार ने उक्त अधिनियम के धारा 6 के उपधारा (1) के अन्तर्गत सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यह केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूच में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम के धारा 6 के उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा घोषित है कि इन अधिसूचना में संलग्न अनुसूच में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उद्योग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा के उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार निर्देश देता है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्र सरकार में निहित होने के बजाय भारत गैस प्राधिकरण लि. में सब बाधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन के इस तारख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा—बरेल—जगद शपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा नं. | दिया गया रकबा (एकड़ में) |
|-------|-------|-------|-------|----------|--------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| इटावा | औरैया | औरैया | नीली | 1 | 0-70 |
| | | | | 2 | 0-19 |
| | | | | 5/1 | 0-12 |
| | | | | 6 | 0-65 |
| | | | | 7 | 0-11 |
| | | | | 24 | 0-72 |
| | | | | 25 | 0-15 |
| | | | | 26 | 0-01 |
| | | | | 46 | 0-28 |
| | | | | 47 | 0-28 |
| | | | | 45 | 0-38 |
| | | | | 50 | 0-05 |
| | | | | 51 | 0-16 |
| | | | | 52 | 0-57 |
| | | | | 146 | 0-09 |
| | | | | 156 | 0-10 |
| | | | | 158 | 0-67 |
| | | | | 159 | 0-24 |
| | | | | 27 | 0-48 |

[नं. O-14016/429/84-अ. प.]

S.O. 3361. -Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Deptt. of Petroleum) S.O. No. 4399, dated 15-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project

| Distt. | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area Acquired |
|--------|---------|---------|---------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Etawah | Auraiya | Auraiya | Niwali | 1 | 0-70 |
| | | | | 2 | 0-19 |
| | | | | 5/1 | 0-12 |
| | | | | 6 | 0-65 |
| | | | | 7 | 0-11 |
| | | | | 24 | 0-72 |
| | | | | 25 | 0-15 |
| | | | | 26 | 0-01 |
| | | | | 46 | 0-28 |
| | | | | 47 | 0-28 |
| | | | | 45 | 0-38 |
| | | | | 50 | 0-05 |
| | | | | 51 | 0-16 |
| | | | | 52 | 0-57 |
| | | | | 146 | 0-09 |
| | | | | 156 | 0-10 |
| | | | | 158 | 0-67 |
| | | | | 159 | 0-24 |
| | | | | 27 | 0-48 |

[No. O-14016/429/84-G.P.]

का. आ. 3362.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का.आ. सं. 4400 तारीख 15-12-1984 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सश्रम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार

पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देता है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

| अनुसूच | | | | | |
|---|-------|---------|-------|----------|--------------------------------|
| हजिरा-बरेल्ल-जगदशपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट | | | | | |
| जिला | तहसील | पार्गना | ग्राम | गाटा नं. | निर्धारित क्षेत्रफल (एकड़ में) |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| टावा | औरैया | औरैया | खजुहा | 1 | 1-15 |
| | | | | 27 | 0-54 |
| | | | | 28 | 0-08 |
| | | | | 29 | 0-33 |
| | | | | 31 | 0-11 |
| | | | | 32 | 0-04 |
| | | | | 39 | 0-42 |
| | | | | 38 | 0-37 |
| | | | | 41 | 0-66 |
| | | | | 42 | 0-03 |
| | | | | 43 | 0-10 |
| | | | | 240 | 0-25 |
| | | | | 230 | 1-15 |
| | | | | 231 | 0-29 |
| | | | | 223 | 0-37 |
| | | | | 210 | 0-07 |
| | | | | 229 | 0-01 |
| | | | | 280 | 0-10 |
| | | | | 226 | 0-59 |
| | | | | 228 | 0-90 |
| | | | | 225 | 0-06 |
| | | | | 217 | 0-63 |
| | | | | 214 | 0-23 |
| | | | | 212 | 0-14 |
| | | | | 213 | 0-43 |
| | | | | 178 | 0-65 |
| | | | | 179 | 0-06 |
| | | | | 172 | 0-48 |
| | | | | 173 | 0-12 |
| | | | | 176 | 0-43 |
| | | | | 177 | 0-96 |
| | | | | 160 | 0-07 |
| | | | | 216 | 0-06 |

[सं. O-14016/430/84-जी० पी०]

S.O. 3362.—Whereas by notification of the Government of India, in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. No. 4400 dated 15-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition

of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project

| Distt. | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area Acquired |
|--------|---------|---------|---------|----------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Etawah | Auraiya | Auraiya | Khajuh | 1 | 1-15 |
| | | | | 27 | 0-54 |
| | | | | 28 | 0-08 |
| | | | | 29 | 0-33 |
| | | | | 31 | 0-11 |
| | | | | 32 | 0-04 |
| | | | | 39 | 0-42 |
| | | | | 38 | 0-37 |
| | | | | 41 | 0-66 |
| | | | | 42 | 0-03 |
| | | | | 43 | 0-10 |
| | | | | 240 | 0-25 |
| | | | | 230 | 1-15 |
| | | | | 231 | 0-29 |
| | | | | 223 | 0-37 |
| | | | | 210 | 0-07 |
| | | | | 229 | 0-01 |
| | | | | 280 | 0-10 |
| | | | | 226 | 0-59 |
| | | | | 228 | 0-90 |
| | | | | 225 | 0-06 |
| | | | | 217 | 0-63 |
| | | | | 214 | 0-23 |
| | | | | 212 | 0-14 |
| | | | | 213 | 0-43 |
| | | | | 178 | 0-65 |
| | | | | 179 | 0-06 |
| | | | | 172 | 0-48 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------------|---|---|---|-----|------|------------|---|---|---|----|------|
| Etawah—Contd | | | | 173 | 0-12 | इटावा—जारी | | | | 51 | 0-73 |
| | | | | 176 | 0-43 | | | | | 73 | 0-16 |
| | | | | 177 | 0-96 | | | | | 83 | 0-11 |
| | | | | 160 | 0-07 | | | | | 84 | 0-28 |
| | | | | 216 | 0-06 | | | | | 85 | 0-58 |

[No. O-14016/430/84-GP]

का. मा. 3363:—यस: पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मन्त्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. सं. 4441 तारीख 15-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जन करने का अर्जा आणव्य घोषित कर दिया था।

और यतः मुख्य प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जन करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जन किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाविरा-बरेली-जगदलपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

| जिला | महगल परगना | ग्राम | गाटा संख्या | लिया गया रकबा (एकड़ में) | |
|-------|------------|-------|-------------|-----------------------------|------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| इटावा | औरया | औरया | प परपुर | 1 | 0-52 |
| | | | | 3 | 0-30 |
| | | | | 4 | 0-08 |
| | | | | 5 | 0-12 |
| | | | | 6 | 0-10 |
| | | | | 28 | 0-60 |
| | | | | 29 | 0-48 |
| | | | | 30 | 0-24 |
| | | | | 31 | 0-08 |
| | | | | 33 | 0-10 |
| | | | | 34 | 0-42 |
| | | | | 35 | 0-31 |
| | | | | 36 | 0-01 |
| | | | | 40 | 0-42 |
| | | | | 41 | 0-18 |
| 42 | 0-06 | | | | |
| | | | | 50 | 0-80 |

624/93 0-38

187 0-88.

91 0-01

[नं. O-14016/431/84-बीपी]

S.O. 3363.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. No. 1441 dated 15-12-84 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

| Distt | Pargana | Tehsil | Village | Plot No. | Area Acquired |
|--------|---------|---------|---------|----------|------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | |
| Etawah | Auraiya | Auraiya | Piper- | | |
| | | | pur | 1 | 0-52 |
| | | | | 3 | 0-30 |
| | | | | 4 | 0-08 |
| | | | | 5 | 0-12 |
| | | | | 6 | 0-10 |
| | | | | 28 | 0-60 |
| | | | | 29 | 0-48 |
| | | | | 30 | 0-24 |
| | | | | 31 | 0-08 |
| | | | | 33 | 0-10 |
| | | | | 34 | 0-42 |
| | | | | 35 | 0-10 |
| | | | | 36 | 0-01 |
| | | | | 40 | 0-42 |
| | | | | 41 | 0-18 |
| | | | | 42 | 0-06 |
| | | | | 50 | 0-80 |
| | | | | 51 | 0-75 |
| | | | | 73 | 0-16 |
| | | | | 83 | 0-11 |
| | | | | 84 | 0-28 |
| | | | | 85 | 0-58 |
| | | | | 92 | 0-06 |
| | | | | 93 | 1-50 |
| | | | | 94 | 0-08 |
| | | | | 99 | 0-01 |
| | | | | 100 | 0-01 |
| | | | | 157 | 0-05 |
| | | | | 186 | 0-50 |
| | | | | 188 | 0-06 |
| | | | | 189 | 0-38 |
| | | | | 196 | 0-70 |
| | | | | 197 | 0-05 |
| | | | | 198 | 0-08 |
| | | | | 234 | 0-01 |
| | | | | 235 | 1-10 |
| | | | | 236 | 0-54 |
| | | | | 237 | 1-48 |
| | | | | 266 | 0-09 |
| | | | | 267 | 0-06 |
| | | | | 268 | 1-40 |
| | | | | 269 | 0-12 |
| | | | | 271 | 0-54 |
| | | | | 272 | 0-50 |
| | | | | 624/93 | 0-38 |
| | | | | 287 | 0-88 |
| | | | | 91 | 0-01 |

का.आ. 3364:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का.आ. सं. 4676 तारीख 29-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसिल | परगना | ग्राम | गाटा सं० | लिया गया रकब (एकड़) में |
|--------|-------|--------|--------|----------|-------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| कानपुर | बरेली | जगदपुर | बिलौला | 991 | 0-9-14 |
| | | | | 992 | 0-4-0 |
| | | | | 996 | 0-7-0 |
| | | | | 995 | 0-1-12 |
| | | | | 998 | 1-7-8 |
| | | | | 1012 | 0-14-0 |
| | | | | 1013 | 0-19-0 |
| | | | | 1031 | 0-4-10 |
| | | | | 1120 | 0-1-15 |
| | | | | 1119 | 1-0-5 |
| | | | | 1118 | 0-6-0 |
| | | | | 1109 | 1-4-0 |
| | | | | 1110 | 0-0-10 |
| | | | | 1107 | 0-11-15 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|------|---------|
| | | | | 1102 | 0-4-19 |
| | | | | 1101 | 0-3-17 |
| | | | | 1090 | 0-15-8 |
| | | | | 1091 | 0-15-8 |
| | | | | 1092 | 0-7-10 |
| | | | | 1093 | 0-13-0 |
| | | | | 1094 | 0-4-0 |
| | | | | 1161 | 0-8-8 |
| | | | | 1162 | 0-15-8 |
| | | | | 1163 | 0-13-0 |
| | | | | 1165 | 0-0-10 |
| | | | | 1169 | 0-10-0 |
| | | | | 1166 | 0-2-2 |
| | | | | 1167 | 0-15-8 |
| | | | | 1378 | 0-0-13 |
| | | | | 1218 | 0-9-0 |
| | | | | 1219 | 1-1-8 |
| | | | | 1221 | 1-5-0 |
| | | | | 1298 | 0-1-10 |
| | | | | 1222 | 0-8-0 |
| | | | | 1223 | 0-3-16 |
| | | | | 1297 | 0-5-10 |
| | | | | 1296 | 0-18-0 |
| | | | | 1295 | 0-6-0 |
| | | | | 1307 | 0-2-0 |
| | | | | 1293 | 0-12-4 |
| | | | | 1308 | 0-10-16 |
| | | | | 1309 | 0-15-0 |
| | | | | 1310 | 0-2-8 |
| | | | | 1311 | 0-15-0 |
| | | | | 1683 | 0-14-8 |
| | | | | 1684 | 0-8-8 |
| | | | | 1688 | 0-12-0 |
| | | | | 1719 | 0-15-10 |
| | | | | 1720 | 1-0-8 |
| | | | | 1717 | 0-9-12 |
| | | | | 1852 | 1-4-0 |
| | | | | 1853 | 1-5-8 |
| | | | | 1854 | 1-3-0 |
| | | | | 2436 | 0-3-12 |

[सं० O-14016/491/85-आ०पी०]

S.O. 3364.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy Department of Petroleum S.O. 4676 dated 29-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication in this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project.

| Distt | Tehsil | Pargana | Village | Plot No | Area Acquired |
|--------|---------|---------|---------|---------|------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| Kanpur | Derapur | Derapur | Chil- | | |
| | Dehat | | ouli | 991 | 0-9-14 |
| | | | | 992 | 0-4-0 |
| | | | | 996 | 0-7-0 |
| | | | | 995 | 0-10-12 |
| | | | | 998 | 1-7-8 |
| | | | | 1012 | 0-14-0 |
| | | | | 1013 | 0-19-0 |
| | | | | 1031 | 0-4-10 |
| | | | | 1120 | 0-1-15 |
| | | | | 1119 | 1-0-5 |
| | | | | 1118 | 0-6-0 |
| | | | | 1109 | 1-4-0 |
| | | | | 1110 | 0-0-10 |
| | | | | 1107 | 0-11-15 |
| | | | | 1102 | 0-4-19 |
| | | | | 1101 | 0-3-17 |
| | | | | 1090 | 0-15-8 |
| | | | | 1091 | 0-15-8 |
| | | | | 1092 | 0-7-10 |
| | | | | 1093 | 0-13-0 |
| | | | | 1094 | 0-4-0 |
| | | | | 1161 | 0-8-8 |
| | | | | 1162 | 0-15-8 |
| | | | | 1163 | 0-13-0 |
| | | | | 1165 | 0-0-10 |
| | | | | 1169 | 0-10-0 |
| | | | | 1166 | 0-2-2 |
| | | | | 1167 | 0-15-8 |
| | | | | 1378 | 0-0-13 |
| | | | | 1218 | 0-9-0 |
| | | | | 1219 | 1-1-8 |
| | | | | 1221 | 1-5-0 |
| | | | | 1298 | 0-1-10 |
| | | | | 1222 | 0-8-0 |
| | | | | 1223 | 0-3-16 |
| | | | | 1297 | 0-5-10 |
| | | | | 1296 | 0-18-0 |
| | | | | 1295 | 0-6-0 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|------|---------|
| | | | | 1307 | 0-2-0 |
| | | | | 1293 | 0-12-4 |
| | | | | 1308 | 0-10-16 |
| | | | | 1309 | 0-15-0 |
| | | | | 1310 | 0-2-8 |
| | | | | 1311 | 0-15-0 |
| | | | | 1683 | 0-14-8 |
| | | | | 1684 | 0-8-8 |
| | | | | 1688 | 0-12-0 |
| | | | | 1719 | 0-15-10 |
| | | | | 1720 | 1-0-8 |
| | | | | 1717 | 0-9-12 |
| | | | | 1852 | 1-4-0 |
| | | | | 1853 | 1-5-8 |
| | | | | 1854 | 1-3-0 |
| | | | | 2436 | 0-3-12 |

[No. O-14016/491/84-G.P.]

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1985

का. आ. 3365:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. मं. 665 तारीख 16-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम बरखेड़, थुम तहसील सारंगपुर जिला-राजगढ़ राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु. क्र. खसरा नं. 1

उपयोग अधिकार
अर्जन का क्षेत्र
(हेक्टर में)

| | | |
|-----|-------|-------|
| 1. | 329 | 0.051 |
| 2. | 422 | 0.051 |
| 3. | 390/1 | 0.090 |
| 4. | 369/1 | 0.135 |
| 5. | 395/2 | 0.030 |
| 6. | 400 | 0.089 |
| 7. | 369/2 | 0.195 |
| 8. | 370 | 0.199 |
| 9. | 371 | 0.076 |
| 10. | 382 | 0.017 |
| 11. | 413 | 0.165 |
| 12. | 420/3 | 0.100 |
| 13. | 421/1 | 0.078 |
| 14. | 380 | 0.165 |
| 15. | 412 | 0.141 |
| 16. | 387/1 | 0.172 |
| 17. | 387/2 | 0.301 |
| 18. | 395/3 | 0.153 |
| 19. | 399 | 0.226 |
| 20. | 398 | 0.023 |
| 21. | 277/1 | 0.154 |
| 22. | 390/3 | 0.165 |
| 23. | 277/2 | 0.010 |
| 24. | 278/1 | — |
| 25. | 277/3 | 0.405 |
| 26. | 278/2 | — |
| 27. | 411 | 0.126 |
| 28. | 414 | 0.270 |
| 29. | 420/2 | — |
| 30. | 420/1 | 0.010 |
| 31. | 403 | 0.170 |

योग:—कुल क्षेत्रफल 3.763

[सं O-14016/31/85-जीपी]

New Delhi, the 10th July, 1985

S.O. 3365.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 665 dated 12-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline:

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

New, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village Barkhedhi Khurm Tehsil Sarangpur Distt.
Rajgarh (M.P.)

SCHEDULE

| S. No. | Survey No. | Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare |
|------------|------------|---|
| 1. | 329 | 0.051 |
| 2. | 422 | 6.051 |
| 3. | 390/1 | 0.090 |
| 4. | 369/1 | 0.135 |
| 5. | 395/2 | 0.030 |
| 6. | 400 | 0.089 |
| 7. | 369/2 | 0.195 |
| 8. | 370 | 0.199 |
| 9. | 371 | 0.076 |
| 10. | 382 | 0.017 |
| 11. | 413 | 0.165 |
| 12. | 420/3 | 0.100 |
| 13. | 421/1 | 0.073 |
| 14. | 380 | 0.165 |
| 15. | 412 | 0.141 |
| 16. | 387/1 | 0.172 |
| 17. | 387/2 | 0.301 |
| 18. | 395/3 | 0.153 |
| 19. | 399 | 0.226 |
| 20. | 398 | 0.023 |
| 21. | 277/1 | 0.154 |
| 22. | 390/3 | 0.165 |
| 23. | 277/2 | 0.010 |
| 24. | 278/1 | — |
| 25. | 277/3 | 0.405 |
| 26. | 278/2 | — |
| 27. | 411 | 0.126 |
| 28. | 414 | 0.270 |
| 29. | 420/2 | — |
| 30. | 420/1 | 0.010 |
| 31. | 403 | 0.170 |
| TOTAL AREA | | 3.763 |

[No. O-14016/61/85-GP]

का. आ. 3366.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4567 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची

में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार तद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजीरा से बरेली से जगदीसपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : पंचमहल तालुका : निमखेड़ा

| गांव | सर्वे नं० : | हेक्टेयर | घार. | सेन्टीयर |
|-------|-------------|----------|------|----------|
| भम्बा | 140 | 0 | 42 | 00 |
| | 81 | 3 | 54 | 87 |
| | 117 | 0 | 27 | 00 |
| | 143 | 0 | 46 | 02 |
| | 144 | 0 | 09 | 27 |
| | 137 | 0 | 43 | 01 |
| | 136 | 0 | 30 | 97 |
| | 135 | 0 | 33 | 60 |
| | 82 | 0 | 32 | 24 |
| | 83 | 0 | 50 | 75 |
| | 133 | 0 | 08 | 32 |
| | 122 | 0 | 21 | 76 |
| | 63 | 0 | 57 | 00 |
| | 62 | 0 | 36 | 79 |
| | 61 | 0 | 45 | 09 |

[सं. O-14016/470/84-जीपी]

S.O. 3366.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4567 dated 10-12-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Hazira-Bareilly-Jagdishpur

State : Gujarat; District : Panchmahal; Taluka : Limkheda

| Village | Survey No. | Hectare | Area | Centiare |
|---------|------------|---------|------|----------|
| Amba | 140 | 0 | 42 | 00 |
| | 81 | 3 | 54 | 87 |
| | 117 | 0 | 27 | 00 |
| | 143 | 0 | 46 | 02 |
| | 144 | 0 | 09 | 27 |
| | 137 | 0 | 43 | 01 |
| | 136 | 0 | 30 | 97 |
| | 135 | 0 | 33 | 60 |
| | 82 | 0 | 32 | 24 |
| | 83 | 0 | 50 | 75 |
| | 133 | 0 | 08 | 32 |
| | 122 | 0 | 21 | 76 |
| | 63 | 0 | 57 | 00 |
| | 62 | 0 | 36 | 79 |
| | 61 | 0 | 45 | 09 |

[No. O-14016/470/84-GP]

का.आ. 3367:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 726 तारीख 13-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आग्रह घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस पाइपलाइन में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी वाधाओं में मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजिरा से बरेली से जगदीशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

| राज्य : गुजरात | जिला : पंचमहल | तालुका : लिम्खेड़ा | विमखेड़ा | |
|----------------|---------------|--------------------|----------|----------|
| गांव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | घाट | सेन्टीयर |
| रई | 51 | 0 | 27 | 00 |
| | 48 | 0 | 60 | 64 |
| | 50 | 0 | 37 | 00 |
| | 49/1 | 0 | 36 | 00 |
| | 44/पी | 0 | 29 | 00 |
| | 42 | 0 | 00 | 16 |
| | 43 | 0 | 24 | 00 |
| | 26 | 0 | 12 | 80 |
| Kotar | | 0 | 01 | 28 |
| | 27 | 0 | 34 | 00 |
| काटेदूक | | 0 | 02 | 00 |
| | 22 | 0 | 30 | 00 |
| 21/P | | 0 | 13 | 00 |
| | 19 | 0 | 20 | 00 |
| | 18 | 0 | 29 | 00 |
| | 17 | 0 | 02 | 40 |
| 1/1 | | 0 | 53 | 00 |
| 360/3 | | 0 | 41 | 00 |
| 355 | | 0 | 82 | 00 |
| 338 | | 0 | 90 | 00 |
| 340 | | 0 | 47 | 00 |
| 335 | | 0 | 46 | 00 |
| 327 | | 0 | 22 | 00 |
| 326 | | 0 | 01 | 00 |
| 256/P | | 0 | 31 | 00 |
| 256/P | | 0 | 40 | 00 |
| 259 | | 0 | 99 | 00 |
| 262 | | 1 | 10 | 00 |
| 265/P | | 0 | 43 | 00 |
| 265/P | | 0 | 05 | 00 |
| 265/P | | 0 | 68 | 00 |

[सं. O-14016/68/85-बीके]

S.O. 3367.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 726 dated 13-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Hazira Bareilly-Jagdishpur

| State : Gujarat | District | Panchmahal Taluka | Limkhed |
|-----------------|------------|-------------------|--------------|
| Village | Survey No. | Hectare | Ac. Centiare |
| RAJ | 51 | 0 | 27 00 |
| | 48 | 0 | 00 64 |
| | 50 | 0 | 37 00 |
| | 49/1 | 0 | 36 00 |
| | 44/P | 0 | 29 00 |
| | 42 | 0 | 00 16 |
| | 43 | 0 | 24 00 |
| | 26 | 0 | 12 80 |
| | Kotar | 0 | 01 28 |
| | 27 | 0 | 34 00 |
| | Cart track | 0 | 02 00 |
| | 22 | 0 | 30 00 |
| | 21/P | 0 | 13 00 |
| | 19 | 0 | 20 00 |
| | 18 | 0 | 29 00 |
| | 17 | 0 | 02 40 |
| | 1/1 | 0 | 53 00 |
| | 360/3 | 0 | 41 00 |
| | 355 | 0 | 82 00 |
| | 338 | 0 | 90 00 |
| | 340 | 0 | 47 00 |
| | 335 | 0 | 46 00 |
| | 327 | 0 | 22 00 |
| | 326 | 0 | 01 00 |
| | 256/P | 0 | 31 00 |
| | 256/P | 0 | 40 00 |
| | 259 | 0 | 99 00 |
| | 262 | 1 | 10 00 |
| | 265/P | 0 | 43 00 |
| | 265/P | 0 | 05 00 |
| | 265/P | 0 | 68 00 |

[No O—14016/68/85-G P]

का.आ. 3368.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 595 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची

में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम ग्रगेलिया तहसील शाजापुर जिला-शाजापुर राज्य (मध्य प्रदेश)

| उत्पन्न | खसरा नं० | उपयोग अधिकार लाइन का क्षेत्र (हेक्टेयर में) |
|---------|----------|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1 | 429 | 0.303 |
| 2 | 179/1/2 | 0.157 |
| 3 | 171 | 0.031 |
| 4 | 86 | 0.021 |
| 5 | 174/1/1 | 0.031 |
| 6 | 71/1 | 0.062 |
| 7 | 85/1 | 0.136 |
| 8 | 173 | 0.167 |
| | 179/2 | |
| 9 | 68 | 0.125 |
| 10 | 72/1 | 0.072 |
| 11 | 72/2 | 0.010 |
| | 73 | |
| 12 | 161 | 0.005 |
| 13 | 160 | 0.428 |
| 14 | 162 | 0.021 |
| 15 | 163 | 0.125 |
| 16 | 20 | 0.052 |
| 17 | 21 | 0.215 |
| 18 | 22 | 0.052 |
| 19 | 23 | 0.042 |
| 20 | 148/1 | 0.062 |
| 21 | 149/1 | 0.010 |
| 22 | 148/2 | 0.052 |
| 23 | 140 | 0.199 |
| 24 | 137/2 | 0.005 |
| 25 | 141 | 0.072 |
| 26 | 136 | 0.209 |
| 27 | 119 | 0.031 |
| 28 | 71/2 | 0.167 |
| 29 | 63 | 0.062 |
| 30 | 78/2 | 0.010 |

| 1 | 2 | 3 |
|-----|-------|-------|
| 31. | 77/1 | 0.031 |
| 32. | 77/2 | 0.010 |
| 33. | 78/1 | 0.052 |
| 34. | 79 | 0.010 |
| 35. | 82 | 0.010 |
| 36. | 83 | 0.021 |
| 37. | 85/2 | 0.146 |
| 38. | 174/2 | 0.031 |
| 39. | 93 | 0.010 |
| 40. | 172 | 0.031 |
| 41. | 158/1 | 0.010 |
| 42. | 139 | 0.010 |

योग :—कुल क्षेत्रफल : 3.306

अपठनीय

[सं. O-14016/38/85-जी पी]

S.O. 3368.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 595 dated 9-2-1985 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands, shall instead of vesting in Central Government, vests on this date of publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SCHEDULE

HBJ Gas Pipeline Project

Village Aroliya Tehsil Shajapur; Distt. : Shajapur (M.P.)

| S.No. | Survey No. | Area to be acquired for R.O.U. in Hectare |
|-------|------------|---|
| 1. | 429 | 0.303 |
| 2. | 179/1/2 | 0.157 |
| 3. | 171 | 0.031 |
| 4. | 86 | 0.021 |
| 5. | 174/1/1 | 0.031 |
| 6. | 71/1 | 0.062 |
| 7. | 85/1 | 0.136 |
| 8. | 173 | 0.167 |
| | 179/2 | — |
| 9. | 68 | 0.125 |
| 10. | 72/1 | 0.072 |

| 1 | 2 | 3 |
|-----|-------|-------|
| 11. | 72/2 | 0.010 |
| | 73 | — |
| 12. | 161 | 0.05 |
| 13. | 160 | 0.428 |
| 14. | 161 | 0.021 |
| 15. | 163 | 0.125 |
| 16. | 20 | 0.052 |
| 17. | 21 | 0.215 |
| 18. | 22 | 0.052 |
| 19. | 23 | 0.042 |
| 20. | 148/1 | 0.062 |
| 21. | 149/1 | 0.010 |
| 22. | 148/2 | 0.052 |
| 23. | 140 | 0.199 |
| 24. | 137/2 | 0.005 |
| 25. | 141 | 0.072 |
| 26. | 136 | 0.209 |
| 27. | 119 | 0.031 |
| 28. | 71/2 | 0.167 |
| 29. | 63 | 0.062 |
| 30. | 78/2 | 0.010 |
| 31. | 77/1 | 0.031 |
| 32. | 77/2 | 0.010 |
| 33. | 78/1 | 0.052 |
| 34. | 79 | 0.010 |
| 35. | 82 | 0.010 |
| 36. | 83 | 0.021 |
| 37. | 85/2 | 0.147 |
| 38. | 174/2 | 0.031 |
| 39. | 93 | 0.010 |
| 40. | 172 | 0.031 |
| 41. | 158/1 | 0.010 |
| 42. | 139 | 0.010 |

TOTAL AREA

3.306

[सं. O-14016/38/85-GP]

कां.आं. 3369.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना कां.आं. 727 तारीख 23-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में शोधना के प्रकाशन की इस शर्त को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम भ्याना लहमील सारंगपुर—जिला—राजगढ़ राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

| अनु. क्र. | खसरा नं. | उपयोग अधि-कार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में) |
|-----------|----------|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | 343 | 0.190 |
| 2. | 342 | 0.038 |
| 3. | 331/8 | 0.164 |
| 4. | 344/2 | 0.091 |
| 5. | 349 | 0.215 |
| 6. | 344/1 | 0.013 |
| 7. | 345 | 0.190 |
| 8. | 348 | 0.005 |
| 9. | 343 | 0.266 |
| 10. | 334 | 0.104 |
| 11. | 333 | 0.366 |
| 12. | 332 | 0.479 |
| 13. | 331/11 | 0.266 |
| 14. | 332 | 0.166 |
| 15. | 330 | 0.205 |
| 16. | 329 | 0.291 |
| 17. | 1 | 0.013 |
| 18. | 2 | 0.013 |
| 19. | 19/1 | 0.070 |
| 20. | 296 | 0.309 |
| 21. | 263 | 0.431 |
| 22. | 264 | 0.200 |
| 23. | 265 | 0.116 |
| 24. | 281 | 0.300 |
| 25. | 269 | 0.300 |
| 26. | 259/2 | 0.099 |
| 27. | 271 | 0.256 |
| 28. | 272/1 | 0.038 |
| 29. | 260 | 0.038 |
| 30. | 273/2 | 0.216 |
| 31. | 246 | 0.005 |
| 32. | 13/2 | 0.251 |
| 33. | 245/2 | 0.300 |
| 34. | 245/1 | 0.256 |
| 35. | 13/1 | 0.251 |
| 36. | 273/1 | 0.050 |
| 37. | 61/2 | 0.006 |
| 38. | 60/4 | 0.063 |
| 39. | 6/3 | 0.019 |

| 1 | 2 | 3 |
|-----|------|-------|
| 40. | 46/3 | 0.284 |
| 41. | 47 | 0.163 |
| 42. | 60/3 | 0.060 |
| 43. | 45/2 | 0.005 |
| 44. | 0/2 | 0.060 |
| 45. | 61/1 | 0.005 |
| 46. | 40/1 | 0.284 |
| 47. | 12 | 0.140 |
| 48. | 9 | 0.153 |
| 49. | 10 | 0.251 |
| 50. | 8/2 | 0.005 |
| 51. | 60/1 | 0.010 |
| 52. | 59 | 0.115 |
| 53. | 11 | 0.010 |
| 54. | 14 | 0.040 |
| 55. | 18 | 0.100 |
| 56. | 244 | 0.076 |
| 57. | 243 | 0.025 |
| 58. | 242 | 0.104 |
| 59. | 70 | 0.013 |
| 60. | 62 | 0.025 |
| 61. | 64 | 0.025 |
| 62. | 48 | 0.005 |
| 63. | 63 | 0.100 |

योग कुल क्षेत्रफल — 8.390

[सं. O-14016/69/85-जी.पी.]

S.O. 3369.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 725 dated 13-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

HBJ Gas Pipeline Project

Village : Bhayna, Tehsil Sarangpur, Distt. Rajgarh State M.P.

SCHEDULE

| S. No. | Survey No. | Area to be acquired for R.O.U. in hectare |
|--------|------------|---|
| 1. | 343 | 0.190 |
| 2. | 342 | 0.038 |
| 3. | 331/6 | 0.164 |
| 4. | 344/2 | 0.091 |
| 5. | 349 | 0.215 |
| 6. | 344/1 | 0.013 |
| 7. | 345 | 0.190 |
| 8. | 343 | 0.005 |
| 9. | 343 | 0.266 |
| 10. | 334 | 0.104 |
| 11. | 333 | 0.366 |
| 12. | 332 | 0.479 |
| 13. | 331/11 | 0.266 |
| 14. | 332 | 0.0166 |
| 15. | 330 | 0.025 |
| 16. | 329 | 0.291 |
| 17. | 1 | 0.013 |
| 18. | 2 | 0.013 |
| 19. | 19/1 | 0.070 |
| 20. | 296 | 0.309 |
| 21. | 263 | 0.431 |
| 22. | 264 | 0.200 |
| 23. | 265 | 0.116 |
| 24. | 281 | 0.300 |
| 25. | 269 | 0.300 |
| 26. | 259/2 | 0.099 |
| 27. | 271 | 0.256 |
| 28. | 272/1 | 0.038 |
| 29. | 260 | 0.038 |
| 30. | 273/2 | 0.216 |
| 31. | 246 | 0.005 |
| 32. | 13/2 | 0.251 |
| 33. | 245/2 | 0.300 |
| 34. | 245/1 | 0.256 |
| 35. | 13/1 | 0.251 |
| 36. | 273/1 | 0.050 |
| 37. | 61/2 | 0.006 |
| 38. | 60/4 | 0.063 |
| 39. | 6/3 | 0.019 |
| 40. | 46/3 | 0.284 |
| 41. | 47 | 0.163 |
| 42. | 60/3 | 0.060 |
| 43. | 45/2 | 0.005 |
| 44. | 6/2 | 0.060 |
| 45. | 61/1 | 0.005 |
| 46. | 46/1 | 0.284 |
| 47. | 12 | 0.140 |
| 48. | 9 | 0.153 |
| 49. | 10 | 0.251 |
| 50. | 3/2 | 0.005 |
| 51. | 60/1 | 0.010 |
| 52. | 59 | 0.115 |
| 53. | 11 | 0.100 |
| 54. | 14 | 0.040 |
| 55. | 18 | 0.100 |
| 56. | 244 | 0.076 |
| 57. | 243 | 0.025 |
| 58. | 242 | 0.104 |
| 59. | 70 | 00.013 |
| 60. | 62 | 00.025 |

| | | |
|------------|----|-------|
| 61. | 64 | 0.025 |
| 62. | 48 | 0.005 |
| 63. | 63 | 0.100 |
| TOTAL AREA | | 8.390 |

[No. O-14016/69/85 -G.P.]

का. आ. 3370.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 598 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम—खेरखेड़ी, तहसील—सातपुर—जिला—राजगढ़ (राज्य मध्य प्रदेश)
अनुसूची

| अनु. क्र. | खसरा नं. | उपयोग के अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में) |
|-----------|----------|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | 1 | 0.040 |
| 2. | 50 | 0.090 |
| 3. | 5/1 | 0.300 |
| 4. | 5/2 | 0.300 |
| 5. | 3 | 0.100 |

| 1 | 2 | 3 |
|---------------------|------|-------|
| 6. | 4में | 0.080 |
| 7. | 4में | 0.300 |
| 8. | 43 | 0.380 |
| 9. | 49/1 | 0.090 |
| 10. | 44 | 0.400 |
| योग - कुल क्षेत्रफल | | 2.080 |

[मं० O-14016/41/85—जी पी]

S.O. 3370.—Whereas by notifications of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 598 dated 9-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village : Khercha Khedi, Tehsil : Sarangpur, Distt. Rajgarh MP

SCHEDULE

| S. No. | Survey No. | Area to be acquired for R.O.U. in Hectare |
|------------|------------|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | 1 | 0.040 |
| 2. | 50 | 0.090 |
| 3. | 5/1 | 0.300 |
| 4. | 5/2 | 0.300 |
| 5. | 3 | 0.100 |
| 6. | 4M. | 0.080 |
| 7. | 4M. | 0.300 |
| 8. | 43 | 0.380 |
| 9. | 49/1 | 0.090 |
| 10. | 44 | 0.400 |
| TOTAL AREA | | 2.020 |

[No. O-14016/41/85-GP]

का. आ. 3371.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 733 तारीख 23-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार

ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

ग्राम दयाबेड़ी—तहसील सारंगपुर—जिला राजगढ़—राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

| अनु. क्र. | खसरा नं. | उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में) |
|-----------|----------|--|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | 7/1 | 0.170 |
| 2. | 6 | 0.0005 |
| 3. | 8 | 0.050 |
| 4. | 9 | 0.130 |
| 5. | 7/2 | 0.160 |
| 6. | 54 | 0.250 |
| 7. | 52 | 0.095 |
| 8. | 5 | 0.005 |
| 9. | 56 | 0.005 |
| 10. | 47/1 | 0.060 |
| 11. | 55 | 0.100 |
| 12. | 57/1 | 0.210 |
| 13. | 62 | 0.105 |
| 14. | 58 | 0.050 |
| 15. | 59 | 0.240 |
| 16. | 60 | 0.031 |
| 17. | 63 | 0.350 |

| 1 | 2 | 3 |
|---------------------|------|-------|
| 18. | 67 | 0.060 |
| 19. | 68 | 0.150 |
| 20. | 69 | 0.057 |
| 21. | 70 | 0.100 |
| 22. | 66 | 0.005 |
| 23. | 37 | 0.032 |
| 24. | 19 | 0.005 |
| 25. | 38 | 0.005 |
| 26. | 39 | 0.320 |
| 27. | 41 | 0.025 |
| 28. | 46/2 | 0.200 |
| योग : कुल क्षेत्रफल | | 3.015 |

[सं. O—14016/75/85—जीपी]

S.O. 3371.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 733 dated 23-2-83 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village : Daya Khedi, Tehsil : Sarangpur : Distt. : Rajgarh(MP)

SCHEDULE

| S.No. | Survey No. | Area to be acquired for R.O.U. in Hectare |
|-------|------------|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | 7/1 | 0.170 |
| 2. | 6 | 0.005 |
| 3. | 8 | 0.050 |
| 4. | 9 | 0.130 |
| 5. | 7/2 | 0.160 |
| 6. | 54 | 0.250 |
| 7. | 52 | 0.095 |
| 8. | 5 | 0.005 |
| 9. | 56 | 0.005 |
| 10. | 47/1 | 0.060 |
| 11. | 55 | 0.100 |
| 12. | 57/1 | 0.210 |
| 13. | 62 | 0.105 |
| 14. | 58 | 0.050 |

| 1 | 2 | 3 |
|-----|------|-------|
| 15. | 59 | 0.240 |
| 16. | 60 | 0.031 |
| 17. | 63 | 0.350 |
| 18. | 67 | 0.060 |
| 19. | 68 | 0.150 |
| 20. | 69 | 0.057 |
| 21. | 70 | 0.100 |
| 22. | 66 | 0.005 |
| 23. | 37 | 0.032 |
| 24. | 19 | 0.005 |
| 25. | 38 | 0.005 |
| 26. | 39 | 0.320 |
| 27. | 41 | 0.025 |
| 28. | 46/2 | 0.200 |

TOTAL AREA

3.015

[No. O-14016/75-85-GP]

का. आ. 3772:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय को अधिसूचना का. आ. सं. 874, तारीख 2-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम सदावता तहसील सारंगपुर—जिला—राजगढ़ राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

| अनु. क्र. 1 | खसरा नं. 1 | उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टेर्स में) |
|-------------------|------------|---|
| 1. | 1263 | 0.043 |
| 2. | 1290 | 0.101 |
| 3. | 943 | 0.253 |
| 4. | 1315 | 0.076 |
| 5. | 871 | 0.291 |
| 6. | 863 | 0.025 |
| 7. | 803 | 0.025 |
| 8. | 1273/1 | 1.012 |
| 9. | 1274 | — |
| 10. | 1275 | 0.053 |
| 11. | 1216 | 0.177 |
| 12. | 1276 | 0.240 |
| 13. | 1300 | 0.151 |
| 14. | 1277 | 0.051 |
| 15. | 1286 | 0.354 |
| 16. | 1303 | 0.468 |
| 17. | 1285 | 0.038 |
| 18. | 1298 | 0.151 |
| 19. | 1299 | 0.126 |
| 20. | 870 | 0.253 |
| 21. | 868/1 | 0.540 |
| 22. | 869/1 | — |
| 23. | 877 | 0.063 |
| 24. | 864 | 0.101 |
| 25. | 868/2 | 0.013 |
| 26. | 869/2 | — |
| 27. | 857 | 0.025 |
| 28. | 862 | 0.354 |
| 29. | 865 | 0.013 |
| 30. | 858 | 0.013 |
| 31. | 795 | 0.190 |
| 32. | 801 | 0.013 |
| 33. | 796 | — |
| 34. | 797 | 0.013 |
| 35. | 798 | 0.038 |
| 36. | 799 | 0.380 |
| 37. | 800 में से | 0.230 |
| 38. | 782 | 0.051 |
| 39. | 1297 | 0.038 |
| 40. | 1268/2 | 2.031 |
| योग कुल क्षेत्रफल | | 5.994 |

[सं० O-14016/90/85-जीपी]

S.O. 3372.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 874, dated 2-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

HBJ Gas Pipeline Project

Village : Sandavata, Tehsil : Sarangpur, Distt. Rajgarh (M.P.)

SCHEDULE

| S.No. | Survey No. | Area to be acquired for R.O.U. in Hectare |
|------------|------------|---|
| 1. | 1263 | 0.043 |
| 2. | 1290 | 0.101 |
| 3. | 943 | 0.253 |
| 4. | 1315 | 0.076 |
| 5. | 871 | 0.291 |
| 6. | 863 | 0.025 |
| 7. | 803 | 0.025 |
| 8. | 1273/1 | 1.012 |
| 9. | 1274 | — |
| 10. | 1275 | 0.053 |
| 11. | 1216 | 0.177 |
| 12. | 1276 | 0.240 |
| 13. | 1300 | 0.151 |
| 14. | 1277 | 0.051 |
| 15. | 1286 | 0.354 |
| 16. | 1303 | 0.468 |
| 17. | 1285 | 0.038 |
| 18. | 1298 | 0.151 |
| 19. | 1299 | 0.126 |
| 20. | 870 | 0.253 |
| 21. | 868/1 | 0.540 |
| 22. | 869/1 | — |
| 23. | 877 | 0.063 |
| 24. | 864 | 0.101 |
| 25. | 868/2 | 0.013 |
| 26. | 869/2 | — |
| 27. | 857 | 0.025 |
| 28. | 862 | 0.354 |
| 29. | 865 | 0.013 |
| 30. | 858 | 0.013 |
| 31. | 795 | 0.190 |
| 32. | 801 | — |
| 33. | 796 | 0.013 |
| 34. | 797 | 0.013 |
| 35. | 798 | 0.038 |
| 36. | 799 | 0.380 |
| 37. | 800 M/C | 0.230 |
| 38. | 782 | 0.051 |
| 39. | 1297 | 0.038 |
| 40. | 1268/2 | 2.031 |
| TOTAL AREA | | 5.994 |

[No. O-14016/90/85-GP]

का०जी० 3373.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का०प्रा०सं० 668 तारीख 16-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एन. बी. ज. गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

ग्राम पठारी - तहसील सारंगपुर - जिला-राजगढ़—राज्य (मध्य-प्रदेश)

अनुसूची:

| अनु. क्र. | खसरा नं. | उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में) |
|-----------|--------------|--|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | 290 | 0.126 |
| 2. | 289 | 0.105 |
| 3. | 292 में से | 0.374 |
| 4. | 293 | 0.026 |
| 5. | 145 | 0.051 |
| 6. | 294 | 0.028 |
| 7. | 295 में से | 0.253 |
| 8. | 297/2 में से | 0.341 |
| 9. | 421/1 में से | 0.025 |
| 10. | 416 | 0.273 |
| 11. | 417 | 0.075 |
| 12. | 401 | 0.052 |
| 13. | 383 | 0.126 |
| 14. | 390 | 0.151 |
| 15. | 391 | 0.006 |

| 1 | 2 | 3 |
|-----|-------|-------|
| 16. | 394 | 0.126 |
| 17. | 398 | 0.006 |
| 18. | 399 | 0.032 |
| 19. | 386 | 0.022 |
| 20. | 414 | 0.075 |
| 21. | 372/1 | 0.040 |
| 22. | 375 | 0.020 |
| 23. | 299/4 | 0.022 |
| 24. | 368/2 | 0.216 |
| 25. | 402 | 0.093 |
| 26. | 387/1 | 0.042 |
| 27. | 387/2 | 0.070 |
| 28. | 387/3 | 0.110 |
| 29. | 389 | 0.012 |
| 30. | 381 | 0.020 |
| 31. | 369 | 0.366 |
| 32. | 366 | 0.006 |
| 33. | 370 | 0.075 |
| 34. | 374/1 | 0.189 |
| 35. | 374/2 | 0.151 |
| 36. | 372/3 | 0.075 |
| 37. | 384 | 0.010 |
| 38. | 415 | 0.035 |

योग कुल क्षेत्रफल 3.825

[सं० O-14016/64/85-जीपी]

S.O. 3373.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 668 dated 16-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village : Pathari; Tehsil Sarangpur; Distt. Rajgarh (M.P.)

SCHEDULE

| S.No. | Survey No | Area to be acquired for R.O.U. in Hectare |
|-------|-----------|---|
| 1. | 290 | 0.126 |
| 2. | 289 | 0.105 |
| 3. | 292 M.S. | 0.374 |

| 1 | 2 | 3 |
|------------|------------|-------|
| 4. | 293 | 0.026 |
| 5. | 145 | 0.051 |
| 6. | 294 | 0.028 |
| 7. | 295M.S. | 0.253 |
| 8. | 297/2 M.S. | 0.341 |
| 9. | 421/1 | 0.025 |
| 10. | 416 | 0.273 |
| 11. | 417 | 0.075 |
| 12. | 401 | 0.052 |
| 13. | 388 | 0.126 |
| 14. | 390 | 0.151 |
| 15. | 391 | 0.006 |
| 16. | 394 | 0.126 |
| 17. | 398 | 0.006 |
| 18. | 399 | 0.032 |
| 19. | 386 | 0.022 |
| 20. | 414 | 0.075 |
| 21. | 372/1 | 0.040 |
| 22. | 375 | 0.020 |
| 23. | 299/4 | 0.022 |
| 24. | 368/2 | 0.216 |
| 25. | 402 | 0.093 |
| 26. | 387/1 | 0.042 |
| 27. | 387/2 | 0.070 |
| 28. | 387/3 | 0.110 |
| 29. | 389 | 0.012 |
| 30. | 381 | 0.020 |
| 31. | 369 | 0.366 |
| 32. | 366 | 0.006 |
| 33. | 370 | 0.075 |
| 34. | 374/1 | 0.189 |
| 35. | 374/2 | 0.151 |
| 36. | 372/3 | 0.075 |
| 37. | 384 | 0.010 |
| 38. | 415 | 0.035 |
| TOTAL AREA | | 3.825 |

[No. O-14016/64/85-GP]

का. आ. 3374.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 655 तारीख 16-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूचा में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न

अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

ग्राम समर्ली बोझा—तहसील मारंगपुर जिला—राजगढ़ राज्य (म.प्र.)

| अनुसूची | | |
|---------------------|---------|--|
| अनु. क्र. | खसरा न. | उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में) |
| 1. | 681 | 0.190 |
| 2. | 682 | 0.400 |
| 3. | 675/2 | 0.100 |
| 4. | 544 | 0.040 |
| 5. | 543 | 0.470 |
| 6. | 675/3 | 0.010 |
| 7. | 537 | 0.120 |
| 8. | 541/1 | 0.560 |
| 9. | 540 | 0.005 |
| 10. | 683 | 0.170 |
| 11. | 675/1 | 0.110 |
| योग : कुल क्षेत्रफल | | 2.175 |

[सं० O-14016/50/85-जीपी]

S.O. 3374.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 665 dated 16-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village : Semali Loda; Tehsil Sarangpur; Distt. Rajgarh(M.P)

SCHEDULE

| S. No | Survey No | Area to be acquired for R.O.U in Hectare |
|------------|-----------|--|
| 1. | 681 | 0.190 |
| 2. | 682 | 0.400 |
| 3. | 675/2 | 0.100 |
| 4. | 544 | 0.040 |
| 5. | 543 | 0.470 |
| 6. | 675/3 | 0.010 |
| 7. | 537 | 0.120 |
| 8. | 541/1 | 0.560 |
| 9. | 540 | 0.005 |
| 10. | 683 | 0.170 |
| 11. | 675/1 | 0.110 |
| TOTAL AREA | | 2.175 |

[No. O-14016/50/85-GP]

का. आ. 3375:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 657 तारीख 16-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों की विछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था :

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है :

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अत्र, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा, (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा ।

एच बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| ग्राम | घाटाखेडी | तहसील | सारांगपुर | जिला-राजगढ़ | राज्य (संघसमवेत) |
|--------------------|----------|---------|--|-------------|------------------|
| अनुसूची | | | | | |
| अंश | क्र | खसरा नं | उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर्स में) | | |
| 1 | 1 | | 0.050 | | |
| 2 | 39 | | 0.030 | | |
| 3 | 10 | | 0.020 | | |
| 4 | 15 | | 0.260 | | |
| 5 | 2 | | 0.360 | | |
| 6 | 3 | | 0.350 | | |
| 7 | 4 | | 0.170 | | |
| 8 | 16 | | 0.030 | | |
| योग: कुल क्षेत्रफल | | | | | 1.270 |

[सं. O-14016/52/85-जीपी]

S.O. 3375.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 657 dated 16-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipeline Project

Village Ghatakhedi Tehsil Sarangpur Distt. Rajgarh (M.P.)

SCHEDULE

| S. No. | Survey No. | Area to be Acquired for R.O.U. in hectare |
|------------|------------|---|
| 1. | 1 | 0.050 |
| 2. | 39 | 0.030 |
| 3. | 10 | 0.020 |
| 4. | 15 | 0.260 |
| 5. | 2 | 0.360 |
| 6. | 3 | 0.350 |
| 7. | 4 | 0.170 |
| 8. | 16 | 0.030 |
| Total Area | | 1.270 |

[No. O-14016/52/85-GP]

का.आ. 3376.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 का (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 734 तारीख 23-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में शोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट
ग्राम देदला तहसील सारंगपुर जिला राजगढ़ राज्य (मध्य प्रदेश)

| अनुसूची | | |
|-----------|----------|---|
| अनु. क्र. | खसरा नं. | उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टेस में) |
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | 708 | 0.256 |
| 2. | 830/1 | 0.118 |
| 3. | 829 | 0.210 |
| 4. | 832 | 0.548 |
| 5. | 253 | 0.012 |
| 6. | 615 | 0.100 |
| 7. | 833 | 0.390 |
| 8. | 697/2 | 0.331 |
| 9. | 208 | 0.005 |
| 10. | 707/1 | 0.095 |
| 11. | 185 | 0.051 |
| 12. | 186 | 0.006 |
| 13. | 205 | 0.999 |
| 14. | 206 | 0.030 |

| 1 | 2 | 3 |
|---------------------|-------|-------|
| 16. | 190 | 0.100 |
| 17. | 254/3 | 0.040 |
| 18. | 572 | 0.010 |
| 19. | 573 | 0.010 |
| 20. | 594 | 0.044 |
| 21. | 565 | 0.010 |
| 22. | 831 | 0.013 |
| 23. | 611 | 0.119 |
| 24. | 589 | 0.016 |
| 25. | 616 | 0.095 |
| 26. | 593 | 0.010 |
| 27. | 595 | 0.012 |
| 28. | 596 | 0.012 |
| 29. | 602 | 0.010 |
| 30. | 603 | 0.040 |
| 31. | 604 | 0.013 |
| 32. | 628 | 0.148 |
| 33. | 629 | 0.101 |
| 34. | 632 | 0.100 |
| 35. | 633 | 0.066 |
| 36. | 591 | 0.040 |
| 37. | 635 | 0.166 |
| 38. | 634 | 0.052 |
| 39. | 588 | 0.108 |
| 40. | 590 | 0.016 |
| 41. | 587 | 0.190 |
| 42. | 570 | 0.318 |
| 43. | 531 | 0.010 |
| 44. | 571 | 0.096 |
| 45. | 568 | 0.045 |
| 46. | 566 | 0.315 |
| 48. | 543 | 0.238 |
| 48. | 545 | 0.189 |
| 49. | 538 | 0.207 |
| 50. | 539 | 0.065 |
| 51. | 530 | 0.011 |
| 52. | 537 | 0.129 |
| 53. | 533 | 0.322 |
| 54. | 532 | 0.010 |
| 55. | 528 | 0.253 |
| 56. | 529 | 0.016 |
| 57. | 534 | 0.198 |
| 58. | 482 | 0.023 |
| 59. | 567 | 0.110 |
| 60. | 617 | 0.025 |
| 61. | 618 | 0.040 |
| योग : कुल क्षेत्रफल | | 6.416 |

[सं० O-14016/76/85-जीपी]

S.O. 3376.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 734 dated 23-2-1985 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Govern-

ment declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government :

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipeline Project

Village Dedla: Tehsil : Sarangpur Distt. : Rajgarh State (M.P.)

SCHEDULE

| S. No. | Survey No. | Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare |
|--------|------------|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | 708 | 0.256 |
| 2. | 830/1 | 0.118 |
| 3. | 829 | 0.210 |
| 4. | 832 | 0.543 |
| 5. | 253 | 0.012 |
| 6. | 615 | 0.100 |
| 7. | 833 | 0.390 |
| 8. | 697/2 | 0.331 |
| 9. | 208 | 0.005 |
| 10. | 207/1 | 0.095 |
| 11. | 185 | 0.051 |
| 12. | 186 | 0.076 |
| 13. | 205 | 0.090 |
| 14. | 206 | 0.030 |
| 15. | 547 | 0.010 |
| 16. | 190 | 0.100 |
| 17. | 254/3 | 0.040 |
| 18. | 572 | 0.010 |
| 19. | 573 | 0.010 |
| 20. | 594 | 0.044 |
| 21. | 565 | 0.010 |
| 22. | 831 | 0.010 |
| 23. | 611 | 0.119 |
| 24. | 589 | 0.016 |
| 25. | 616 | 0.095 |
| 26. | 593 | 0.010 |
| 27. | 595 | 0.012 |
| 28. | 596 | 0.012 |
| 29. | 602 | 0.010 |
| 30. | 603 | 0.040 |
| 31. | 604 | 0.013 |
| 32. | 628 | 0.143 |
| 33. | 629 | 0.101 |

| 1 | 2 | 3 |
|------------|-----|-------|
| 34. | 632 | 0.100 |
| 35. | 633 | 0.066 |
| 36. | 591 | 0.040 |
| 37. | 635 | 0.166 |
| 38. | 634 | 0.052 |
| 39. | 588 | 0.108 |
| 40. | 590 | 0.016 |
| 41. | 587 | 0.190 |
| 42. | 570 | 0.318 |
| 43. | 531 | 0.010 |
| 44. | 571 | 0.096 |
| 45. | 568 | 0.045 |
| 46. | 566 | 0.315 |
| 47. | 543 | 0.238 |
| 48. | 545 | 0.189 |
| 49. | 538 | 0.207 |
| 50. | 539 | 0.065 |
| 51. | 530 | 0.011 |
| 52. | 537 | 0.129 |
| 53. | 533 | 0.322 |
| 54. | 532 | 0.010 |
| 55. | 528 | 0.253 |
| 56. | 529 | 0.010 |
| 57. | 534 | 0.198 |
| 58. | 482 | 0.023 |
| 59. | 567 | 0.110 |
| 60. | 617 | 0.025 |
| 61. | 618 | 0.040 |
| Total area | | 6.416 |

[N . O-14016/76/85-GP]

का०आ० 3377.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 600 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच०वी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम सामगीघाटा तहसील सारंगपुर जिला राजगढ़ राज्य (मध्य प्रदेश)
अनुसूची

| क्र. सं. | खसरा नं. | उपयोग अधिकार अर्जुन का क्षेत्रफल (हे. में) |
|----------|--------------------------|--|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | 385/3 | 0.100 |
| 2. | 457 | 0.303 |
| 3. | 455 | 0.137 |
| 4. | 456/1 | — |
| 5. | 459 | 0.131 |
| 6. | 458 460 466 469 | 0.360 |
| 7. | 418 | 0.090 |
| 8. | 419 | 0.087 |
| 9. | 420 | 0.253 |
| 10. | 421 | 0.012 |
| 11. | 464 | 0.087 |
| 12. | 465 | 0.040 |
| | 408 | 0.140 |
| 13. | 406 | 0.212 |
| 14. | 407 | 0.110 |
| 15. | 493 | 0.022 |
| 16. | 495/3 | 0.100 |
| 17. | 496 | 0.316 |
| 18. | 575 | 0.110 |
| 19. | 577/2 | 0.100 |
| 20. | 578 | 0.114 |
| 21. | 543 | 0.126 |
| 22. | 544 | 0.063 |
| 23. | 573 | 0.025 |
| 24. | 574/1 | 0.569 |
| 25. | 570/3 | 0.189 |
| 26. | 569 | 0.304 |
| 27. | 563/1 | 0.263 |
| 28. | 545/2 | 0.138 |
| 29. | 538 | 0.316 |
| 30. | 536/1 | 0.110 |
| 31. | 536/2 | 0.063 |
| 32. | 539 | 0.210 |
| 33. | 534/3 | 0.201 |
| 34. | 535 | 0.025 |
| 35. | 409 | 0.012 |
| 36. | 417/1 | 0.005 |
| 37. | 453 | 0.030 |
| 38. | 471/1 | 0.030 |
| 39. | 494 | 0.010 |

| 1 | 2 | 3 |
|-------------------|-------|-------|
| 40. | 518 | 0.030 |
| 41. | 534/2 | 0.050 |
| 42. | 577/1 | 0.005 |
| योग कुल क्षेत्रफल | | 5.598 |

[सं O-14016/43/85-अ.पी]

S.O. 3377.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 600 dated 9-2-1985 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas pipe line project

Village Samagi Ghata Tehsil Sarangpur Distt. Rajgarh(M.P.)

SCHEDULE

| S. No. | Survey No. | Area to be Acquired for R.O.U. in hectare |
|--------|--------------------------|---|
| 1. | 385/3 | 0.100 |
| 2. | 457 | 0.303 |
| 3. | 455 | 0.137 |
| 4. | 456/1 | — |
| 5. | 459 | 0.131 |
| 6. | 458 460 466 469 | 0.360 |
| 7. | 418 | 0.090 |
| 8. | 419 | 0.087 |
| 9. | 420 | 0.253 |
| 10. | 421 | 0.012 |
| 11. | 464 | 0.087 |
| 12. | 465 | 0.040 |
| | 408 | 0.140 |
| 13. | 406 | 0.212 |
| 14. | 407 | 0.110 |
| 15. | 493 | 0.022 |
| 16. | 495/3 | 0.100 |
| 17. | 496 | 0.316 |

| 1 | 2 | 3 |
|------------|-------|-------|
| 18. | 575 | 0.110 |
| 19. | 577/2 | 0.100 |
| 20. | 578 | 0.114 |
| 21. | 543 | 0.126 |
| 22. | 544 | 0.063 |
| 23. | 573 | 0.025 |
| 24. | 574/1 | 0.569 |
| 25. | 570/3 | 0.189 |
| 26. | 569 | 0.304 |
| 27. | 568/1 | 0.263 |
| 28. | 545/2 | 0.138 |
| 29. | 538 | 0.316 |
| 30. | 536/1 | 0.110 |
| 31. | 536/2 | 0.063 |
| 32. | 539 | 0.210 |
| 33. | 534/2 | 0.201 |
| 34. | 535 | 0.025 |
| 35. | 409 | 0.012 |
| 36. | 417/1 | 0.005 |
| 37. | 453 | 0.030 |
| 38. | 471/1 | 0.030 |
| 39. | 494 | 0.010 |
| 40. | 518 | 0.030 |
| 41. | 534/2 | 0.050 |
| 42. | 577/1 | 0.005 |
| Total Area | | 5.598 |

[No. O-14016/43/85-GP]

का. आ. 3378:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 594 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) रा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख को निहित होगी।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम खजुरिया धाटा तहसील सारंगपुर जिला—राजगढ़ राज्य (मध्य प्रदेश)

: अनुसूची :

| अनु. क्र. | विवरण. | उपयोग का अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में) |
|---------------------|-----------|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | 9 | 0.100 |
| 2. | 29 में से | 0.200 |
| 3. | 8 | 0.570 |
| 4. | 30 | 0.200 |
| 5. | 31 | 0.350 |
| 6. | 38 | 0.005 |
| 7. | 39/1 में | 0.200 |
| 8. | 5 | 0.080 |
| 9. | 7/1 | 0.260 |
| 10. | 6 | 0.240 |
| 11. | 37/3 | 0.080 |
| 12. | 37/4/2 | 0.075 |
| 13. | 39/1 (अ) | 0.020 |
| 14. | 40 | 0.020 |
| 15. | 37 | 0.690 |
| 16. | 1 | 0.251 |
| 17. | 7/2 | 0.015 |
| 18. | 37/1 | 0.050 |
| योग : कुल क्षेत्रफल | | 3.406 |

[सं. O-14016/37/85-अपी]

S.O. 3378.—Where by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 594 dated 9-2-85 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And Whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the

publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipeline Project

Village: Rhajuria Ghata Tehsil: Sarangpur Distt.: Rajgarh (M.P.)

SCHEDULE

| Sl. No. | Survey No. | Area to be acquired for R.O.U. in hecture |
|------------|------------|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | 9 | 0.100 |
| 2. | 29 M.S. | 0.200 |
| 3. | 8 | 0.570 |
| 4. | 30 | 0.200 |
| 5. | 31 | 0.350 |
| 6. | 38 | 0.005 |
| 7. | 39/1 M. | 0.200 |
| 8. | 5 | 0.080 |
| 9. | 7/1 | 0.260 |
| 10. | 6 | 0.240 |
| 11. | 37/3 | 0.080 |
| 12. | 37/4/2 | 0.075 |
| 13. | 39/1A | 0.020 |
| 14. | 40 | 0.020 |
| 15. | 57 | 0.690 |
| 16. | 1 | 0.251 |
| 17. | 7/2 | 0.015 |
| 18. | 37/1 | 0.050 |
| Total Area | | 3.406 |

[No. O-14016/37/85 GP]

का. आ. 3379:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 578 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बां. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम ऊपर: तहसिल खाचोड़ा जिला—गुना राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

| अनु. क्र. | खसरा नं. | उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में) |
|-----------|----------|--|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | 362/6(क) | 0.157 |
| 2. | 363 | 0.314 |
| 3. | 329 | 0.105 |
| 4. | 315 | 0.209 |
| 5. | 312 | 0.300 |
| 6. | 313 | 0.084 |
| 7. | 300 | 0.052 |
| 8. | 335 | 0.021 |
| 9. | 290 | 0.261 |
| 10. | 291 | 0.240 |
| 11. | 327 | 0.146 |
| 12. | 316 | 0.157 |
| 13. | 330 | 0.084 |
| 14. | 25 | 0.178 |
| 15. | 324 | 0.366 |
| 16. | 325 | 0.010 |
| 17. | 326 | 0.084 |
| 18. | 361/1 | 0.052 |
| 19. | 322/1 | 0.627 |
| 20. | 319 | 0.063 |
| 21. | 321 | 0.502 |
| 22. | 293 | 0.544 |
| 23. | 283 | 0.240 |
| 24. | 284 | 0.293 |
| 25. | 240/1/1 | 0.167 |
| 26. | 92/1 | 0.418 |
| 27. | 91 | 0.418 |
| 28. | 89 | 0.314 |
| 29. | 89/601 | 0.314 |
| 30. | 88 | 0.387 |
| 31. | 87 | 0.005 |
| 32. | 85 | 0.417 |
| 33. | 80 | 0.261 |
| 34. | 71 | 0.084 |
| 35. | 79 | 0.178 |
| 36. | 34 | 0.742 |
| 37. | 35 | 0.073 |
| 38. | 28 | 0.105 |

| | | | HBJ Gas pipeline project | | |
|---------------------|---------|-------|---|------------|---|
| 1 | 2 | 3 | Village : Upari Tehsil : Chachora, Distt. Guna (M.P.) | | |
| | | | SCHEDULE | | |
| | | | S. No. | Survey No. | Area to be acquired for R.O.U. in hectare |
| 1 | 2 | 3 | 1 | 2 | 3 |
| 39. | 20 | 0.240 | 1. | 362/6(a) | 0.157 |
| 40. | 21 | 1.317 | 2. | 363 | 0.314 |
| 41. | 22 | 0.188 | 3. | 329 | 0.105 |
| 42. | 4 | 0.742 | 4. | 315 | 0.269 |
| 43. | 5 | 0.052 | 5. | 312 | 0.300 |
| 44. | 6 | 0.146 | 6. | 313 | 0.084 |
| 45. | 7/1 | 0.021 | 7. | 300 | 0.052 |
| 46. | 7/2 | 0.491 | 8. | 335 | 0.021 |
| 47. | 3/7 | 0.251 | 9. | 290 | 0.261 |
| 48. | 3/11 | 0.188 | 10. | 291 | 0.240 |
| 49. | 3/22 | 0.105 | 11. | 327 | 0.146 |
| 50. | 3/608 | 0.010 | 12. | 316 | 0.157 |
| 51. | 10/618 | 0.188 | 13. | 330 | 0.084 |
| 52. | 1 | 0.125 | 14. | 25 | 0.178 |
| 53. | 3/8 | 0.021 | 15. | 324 | 0.366 |
| 54. | 8 | 0.084 | 16. | 325 | 0.010 |
| 55. | 10 | 0.052 | 17. | 326 | 0.084 |
| 56. | 14 | 0.324 | 18. | 351/1 | 0.052 |
| 57. | 19 | 0.021 | 19. | 322/1 | 0.627 |
| 58. | 24 | 0.105 | 20. | 319 | 0.063 |
| 59. | 33 | 0.094 | 21. | 321 | 0.502 |
| 60. | 90 | 0.073 | 22. | 293 | 0.544 |
| 61. | 328 | 0.005 | 23. | 283 | 0.240 |
| 62. | 315/606 | 0.052 | 24. | 284 | 0.293 |
| 63. | 92/2 | 0.157 | 25. | 240/1/1 | 0.167 |
| योग कुल क्षेत्रफल : | | | 26. | 92/1 | 0.418 |
| | | | 27. | 91 | 0.418 |
| | | | 28. | 89 | 0.314 |
| | | | 29. | 89/601 | 0.314 |
| | | | 30. | 88 | 0.387 |
| | | | 31. | 87 | 0.095 |
| | | | 32. | 85 | 0.417 |
| | | | 33. | 80 | 0.261 |
| | | | 34. | 71 | 0.084 |
| | | | 35. | 79 | 0.178 |
| | | | 36. | 34 | 0.742 |
| | | | 37. | 35 | 0.073 |
| | | | 38. | 26 | 0.105 |
| | | | 39. | 20 | 0.240 |
| | | | 40. | 21 | 1.317 |
| | | | 41. | 22 | 0.188 |
| | | | 42. | 4 | 0.742 |
| | | | 43. | 5 | 0.052 |
| | | | 44. | 6 | 0.146 |
| | | | 45. | 7/1 | 0.021 |
| | | | 46. | 7/2 | 0.491 |
| | | | 47. | 3/7 | 0.251 |
| | | | 48. | 3/11 | 0.188 |
| | | | 49. | 3/22 | 0.105 |
| | | | 50. | 3/608 | 0.010 |
| | | | 51. | 10/618 | 0.188 |
| | | | 52. | 1 | 0.125 |
| | | | 53. | 3/8 | 0.021 |
| | | | 54. | 8 | 0.084 |
| | | | 55. | 10 | 0.052 |
| | | | 56. | 14 | 0.324 |

[सं० O-14016/25/85-जी.पी.]

S.O. 3379.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 578 dated 9-2-1985 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on the date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

| 1 | 2 | 3 |
|------------|---------|--------|
| 57. | 19 | 0.021 |
| 58. | 24 | 0.105 |
| 59. | 33 | 0.094 |
| 60. | 90 | 0.073 |
| 61. | 328 | 0.005 |
| 62. | 315/606 | 0.052 |
| 63. | 92/2 | 0.157 |
| Total Area | | 14.024 |

[No. O-14016/25/85-GP]

का. आ. 3380:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 667 तारीख 16-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगी।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम संजरपुर तहसिल सारंगपुर जिला— राजगढ़ राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूच

| अनु क्र. | खसरा नं. | उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टरों में) |
|----------|----------|--|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | 1/5/4 | 0.460 |
| 2. | 26 | 0.020 |

| 1 | 2 | 3 |
|-----|-------|-------|
| 3. | 115 | 0.015 |
| 4. | 128 | 0.040 |
| 5. | 23 | 0.050 |
| 6. | 107 | 0.059 |
| 7. | 118/3 | 0.130 |
| 8. | 133 | 0.240 |
| 9. | 116 | 0.100 |
| 10. | 114 | 0.150 |
| 11. | 113/2 | 0.060 |
| 12. | 113/1 | 0.002 |
| 13. | 111/1 | 0.240 |
| 14. | 8 | 0.010 |
| 15. | 2 | 0.220 |
| 16. | 3 | 0.220 |
| 17. | 4 | 0.050 |
| 18. | 5 | 0.050 |
| 19. | 9/1 | 0.110 |
| 20. | 10 | 0.340 |
| 21. | 11 | 0.100 |
| 22. | 16/1 | 0.220 |
| 23. | 17 | 0.300 |
| 24. | 18/2 | 0.190 |
| 25. | 18/1 | 0.010 |
| 26. | 22/1 | 0.090 |
| 27. | 25 | 0.080 |

योग :- कुल क्षेत्रफल

3.556

[सं. O-14026/63/85 GP]

S.O. 3380.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 667 dated 16-1-85 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And Whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from all encumbrances.

HBI Gas pipeline project

Village Khanjarpur Tehsil Sarangpur Distt. Rajgarh (M.P.)

SCHEDULE

| S. No. | Survey No. | Are to be acquired for R.O.U. in hectare |
|------------|------------|--|
| 1. | 1/5/4 | 0.460 |
| 2. | 26 | 0.020 |
| 3. | 115 | 0.015 |
| 4. | 128 | 0.040 |
| 5. | 23 | 0.050 |
| 6. | 107 | 0.059 |
| 7. | 118/3 | 0.130 |
| 8. | 133 | 0.240 |
| 9. | 116 | 0.100 |
| 10. | 114 | 0.150 |
| 11. | 113/2 | 0.060 |
| 12. | 113/1 | 0.002 |
| 13. | 111/1 | 0.240 |
| 14. | 8 | 0.010 |
| 15. | 2 | 0.220 |
| 16. | 3 | 0.220 |
| 17. | 4 | 0.050 |
| 18. | 5 | 0.050 |
| 19. | 9/1 | 0.110 |
| 20. | 10 | 0.340 |
| 21. | 11 | 0.100 |
| 22. | 16/1 | 0.220 |
| 23. | 17 | 0.300 |
| 24. | 18/2 | 0.190 |
| 25. | 18/1 | 0.010 |
| 26. | 22/1 | 0.090 |
| 27. | 25 | 0.080 |
| Total area | | 3.556 |

[No O-14016/63/85-GP]

का. भा. 3381.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. भा. सं. 590 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के वजाय भारतीय गैस अधिकरण लि. में सभी धाधाओं से मुक्त रूप में, बोवणा के प्रकाशन की रूप तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम - बारोल, तहसील- सारंगपुर, जिला- राजगढ़, राज्य-मध्य प्रदेश

अनुसूची

| अनु. क्र. | खसरा सं. | उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्रफल (हेक्टेस में) |
|----------------------|----------|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | 150 | 0.100 |
| 2. | 149/3 | 0.420 |
| 3. | 149/1 | 0.005 |
| 4. | 89/2 | 0.080 |
| 5. | 147/2 | 0.320 |
| 6. | 86/1 | 0.310 |
| 7. | 89/1 | 0.260 |
| 8. | 127/1 | 0.090 |
| 9. | 147/1 | 0.030 |
| 10. | 127/2 | 0.220 |
| 11. | 110/2 | 0.180 |
| 12. | 126 में | 0.120 |
| 13. | 111 | 0.005 |
| 14. | 126 में | 0.080 |
| 15. | 124 | 0.250 |
| 16. | 122 | 0.050 |
| 17. | 110/1 | 0.250 |
| 18. | 110/3 | 0.030 |
| 19. | 107 | 0.250 |
| 20. | 106 | 0.120 |
| 21. | 74/2 | 0.050 |
| 22. | 91/1 | 0.150 |
| 23. | 75 | 0.260 |
| 24. | 90 | 0.040 |
| 25. | 88 | 0.070 |
| 26. | 86/2 | 0.370 |
| 27. | 83 | 0.010 |
| 28. | 95 | 0.020 |
| 29. | 109 | 0.013 |
| 30. | 113 | 0.012 |
| 31. | 151/1 | 0.012 |
| योग कुल क्षेत्रफल :- | | 4.167 |

[सं० 0-1. 026/33/85-जी.पी.]

S.O. 3381.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 590 dated 9-2-85 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And Whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipeline Project

Village Barol Tehsil Sarangpur Distt. Rajgarh (M.P.)

SCHEDULE

| S.No. | Survey No. | Area to be acquired for R.O.U. in hectare |
|------------|------------|---|
| 1. | 150 | 0.100 |
| 2. | 149/3 | 0.420 |
| 3. | 149/1 | 0.005 |
| 4. | 89/2 | 0.080 |
| 5. | 147/2 | 0.320 |
| 6. | 86/1 | 0.310 |
| 7. | 89/1 | 0.260 |
| 8. | 127/1 | 0.090 |
| 9. | 147/1 | 0.050 |
| 10. | 127/2 | 0.220 |
| 11. | 110/2 | 0.180 |
| 12. | 126 M. | 0.120 |
| 13. | 111 | 0.005 |
| 14. | 126 M. | 0.080 |
| 15. | 124 | 0.250 |
| 16. | 122 | 0.050 |
| 17. | 110/1 | 0.250 |
| 18. | 110/3 | 0.030 |
| 19. | 107 | 0.250 |
| 20. | 106 | 0.120 |
| 21. | 74/2 | 0.050 |
| 22. | 91/1 | 0.150 |
| 23. | 75 | 0.260 |
| 24. | 90 | 0.040 |
| 25. | 88 | 0.070 |
| 26. | 86/2 | 0.370 |
| 27. | 83 | 0.010 |
| 28. | 95 | 0.020 |
| 29. | 109 | 0.013 |
| 30. | 113 | 0.012 |
| 31. | 151/1 | 0.012 |
| Total area | | 4.167 |

N 1270.6/22/85 GP

का. घा. 1382—पेट्रोलियम और खनिज पदार्थों का उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. घा. स. 4430 तारीख 10-12-84

द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाश्चिमात्यों को विछाने के लिए अजित करने का अपना अवश्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और प्राप्ति, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है की इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाश्चिमात्य विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और प्राप्ति उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के लक्षण भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

हजारा से बरेल: में जाव शपुर तक पाईप लाईन विछाने के लिये।

राज्य गुजरात, जिला- एवं- तातुका- भेम्ब

अनुसूची

| गांव | सर्वे नं. | हेक्टर | अर | सेन्ट अर |
|------------|---------------|--------|----|----------|
| साडेवर | 234/2 | 0 | 02 | 72 |
| | 237/3 | 0 | 28 | 00 |
| | 237/5 | 0 | 04 | 96 |
| | 237/2 | 0 | 12 | 00 |
| | 237/1 | 0 | 20 | 00 |
| | 238/6 | 0 | 27 | 20 |
| | 238/4 | 0 | 04 | 48 |
| | काटे ट्रेक | 0 | 01 | 92 |
| | 173/4 | 0 | 03 | 20 |
| | 173/5 | 0 | 16 | 80 |
| | 173/2 | 0 | 29 | 60 |
| | 173/1 | 0 | 04 | 00 |
| | 174/4 | 0 | 16 | 80 |
| | 174/3 | 0 | 25 | 60 |
| | 174/5 | 0 | 07 | 50 |
| | 170/4 | 0 | 05 | 60 |
| | 170/2 + 1 | 0 | 22 | 40 |
| | 169/4/म | 0 | 00 | 60 |
| | 169/5/म | 0 | 13 | 00 |
| | 169/6/म | 0 | 20 | 32 |
| | 169/7 | 0 | 25 | 44 |
| | 175/1 | 0 | 07 | 52 |
| काटे ट्रेक | 168/3 + 4 + 5 | 0 | 04 | 80 |
| | 168/1 | 0 | 09 | 12 |
| | 167/1 | 0 | 03 | 00 |
| | काटे ट्रेक | 0 | 07 | 00 |
| | 261/1 | 0 | 03 | 80 |
| | 261/2 | 0 | 10 | 60 |
| | 260 | 0 | 08 | 00 |
| 259 | | 0 | 15 | 20 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-------|---|----|----|---|------------|---|----|----|
| | 166/4 | 0 | 01 | 50 | | 173/1 | 0 | 04 | 00 |
| | 166/7 | 0 | 16 | 00 | | 174/4 | 0 | 16 | 80 |
| | 166/6 | 0 | 13 | 60 | | 174/3 | 0 | 25 | 60 |
| | 291 | 0 | 26 | 38 | | 174/5 | 0 | 07 | 50 |
| | 263/5 | 0 | 12 | 00 | | 170/4 | 0 | 05 | 60 |
| | 263/6 | 0 | 01 | 76 | | 170/2+1 | 0 | 22 | 40 |
| | 262/1 | 0 | 01 | 90 | | 169/5/A | 0 | 00 | 60 |
| | 262/4 | 0 | 07 | 20 | | 169/5/B | 0 | 13 | 00 |
| | 262/2 | 0 | 38 | 00 | | 169/6/B | 0 | 20 | 32 |
| | 262/3 | 0 | 20 | 00 | | 169/7 | 0 | 25 | 44 |
| | 265/1 | 0 | 07 | 20 | | 175/1 | 0 | 07 | 52 |
| | 265/2 | 0 | 08 | 00 | | 168/3+4+5 | 0 | 04 | 80 |
| | 265/3 | 0 | 14 | 40 | | 168/1 | 0 | 09 | 12 |
| | 265/4 | 0 | 15 | 20 | | 167/1 | 0 | 03 | 00 |
| | 283/4 | 0 | 00 | 32 | | Cart Track | 0 | 07 | 00 |
| | 282 | 0 | 00 | 55 | | 261/1 | 0 | 03 | 00 |

[सं० O- 14016/378/84-जी० पी०]

S.O. 3382.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 4490 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines, (Acquisition of right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Hajira-Bareilly-Jagdishpur
State : Gujarat District & Taluka : Bharuch

| Village | Survey No. | Hectare | Area | Contar |
|-----------|------------|---------|------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Zadeshwar | 234/2 | 0 | 02 | 72 |
| | 237/3 | 0 | 28 | 00 |
| | 237/5 | 0 | 04 | 96 |
| | 237/2 | 0 | 12 | 00 |
| | 237/1 | 0 | 20 | 00 |
| | 238/6 | 0 | 27 | 20 |
| | 238/4 | 0 | 04 | 48 |
| | Cart track | 0 | 01 | 92 |
| | 173/4 | 0 | 0 | 20 |
| | 173/5 | 0 | 16 | 80 |
| | 173/2 | 0 | 29 | 60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|------------|---|----|----|
| | 173/1 | 0 | 04 | 00 |
| | 174/4 | 0 | 16 | 80 |
| | 174/3 | 0 | 25 | 60 |
| | 174/5 | 0 | 07 | 50 |
| | 170/4 | 0 | 05 | 60 |
| | 170/2+1 | 0 | 22 | 40 |
| | 169/5/A | 0 | 00 | 60 |
| | 169/5/B | 0 | 13 | 00 |
| | 169/6/B | 0 | 20 | 32 |
| | 169/7 | 0 | 25 | 44 |
| | 175/1 | 0 | 07 | 52 |
| | 168/3+4+5 | 0 | 04 | 80 |
| | 168/1 | 0 | 09 | 12 |
| | 167/1 | 0 | 03 | 00 |
| | Cart Track | 0 | 07 | 00 |
| | 261/1 | 0 | 03 | 00 |
| | 261/2 | 0 | 10 | 60 |
| | 260 | 0 | 08 | 00 |
| | 259 | 0 | 15 | 20 |
| | 166/4 | 0 | 01 | 60 |
| | 166/7 | 0 | 16 | 00 |
| | 166/6 | 0 | 13 | 60 |
| | 291 | 0 | 26 | 38 |
| | 263/5 | 0 | 12 | 00 |
| | 263/6 | 0 | 01 | 76 |
| | 262/1 | 0 | 01 | 90 |
| | 262/4 | 0 | 07 | 20 |
| | 262/2 | 0 | 38 | 00 |
| | 262/3 | 0 | 20 | 00 |
| | 265/1 | 0 | 07 | 20 |
| | 265/2 | 0 | 08 | 00 |
| | 265/3 | 0 | 14 | 40 |
| | 265/4 | 0 | 15 | 20 |
| | 283/4 | 0 | 00 | 30 |
| | 282 | 0 | 00 | 55 |

[No. O-14016/378/84-GP]

का० प्रा० 3383—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के धारा 3 के उपधारा (1) के अधिनियम भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का० प्रा० सं० 118 तारीख 2-1-85 द्वारा केन्द्रिय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना अधिकार घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारों ने उक्त अधिनियम के धारा 6 के उपधारा (1) के अधिनियम सरकार को रिपोर्ट दे द हैं।

और प्रागे, यतः केन्द्रिय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अथ, यतः उक्त अधिनियम के धारा 6 के उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रिय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और प्रागे उस धारा के उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रिय सरकार में निहित होने के बजाय भारत सरकार प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

| अनुसूची | | | | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--|-----------|--------|----|----------|---|-----------|---|----|----|
| हजीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पाइप लाईन बिछाने के लिये | | | | | | 720 | 0 | 20 | 00 |
| राज्य : गुजरात जिला : पंचमहल तालुका : कालिक | | | | | | 721 | 0 | 12 | 00 |
| शिव | सर्वे मं. | हेक्टर | आर | सेन्टीयर | | 719 | 0 | 03 | 00 |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | | 722 | 0 | 63 | 00 |
| मन्दावरा | | | | | | 597 | 0 | 20 | 00 |
| | 637 | 0 | 44 | 00 | | 598 | 0 | 00 | 70 |
| | 636 | 0 | 13 | 50 | | 594/4 | 0 | 00 | 30 |
| | 639/सी | 0 | 17 | 00 | | 595/1 | 0 | 19 | 00 |
| | 639/बी | 0 | 32 | 00 | | 595/2 | 0 | 05 | 00 |
| | 639/सी | 0 | 00 | 40 | | 595/3 | 0 | 01 | 00 |
| | 640/बी | 0 | 06 | 50 | | 592/3 | 0 | 01 | 60 |
| | 640/ए | 0 | 20 | 00 | | 591/3 | 0 | 05 | 00 |
| | 641/बी | 0 | 30 | 00 | | 591/2 | 0 | 18 | 00 |
| | 641/ए | 0 | 02 | 00 | | 591/1 | 0 | 06 | 00 |
| | 659/बी | 0 | 03 | 00 | | 590/1 | 0 | 07 | 00 |
| | 659/ए | 0 | 27 | 00 | | 590/2 | 0 | 02 | 00 |
| | 643/ए | 0 | 22 | 00 | | 587/1 | 0 | 04 | 00 |
| | 643/बी | 0 | 21 | 50 | | 587/2/ए | 0 | 05 | 00 |
| | 644/1 | 0 | 05 | 00 | | 589/2 | 0 | 24 | 00 |
| | 644/2 | 0 | 00 | 30 | | 589/3 | 0 | 01 | 00 |
| | 645 | 0 | 34 | 00 | | 587 | 0 | 01 | 00 |
| | 646 | 0 | 34 | 00 | | 588 | 0 | 02 | 00 |
| | 647 | 0 | 20 | 00 | | 437 | 0 | 16 | 00 |
| | 648/1 | 0 | 20 | 00 | | 456 | 0 | 09 | 00 |
| | 648/2 | 0 | 01 | 00 | | 401 | 0 | 12 | 50 |
| | 648/3 | 0 | 00 | 40 | | 454/1 | 0 | 08 | 00 |
| | 649/6 | 0 | 05 | 00 | | 454/2 | 0 | 02 | 00 |
| | 623/1 | 0 | 32 | 00 | | 452/1 | 0 | 10 | 00 |
| | 623/2 | 0 | 05 | 00 | | 451 | 0 | 00 | 10 |
| | 623/3 | 0 | 00 | 20 | | 449 | 0 | 11 | 00 |
| | 649/5 | 0 | 05 | 50 | | 448/1 | 0 | 04 | 00 |
| | 703/1 | 0 | 07 | 00 | | 448/2 | 0 | 06 | 00 |
| | 703/2 | 0 | 17 | 00 | | 446/1 | 0 | 01 | 00 |
| | 703/3 | 0 | 06 | 00 | | 447/2 | 0 | 06 | 00 |
| | 702 | 0 | 08 | 00 | | 447/1 | 0 | 00 | 10 |
| | 704/1 | 0 | 01 | 00 | | 445/2 | 0 | 02 | 40 |
| | 704/2 | 0 | 13 | 00 | | 445/1 | 0 | 07 | 00 |
| | 612/2 | 0 | 04 | 80 | | 442 | 0 | 05 | 00 |
| | 612/1 | 0 | 19 | 50 | | 444/1 | 0 | 04 | 00 |
| | 612/3 | 0 | 04 | 50 | | 441/1 | 0 | 07 | 00 |
| | 707/1 | 0 | 02 | 50 | | 443 | 0 | 09 | 00 |
| | 707/2 | 0 | 08 | 00 | | 439 | 0 | 03 | 00 |
| | 706/1 | 0 | 03 | 00 | | 428/1 | 0 | 00 | 60 |
| | 708/5 | 0 | 20 | 00 | | 424/4 | 0 | 01 | 00 |
| | 708/2 | 0 | 02 | 00 | | 425/2 | 0 | 04 | 00 |
| | 708/1 | 0 | 03 | 00 | | 425/3 | 0 | 07 | 00 |
| | 715/1 | 0 | 11 | 00 | | 426 | 0 | 08 | 00 |
| | 715/2 | 0 | 15 | 00 | | 427 | 0 | 01 | 00 |
| | 715/4 | 0 | 00 | 10 | | 422 | 0 | 06 | 00 |
| | 712/2 | 0 | 00 | 10 | | 421 | 0 | 07 | 00 |
| | 713/2 | 0 | 07 | 50 | | 420 | 0 | 08 | 00 |
| | 714/1 | 0 | 11 | 50 | | 417/1 | 0 | 04 | 00 |
| | 714/2 | 0 | 17 | 00 | | 417/2 | 0 | 04 | 00 |
| | 609 | 0 | 03 | 00 | | फाई ट्रेक | 0 | 04 | 00 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--------------|----------|---|----|----|
| अददरा (काली) | 333/1 | 0 | 01 | 00 |
| | 333/4 | 0 | 03 | 00 |
| | 333/5 | 0 | 11 | 00 |
| | 333/3 | 0 | 00 | 40 |
| | 332 | 0 | 07 | 00 |
| | 331 | 0 | 01 | 00 |
| | 330/1 | 0 | 09 | 00 |
| | 329/1 | 0 | 04 | 00 |
| | 319/2 | 0 | 08 | 00 |
| | 277 | 0 | 13 | 00 |
| | 327 | 0 | 04 | 00 |
| | 278 | 0 | 01 | 00 |
| | 308 | 0 | 01 | 00 |
| | 307 | 0 | 05 | 00 |
| | 306 | 0 | 08 | 00 |
| | 305/2 | 0 | 05 | 00 |
| | 305/1/ए | 0 | 10 | 00 |
| | 305/1/बी | 0 | 03 | 00 |
| | 280/1 | 0 | 01 | 20 |
| | 303 | 0 | 03 | 60 |
| | 281 | 0 | 05 | 32 |
| | 282 | 0 | 10 | 00 |
| | 283/3 | 0 | 10 | 00 |
| | 283/1 | 0 | 09 | 00 |
| | 283/2 | 0 | 06 | 00 |
| | 295/3 | 0 | 07 | 00 |
| | 287/1/ए | 0 | 02 | 00 |
| | 294 | 0 | 16 | 00 |
| | 293/3 | 0 | 00 | 10 |
| | 293/2 | 0 | 07 | 00 |
| | 288 | 0 | 02 | 00 |
| | 289/2 | 0 | 09 | 00 |
| | 289/1 | 0 | 10 | 00 |
| | 290 | 0 | 09 | 00 |
| | 291/2 | 0 | 00 | 40 |
| | 264 | 0 | 08 | 00 |
| | 262 | 0 | 27 | 00 |
| | 152 | 0 | 05 | 00 |
| | 154 | 0 | 21 | 00 |
| | 156/2 | 0 | 02 | 00 |
| | 156/1 | 0 | 31 | 00 |
| | 157/1 | 0 | 03 | 00 |
| | 158/1 | 0 | 15 | 00 |
| | 159/3 | 0 | 14 | 00 |
| | 159/1 | 0 | 02 | 00 |
| | 159/2 | 0 | 11 | 00 |
| | 160/1 | 0 | 12 | 00 |
| | 116 | 0 | 28 | 00 |
| | 114/2 | 0 | 32 | 00 |
| | 114/1 | 0 | 10 | 00 |
| | 113/1 | 0 | 06 | 00 |
| | 98/6 | 0 | 17 | 00 |
| | 99/ए | 0 | 16 | 00 |
| | 99/बी | 0 | 10 | 00 |
| | 104/1 | 0 | 21 | 00 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---------|---|----|----|
| | 104/2 | 0 | 08 | 00 |
| | 103/2/1 | 0 | 02 | 00 |
| | 103/2/2 | 0 | 10 | 00 |
| | 103/2/3 | 0 | 16 | 00 |
| | 102/2/4 | 0 | 00 | 15 |
| | 103/1 | 0 | 16 | 00 |
| | 102/2 | 0 | 01 | 00 |

[सं० O-14016/511/84-बी पी]

S.O. 3383.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 118 dated 2-1-1985 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Hajira-Bareilly Jagdishpur

State : Gujarat District : Panchmahal Taluka : Kalol

| Village | Survey No. | Hec-tare | Are | Cent-tiare |
|---------|------------|----------|-----|------------|
| 1 | 3 | 3 | 4 | 5 |
| Adadra | 637 | 0 | 44 | 00 |
| | 636 | 0 | 13 | 50 |
| | 639/C | 0 | 17 | 00 |
| | 639/D | 0 | 32 | 00 |
| | 639/B | 0 | 00 | 40 |
| | 640/B | 0 | 06 | 50 |
| | 640/A | 0 | 20 | 00 |
| | 641/D | 0 | 30 | 00 |
| | 641/A | 0 | 02 | 00 |
| | 659/B | 0 | 03 | 00 |
| | 659/A | 0 | 27 | 00 |
| | 643/A | 0 | 22 | 00 |
| | 643/B | 0 | 21 | 50 |
| | 644/A/1 | 0 | 05 | 00 |
| | 644/2 | 0 | 00 | 30 |
| | 645 | 0 | 34 | 00 |
| | 646 | 0 | 34 | 00 |
| | 647 | 0 | 20 | 00 |
| | 648/1 | 0 | 20 | 00 |
| | 648/2 | 0 | 01 | 00 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | |
|-----------------|---------|---|----|----|-----------------|------------|---|----|----|
| Adadra (Contd.) | 648/3 | 0 | 00 | 40 | Adadra (contd.) | 442 | 0 | 05 | 00 |
| | 649/6 | 0 | 05 | 00 | | 444/1 | 0 | 01 | 00 |
| | 623/1 | 0 | 32 | 00 | | 441/1 | 0 | 07 | 00 |
| | 623/2 | 0 | 05 | 00 | | 443 | 0 | 09 | 00 |
| | 623/3 | 0 | 00 | 20 | | 439 | 0 | 08 | 00 |
| | 649/5 | 0 | 05 | 50 | | 428/1 | 0 | 00 | 60 |
| | 703/1 | 0 | 07 | 00 | | 424/ 4 | 0 | 01 | 00 |
| | 703/2 | 0 | 17 | 00 | | 425/2 | 0 | 04 | 00 |
| | 703/3 | 0 | 06 | 00 | | 425/3 | 0 | 07 | 00 |
| | 702 | 0 | 08 | 00 | | 426 | 0 | 08 | 00 |
| | 704/1 | 0 | 01 | 00 | | 427 | 0 | 01 | 00 |
| | 704/2 | 0 | 13 | 00 | | 422 | 0 | 06 | 00 |
| | 612/2 | 0 | 04 | 80 | | 421 | 0 | 07 | 00 |
| | 612/1 | 0 | 19 | 50 | | 420 | 0 | 08 | 00 |
| | 612/3 | 0 | 04 | 50 | | 417/1 | 0 | 04 | 00 |
| | 707/1 | 0 | 02 | 50 | | 417/2 | 0 | 04 | 00 |
| | 707/2 | 0 | 08 | 00 | | Cart Track | 0 | 04 | 00 |
| | 706/1 | 0 | 03 | 00 | | 333/1 | 0 | 01 | 00 |
| | 708/3 | 0 | 20 | 00 | | 322/4 | 0 | 03 | 00 |
| | 708/2 | 0 | 02 | 00 | | 322/5 | 0 | 11 | 00 |
| | 708/1 | 0 | 08 | 00 | | 322/3 | 0 | 00 | 40 |
| | 715/1 | 0 | 11 | 00 | | 332 | 0 | 07 | 00 |
| | 715/2 | 0 | 15 | 00 | | 331 | 0 | 01 | 00 |
| | 715/4 | 0 | 00 | 10 | | 330/1 | 0 | 09 | 00 |
| | 712/2 | 0 | 00 | 10 | | 329/1 | 0 | 04 | 00 |
| | 713/2 | 0 | 07 | 50 | | 329/2 | 0 | 08 | 00 |
| | 714/1 | 0 | 11 | 50 | | 277 | 0 | 18 | 00 |
| | 714/2 | 0 | 17 | 00 | | 327 | 0 | 04 | 00 |
| | 609 | 0 | 03 | 00 | | 278 | 0 | 01 | 00 |
| | 720 | 0 | 20 | 00 | | 308 | 0 | 02 | 00 |
| | 721 | 0 | 12 | 00 | | 307 | 0 | 05 | 00 |
| | 719 | 0 | 08 | 00 | | 306 | 0 | 08 | 00 |
| | 722 | 0 | 63 | 00 | | 305/2 | 0 | 05 | 00 |
| | 597 | 0 | 20 | 00 | | 305/1/A | 0 | 10 | 00 |
| | 596 | 0 | 00 | 70 | | 305/1/B | 0 | 03 | 00 |
| | 594/4 | 0 | 00 | 30 | | 280/1 | 0 | 01 | 20 |
| | 595/1 | 0 | 19 | 00 | | 303 | 0 | 02 | 00 |
| | 595/2 | 0 | 05 | 00 | | 281 | 0 | 05 | 32 |
| | 595/3 | 0 | 01 | 00 | | 282 | 0 | 10 | 00 |
| | 592/3 | 0 | 01 | 60 | | 283/3 | 0 | 10 | 00 |
| | 591/3 | 0 | 05 | 00 | | 283/1 | 0 | 09 | 00 |
| | 591/2 | 0 | 18 | 00 | | 283/2 | 0 | 06 | 00 |
| | 591/1 | 0 | 06 | 00 | | 295/3 | 0 | 07 | 00 |
| | 591/1 | 0 | 07 | 00 | | 287/1/A | 0 | 02 | 00 |
| | 591/2 | 0 | 02 | 00 | | 294 | 0 | 16 | 00 |
| | 587/1 | 0 | 04 | 00 | | 293/3 | 0 | 00 | 10 |
| | 587/2/A | 0 | 05 | 00 | | 293/2 | 0 | 07 | 00 |
| | 589/1 | 0 | 24 | 00 | | 288 | 0 | 02 | 00 |
| | 589/2 | 0 | 01 | 00 | | 289/2 | 0 | 09 | 00 |
| | 587 | 0 | 01 | 00 | | 289/1 | 0 | 10 | 00 |
| | 588 | 0 | 02 | 00 | | 290 | 0 | 09 | 00 |
| | 457 | 0 | 16 | 00 | | 291/2 | 0 | 00 | 40 |
| | 456 | 0 | 09 | 00 | | 264 | 0 | 08 | 00 |
| | 401 | 0 | 12 | 50 | | 262 | 0 | 27 | 00 |
| | 454/1 | 0 | 08 | 00 | | 152 | 0 | 05 | 00 |
| | 454/2 | 0 | 02 | 00 | | 154 | 0 | 21 | 00 |
| | 452/1 | 0 | 10 | 00 | | 156/2 | 0 | 02 | 00 |
| | 451 | 0 | 00 | 10 | | 156/1 | 0 | 31 | 00 |
| | 449 | 0 | 11 | 00 | | 157/1 | 0 | 03 | 00 |
| | 448/1 | 0 | 04 | 00 | | 158/1 | 0 | 15 | 00 |
| | 448/2 | 0 | 06 | 00 | | 159/3 | 0 | 14 | 00 |
| | 446/1 | 0 | 01 | 00 | | 159/1 | 0 | 02 | 00 |
| | 447/2 | 0 | 06 | 00 | | 159/2 | 0 | 11 | 00 |
| | 447/1 | 0 | 00 | 10 | | 160/1 | 0 | 12 | 00 |
| | 445/1 | 0 | 02 | 40 | | 116 | 0 | 28 | 00 |
| | 445/2 | 0 | 07 | 00 | | 114/2 | 0 | 32 | 00 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---------|---|----|----|
| | 114/1 | 0 | 10 | 00 |
| | 113/1 | 0 | 06 | 00 |
| | 98/6 | 0 | 17 | 00 |
| | 99/P | 0 | 16 | 00 |
| | 99/P | 0 | 10 | 00 |
| | 104/1 | 0 | 21 | 00 |
| | 104/2 | 0 | 08 | 00 |
| | 103/2.1 | 0 | 02 | 00 |
| | 103/2.2 | 0 | 10 | 00 |
| | 103/2.3 | 0 | 16 | 00 |
| | 102/2.4 | 0 | 00 | 15 |
| | 103/1 | 0 | 16 | 00 |
| | 102/2 | 0 | 01 | 00 |

[No. O-14016/111/84-GP]

का.आ. 3384.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का.आ. सं. 4543 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार का रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजारा से बरेल से जगदशपुर तक पाइप लाईन बिछाने के लिये।

राज्य - गुजरात जिला- पंचमहल तालुका- देवगढ बारिया

| गांव | सर्वे नं. | हेक्टर | आर | सेन्ट यर |
|--------|-----------|--------|----|----------|
| बोलीया | 17 | 0 | 39 | 00 |
| | 48 | 0 | 13 | 50 |
| | 44 | 0 | 31 | 80 |
| | 43 | 0 | 08 | 88 |
| | 12 | 0 | 50 | 52 |
| | 41 | 0 | 10 | 50 |
| 40/P | 0 | 33 | 60 | |
| 39 | 0 | 20 | 23 | |
| 34 | 0 | 49 | 80 | |
| 32 | 0 | 29 | 70 | |
| 30 | 0 | 97 | 24 | |
| कोटार | 0 | 12 | 60 | |

[सं. O-14016/445/84-जी पी]

S.O. 3384.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.R. 4543 dated 10-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline From Hajira Bareilly Jagdishpur
State : Gujarat District : Panchmahal Taluka : Devgadhi
Baria

| Village | Survey No | Hec- tare | Are | Cent- iare |
|---------|-----------|--------------|-----|---------------|
| Biliya | 47 | 0 | 39 | 00 |
| | 48 | 0 | 13 | 50 |
| | 44 | 0 | 31 | 80 |
| | 43 | 0 | 08 | 88 |
| | 42 | 0 | 50 | 52 |
| | 41 | 0 | 10 | 50 |
| 40/P | 0 | 33 | 60 | |
| 39 | 0 | 20 | 23 | |
| 34 | 0 | 49 | 80 | |
| 32 | 0 | 29 | 70 | |
| 30 | 0 | 97 | 24 | |
| Kotar | 0 | 12 | 60 | |

[No. O-14016/445/84-GP]

का.आ. 3385.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का.आ. सं. 3676 तारीख 27-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और अतः उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केंद्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी वाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की तिथि होगी।

धनुसूच

हजिरा से बरेल्ल में जगदलपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिये।

राज्य— गुजरात जिला— मरुच तालुका— भकनेश्वर

| गाव | ब्लॉक नं. | हेक्टेयर | एकर | सेन्ट |
|-------------|-----------|----------|-----|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| डधल | 9 | 0 | 32 | 77 |
| | 10 | 0 | 15 | 15 |
| | 11 | 0 | 10 | 20 |
| | 21 | 0 | 19 | 20 |
| | 23 | 0 | 35 | 48 |
| | 25 | 0 | 25 | 62 |
| | 26 | 0 | 21 | 41 |
| | 27 | 0 | 01 | 89 |
| | 28 | 0 | 12 | 89 |
| | 29 | 0 | 02 | 68 |
| | 51 | 0 | 28 | 97 |
| | 52 | 0 | 14 | 58 |
| | 132 | 0 | 39 | 60 |
| 133A/B | 0 | 19 | 50 | |
| | 134 | 0 | 06 | 60 |
| | 144 | 0 | 12 | 25 |
| | 145 | 0 | 31 | 05 |
| | 146 | 0 | 04 | 46 |
| कार्ट ट्रैक | 0 | 03 | 60 | |
| | 154 | 0 | 10 | 58 |
| | 155 | 0 | 16 | 42 |
| कार्ट ट्रैक | 0 | 40 | 00 | |
| | 156 | 0 | 24 | 80 |
| | 161 | 0 | 04 | 05 |
| | 162 | 0 | 32 | 45 |
| | 163 | 0 | 21 | 40 |
| | 164 | 0 | 24 | 25 |
| | 168 | 0 | 11 | 55 |
| कोटार | 0 | 29 | 30 | |

[सं० O-14016/110/84- जीपी]

S.O. 3385.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 3676 dated 27-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd, free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline From Hajira to Bareilly to Jagdishpur
State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Ankleshwar

| Village | Block No. | Hec-tare | Are | Centiare |
|---------|------------|----------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Dadhal | 9 | 0 | 32 | 77 |
| | 10 | 0 | 15 | 15 |
| | 11 | 0 | 10 | 20 |
| | 21 | 0 | 19 | 20 |
| | 23 | 0 | 35 | 48 |
| | 25 | 0 | 25 | 62 |
| | 26 | 0 | 21 | 41 |
| | 27 | 0 | 01 | 89 |
| | 28 | 0 | 12 | 89 |
| | 29 | 0 | 02 | 68 |
| | 51 | 0 | 28 | 97 |
| | 52 | 0 | 14 | 58 |
| | 132 | 0 | 39 | 60 |
| | 133/A+B | 0 | 19 | 50 |
| | 134 | 0 | 06 | 60 |
| | 144 | 0 | 12 | 25 |
| | 145 | 0 | 31 | 05 |
| | 146 | 0 | 04 | 46 |
| | Cart track | 0 | 03 | 60 |
| | 154 | 0 | 10 | 58 |
| | 155 | 0 | 16 | 42 |
| | Cart track | 0 | 40 | 00 |
| | 156 | 0 | 24 | 80 |
| | 161 | 0 | 04 | 05 |
| | 162 | 0 | 32 | 45 |
| | 163 | 0 | 21 | 40 |
| | 164 | 0 | 24 | 25 |
| | 168 | 0 | 11 | 55 |
| Kotar | | 0 | 29 | 30 |

[No. O-14016/110/84-GP]

कां०आ०३३८६—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना कां०आ०सं० 3758 तारीख 6-11-84 द्वारा केंद्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

गुजरा से बरेल से जगदशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिये।
राज्य - गुजरात जिला- भरुच तालुका- अंकलेश्वर

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टर | घार | सेन्ट यर |
|-------------|-----------|--------|-----|----------|
| उच्छाली | 169 | 0 | 67 | 50 |
| | 175 | 0 | 06 | 30 |
| | 176 | 0 | 20 | 70 |
| | 177 | 0 | 34 | 50 |
| | 46 | 0 | 19 | 35 |
| | 45 | 0 | 31 | 80 |
| | 44 | 0 | 00 | 78 |
| | 40 | 0 | 33 | 30 |
| | 41 | 0 | 13 | 00 |
| कार्ट ट्रैक | 0 | 02 | 10 | |
| 17 | 0 | 06 | 00 | |
| 20/A+B | 0 | 69 | 60 | |
| 14 | 0 | 45 | 00 | |
| 10 | 0 | 39 | 55 | |
| 157 | 0 | 76 | 50 | |
| 201/A/P | 0 | 52 | 05 | |
| कोटार | 0 | 02 | 40 | |

[सं० O-14016/111/84-जीपी]

S.O. 3386.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 3758 dated 6-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances;

SCHEDULE

Pipeline From Hajira To Bareilly To Jagdishpur
State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Ankleshwar

| Village | Survey No. | Hec-tare | Are | Centi-are |
|------------|------------|----------|-----|-----------|
| Uchhali | 169 | 0 | 67 | 50 |
| | 175 | 0 | 06 | 30 |
| | 176 | 0 | 20 | 70 |
| | 177 | 0 | 34 | 50 |
| | 46 | 0 | 19 | 35 |
| | 45 | 0 | 31 | 80 |
| | 44 | 0 | 00 | 78 |
| | 40 | 0 | 33 | 30 |
| | 41 | 0 | 13 | 00 |
| Cart track | 0 | 02 | 10 | |
| 17 | 0 | 06 | 00 | |
| 20/A+B | 0 | 69 | 60 | |
| 14 | 0 | 45 | 00 | |
| 10 | 0 | 39 | 55 | |
| 157 | 0 | 76 | 50 | |
| 201/A/P | 0 | 52 | 05 | |
| Kotar | 0 | 02 | 40 | |

[No. O-14016/111/84-GP]

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1985

का.आ. 3387 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का.आ. सं. 4560 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजारा से बरेल से जगदधपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिये।

राज्य - गुजरात जिला - पंचमहल तालुका - देवगढ़ बारया

| गांव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | घार. | सेन्टीयर |
|--------|-----------|----------|------|----------|
| उधवाला | 85/1/पं. | 0 | 43 | 00 |
| | 85/2/1 | 0 | 07 | 00 |
| | 85/2/पां. | 0 | 07 | 00 |
| | 85/3/पां. | 0 | 04 | 00 |
| | 101 | 0 | 00 | 70 |
| | 99/2 | 0 | 30 | 00 |
| | 99/7 | 0 | 01 | 44 |
| | 99/6 | 0 | 28 | 00 |
| | 99/5 | 0 | 00 | 75 |
| | 99/4 | 0 | 10 | 00 |
| | 103 | 0 | 24 | 00 |
| | कोटार | 0 | 28 | 00 |
| | 130 | 0 | 03 | 00 |
| | 129 | 0 | 77 | 00 |
| | 128 | 0 | 10 | 00 |
| | 127 | 0 | 41 | 00 |
| | 126 | 0 | 41 | 00 |
| | 125 | 0 | 62 | 00 |

[सं. O-14016/463/84 जी. पी.]

New Delhi, the 12th July, 1985

S.O. 3387.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 4560 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline From Hazira-Bareilly-Jagdishpur
State : Gujarat District : Panchmahal Taluka : Devgadhbaryia

| Village | Survey No. | Hec-tare | Are | Centiare |
|----------|------------|----------|-----|----------|
| Udhavala | 85/1/P | 0 | 43 | 00 |
| | 85/2/1 | 0 | 07 | 00 |
| | 85/2/P | 0 | 07 | 00 |
| | 85/3/P | 0 | 04 | 00 |
| | 101 | 0 | 00 | 70 |
| | 99/2 | 0 | 30 | 00 |
| | 99/7 | 0 | 01 | 44 |
| | 99/6 | 0 | 28 | 00 |
| | 99/5 | 0 | 00 | 75 |
| | 99/4 | 0 | 10 | 00 |
| | 103 | 0 | 24 | 00 |
| | Kotar | 0 | 28 | 00 |
| | 130 | 0 | 03 | 00 |
| | 129 | 0 | 77 | 00 |
| | 128 | 0 | 10 | 00 |
| | 127 | 0 | 41 | 00 |
| | 126 | 0 | 41 | 00 |
| | 125 | 0 | 62 | 00 |

[No. O-14016/463/84 PG1]

का. आ 3388 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. सं. 119 तारीख 2-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

अनुसूची

हजारा से बरेली से जगदशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिये।

राज्य— गुजरात जिला— पंचमहल तालुका— देवगढ़ बारीया

| गांव | सर्वे नं. | हेक्टर | आर | सेन्ट यर |
|-------|-----------|--------|----|----------|
| उचवाण | 212 | 0 | 22 | 00 |
| | 151 | 0 | 35 | 00 |
| | 126 | 0 | 91 | 00 |
| | 107/2 | 0 | 36 | 00 |
| | 107/1 | 0 | 43 | 00 |
| कोटर | | 0 | 25 | 00 |
| | 112/1 | 0 | 32 | 00 |
| कोटर | | 0 | 11 | 00 |
| | 112/2 | 0 | 22 | 00 |
| कोटर | | 0 | 10 | 00 |
| | 102 | 0 | 41 | 00 |
| | 101 | 0 | 02 | 00 |

[सं. O-14016/512/84-जी. पी.]

S.O. 3388.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 119 date d2-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline From Hajira Bareilly Jagdishpur
State : Gujarat District : Panchmahal Taluka : Devgad
Bariya

| Village | Survey No. | Hec- tare | Acre | Cent- tiare |
|---------|------------|--------------|------|----------------|
| Uchxvan | 212 | 0 | 22 | 00 |
| | 151 | 0 | 35 | 00 |
| | 126 | 0 | 91 | 00 |
| | 107/2 | 0 | 36 | 00 |
| | 107/1 | 0 | 43 | 00 |
| Kotar | | 0 | 25 | 00 |
| | 112/1 | 0 | 32 | 00 |
| Kotar | | 0 | 11 | 00 |
| | 112/2 | 0 | 22 | 00 |
| Kotar | | 0 | 10 | 00 |
| | 102 | 0 | 41 | 00 |
| | 101 | 0 | 02 | 00 |

[No. O-14016/512/84-GP]

का. आ. 3389.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. सं. 4572 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजारा से बरेली से जगदशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : पंचमहल तालुका : सखेड़ा

| गांव | सर्वे नं. | हेक्टर | आर | सेंटियर |
|------------|-----------|--------|----|---------|
| बोर बारीया | 59 | 0 | 27 | 00 |
| | 58 | 0 | 53 | 00 |
| | 53 | 0 | 46 | 00 |
| | 51 | 0 | 46 | 00 |
| कोटार | | 0 | 08 | 00 |

[सं. O-14016/475/84-जी. पी.]

S.O. 3389.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 4572 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government :

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this Declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline From Hajira-Barelilly-Jagdishpur
State : Gujarat District : Panchmahal Taluka : Limkheda

| Village | Survey No. | He- tare | Are | Centiare |
|-------------|------------|-------------|-----|----------|
| Chor Bariya | 59 | 0 | 27 | 00 |
| | 58 | 0 | 53 | 00 |
| | 53 | 0 | 46 | 00 |
| | 51 | 0 | 46 | 00 |
| Kothar | | 0 | 08 | 00 |

[No. O-14016/475/84-GP]

का. आ. 3390.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. मं. 121 तारीख 2-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

हजिरा से बरेली से जगदीशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए
राज्य : गुजरात जिला : पंचमहल तालुका : देवगढ़ बारीया

| गांव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर | सेन्टीयर |
|----------|-----------|----------|----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| खआबारी | 145 | 0 | 38 | 00 |
| | 144 | 0 | 06 | 00 |
| | 143/1 | 0 | 26 | 00 |
| | 143/2 | 0 | 26 | 00 |
| | 141/पी | 0 | 05 | 00 |
| | 142 | 0 | 22 | 00 |
| काटे डूक | | 0 | 08 | 00 |
| | 165/1 | 0 | 42 | 00 |
| | 162/पी | 0 | 20 | 00 |
| | 160 | 0 | 40 | 00 |
| | 178/1 | 0 | 13 | 00 |
| | 156/1 | 0 | 41 | 00 |
| | 188 | 0 | 16 | 00 |
| | 189 | 0 | 57 | 00 |
| | 3 | 0 | 35 | 00 |
| | 15 | 0 | 44 | 00 |
| | 19/1/पी | 0 | 19 | 00 |
| | 22/1 | 0 | 05 | 00 |
| | 22/2 | 0 | 40 | 00 |
| | 58 | 0 | 09 | 00 |
| | 387 | 0 | 27 | 00 |
| | 379/1 | 0 | 82 | 00 |
| | 199 | 0 | 06 | 20 |
| | 201 | 0 | 06 | 75 |
| | 236/2 | 0 | 06 | 00 |
| | 202 | 0 | 21 | 75 |
| | 236/1 | 0 | 30 | 48 |
| | 235 | 0 | 20 | 00 |
| | 233 | 0 | 36 | 72 |
| | 232 | 0 | 29 | 40 |
| | 229 | 0 | 45 | 00 |
| | 230 | 0 | 00 | 15 |
| | 228 | 0 | 14 | 50 |
| | 227 | 0 | 67 | 66 |
| | 226/2 | 0 | 26 | 90 |
| | 225/1 | 0 | 09 | 48 |
| | 225/2 | 0 | 02 | 40 |
| | 225/4 | 0 | 28 | 80 |
| | 225/5 | 0 | 19 | 22 |
| | 224/1 | 0 | 24 | 65 |
| | 224/2 | 0 | 10 | 80 |
| | 224/3 | 0 | 25 | 92 |
| | 224/4 | 0 | 14 | 45 |
| | 223 | 0 | 27 | 45 |
| | 220 | 0 | 02 | 90 |
| | 374/पी | 0 | 28 | 00 |

S.O. 3390.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 121 dated 2-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline From Hazira-Bareilly-Jagdisapur
State : Gujarat District : Panchmahal Taluka : Devgadhi-Baria

| Village | Survey No. | Hec tare | Are | Centi- aro |
|----------|------------|-------------|-----|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Ruvabari | 145 | 0 | 38 | 00 |
| | 144 | 0 | 06 | 00 |
| | 143/1 | 0 | 26 | 00 |
| | 143/2 | 0 | 26 | 00 |
| | 141/P | 0 | 05 | 00 |
| | 142 | 0 | 22 | 00 |
| | Curr track | 0 | 08 | 00 |
| | 165/1 | 0 | 42 | 00 |
| | 162/P | 0 | 20 | 00 |
| | 160 | 0 | 40 | 00 |
| | 178/1 | 0 | 13 | 00 |
| | 156/1 | 0 | 44 | 00 |
| | 188 | 0 | 16 | 00 |
| | 189 | 0 | 57 | 00 |
| | 3 | 0 | 35 | 00 |
| | 15 | 0 | 44 | 00 |
| | 19/1/P | 0 | 19 | 00 |
| | 22/1 | 0 | 05 | 00 |
| | 22/2 | 0 | 40 | 00 |
| | 58 | 0 | 09 | 00 |
| | 387 | 0 | 27 | 00 |
| | 379/1 | 1 | 82 | 00 |
| | 199 | 0 | 06 | 20 |
| | 201 | 0 | 00 | 75 |
| | 236/2 | 0 | 06 | 00 |
| | 202 | 0 | 21 | 75 |
| | 236/1 | 0 | 30 | 48 |
| | 235 | 0 | 20 | 00 |
| | 223 | 0 | 36 | 72 |
| | 232 | 0 | 29 | 40 |
| | 229 | 0 | 45 | 00 |
| | 230 | 0 | 00 | 15 |
| | 228 | 0 | 14 | 50 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-------|---|----|----|
| | 227 | 0 | 67 | 66 |
| | 226/2 | 0 | 26 | 90 |
| | 225/1 | 0 | 09 | 48 |
| | 225/2 | 0 | 02 | 40 |
| | 225/4 | 0 | 28 | 80 |
| | 225/5 | 0 | 19 | 22 |
| | 224/1 | 0 | 24 | 65 |
| | 224/2 | 0 | 10 | 80 |
| | 224/3 | 0 | 25 | 92 |
| | 224/4 | 0 | 14 | 45 |
| | 223 | 0 | 27 | 45 |
| | 220 | 0 | 02 | 90 |
| | 374/P | 0 | 28 | 00 |

[No. O-14016/514/84-G.P.]

कां०आ० 3391.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना कां०आ० सं० 4540 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आणव घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजोरा से बरेली से जगदीशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए
राज्य: गुजरात जिला: पंचमहल तालुका: देवगढ़ बारीया

| गांव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेंटायर |
|----------|-----------|----------|-----|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| डागरिया] | 277 | 0 | 28 | 00 |
| | 278 | 0 | 65 | 78 |
| | 276 | 0 | 06 | 08 |
| | 270 | 0 | 21 | 76 |
| | 271 | 0 | 06 | 00 |
| | 269/1 | 0 | 05 | 07 |
| | 269/2 | 0 | 16 | 80 |
| | 269/4 | 0 | 13 | 15 |
| | 268 | 0 | 03 | 60 |
| | 267/बी] | 0 | 38 | 40 |
| | 263 | 0 | 39 | 30 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|--------|---|----|----|
| | कोटार | 0 | 12 | 24 |
| | 246 | 0 | 21 | 00 |
| | 244 | 0 | 23 | 27 |
| | 243 | 0 | 16 | 00 |
| | 242 | 0 | 33 | 12 |
| | 408 | 0 | 12 | 14 |
| | कोटार | 0 | 10 | 21 |
| | कोटार | 0 | 08 | 10 |
| | 231 | 0 | 61 | 28 |
| | कोटार | 0 | 28 | 00 |
| | 229 | 0 | 42 | 00 |
| | 228 | 0 | 27 | 90 |
| | 89 | 0 | 02 | 40 |
| | कोटार | 0 | 02 | 40 |
| | 93/पं | 0 | 91 | 70 |
| | 94 | 0 | 40 | 00 |
| | कोटार | 0 | 06 | 07 |
| | 98/पं | 0 | 18 | 33 |
| | 418/1 | 0 | 19 | 22 |
| | 418/2 | 0 | 04 | 40 |
| | 185 | 0 | 01 | 00 |
| | 184 | 0 | 28 | 00 |
| | 183/3 | 0 | 18 | 30 |
| | 183/2 | 0 | 34 | 20 |
| | 186/पं | 0 | 01 | 50 |
| | 182 | 0 | 15 | 52 |
| | 181 | 0 | 06 | 00 |
| | 179 | 0 | 08 | 64 |
| | 178 | 0 | 06 | 00 |
| | 180 | 0 | 16 | 18 |
| | 177 | 0 | 18 | 00 |
| | 176 | 0 | 14 | 50 |
| | 162 | 0 | 54 | 95 |
| | 161 | 0 | 04 | 25 |
| | 154/पं | 0 | 42 | 85 |
| | 155 | 0 | 18 | 72 |
| | 156 | 0 | 17 | 20 |
| | 148 | 0 | 03 | 78 |
| | 147 | 0 | 15 | 18 |
| | 146/पं | 0 | 15 | 64 |
| | 146/पं | 0 | 28 | 50 |
| | 267/पं | 0 | 01 | 50 |
| | 206/पं | 1 | 29 | 00 |

[संख्या - 14016/442/84-जी पी]

S.O. 3391.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 4540 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declares its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd., free from all encumbrances.

Pipeline From Haira Bareilly Jagdishpur
State : Gujarat Distret : Panchmahal Taluka : Devgadhi
Bariya

SCHEDULE

| Village | Survey No. | Hec- tare | Acre | Cen- tiar |
|-------------|------------|--------------|------|--------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Dangariya . | 277 | 0 | 28 | 00 |
| | 278 | 0 | 65 | 78 |
| | 276 | 0 | 06 | 08 |
| | 270 | 0 | 21 | 76 |
| | 271 | 0 | 06 | 00 |
| | 269/1 | 0 | 05 | 07 |
| | 269/2 | 0 | 16 | 80 |
| | 269/4 | 0 | 13 | 15 |
| | 268 | 0 | 03 | 60 |
| | 267/P | 0 | 38 | 40 |
| | 263 | 0 | 39 | 30 |
| | Kotar | 0 | 12 | 24 |
| | 246 | 0 | 21 | 00 |
| | 244 | 0 | 23 | 27 |
| | 243 | 0 | 16 | 00 |
| | 242 | 0 | 33 | 12 |
| | 408 | 0 | 12 | 14 |
| | Kotar | 0 | 18 | 21 |
| | Kotar | 0 | 08 | 10 |
| | 231 | 0 | 61 | 28 |
| | Kotar | 0 | 28 | 00 |
| | 229 | 0 | 42 | 00 |
| | 228 | 0 | 27 | 90 |
| | 89 | 0 | 02 | 40 |
| | Kotar | 0 | 02 | 40 |
| | 93/P | 0 | 91 | 70 |
| | 94 | 0 | 40 | 00 |
| | Kotar | 0 | 06 | 07 |
| | 98/P | 0 | 18 | 33 |
| | 418/1 | 0 | 19 | 22 |
| | 418/2 | 0 | 04 | 40 |
| | 185 | 0 | 01 | 00 |
| | 184 | 0 | 28 | 00 |
| | 183/3 | 0 | 18 | 30 |
| | 183/2 | 0 | 34 | 20 |
| | 186/P | 0 | 01 | 50 |
| | 182 | 0 | 15 | 52 |
| | 181 | 0 | 06 | 00 |
| | 179 | 0 | 08 | 64 |
| | 178 | 0 | 06 | 00 |
| | 180 | 0 | 16 | 18 |
| | 177 | 0 | 18 | 00 |
| | 176 | 0 | 14 | 50 |
| | 162 | 0 | 54 | 95 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-------|---|----|----|
| | 161 | 0 | 04 | 25 |
| | 154/P | 0 | 42 | 85 |
| | 155 | 0 | 18 | 72 |
| | 156 | 0 | 17 | 20 |
| | 148 | 0 | 03 | 78 |
| | 147 | 0 | 15 | 18 |
| | 146/P | 0 | 15 | 04 |
| | 146/P | 0 | 28 | 50 |
| | 267/P | 0 | 01 | 50 |
| | 206/P | 0 | 29 | 00 |

[No. O-14016/442/84-GP]

का. आ. 3392.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. सं. 130 तारीख 12-1-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम अक्याभाटी तहसील आगर जिला शाजापुर राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनुसू. क्रमांक. उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में)

| 1 | 2 | 3 |
|----|----|-------|
| 1. | 2 | 0.045 |
| 2. | 4 | 0.094 |
| 3. | 5 | 0.073 |
| 4. | 6 | 0.010 |
| 5. | 8 | 0.418 |
| 6. | 9 | 0.031 |
| 7. | 10 | 0.157 |

| 1 | 2 | 3 |
|-----|----|-------|
| 8. | 15 | 0.031 |
| 9. | 16 | 0.261 |
| 10. | 17 | 0.084 |
| 11. | 18 | 0.042 |
| 12. | 1 | 0.010 |

योग :—कुल क्षेत्रफल 1.256

[स. O-14016/523/84-आर्वा]

S.O. 3392.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 130 dated 12-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village Akyabhati Tehsil Agar Distt. Shajapur (M.P.)

SCHEDULE

S.No. Survey No. Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare

| 1 | 2 | 3 |
|-----|----|-------|
| 1. | 2 | 0.045 |
| 2. | 4 | 0.094 |
| 3. | 5 | 0.073 |
| 4. | 6 | 0.010 |
| 5. | 8 | 0.418 |
| 6. | 9 | 0.031 |
| 7. | 10 | 0.157 |
| 8. | 15 | 0.031 |
| 9. | 16 | 0.261 |
| 10. | 17 | 0.084 |
| 11. | 18 | 0.042 |
| 12. | 1 | 0.010 |

Total Area

1.256

[No. O-14016/523/85-GP]

का. आ. 3393.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा

मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) का अधिसूचना क्र. ० आ० 3941, तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना के संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार का पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अधिकृत करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अधिकृत करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बराबर भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन को इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

सम: कारोदा तहसील: बदनावार तालुका: धार राज्य. (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

| अनु. क्र. | कमरा नं. | उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टेरों में) |
|-----------|----------|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | 14 | 0.081 |
| 2. | 347 | 0.084 |
| 3. | 26 | 0.190 |
| 4. | 27 | 0.010 |
| 5. | 25 | 0.240 |
| 6. | 29/1 | 0.165 |
| 7. | 29/2 | 0.270 |
| 8. | 29/3 | 0.245 |
| 9. | 30 | 0.018 |
| 10. | 31 | 0.201 |
| 11. | 33/2 | 0.253 |
| 12. | 33/1 | 0.081 |
| 13. | 35 | 0.051 |
| 14. | 39 | 0.253 |
| 15. | 1 | 0.051 |
| 16. | 42 | 0.175 |
| 17. | 65 | 0.041 |
| 18. | 66 | 0.005 |
| 19. | 64/1 | 0.041 |

| 1 | 2 | 3 |
|-------------------|------|-------|
| 20. | 61/2 | 0.042 |
| 21. | 63/1 | 0.165 |
| 22. | 63/2 | 0.042 |
| 23. | 62 | 0.101 |
| 24. | 45 | 0.081 |
| 25. | 61/1 | 0.005 |
| 26. | 56/2 | 0.061 |
| 27. | 56/1 | 0.506 |
| 28. | 57 | 0.025 |
| 29. | 53/3 | 0.571 |
| 30. | 84 | 0.030 |
| 31. | 86 | 0.061 |
| 32. | 87 | 0.311 |
| 33. | 88 | 0.005 |
| 34. | 91 | 0.170 |
| 35. | 352 | 0.025 |
| 36. | 55 | 0.005 |
| योग कुल क्षेत्रफल | | 4.671 |

[नं. O-14016/284/85-गोपनी]

S.O. 3393.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 3941 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline,

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village Karoda Tbesil Badnawar Distt. Dhar (M.P.)

SCHEDULE

| S.No. | Survey No. | Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare |
|-------|------------|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | 14 | 0.081 |
| 2. | 347 | 0.084 |
| 3. | 26 | 0.190 |
| 4. | 27 | 0.010 |
| 5. | 25 | 0.240 |
| 6. | 29/1 | 0.165 |
| 7. | 29/2 | 0.270 |

| 1 | 2 | 3 |
|------------|--------|-------|
| 8. | 29/3 | 0.245 |
| 9. | 30 | 0.018 |
| 10. | 31 | 0.201 |
| 11. | 33/2 | 0.253 |
| 12. | 33/1 | 0.081 |
| 13. | 35 | 0.051 |
| 14. | 39 | 0.253 |
| 15. | 41 | 0.051 |
| 16. | 42 | 0.175 |
| 17. | 65 | 0.041 |
| 18. | 66 | 0.005 |
| 19. | 64/1 | 0.041 |
| 20. | 64/2 | 0.042 |
| 21. | 63/1 | 0.165 |
| 22. | 63/2 | 0.042 |
| 23. | 62 | 0.101 |
| 24. | 45 | 0.081 |
| 25. | 61/1 | 0.005 |
| 26. | 56/2 | 0.061 |
| 27. | 56/1 | 0.506 |
| 28. | 57 | 0.025 |
| 29. | 83/3 | 0.571 |
| 30. | 84 | 0.030 |
| 31. | 86 | 0.061 |
| 32. | 87 | 0.311 |
| 33. | 88 | 0.005 |
| 34. | 94 | 0.170 |
| 35. | 352 P. | 0.025 |
| 36. | 55 | 0.005 |
| Total Area | | 4.671 |

[No. O-14016/284/84-GP]

का. आ. 3394.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा संवलय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 4538 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आग्रह घोषित कर दिया था।

और यतः संसद प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निर्दिष्ट होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन को इस तारीख को निश्चित होगा।

| अनुसूची | | | | |
|---|-----------|--------|----|------------|
| हजिरा से बरसी से जगदीशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए। | | | | |
| गांव | सर्वे नं. | हेक्टर | आर | सेन्टीमिटर |
| कोयडा | 3 | 0 | 34 | 40 |
| | 4/2 | 0 | 12 | 00 |
| | 5 | 0 | 03 | 00 |
| | 6 | 0 | 10 | 32 |
| | 14 | 0 | 28 | 00 |
| | 15/1 | 0 | 40 | 00 |
| | 15/2 | 0 | 02 | 70 |
| | 17 | 0 | 21 | 00 |
| | 28/1 | 0 | 08 | 80 |
| | 28/2 | 0 | 33 | 30 |
| | 27 | 1 | 01 | 00 |
| | कोटार | 0 | 20 | 00 |
| | 28/3 | 0 | 00 | 50 |

[सं. O-14016/440/84-बीपी]

S.O. 3394.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Deptt. of Petroleum) S.O. 4538 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962)), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests from this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Hajira Bareilly Jagdishpur

State : Gujarat District : Panchmahal Taluka : Devgadhi Bariya

| Village | Survey No. | Hectare | Area | Centiare |
|---------|------------|---------|------|----------|
| Koyada | 3 | 0 | 34 | 40 |
| | 4/2 | 0 | 12 | 00 |
| | 5 | 0 | 03 | 00 |
| | 6 | 0 | 10 | 32 |
| | 14 | 0 | 28 | 00 |
| | 15/1 | 0 | 40 | 00 |
| | 15/2 | 0 | 02 | 70 |
| | 17 | 0 | 21 | 00 |
| | 28/1 | 0 | 08 | 80 |
| | 28/2 | 0 | 31 | 30 |
| | 27 | 1 | 0 | 00 |
| | Kotar | 0 | 20 | 00 |
| | 28/3 | 0 | 00 | 50 |

[No. O-14016/440/84-GP]

का.आ. 3395—ग्राम पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 3471 तारीख 3.11.84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः तत्काल प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम मन्दराबाद तहसील बड़नगर जिला उज्जैन राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु. क्र. खसरा नं० उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में)

| 1 | 2 | 3 |
|-----|----------------|-------|
| 1. | 302 | 0.220 |
| 2. | 301 | 0.420 |
| 3. | 305 | 0.700 |
| 4. | 268/1 | 0.110 |
| 5. | 262 | 0.120 |
| 6. | 267/1 | 0.250 |
| 7. | 267/3 | 0.070 |
| 8. | 259/2 | 0.080 |
| 9. | 266 | 0.720 |
| 10. | 142 } 143 } | 0.380 |
| 11. | 141 | 0.220 |
| 12. | 139/1 | 0.030 |
| 13. | 138 | 0.120 |
| 14. | 139/2 | 0.430 |
| 15. | 156 | 0.070 |
| 16. | 157 | 0.270 |
| 17. | 80 | 0.070 |
| 18. | 82/2 | 0.110 |
| 19. | 83/3 | 0.220 |
| 20. | 83/2 | 0.100 |
| 21. | 85 | 0.370 |
| 22. | 100 | 0.400 |

| 1 | 2 | 3 |
|-----|----------------|-------|
| 23. | 99 | 0.030 |
| 24. | 414 } 415 } | 0.590 |
| 25. | 417 | 0.170 |
| 26. | 420 | 0.640 |
| 27. | 422 | 0.010 |
| | 424 | 0.400 |
| 28. | 298 | 0.150 |
| 29. | 304 | 0.100 |
| 30. | 313 | 0.060 |
| 31. | 272/1 | 0.120 |
| 32. | 267/2 | 0.070 |
| 33. | 182 | 0.110 |
| 34. | 135 | 0.130 |
| 35. | 117 | 0.030 |
| 36. | 114 | 0.160 |
| 37. | 72 | 0.030 |
| 38. | 91 | 0.040 |
| 39. | 102 मी. | 0.050 |
| 40. | 416 | 0.080 |
| 41. | 418 | 0.010 |
| 42. | 458/1 | 0.190 |
| 43. | 300 | 0.025 |
| 44. | 144 | 0.015 |

कुल क्षेत्रफल :

8.600

[सं. O-14016/70/84-जीपी]

S.O. 3395.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 3471 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And Further Whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ Gas Pipe Line Project

Village : Sundarabad Tehsil : Badnagar Distt. : Ujjain

| S.No. | Survey No. | Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare |
|------------|--------------|---|
| 1. | 301 | 0.220 |
| 2. | 3012 | 0.420 |
| 3. | 305 | 0.700 |
| 4. | 268/1 | 0.110 |
| 5. | 262 | 0.120 |
| 6. | 267/1 | 0.250 |
| 7. | 267/3 | 0.070 |
| 8. | 259/2 | 0.080 |
| 9. | 266 | 0.720 |
| 10. | 142 143 } | 0.380 |
| 11. | 141 | 0.220 |
| 12. | 139/1 | 0.030 |
| 13. | 138 | 0.120 |
| 14. | 139/2 | 0.430 |
| 15. | 156 | 0.070 |
| 16. | 157 | 0.270 |
| 17. | 90 | 0.070 |
| 18. | 82/2 | 0.110 |
| 19. | 83/3 | 0.220 |
| 20. | 83/2 | 0.100 |
| 21. | 85 | 0.370 |
| 22. | 100 | 0.400 |
| 23. | 99 | 0.030 |
| 24. | 414 415 | 0.590 |
| 25. | 417 | 0.170 |
| 26. | 420 | 0.640 |
| 27/1 | 422 | 0.010 |
| 27/2 | 424 | 0.400 |
| 28. | 298 | 0.150 |
| 29. | 304 | 0.100 |
| 30. | 313 | 0.060 |
| 31. | 272/1 | 0.120 |
| 32. | 267/2 | 0.070 |
| 33. | 182 | 0.110 |
| 34. | 135 | 0.130 |
| 35. | 117 | 0.030 |
| 36. | 114 | 0.160 |
| 37. | 72 | 0.030 |
| 38. | 81 | 0.040 |
| 39. | 102 Mt. | 0.050 |
| 40. | 416 | 0.080 |
| 41. | 418 | 0.010 |
| 42. | 458/1 | 0.190 |
| 43. | 300 | 0.025 |
| 44. | 144 | 0.015 |
| Total Area | | 8.690 |

[No. O-14016/70/84-GP]

का.प्र. 3496.—यन: पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मन्त्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का.प्र. सं. 103 तारीख 26-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार का पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आणव्य घोषित कर दिया था।

458 GI/85—16

और ता सभस प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और प्रागे, यन: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब यन: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार पाइप लाइन घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ;

और प्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की तिथि होगा ।

एच बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : तूमरिया क्षेत्री तहसील राजगढ़ जिला : राजगढ़ राज्य : (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु. सं. छसरा न उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में)

| | | |
|----|------|-------|
| 1 | 182 | 0.060 |
| 2 | 254 | 0.063 |
| 3 | 197 | 0.050 |
| 4 | 198 | 0.064 |
| 5 | 196 | 0.007 |
| 6 | 195 | 0.090 |
| 7 | 194 | 0.026 |
| 8 | 201 | 0.091 |
| 9 | 189 | 0.120 |
| 10 | 188 | 0.106 |
| 11 | 187 | 0.063 |
| 12 | 186 | 0.039 |
| 13 | 179 | 0.250 |
| 14 | 178 | 0.089 |
| 15 | 130 | 0.100 |
| 16 | 21 | 0.019 |
| 17 | 20 | 0.120 |
| 18 | 15 | 0.020 |
| 19 | 19 | 0.019 |
| 20 | 18 | 0.358 |
| 21 | 17 | 0.048 |
| 22 | 30 | 0.015 |
| 23 | 33 | 0.150 |
| 24 | 32 | 0.206 |
| 25 | 36 | 0.131 |
| 26 | 39/2 | 0.065 |
| 27 | 57 | 0.253 |
| 28 | 62 | 0.013 |
| 29 | 56 | 0.204 |
| 30 | 55 | 0.500 |
| 31 | 54 | 0.144 |
| 32 | 256 | 0.019 |
| 33 | 60 | 0.030 |

| 1 | 2 | 3 |
|-----------------|-----|-------|
| 34. | 177 | 0.019 |
| 35. | 61 | 0.450 |
| 36. | 139 | 0.010 |
| 37. | 233 | 0.005 |
| 38. | 255 | 0.039 |
| कुल क्षेत्रफल : | | 3.996 |

[सं. O-14016/537/84-सि.पि.]

S.O. 3396.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy of Deptt. of Petroleum S.O. 303 dated 26-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of User in Land), Act, 1952 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HRJ Gats Pipe Line Project

Village : Tumadiya Khedi : Tehsil Rajgarh Distt. : Rajgarh (M.P.)

SCHEDULE

| S.No. | Survey No. | Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare |
|-------|------------|---|
| 1. | 182 | 0.060 |
| 2. | 254 | 0.063 |
| 3. | 197 | 0.050 |
| 4. | 198 | 0.064 |
| 5. | 196 | 0.007 |
| 6. | 195 | 0.090 |
| 7. | 194 | 0.076 |
| 8. | 201 | 0.091 |
| 9. | 139 | 0.170 |
| 10. | 188 | 0.106 |
| 11. | 187 | 0.063 |
| 12. | 186 | 0.039 |
| 13. | 179 | 0.250 |
| 14. | 173 | 0.089 |
| 15. | 130 | 0.100 |
| 16. | 24 | 0.019 |
| 17. | 20 | 0.120 |
| 18. | 15 | 0.070 |
| 19. | 19 | 0.019 |
| 20. | 18 | 0.353 |
| 21. | 17 | 0.048 |
| 22. | 30 | 0.015 |
| 23. | 33 | 1.152 |

| 1 | 2 | 3 |
|-----|------|-------|
| 24. | 32 | 0.006 |
| 25. | 36 | 0.131 |
| 26. | 39/2 | 0.165 |
| 27. | 57 | 0.155 |
| 28. | 60 | 0.013 |
| 29. | 56 | 0.704 |
| 30. | 55 | 0.500 |
| 31. | 54 | 0.144 |
| 32. | 256 | 0.019 |
| 33. | 60 | 0.070 |
| 34. | 177 | 0.019 |
| 35. | 61 | 0.400 |
| 36. | 199 | 0.010 |
| 37. | 255 | 0.095 |
| 38. | 255 | 0.070 |

Total Area

3.996

[N O-14016/537/84—GPI]

का. आ. 2397 :— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 584 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आदेश घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का निश्चय किया है।

अब, अबः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एल गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

HBJ Gas Pipe Line Project

Village : Kaipony Tehsil : Rajgarh Distt : Rajgarh State (M.P.)

SCHEDULE

| S.No. | Survey No. | Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare |
|-------------|------------|---|
| 1. | 624 | 0.250 |
| 2. | 625 | 0.010 |
| 3. | 635 | 0.240 |
| 4. | 638 | 0.200 |
| 5. | 639 | 0.015 |
| 6. | 645 | 0.070 |
| 7. | 641 | 0.500 |
| 8. | 665 | 0.770 |
| 9. | 656 | 0.010 |
| 10. | 667 | 0.140 |
| 11. | 668 | 0.140 |
| 12. | 669 | 0.120 |
| 13. | 670/1 | 0.140 |
| 14. | 750 | 0.450 |
| 15. | 751 | 0.270 |
| 16. | 673 | 0.035 |
| 17. | 637 | 0.050 |
| 18. | 634 | 0.075 |
| Total Area: | | 2.935 |

[No. O-14016/30/85-GP]

का. आ. 3398.--यहां पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन शारा सरकार के पेट्रोलियम मन्त्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 33 तारीख 5-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जन करने का अपना आग्रह घोषित कर दिया था।

और चूंकि सक्षम प्राविण्य ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अन्वये सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और ज्ञाने, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जन करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनिवार्य किया जाता है।

और ज्ञाने एवं धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार विवेक देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

श्री : मन्त्रालय वर : राजगढ़ जिला : राजगढ़ राज्य (संघ प्रदेश)

अनुसूची

सं. क्र. प्लॉट नं. सतह क्षेत्र (हेक्टरों में)

| 1 | 2 | 3 |
|-------------------|-------|-------|
| | 624 | 0.250 |
| 2 | 625 | 0.010 |
| 3 | 635 | 0.240 |
| 4 | 638 | 0.200 |
| 5 | 639 | 0.015 |
| 6 | 645 | 0.070 |
| 7 | 641 | 0.500 |
| 8 | 665 | 0.770 |
| 9 | 656 | 0.010 |
| 10 | 667 | 0.140 |
| 11 | 668 | 0.140 |
| 12 | 669 | 0.120 |
| 13 | 670/1 | 0.140 |
| 14 | 750 | 0.450 |
| 15 | 751 | 0.270 |
| 16 | 673 | 0.035 |
| 17 | 637 | 0.050 |
| 18 | 634 | 0.075 |
| योग कुल क्षेत्रफल | | 2.935 |

[सं. O-14016/30/85-जीपी]

S.O. 3397.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 584 dated 9-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from all encumbrances.

एन.वी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : डाबड़ा राजपुत तहसील : ताराना जिला : उज्जैन राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु. क्र. खसरा नं. उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में)

| | | |
|---|-----|-------|
| 1 | 1 | 0.090 |
| 2 | 2 | 0.025 |
| 3 | 3/1 | 0.285 |
| 4 | 3/3 | 0.012 |

योग कुल क्षेत्रफल : 0.412

[संख्या O-14016/502/84-जीपी]

S.O. 3398.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 52 dated 5-1-85 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village : Dabda Rajput Tehsil : Tarana Distt. : Ujjain

SCHEDULE

| S.No. | Survey No. | Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare |
|------------|------------|---|
| 1. | 1 | 0.090 |
| 2. | 2 | 0.025 |
| 3. | 3/1 | 0.285 |
| 4. | 3/3 | 0.012 |
| Total Area | | 0.412 |

[F. N. O-14016/502/84-G.P]

का. भा. 3.199.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. भा. सं. 117 तारीख 12-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः महम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा का उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एन.वी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : डाबड़ा राजपुत तहसील : ताराना जिला : उज्जैन राज्य (मध्य-प्रदेश)

अनुसूची

| अनु. क्र. | खसरा नं. | उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में) |
|----------------------|----------|--|
| 1. | 1 म० मे० | 0.378 |
| 2. | 52 | 0.209 |
| 3. | 51 | 0.031 |
| योग कुल क्षेत्रफल :— | | 0.616 |
| | | 1.0 |

[सं. O-14016/510/84-जीपी]

S.O. 3399.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 117 dated 12-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in

Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village : Rui Tehsil : Ghatiya Distt. : Ujjain

SCHEDULE

| S.No. | Survey No. | Area to be Acquired for R.O.U. in Hectre |
|------------|------------|--|
| 1. | 1 M.S. | 0.376 |
| 2. | 52 | 0.209 |
| 3. | 51 | 0.031 |
| Total Area | | 0.616 |

[No. O-14016/510/34-GP]

क्र०आ०3400.-यतः पेट्रोलियम और खनिज पदार्थ लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना क्र०आ० सं० 49 तारीख 5-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की तिथि होगी।

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : बोपरिया तहसील : घटिया जिला : उज्जैन राज्य : (मध्य-प्रदेश)

अनुसूची

| अनु० क्र० | खसरा नं. | उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में) |
|-----------|----------|--|
| 1. | 47 | 0.470 |
| 2. | 46 | 0.031 |
| 3. | 120 | 0.021 |
| 4. | 114 | 0.073 |
| 5. | 54/2 | 0.512 |
| 6. | 36 | 0.271 |
| 7. | 57 | 0.073 |
| 8. | 35 | 0.282 |
| 9. | 56 | 0.031 |
| 10. | 61 | 0.167 |
| 11. | 113 | 0.167 |
| 12. | 62 | 0.157 |
| 13. | 63 | 0.073 |
| 14. | 66 | 0.087 |
| 15. | 67 | 0.157 |
| 16. | 68 | 0.105 |
| 17. | 69 | 0.314 |
| 18. | 108 | 0.021 |
| 19. | 107 | 0.491 |
| 20. | 115 | 0.157 |
| 21. | 118 | 0.105 |
| 22. | 116 | 0.105 |
| 23. | 122 | 0.073 |
| 24. | 117 | 0.021 |
| 25. | 31 | 0.721 |
| 26. | 111 | 0.086 |
| 27. | 121 | 0.010 |
| 28. | 60 | 0.031 |

योग कुल क्षेत्रफल :-

4.812

[स० O-14016/499/84-श्री पी]

एन०एस० श्रीनिवासन्, जून सचिव

S.O. 3400.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 49 dated 5-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village : Khopariya Tehsil : Ghatiya Distt. : Ujjain

SCHEDULE

| S.No. | Survey No. | Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare |
|------------|------------|---|
| 1. | 47 | 0.470 |
| 2. | 46 | 0.071 |
| 3. | 120 | 0.071 |
| 4. | 114 | 0.073 |
| 5. | 54/2 | 0.512 |
| 6. | 36 | 0.271 |
| 7. | 57 | 0.073 |
| 8. | 35 | 0.282 |
| 9. | 56 | 0.031 |
| 10. | 61 | 0.167 |
| 11. | 113 | 0.167 |
| 12. | 62 | 0.157 |
| 13. | 63 | 0.073 |
| 14. | 66 | 0.087 |
| 15. | 67 | 0.157 |
| 16. | 68 | 0.105 |
| 17. | 69 | 0.314 |
| 18. | 108 | 0.071 |
| 19. | 107 | 0.491 |
| 20. | 115 | 0.157 |
| 21. | 118 | 0.105 |
| 22. | 116 | 0.105 |
| 23. | 112 | 0.073 |
| 24. | 117 | 0.071 |
| 25. | 31 | 0.721 |
| 26. | 111 | 0.086 |
| 27. | 121 | 0.010 |
| 28. | 60 | 0.031 |
| Total Area | | 4.812 |

[No. 14016/499.84—GP]

M. S. SRINIVASAN, Dy. Secy.

MINISTRY OF STEEL MINES AND COAL

(Department of Coal)

New Delhi, the 3rd July, 1985

CORRIGENDUM

S.O. 3401.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal), No. S.O. 3566 dated the 30th August, 1983, published in the Gazette of India dated the 17th September, 1983, Part II, Section 3, Sub-section (ii), at page 3651, issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands described in the Schedule appended to that notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act and of all other powers enabling it in this behalf, the Central Government hereby amends the Schedule appended to the said notification as follows :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act and of all other powers enabling it in this behalf, the Central Government hereby amends the Schedule appended to the said notification as follows :—

hereby amends the Schedule appended to the said notification as follows :—

At page 3651.

in line 50 for “2520, 2424 and 3201” read “2520, 2524 and 3201”

in line 55 for “1910, 1941, 1953, 1956, 1957, 1959, 1969, 1960, 1972” read “1910, 1931, 1956, 1957, 1959, 1960, 1972”

in line 56 for “2021 20-2, 2021” read “2021, 2022, 2021” in line 59 for “Chuta Nadi” read “Chutua Nadi.”

Any person interested in any land in respect of which the above amendment has issued, may within thirty days of the issue of this notification, object to the acquisition of the whole or any part of the said land, or any right in any of such land in terms of sub-section (1) of section 8 of the said Act.

[No. 19/7/83-CL/CA]

CORRIGENDUM

S.O. 3402.—Whereas, by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 846 dated the 2nd March, 1984, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), at pages 722 and 723, issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands described in the Schedule appended to that notification;

And whereas, it has been brought to the notice of the Central Government that certain errors of printing nature have occurred in the publication of the said notification in the Gazette;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act and of all other powers enabling it in this behalf, the Central Government hereby amends the Schedule appended to the said notification as follows :—

At page 723 in column 2, in line 4, for “218” read “212”.

Any person interested in any land in respect of which the above amendment has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the said land or any right in any of such land in terms of sub-section (1) of section 8 of the said Act.

[F. No. 19/39/83-CL/CA]

इस्पति खान और कोयला मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1985

का. आ. 3403.— केन्द्रीय सरकार सरकार के स्थान (अप्रयुक्त अधिव्यक्तियों के बंदखर्च) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) के द्वारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के निर्माण और आवास मंत्रालय के अधिसूचना सं. का आ. 2689 तारीख 25 सितम्बर 1972 को उन वानों के सिवाय विनिर्देशित अधिव्यक्तियों में पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, अधिकांश करते हुए न के कारण के स्वतंत्र (1) में वर्णित अधिकारियों को जो सरकार के राजपत्रित अधिकारियों के पंक्ति के समस्त अधिकार हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोग के लिए सम्पदा अधिकारों नियुक्त करते हैं, जो उक्त मारणी में (2) में

बिहार राज्य में छी. स. एल.
के क्षेत्र सं. 7 (भागवन्द क्षेत्र)
और पुनर् बनिहार परियोजना
के स्थान या उसके द्वारा या
उसकी ओर से पट्टे पर लिए
गए स्थान।

क्षेत्र प्रबंधक (योजना),
क्षेत्र सं. 5 (मिजआ क्षेत्र),
भारत कोकिल कोल लि.
धनुवादा

क्षेत्र प्रबंधक (योजना),
क्षेत्र सं ९ (बस्ती कच्चा क्षेत्र),
भारत कांकिग कोल लि.,
धनबाद

विहार राज्य में व. स. स.
एल. के क्षेत्र में 5 (मिजबा-
धेव) के स्थान या उसके द्वारा
या उसके शोर में पट्टे पर
जिगाए स्थान।

बिहार राज्य के व.स.स.
एल. के क्षेत्र सं. 11 (भवरग-
क्षेत्र) और मुदामंडह क्षेत्र के
स्थान पर उसके द्वारा या
उसके और से पट्टे पर लिए
गए स्थान।

क्षेत्रीय कामिक प्रबंधक
क्षेत्र सं. 10 (भोदना क्षेत्र),
भारत कोकिंग कोल लि.,
धनबाद
बिहार राज्य में बा.सा.म.
एल. के क्षेत्र सं. 9 (बस्ता
कोल्हा क्षेत्र और राजमार्ग
प्रताप के स्थान या उसके द्वारा
या उसको (ओर से पट्टे पर लिए
गए स्थान।

क्षेत्र प्रबंधक (योजना),
क्षेत्र सं. 10 (लोदना क्षेत्र),
भारत कोकिंग कोल लि.,
धनबाद

क्षेत्रीय कामिक प्रबंधक
क्षेत्र सं. 11 (मबरा क्षेत्र),
भारत कोकिंग कोल लि.,
धनबाद

बिहार राज्य में बा.सा.म.
एल. के क्षेत्र सं. 8 (कुसुर क्षेत्र)
और मायगौर परियोजना के
स्थान या उसके द्वारा या
उसको और से पट्टे पर लिए
गए स्थान।

क्षेत्र प्रबंधक (योजना),
क्षेत्र सं. 11 (मबरा),
भारत कोकिंग कोल लि.,
धनबाद

क्षेत्रीय कामिक प्रबंधक,
क्षेत्र सं. 12 (चांचविकटोरिया),
भारत कोकिंग कोल लि.,
चांचविकटोरिया

बिहार और पश्चिम बंगाल
राज्यों में बा.सा.म.एल.
के क्षेत्र सं. 12 (चांचविकटो-
रिया क्षेत्र) के स्थान या उसके
द्वारा या उसको और से पट्टे
पर लिए गए

क्षेत्र प्रबंधक (योजना),
क्षेत्र सं. 12 (चांचविकटोरिया),
भारत कोकिंग कोल लि.,
चांचविकटोरिया

[सं. 29/3/82-सी.एल./सी.ए.]

समय सिद्ध, अवर सचिव

MINISTRY OF STEEL, MINES & COAL (Department of Coal)

New Delhi, the 8th July, 1985

S. O. 3403:—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing No. S.O. 2684, dated the 25th September, 1972, except as respects things done or omitted to be done before supersession, the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (i) of the Table below, being officers equivalent to the rank of Gazetted officers of the Government to be estate officers for the purposes of the said Act who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the estate officers, by or under the said Act,

within the local limits to their respective jurisdictions in respect of the public premises specified in column (2) of the said table.

THE TABLE

| Designation of the Officer | Categories of public premises |
|--|---|
| (1) | (2) |
| Manager (Estate), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of the Bharat Coking Coal Limited in the States of Bihar and West Bengal. |
| Dy. Manager (Estate), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad | —do— |
| Area Personnel Manager Area No. 1 (Barora Area), Bharat Coking Coal Ltd. Dhanbad | Premises belonging to or taken of lease by or on behalf of Area No. 2 (Mahuda Area) of BCCL in the State of Bihar. |
| Area Manager (Planning) Area No. 1 (Barora Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad | |
| Area Personnel Manager, Area No. 2 (Mahuda Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Area No. 3 (Govindpur Area) and Block-II Area of BCCL in the State of Bihar. |
| Area Manager (Planning) Area No. 2 (Mahuda Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad | |
| Area Personnel Manager, Area No. 3 (Govindpur Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Area No. 1 (Barora Area) of BCCL in the State of Bihar. |
| Area Manager (Planning) Area No. 3 (Govindpur Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad | |

| 1 | 2 | 1 | 2 |
|---|--|---|--|
| Area Personnel Manager Area No. 4 (Katras Area), Bharat Coking Coal Ltd., Dhanbad | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Area No. 6 (Kusunda Area) of BCCL in the State of Bihar. | Area Personnel Manager, Area No. 9 (Bastacolla) Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad. | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Area No. 11 (Bhowra Area) and Sud- amain Area of BCCL in the State of Bihar. |
| Area Manager (Planning) Area No. 4 (Katras Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad | | Area Manager (Planning) Area No. 9 (Bastacolla Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad. | |
| Area Personnel Manager, Area No. 5 (Sijua Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Area No. 7 (Bhagaband Area) and Putki-Balihari Project of BCCL in the State of Bihar. | Area Personnel Manager, Area No. 10 (Lodna Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad. | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Area No. 9 (Bastacolla Area) and Ropeways Division of BCCL in the State of Bihar. |
| Area Manager (Planning) Area No. 5 (Sijua Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad | | Area Manager (Planning), Area No. 10, (Lodna Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad. | |
| Area Personnel Manager, Area No. 6 (Kusunda Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Area No. 4 (Katras Area) of BCCL in the State of Bihar. | Area Personnel Manager, Area No. 11, (Bhowra Area), Bharat Coking Coal Ltd., Dhanbad. | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Area No. 8 (Kustore Area) and Bhailgora Project of BCCL in the State of Bihar. |
| Area Manager (Planning), Area No. 6 (Kusunda Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad | | Area Manager (Planning) Area No. 11 (Bhowra Area), Bharat Coking Coal Ltd., Dhanbad | |
| Area Personnel Manager, Area No. 7 (Bhagaband Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Area No. 5 (Sijua Area) of BCCL in the State of Bihar. | Area Personnel Manager, Area No. 12, (Chanch Victoria), Bharat Coking Coal Ltd., Chanch Victoria. | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Area No. 12 (Chanch Victoria Area) of BCCL in the States of Bihar and West Bengal. |
| Area Manager (Planning) Area No. 7 (Bhagaband Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad | | Area Manager (Planning), Area No. 12, (Chanch Victoria), Bharat Coking Coal Ltd. Chanch Victoria. | |
| Area Personnel Manager Area No. 8 (Kustore Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad | Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Area No. 10 (Lodna Area) of BCCL in the State of Bihar. | | |
| Area Manager (Planning), Area No. 8 (Kustore Area), Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad | | | |

[No. 29/2/82-CL/CA]

SAMAY SINGH, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1985

का. भा. 3404 :— भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम 1970 (1970 का 48) की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् से परामर्श करने के पश्चात्, एतद्वारा उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अनुसूची के भाग-2 में :—

(1) "महाराष्ट्र" शब्द के अन्तर्गत क्रम संख्या 11 का तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाव निम्नलिखित क्रम संख्या तथा प्रविष्टियाँ रखी जाएँ :

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|--------------------------------|--|-----------------|-------------|
| "11B" बम्बई विषय-विशालय, बम्बई | कामिल-ए-तिब्ब-ओ-जराहत (बैचलर आफ यूना. मेडिसिन एण्ड सर्जरी) | बी. यू. एम. एस. | 1984 से आगे |

(ii) "राजस्थान" शब्द के अन्तर्गत क्रम संख्या 20 और इससे संबंधित प्रविष्टियों के बाव निम्नलिखित क्रम संख्या तथा प्रविष्टियाँ रखी जाएँ, नामतः:

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|--|--|-----------------|-------------|
| "20C" भारतीय चिकित्सा बोर्ड, राजस्थान, जयपुर | कामिल-ए-तिब्ब-ओ-जराहत (बैचलर आफ यूना. मेडिसिन एण्ड सर्जरी) | बी. यू. एम. एस. | 1981 से आगे |

[सं. वा. 26015/1/84-ए.ई.]

हसीब अहमद, धवर सचिव

नोट :— भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (1970 का 48) का दूसरा अनुसूची भाग में संशोधित का गई देखिए :—

1. का. भा. संख्या 4068 दिनांक 30 नवम्बर, 1979.
2. का. भा. संख्या 2635 दिनांक 18 सितम्बर, 1980
3. का. भा. संख्या 2313 दिनांक 20 अगस्त, 1981
4. का. भा. संख्या 2314 दिनांक 22 अगस्त, 1981
5. का. भा. संख्या 137 दिनांक 24 दिसम्बर, 1981
6. का. भा. संख्या 638 दिनांक 25 जनवरी, 1982
7. का. भा. संख्या 661 दिनांक 2 फरवरी, 1982
8. का. भा. संख्या 973 दिनांक 20 फरवरी, 1982
9. का. भा. संख्या 354 (ई) दिनांक 6 मई, 1983
10. का. भा. संख्या 3550 दिनांक 5 सितम्बर, 1983
11. का. भा. संख्या 804 (ई.) दिनांक 11 नवम्बर, 1983
12. का. भा. संख्या 462 (ई.) दिनांक 23 जून, 1984

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
New Delhi, the 5th July, 1985

S.O.3404 :—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970), the Central Government, after consulting the Central Council of Indian Medicine, here by makes the following further amendments in the Second Schedule to the said Act, namely :—

In Part II of the said Schedule :—

(i) under the heading "Maharashtra", after serial Number 11A and the entries relating thereto, the following Serial Number and entries shall be inserted, namely :—

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-------------------------------------|---|------------------------------|---|
| "11B. University of Bombay, Bombay. | Kamile-Tibo Jarahat (Bachelor of Unani Medicine and Surgery). | B.U. From M.S. 1984 onwards" | |

(ii) under the heading "Rajasthan", after Serial Number 20 and the entries relating thereto, the following Serial Number and entries shall be inserted, namely :—

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|--|---|-------------------------------|---|
| "20A. Board of Indian Medicine, Rajasthan, Jaipur. | Kamile-Tibo Jarahat (Bachelor of Unani Medicine and Surgery). | B.U. From M.S. 1981 onwards". | |

[No. V-26015/1/84-AE]

HASIB AHMAD, Under Secy.

Note :—The Second Schedule to the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970) has been subsequently amended vide :—

1. S.O. No. 4068, dated the 30th November, 1979.
2. S.O. No. 2635, dated the 18th September, 1980.
3. S.O. No. 2313, dated the 20th August, 1981.
4. S.O. No. 2314, dated the 22nd August, 1981.
5. S.O. No. 137, dated the 24th December, 1981.
6. S.O. No. 638, dated the 25th January, 1982.
7. S.O. No. 661, dated the 2nd February, 1982.
8. S.O. No. 973, dated the 20th February, 1982.

9. S.O. No. 354(E), dated the 6th May 1983.
10. S.O. No. 3550, dated 10 5th September, 1983.
11. S.O. No. 804(E), date 11th November, 1983.
12. S.O. No. 462(E), dated the 23rd June, 1984.

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

नई दिल्ली, 26 जून, 1985

का. अ. 3405.—इलायची श्रेणीकरण और चिह्नानि नियम 1982 का और संशोधन करने के लिए नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नानि) अधिनियम 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना है। इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उस तारीख से जिस की भारत के उस राजपत्र कि प्रतियाँ जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की गई है जनता को उपलब्ध कराई जाती है 45 दिन के पश्चात विचार किया जाएगा।

ऐसे किन्हीं आक्षेपों या सुझावों पर जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पहले उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त हों केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्रारूप नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम इलायची श्रेणीकरण और चिह्नानि (संशोधन) नियम, 1985 है।

2. इलायची श्रेणीकरण और चिह्नानि नियम 1982 में—

(क) नियम 7 के उपनियम (3) के पश्चात् निम्नलिखित पंक्तु अंतर्भावित किया जाएगा अर्थात् :—

यदि

"परन्तु यदि ऐसे पैकेजों में प्रति पैकेज 2 कि.ग्रा. या 2 कि. ग्रा. से कम इलायची है तो उन पर एगमार्क लेबल या उनकी प्रतिकृति होना आवश्यक नहीं है।"

टिप्पणः— 1. मूल नियम भारत के राजपत्र भाग 2 खण्ड 3 उप-खण्ड (ii) तारीख 12-5-1962 में पृष्ठ 1685 से 1692 पर का. अ. 1410 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

2. पहला संशोधन भारत के राजपत्र भाग 2 खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) तारीख 31-8-1963 में पृष्ठ 2878 से 2883 पर का. अ. 2467 द्वारा प्रकाशित किया गया था।

3. दूसरा संशोधन भारत के राजपत्र भाग 2 खण्ड 3 उप-खण्ड (ii) तारीख 16-8-1969 में पृष्ठ 3461 से 3463 पर का. अ. 3246 द्वारा प्रकाशित किया गया था।

[संख्या 10-4/83-एम. आई.]

बी. के. बाजाज, अधर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 26th June, 1985

S.O. 3405.—The following draft rules, further to amend the Cardamom Grading and Marking Rules, 1962 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) are hereby published as required by the said section for information of, all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft rules shall be taken into consideration after 45 days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published are made available to the public.

Any objections or suggestions received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified, will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Cardamom Grading and Marking (Amendment) Rules, 1985.

2. In the Cardamom Grading and Marking Rules 1962.—(a) in rule 7, after sub-rule (3), the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided that when such packages contain 2 kg. or less than 2 kg. of cardamom per package, they may not bear Agmark labels or replica thereof".

NOTE :

1. The principal rules published vide S.O. 1410 on pages 1685 to 1692 in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated 12-5-1962.

2. First amendment published vide S.O. 2467 on pages 2878 to 2883 in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated 31-8-1963.

3. Second amendment published vide S.O. 3246 on pages 3461 to 3463 in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated 16-8-1969.

[No. 10-4/83-M.I.]

B. K. BAJAJ, Under Secy.

नौबहन और परीबहन मंत्रालय

(परिबहन पक्ष)

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1985

का. अ. 3406.—केन्द्रीय सरकार गोबी श्रमिक (रोजगार का विनियमन) नियमावली 1962 के नियम 4 के उप नियम (1) के द्वितीय परन्तुक के पाच पठित गोबी श्रमिक (रोजगार का विनियमन) अधिनियम 1948 (1948 का 9) के खंड 5क के उपखंड (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री ए.बी. चिरपुटकर को कैप्टन एम. ए. तन्हाणों के स्थान पर मुरगांव गोदी श्रमिक बोर्ड का सदस्य नियुक्त करती है और उस उद्देश्य के लिए भारत सरकार नौबहन और परिबहन मंत्रालय (परिबहन पक्ष) को दिनांक 10 अगस्त, 1982 की अधिसूचना संख्या का. अ. 2969 में संशोधन करती है अर्थात् :

उक्त अधिसूचना में "गोदी श्रमिक और नौबहन कंपनियों के नियुक्त/ओं का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों" शीर्षक के अंतर्गत मध सं. 3 की प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रविष्टि प्रस्थापित की जाएगी अर्थात् "श्री ए.बी. चिरपुटकर"।

टिप्पणी :—मूल अधिसूचना सरकारी अधिसूचना नौवहन और परिवहन मंत्रालय संख्या का. आ. 2969 दिनांक 10-8-1982 द्वारा भारत के राजपत्र के भाग II खंड 3 उपखंड (ii) दिनांक 21-8-1982 पृष्ठ संख्या 3006-7 पर प्रकाशित हुई थी और इसमें बाद में निम्नलिखित अधिसूचना द्वारा संशोधन किया गया था :—

- (i) भारत के राजपत्र के भाग (II) खंड 3 उपखंड (ii) के पृष्ठ 3237 पर प्रकाशित 10-10-84 की सरकारी अधिसूचना सं. का. आ. 3489
- (ii) भारत के राजपत्र के भाग II खंड 3 उपखंड (ii) में पृष्ठ 3267 पर प्रकाशित दिनांक 16-10-1984 की सरकारी अधिसूचना सं. का. आ. 3579
- (iii) भारत के राजपत्र के भाग II खंड 3 उपखंड (ii) में पृष्ठ 2305 पर प्रकाशित दिनांक 20-4-1985 की सरकारी अधिसूचना संख्या का. आ. 1914

[का. सं. एल. डी. जी./8/84-यू.एस. (एल.)]
सुदेश कुमार, अवर सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT ;

(Transport Wing)

New Delhi, the 2nd July, 1985

S.O. 3406.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 5A of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), read with the second proviso to sub-rule (1) of rule 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Rules, 1962, the Central Government hereby appoints Shri A. V. Chirputkar as a member of the Mormugao Dock Labour Board vice Captain N. A. Tambane, and for that purpose amends the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing), No. S.O. 2969, dated the 10th August, 1982, namely :—

In the said notification, under the heading "Members representing the employers of Dock Workers and Shipping Companies" for the entry against item No. (3), the following entry shall be substituted namely :—

"(3) Shri A. V. Chirputkar"

NOTE :—The principal Notification was published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated 21-8-1982 at pages 3006-7 vide Govt. notification, Ministry of Shipping and Transport, No. S.O. 2969 dated 10-8-1982 and was subsequently amended by :—

- (i) Government notification No. S.O. 3489 dated 10-10-84 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) at page 3237 ;
- (ii) Government notification No. S.O. 3579 dated 16-10-1984 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) at page 3237 ;
- (iii) Government notification No. S.O. 1914 dated 20-4-1985 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) at page 2305.

[F. No. LDG/6/84-US(L)]

SUDESH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1985

कां. आ. 3407 :—केन्द्रीय सरकार दीपघर अधिनियम 1927 (1927 का. 17) की धारा 2 के खंड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित दीपघरों की सामान्य दीपघर घोषित करती है यथा :—

- 1 कासरगोड दीपघर ।
- 2 मछलीपटनम दीपघर ।
- 3 पिगमेलियन प्वाइंट स्थित राडार ट्रान्सपोन्डर बीकन ।
- 4 कीटिंग प्वाइंट स्थित राडार ट्रान्सपोन्डर बीकन ।
- 5 सूहालीपार स्थित राडार ट्रान्सपोन्डर बीकन ।
- 6 मिनिक्कोय स्थित राडार ट्रान्सपोन्डर बीकन ।
- 7 अंडमान जलदमरू मध्यपूर्वी प्रवेश स्थित दीपघर -

[कां. सं. 1-डी(6)/84-एस एफ एस]

डी. डी. सूद, अवर सचिव

New Delhi, the 5th July, 1985

S.O. 3407.—In exercise of the powers conferred by clause (c) of Section 2 of the Lighthouse Act, 1927 (17 of 1927), the Central Government hereby declares the following lighthouses to be general lighthouses for the purposes of the said Act, namely :—

1. Kasargad Lighthouse.
2. Machilipatnam Lighthouse.
3. Radar Transponder Beacon at Pymalion Point.
4. Radar Transponder Beacon at Keating Point.
5. Radar Transponder Beacon at Suhellipar.
6. Radar Transponder Beacon at Minicoy.
7. Lighthouse at Andaman Strait Eastern Entrance.

[No. 1-D(6)/84-SFS]

D. D. SOOD, Under Secy.

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली; दिनांक 15 जुलाई, 1985

का. आ. 3408.—यस: 23 जून, 1985 के, भारत में पंजीकृत एयर इंडिया बोइंग 747-237 बी विमान बी टी-ई एक प्रो. मद्रियाल (कनाडा) से उड़ान संख्या ए आई-182 का प्राबलन करते हुए एटलांटिक महासागर में गिर कर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके परिणामस्वरूप विमान पर सवार 329 व्यक्तियों (22 कर्मीय सदस्यों सहित) की मृत्यु हो गई ।

यस: केन्द्रीय सरकार का यह मत है कि संबंधित दुर्घटना परित्यक्तों की औपचारिक जांच करवानी अभीचीन होगी;

यस: जब वायुयान अधिनियम, 1937 के नियम 75 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह निदेश देती है कि संबंधित दुर्घटना की औपचारिक जांच की जाए ।

केन्द्रीय सरकार दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री बी. एन. कृपण न्यायाधीश को जिन्हें आगे "न्यायालय" कहा जाएगा उक्त जांच के लिए नियुक्त करती है ।

केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित को भी उक्त जांच में निर्धारक के रूप में नियुक्त करती है :—

1. डा० बी० रामाचन्द्रन,
राष्ट्रीय वैमानिक प्रयोगशाला,
बंगलूर ।
2. श्री जे०एस० धरिया,
विस्फोटक अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला, पुणे ।
3. कैप्टन जे० एस० हिल्लो,
विमानचालक और प्रचालन निदेशक, एयर इंडिया (सेवा निवृत्त)
द्वारा प्रबंध निदेशक, एयर इंडिया,
बम्बई ।
4. श्री जे० क० मेहरा,
प्रबंधक (तकनीकी प्रशिक्षण),
केन्द्रीय प्रशिक्षण स्थापना, इंडियन एयरलाइन्स (सेवा-निवृत्त),
द्वारा प्रबंध निदेशक, इंडियन एयरलाइन्स,
नई दिल्ली ।
5. कैप्टन बी०के० धसीन,
उप प्रबंधक निदेशक और निदेशक, उड़ान सुरक्षा, इंडियन एयर
लाइन्स नई दिल्ली ।
न्यायालय अपनी जांच पूरी करके अपनी रिपोर्ट 31 दिसम्बर, 1985
तक केन्द्रीय सरकार को पेश करेगा ।
न्यायालय का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा ।

[एफ० सं० ए०बी० 15013/10/85-ए]

सुरेन्द्र सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th July, 1985

S.O. 3408.—Whereas on 23rd June, 1985, an Air India Boeing 747-2378 aircraft VT-EFO, an aircraft registered in India, while operating flight number AI-182 from Montreal (Canada), crashed into the Atlantic Ocean resulting in the death of 329 persons (including 22 crew members) on board ;

And whereas it appears to the Central Government that it is expedient to hold a formal investigation into the circumstances of the said accident ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 75 of the Aircraft Rules, 1937, the Central Government hereby directs that a formal investigation of the said accident be held.

The Central Government is further pleased to appoint Shri Justice B. N. Kirpal, Judge of the Delhi High Court (hereinafter referred to as "the Court") to hold the said investigation.

The Central Government is also pleased to appoint :

- (1) Dr. V. Ramachandran,
National Aeronautical Laboratory,
Bangalore.

- (2) Shri J. S. Gharia,
Explosive Research and Development Laboratory,
Pune.
- (3) Capt. J. S. Dhillon,
Pilot and Director of Operations, Air India (Retd.)
C/o Managing Director, Air India,
Bombay.
- (4) Shri J. K. Mehra,
Manager (Technical Training),
Central Training Establishment,
Indian Airlines (Retd.),
C/o Managing Director, Indian Airlines,
New Delhi.
- (5) Capt. B. K. Bhasin,
Dy. Managing Director and Director,
Flight Safety, Indian Airlines,
New Delhi.

to act as assessors to the said investigation.

The Court will complete its inquiry and make its report to the Central Government by 31st December, 1985.

The headquarters of the Court will be at New Delhi.

[F. No. Av. 15013/10/85-A]

SUURENDRA SINGH, Jt. Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1985

का० भा० 3409 —स्वायी 3 वीं संख्या 627 दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम 1951 के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार सहायक ने साबितवादि टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-8-85 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निर्णय किया है ।

[संख्या 5-10/85-पी०एच०बी०]
वी०आ० सिंह, सहायक महा-निदेशक

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P&T Board)

New Delhi, the 4th February, 1985

S.O. 3409.—In exercise of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs hereby specified 16-8-1985 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Sawantwadi Telephone Exchange Maharashtra Circle.

[No. 5-10/85-PHB]

B. R. SINGH, Asstt. Director General (PHB)

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1985

का. अ. 3440.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में केन्द्रीय सरकार पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण के पंचाट शुद्धिपत्र को प्रकाशित करती है।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 4th July, 1985

S.O. 3410.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Corrigendum/Award of the Central Government Industrial Tribunal Chandigarh as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank, and their workmen.

CORRIGENDUM

Dated the 6th of June, 1985

BEFORE SHRI I. P. VASISHTH, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CHANDIGARH

Case No. I.D. 138/83

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Punjab
National Bank,

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri Malvinder Singh.

For the Workmen—Shri V. S. Malhi.

INDUSTRY : Banking

STATE : Punjab

Sub. :—Award dated 10th of April, 1985 in I.D. No. 138/83 per Reference Order No. L-12012/26/83/D.II(A) dated the 9th of May, 1983 read with corrigendums dated 9th of June, 1983 and 28th of February, 1984.

On the recorded request of the parties the following clerical mistake is rectified in para No. 22 of the relevant Award.

"At serial No. 3 instead of Davinder Pal Singh the name of Nirma Singh be substituted and read as such."

I. P. VASISHTH, Presiding Officer
[No. L-12012/26/82-D.II(A)]D.IV(A)]

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1985

का. अ. 3411.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार, न्यू इण्डिया एशोरेंस कं. लि. के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बंगलोर के पंचाट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 26 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 5th July, 1985

S.O. 3411.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Common Award of the Industrial Tribunal, Bangalore, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of New India Assurance Co. Ltd., Bangalore and their workmen, which was received by the Central Government on the 26th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL
IN KARNATAKA, BANGALORE

Dated this the 15th day of June, 1985

PRESENT : Presiding Officer

Sri R. Ramakrishna, B.A., B.L.,

(1) Central Reference No. 5 of 1985

I PARTY

II PARTY

Vs.

Sri Annamalai, The Regional Manager,
C/o The Joint Secretary, New India Assurance
New India Assurance Co. Co. Ltd.,
Ltd.,
Southern Region
Employees Association, Unity Building Annexe,
Unity Building Annexe, Mission Road,
Mission Road, Bangalore-27.
Bangalore-27.

G.O. No. L-17012/47/84/D-IV. A dt. 6-3-1985

(2) Central Reference No. 6 of 1985.

Sri K.R. Ravi, Vs. -Do-
C/o -do-

G.O. No. L-17012/53/84/D-IV. A dt. 6-3-1985

(3) Central Reference No. 7 of 1985.

Sri Malikarjunaiah, Vs. -Do-
C/o -do-

G.O. No. L-17012/48/84-D-IV. A dt. 6-3-1985

(4) Central Reference No. 8 of 1985.

Sri Kempaiah, Vs. -Do-
C/o -do-

G.O. NO. L-17012/52/84/D-IV. A dt. 6-3-1985

(5) Central Reference No. 9 of 1985.

Sri Dayanand Vs. -Do-
C/o -do-

G.O. No. L-17012/51/84/D-IV. A dt. 6-3-1985

(6) Central Reference No. 10 of 1985.

Sri T. Rajendra Kumar, Vs. -Do-
C/o -do-

G.O. No. L-17012/49/84-D. IV. A dt. 6-3-1985

(7) Central Reference No. 11 of 1985.

Sri Ananth Raj, Vs. -Do-
C/o -do-

G.O. No. L-17012/50/84/D-IV. A dt. 6-3-1985

(8) Central Reference No. 12 of 1985

Sri T. Chandrappa, Vs, -Do-
C/o -do-

G.O. No. L-17012/46/84/D. A-IV.A dt. 6-3-1985

(9) Central Reference No. 13 of 1985

Sri Basavaraj, C/o -Do-

G.O. No. L-17012/54/84/D-IV.A dt. 14-3-1985

APPEARANCES

For all the I Party—Workmen:—Sri V. Lakshminarayana, Advocate, Bangalore.

For all the II Party—Management:—Sri C.K. Kambeyanda, Advocate, Bangalore

COMMON AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, shortly called Act, has referred the above noted disputes for adjudication to this Tribunal.

2. The point of dispute referred in Schedule is relating to the regularisation of services of various workmen working in the II Party managements. In view of this the common question referred to this Tribunal in accordance with the Schedule by the Government may be stated as follows:—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of New India Assurance Co. Ltd., Bangalore, in refusing to regularise the services of Sriyuts:—Annamalai, K.R. Ravi, M. Malikarjunaiah, Kampaiah, Dayanand, T. Rajendra Kumar, Anant Raj T. Chndrappa and Basavaraj, sub-staff, is justified? If not to what relief are the workmen concerned entitled?

3. Consequent to these reference the notices are issued to the parties concerned and they have appeared and filed their respective claim statements and counter statements. The statements and counter statements except the date of appointment, length of service, daily wages and all other material particulars being common to all the cases the averments of respective statements is hereunder narrated:—

4. In Reference No. 5/85 is contended by the workman that he has been appointed as sub-staff in the year 1980 on daily wages of Rs. 10/- and he has put in nearly 5 years of service as sub-staff member and therefore he is entitled for regularisation.

5. In Reference No. 6/85 the workman contended that he has been appointed as sub-staff in the year 1982 on a daily wages of Rs. 9 and it was subsequently raised to Rs. 12 and has put in nearly 3 years of service.

6. In Reference No. 7/85 the workman was appointed as a sub-staff in the year 1981 on daily wages of Rs.12/- and he has put in nearly 3 years of service.

7. In Reference No. 8/85 the workman contended that he has been appointed as a sub-staff in the year 1982 on daily wages of Rs.15/- and he has put in nearly 3 years of service.

8. In Reference No 9/85 the workman contended that he has been appointed as a sub-staff during July 1982 on the daily wages of Rs. 12 and he has put in nearly 2 years of service.

9. In Reference No. 10/85 the workman contended that he has been appointed as sub-staff during 1981 on the daily wages of Rs. 5 and he has put in nearly 4 years of service.

10. In Reference No. 11/85 the workman contended that he has been appointed as sub-staff during January, 1983 on the daily wages of Rs.10/- and he has put in nearly 2 years of service.

11. In Reference No. 12/85 the workman contended that he has been appointed as sub-staff in the year 1979 on daily wages of Rs. 12 and he has put in nearly 5 years of service.

12. In Reference No. 13/85 the workman has contended that he has been appointed as sub-staff in the year 1978 on the daily wages of Rs.15/- and he has put in nearly 7 years of service.

13. The Common contentions raised by all the above workmen for regularisation are briefly stated as follows:—

They have put in more than 240 days in each calendar year of service, that the work is available so far as regularisation is concerned and the II Party is postponing the same for the reasons best known to them. They have made applications for confirmation but it is not done on the ground that the recruitment rules provide a separate avenue for the purpose of recruiting. But the persons who have been appointed and employed as daily wage workers were absorbed without raising the technicalities of statutory requirements out in their cases the Corporation is raising all the technical pleas to evade their liabilities. In fact, mere yardstick was not at all applicable to the persons who are similarly placed and number of persons who have been absorbed and under these circumstances, non-consideration of the case of these workmen amounts to hostile discrimination and arbitrary. The various decisions rendered by the Supreme Court is of the view that the persons who have put in more than 240 days service cannot be terminated for want of work or qualification and they have got protection under the Industrial Law.

14. They have further contended that the Company being an Authority under Art. 12 of the Constitution of India is required to follow the principles underlying under Art 14 in view of the fact that confirmation was extended to the persons who are similarly placed which resulted in miscarriage of justice. The II Party have altered the conditions of service by asking orally not to come to duties and some cases they have forced to work for additional hours of work which amounts to alteration of service condition without notice. It is further contended that the Company has absorbed without raising any technical pleas of several persons and calling these workmen for interview does not arise as they have worked for more than 240 days. It is further contended that the Branch Managers and Divisional Manager have recommended the absorption of these workmen on the ground that the post is of a perennial nature as the nature of duties is not different from that being done by the permanent sub-staff.

15. It is further contended that under the Scheme provided in the year 1974 sub-staff have not been paid sufficient allowances and therefore requested to direct the management to pay the claims as and when materially available to workmen. They have been prevented from paying through their claims and it is one of the duties for the management to maintain the muster roll and the same should be summoned. They have further contended that the contention of the II Party that the contract of employment being temporary in nature becomes superfluous having regard to the fact that all the workmen have continuously discharging duties of perennial nature identical to those being discharged by permanent employees and there is no dissimilarity so far as the workmen are concerned.

16. The I Party workmen have prayed to pass an award to confirm them in their posts from the date on which they fell vacant and also the date on which their juniors have been confirmed and to grant all consequential benefits from the date of confirmation and also the costs of these proceedings.

17. The II Party have filed a common counter statement in all these disputes denying all the contentions raised by the I Party workmen including the daily wages and years of service. It is further contended that the service registers

maintained by them do not disclose the I Party either serving the company or the staff attendance register is signed by the I Party to indicate they have put in more than 240 days in each calendar year. It is further contended the II Party is a Government company and the appointment to any category of post is regulated by the Recruitment Scheme and these regularisations are required to be adhered to by the II Party which includes the category of sub-staff.

18. It is further contended that the clerical and subordinate staff are governed by the terms and conditions as are set out in the scheme notified by the Government of India on 27-5-1974 which have been amended from time to time which is the subject-matter of challenge before the Hon'ble Supreme Court in W.P. 5370/74 of 1980 wherein an interim injunction was prayed and obtained where by the Hon'ble Supreme Court stayed the implementation of the amended scheme pending disposal of the writ petition. As a consequence of the stay order there was a stalemate until the Hon'ble Supreme Court pronounced its judgment on 21-3-1984 allowing the writ petitions and quashed the 1980 amended scheme. In these intervening period no regular appointments could be made nor any of the vacancies could be ascertained and declared in accordance with the recruitment procedure which provided for reservation of some vacancies for scheduled castes and schedule tribes, physically handicapped persons, ex-servicemen etc. In the absence of such vacancies being declared and reserved the question of calling for applications and/or making appointments on the basis of the scheme did not arise till March 1984.

19. It is further contended that the II Party being bound by the statutory directions could not have made appointments to any category of posts due to the facts the regulations contemplated recruitment of sub-staff on the basis of qualifications after adhering to the reservation policy of the Government of India following the roster maintained by the Employment Exchanges. It is further contended the question of confirmation therefore is contrary to recruitment scheme and the same cannot be violated.

20. The II Party further denied for regularising other sub-staff employed by them and contended that the recruitment has been made only on the basis of fulfilling recruitment regulations and qualifications. They have further denied the allegation that the I Party workmen have put in 240 days in any year and there was no contract for labour and hence they are not protected workmen. They have further denied the violation of Article 14 and contended that the I Party have worked on a piece rate basis for doing odd jobs and they have been paid for the work fixed on contract rate therefore they do not come within the definition of the workman under Sec. 2(s) of the Act. Hence there was no question of subjecting them for disciplinary action and marking of attendance register etc.

21. It is further contended that the I Party have appeared for interview and they having failed to qualify cannot take shelter under the above proceedings for regularisation. The very fact that the I Party have applied for the post and were not selected is indicative of the fact they were not in employment of the II Party at any time. They have also denied that the I Party workmen were appointed in respect of a duty of a perennial nature. It is further contended that in these cases the II Party is neither the employer nor the I Party is a workman hence the allegation of alteration of conditions of service is misconceived. They have further contended the prayer cannot be granted as the I Party not being a workman or an employee of the II Party they cannot claim equality of treatment with regard to employees appointed under the recruitment scheme. Hence they prayed that the proceedings be dropped as not maintainable and an award be passed disallowing the contentions of the I Party workmen.

22. When these disputes were posted for framing additional issues the Joint Secretary of Employees Association one Sri G. Krishna has filed a memo for withdrawal of all the disputes referred to above. It is contended in the memo that they may be permitted to withdraw the references on

the ground that the II Party Management have given assurances that the cases of all the eligible workmen could be considered subject to the condition that the workmen should withdraw the cases.

23. After perusing the counter statement filed by the II Party in all these disputes a specific ground made out is that their Industry is governed by the terms and conditions of a Scheme notified by Government of India on 27-5-1974 applicable to the clerical and subordinate staff. This scheme was amended from time to time and the same was the subject-matter of writ petitions before the Hon'ble Supreme Court filed by Ajay Kumar Banarejee and others and a judgment was pronounced on 21-3-1984 quashing the 1980 amended scheme. During the intervening period of the writ petitions and before its final disposal the regular appointments could not be made nor the vacancies could be ascertained in view of the reservation policy to various categories and giving priorities as per the roster maintained by the Employment Exchanges.

24. On these conditions along with several other contentions raised by the II Party it looks, after disposal of the writ petitions before the Hon'ble Supreme Court of India the avenues are opened for the management to regularise the services of the workmen referred in the above disputes. Hence I make the following award:

AWARD

The I Party is permitted to withdraw the references and consequently an award is passed rejecting the references. Parties shall bear their own costs.

Keep a copy of this award in each of the file.

(Dictated to the Stenographer, transcribed and typed by him and corrected by me).

R. RAMAKRISHNA, Presiding Officer,

[No. L-17012/46/84-D.IV(A)]

नई दिल्ली, जुलाई, 1985

का. अ. 3412.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार विशाखापत्तनम पोर्ट ट्रस्ट के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकों के बीच अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2 जुलाई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 5th July, 1985

S.O. 3412.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Visakhapatnam Port Trust and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd July, 1985.

**BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD.**

PRESENT :

Sri J. Venugopal Rao,
Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 23 of 1982

BETWEEN

The workmen of Visakapatnam Port Trust.
Visakhapatnam.

AND

The Management of Visakhapatnam Port Trust.
Visakhapatnam.

APPEARANCES:

Sri G. Bikshapathi, Advocate—for the workmen.

Sarvasri K. Srinivasa Murthy and K. Satyanarayana
Rao, Advocates—for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-34011/4/82-D.IV(A) dated 9-6-1982 referred the following dispute under sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Visakhapatnam Port Trust, Visakhapatnam to this Tribunal for adjudication:

“Whether the action of the management of Visakhapatnam Port Trust in denying the payment of one day's extra wages to the Maintenance Staff, who get weekly off, on the 6th January, 1980 being holiday for elections to the Lok Sabha, is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?”

This reference was registered under Industrial Dispute No. 23 of 1982 and notices were issued to the parties.

2. In the claims statement it is mentioned that the Government of India by special Notification declared 6-1-1980 as a paid holiday in the light of the general election, for the entire factory. The management of Visakhapatnam Port Trust, Visakhapatnam employed various workers for its operations and 6-1-1980 incidentally happened to be Sunday which matters less either for maintenance or field staff. The Management declared weekly off to various workers depending upon the nature of work and proper distribution. Under this arrangement the same categories of employees get Sundays weekly off for the same period. Therefore it is obvious that the Management had to declare paid holiday for all the sections of the employees. As per wage Revision Recommendations Para 8.43 the employees are eligible for 1-1/2 days extra wages for the work done on weekly day of rest or for festival or National holidays if no compensatory off is given. If compensatory off is given the employees are paid 1/2 days extra wages. Even if the weekly off falls on the notified paid holiday the employees are given one extra day wages. Therefore the employees are entitled for one day extra wages when the rest day coincides with notified paid holiday.

(a) The Respondent-Management declared 6-1-1980 as additional paid and closed holiday. The Respondent-Management paid extra one day wages to all the workers except the ministerial and maintenance staff. The ministerial staff raised this dispute on the subject and the same is pending in the court in I.D.No.10 of 1981. The present reference relates to maintenance staff while the case of the Ministerial staff stands on a different footing. In the case of maintenance staff, they are covered under wage Revision Recommendations. The Management cannot discriminate the workmen who enjoy the weekly off on Sunday either by rotation or by permanent arrangement. Therefore it is necessary to pass an Award holding that the Management is not justified in denying extra wage to Maintenance staff on 6-1-1980 and

to direct the Management to pay one day's extra wages immediately

3. In the counter of the Management, it is mentioned that the Port & Dock Employees Association was formed in 1970. It is Sectional Association and it is not a recognised Union. Thus it has no locus-standi to raise the dispute. It is true that in the year 1980 general elections to the Lok Sabha were held on 6-1-1980 and it incidentally happened to be Sunday. The Government of India issued orders to Port Trust that the additional paid holiday might be granted to the employees on the polling day in the particular area, if it did not fall on a Sunday or paid holiday provided State Government had declared that day as a local holiday in the area. 6-1-1980 (Sunday) was the Polling day for the Lok Sabha constituency and the State Government declared that that day as a local holiday. Accordingly holiday was declared for the workers of Port Trust on 6-1-1980 who are normally required to work on Sundays having some other day as their weekly off. No holiday was declared for maintenance staff who were not on duty on 6-1-1980 (Sunday) as they were already having a holiday. The purpose of declaring holiday on the above date for workers was to enable them to exercise their franchise. However if any of the essential categories of employees especially those connected with the Cargo handling operations etc., worked on that day, they were either paid 1-1/2 days extra wages without compensatory off or were given compensatory off with half-a-day's extra wages. As on separate holiday was declared for those who are not on duty on 6-1-1980 they are not eligible for any extra wages. Their allegation in the claims statement contra are not true. The maintenance staff are eligible for two restricted holidays also in addition to 16 effective holidays. The Shore Labourers are given 9 effective holidays and casual labourers are given 4 effective holidays including three National holidays during the calendar year. The wage Revision Committee as shown in para 8.43 will not give benefits sought for to the Petitioners. These petitioners should have impleaded as party in I.D. No. 10 of 1981 instead of resorting to separate reference. The workers whose weekly off coincided with declared holiday on 6-1-1980 were given benefits of one day's extra wages but not other workers whose weekly off coincided with the above declared holiday. Casting of vote as a citizen in a public election cannot be treated as performing duty on employment for purpose of paying wages. On a previous occasion when assembly election took place on 25-2-1978 which was Saturday and working day the Management declared holiday on that day as a holiday to maintenance staff in accordance with the established practice in vogue. The petition is devoid of any merits.

4. The workmen examined two witnesses as W.W.1 and W.W.2 and Exs.W1 to W3 were marked. On the other hand the Management examined witness as M.W.1 and marked Exs.M1 to M4.

5. W.W.1 is one A Rahman who is the General Secretary of Port and Dock Employees Association 6-1-1980 was declared holiday by Government of India for the purpose of voting in the Lok Sabha elections. Port Trust, Visakhapatnam declared that as a holiday. The workers who were on roster weekly off were given additional one day wages. For the roster off means the workers are given weekly off changing from Monday to Sunday depending upon the nature of work. He marked Ex. W1 order of Port Trust sanctioned extra wages on 6-1-1980 Ex. W2 is the representation made by the Union demanding similar wages to them. In the conciliation talks which resulted in failure, Port was submitted and the same is marked as Ex.W3. In 1977 general election the employees were given wages when holiday was declared whether they were having weekly off or not. He denied that Ex.W1 applies only to those who are having roster weekly off on 6-1-1980. According to him the employees concerned in this dispute did not work on 6-1-1980

6. W.W. 2 is one K. Parasasinaidu who is Assistant Ward keeper in the Port Trust. It is his case that on 6th January, 1980 general election day they were not paid extra wages while the other workers in Ore Handling Complex, Traffic Department etc. were paid one day extra wages even though

their weekly off was Sunday. He conceded that the employees in Ore Handling would be having different shifts and they work on Sundays also, and those workers would be having weekly offs on different days in a week and not Sunday alone were paid one day extra wages.

7. M.W. 1 is Assistant Personnel Officer by name P. S. N. Murthy. According to him the maintenance section Motor section, workshop are completely closed on 6th January, 1980. Those sections close on all Sundays and not specifically because 6th January, 1980 was declared as an Election Holiday. All the sections which are connected with Cargo handling operation, and where man to man relief is essential, they work on all the days including Sundays. He conceded that this Union was registered subsequently in 1964 and there were four recognised Unions which were registered in 1964. According to him the persons who were employed as essential services as man to man relief round the clock also get weekly off on 6th January, 1980 to the extent of 1/7th of the staff.

9. The admitted facts are the Visakhapatnam Port Trust employed various categories of workmen in various sections. Most of the employees of the Port Trust do not have a fixed holiday. They get holiday by rotation as the Port works round the clock. It is compulsory that employees should get one day off in a week and no one is entitled out of right to choose any particular day as a holiday. It depends on which day the holiday falls due to rotation and only on the days which have been declared as Holidays as notified as such for a particular employee, he will be entitled for either compensatory off or additional wages if he is called upon to work on those days. In fact para 8.43 of the wage agreement reads as follows:—

"Payment for work on a weekly day of rest or on a festival or national holiday shall be made to all employees at the rate of one and a half times the daily rate and a compensatory day off shall be given; if it is not feasible to give a compensatory day off, the rate shall be two and a half times the daily rate for employee entitled to a paid weekly day of rest or a paid festival or national holiday and one and a half times the daily rate for those not so entitled."

9. It is admitted that 6th January, 1980 is declared as holiday due to general election. It happened to be a Sunday incidentally. The workers represented by the Union in the instant case is maintenance staff and Port Workshop. Maintenance staff of Motor Vehicle Section and Mobile etc., work in general shift and have fixed weekly off on Sunday. As per the wage agreement, para 8.43 employees are eligible for 1-1/2 days wages for work on weekly day of rest or on festival or National holidays if no compensatory off is given. If compensatory off is given employees are paid 1/2 day extra wages.

10. Now it is admitted for one day extra wages to the ministerial staff were paid on 16th March, 1977 due to the election to the Assembly and 16th March, 1977 happened to be Wednesday which is a working day. On 16th March, 1977 it was declared as a special holiday. Similarly on 25th February, 1978 holiday was declared for workers as well as maintenance staff in connection with the general election to the A. P. Legislative Assembly when that polling day fell on Saturday which was not a holiday for the maintenance staff.

11. It is the Management's contention that the workers whose weekly off while coincided with the declared holiday they were given the benefit of one day extra wages but not other workers whose weekly off did not coincide with the above declared holiday. According to them it is established principle from the very beginning that certain categories of employees of Port have been enjoying general holiday on every Sunday during the entire year. Since the general election fell on Sunday which is a general holiday in most of the categories that they need not be given extra wage. In the case of certain other categories whose weekly off changes from time to time such employees have been paid one day

extra wage if such weekly off fall on Sunday 6th January, 1980. It is maintained by the Management in the present case, the sections referred to by the Association have got fixed general holiday on Sunday which does not meet any extra wages on account of general election which fell on Sunday i.e., 6th January, 1980. On the other hand the workers contended that Motor Vehicle Section Workshops, Electrical Maintenance Section, Mobile Train, Dry Dock, Out Door repairing sections, Flooding Crafts etc., the Management was paying one day extra wages as could be seen under Ext. W1 and W2. Therefore, they demanded one day wages should be paid to the maintenance staff also i.e., (these employees) when they declared 16 public holidays as per the Wage Committee Recommendations, though it is on Sunday.

12. A careful perusal of the Wage Revision Recommendations in para 8.43 would show that payment for work on weekly holidays of rest, pre-supposes that the Port Authorities should call the employee to do some work relating to the working of the Port and it does not apply when the Management did not call them to any work either during weekly day of rest or on holiday. It is true that on 6th January, 1980 which is admitted to be Sunday it was declared to be holiday by Notification issued by Government of India for purpose of polling for Lok Sabha election. This was done to enable everyone to exercise his franchise. Holiday was not declared to enable the employees to come for work nor did they come and did any work in the Port. The employees of the Port Trust are allowed 16 effective holidays including National holidays during the calendar year. The Maintenance staff are eligible for two restricted holidays also in addition to the 16 effective holidays. Admittedly for the maintenance section Sunday being weekly holiday they need not come for work on that day. The question of giving compensation to the maintenance staff whose weekly off falls on Sunday does not therefore arise. Compensation will arise only when they are deprived of the holiday and made to work and they are compensated for the work done by coming to the Port to carry out the work which otherwise could not be done. The condition precedent is that the employees are entitled for one day of rest for work and they should not be allowed to work on all the 7th days in a week without they getting weekly off.

13. The contention of the workers that the Chairman declared 6th January, 1980 as paid holiday to all the workmen whose weekly off fell on 6th January, 1980 and that the Visakhapatnam Port Trust paid one extra wage to all the workers except the maintenance and ministerial staff seems to be not correct. On an earlier occasion on 16th March, 1977 which is a polling day for general election it is declared as paid holiday. All the employees irrespective of the weekly off day were given one day extra wages is not correct. But on 16th March, 1977 as per M.W. 1 the said extra wages were paid only to staff who had staggered weekly off. Others only the paid holiday because it is a declared holiday. In the instant case it is true regarding certain other categories similar to other categories for those which it was a working day they were paid one day wages but these workers who are having regular weekly holiday of rest cannot claim the same. According to M.W. 1 the Management agreed to pay extra wages to those who worked round the clock where man to man relief is essential but the Management never agreed to pay extra wages to staff of maintenance section. According to him the persons who are employed as essential services as man to man relief round the clock also got weekly off on 6th January, 1980 and among these persons about 1/7th of the staff must have weekly off on 6th January, 1980 and for those persons they were paid extra wages pursuant to Ex. W1. The counsel for the workman contended that no such distinction is made between the Maintenance section and other sections and there is no specific order excluding the maintenance staff for getting one day extra wages. It is contended vehemently that the workmen whose weekly off fell on Sunday are given one day extra wages and therefore no reason why the maintenance staff whose weekly off fell on Sunday should be deprived. According to him it clearly amounted to discrimination which cannot stand reasonableness. I do not think that the said contention is correct. The employee who

is enjoying weekly off by rotation being employee of essential services as man to man relief round the clock. The maintenance staff who is enjoying weekly off on every Sunday as a matter of course after going six days work have got difference in their duties. The maintenance staff are having fixed holiday on every Sunday whereas the essential services who work man to man relief round the clock got out of 1/7th of the staff weekly off by rotation. It so happened to be a weekly off on 6th January, 1980 only that particular rotation staff who are available i.e., to the extent of 1/7th who must have got weekly off on 6th January, 1980 being the members of essential services were paid wages to the exclusion of maintenance staff. The maintenance staff avail weekly off on Sunday holiday cannot be declared merely to give benefits of extra day's wage to the Maintenance staff on 6th January, 1980 which happened to be Sunday holiday was declared for workers and Store labour only. Therefore the question of payment of extra wage arise only to such of the maintenance staff on duty on 6th January, 1980. It is not the case of these workers who are having regular holiday of weekly off being Sunday did any work or the management called them to duty to do work and thus they are not entitled for extra wages. There is no discrimination. It is not correct to say that an employee who is enjoying weekly off by rotation and an employee is having weekly off on fixed day should be treated on same par, there is difference for the purpose of payment of extra wages for both the cases. In the case of persons who get weekly off by rotation the essential services as man to man relief round the clock only 1/7th of the said strength get additional benefit and not all the 6th day rotation to a particular number of staff by chance fell on 6th January, 1980 which happened to be holiday, so they were paid wages. They are part of the essential services and they are working round the clock. Whereas in the case of those who are having weekly off on a fixed day i.e. Sunday they are not entitled for any extra wages. It is no doubt true that the circular issued on 14th July, 1980 under Ex. W1 mentioned about the payment of extra wages and the Chairman accorded sanction to the employees of C.E/CNE/DC/TM/F&CAO/DIRECTOR (R&P)/COS/CMO ETC. It cannot be said that the said circular Ex. W1 is unequivocal and unambiguous while the maintenance staff get a permanent holiday on every Sunday to those workers whose weekly off by chance coincided with the declared holiday will not have a permanent rotational holiday on Sunday. Ex. W1 is only an answer to the letter addressed by the concerned department and thus a clarification given with reference to their request. So 1/7th of the staff have such disadvantage by working on rotation being in essential services were given the benefit of one day extra wages but not to other workers. The evidence of M.W. 1 would show that when the election took place on 25th February, 1978 or on 16th March, 1977 those charges were not on weekly holiday like Sundays and therefore the maintenance staff were also paid extra wages and the policy of the management cannot be construed to be inconsistent when it is admitted weekly. The workers who had privilege of being having weekly holiday being a Sunday cannot have further benefit of extra wages while enjoying weekly holidays which was a privilege given to them as a matter of course. I, therefore, hold that the Management of Visakhapatnam Port Trust was justified in not granting one day extra wages to the maintenance staff who got weekly off on 6th January, 1980 being paid holiday for them and the workmen are not entitled for any relief.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 17th day of June, 1985.

Sd/-

Industrial Tribunal.

APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses examined for the workmen.

- (1) W.W. 1 A. Rahman.
- (2) W.W. 2 K. Paradesi Naidu

For the Management.

- (1) M.W. 1 P. N. Murty.

Documents marked for the workmen.

- (1) Ex. W. 1—Letter Dated 14-7-80 addressed by the Secretary Visakhapatnam Port Trust, to CE/CME/DC/TM/FA&CAO/Director (R&P)/COS/CMO, regarding the payment of extra wage.
- (2) Ex. W2 Letter dated 18-7-80 addressed by A. Rehman General Secretary, Port & Dock Employees Association to all members, P&DEA/VSP, regarding the payment of extra wage for work on 6-1-1980, the date of General Elections.
- (3) Ex. W3—Failure of conciliation report No. 16/20/81-ALC dated 11-2-82 submitted by Assistant Labour Commissioner (C) Visakhapatnam, to the Secretary to the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi.

Documents marked for the Management.

- (1) Ex. M1—Circular No. F/1486/61, dated 9-5-72 with regard to revision of Office working hours.
- (2) Ex. M2—Award in I.D. No. 10/81 and its publication.
- (3) Ex. M3—Report of wage revision committee for Port and dock workers at major ports.
- (4) Ex. M4—Working hours at Visakhapatnam Port Trust.

[No. I-34011/4/82-D.IV(A)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1985

5. को. अ. 34111—अद्योधिक विवाद अधिनियम 1947 (1947)
- 4) के. धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रिय सरकार भारतीय खाद्य निर्यात निगम के अध्यक्ष से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुष्ठान में निविष्ट अद्योधिक विवाद में अद्योधिक अधिकारण, हैदराबाद के संघाट को प्रेषित करने हेतु जो केन्द्रिय सरकार को 1 जुलाई 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 5th July, 1985

S.O. 3413.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Industrial Tribunal Hyderabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Kurnool, and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st July, 1985.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal.
Industrial Dispute No. 103 of 1984

BETWEEN

The Workmen of the Food Corporation of India,
The Workmen of the Food Corporation of India,
Kurnool, A.P.

AND

The Management of Food Corporation of India,
Kurnool.

APPEARANCES :

Sri Md. Miskin Iqbal, Industrial Law Consultant—for
the Workmen.

Sri M. V. Bharathi, Advocate—for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-42012(13)/84-D.V. dt. 29-11-1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.) to this Tribunal for adjudication :

"Whether the management of Food Corporation of India, Kurnool is justified in terminating the services of Shri S. Basheer, Ex-Watchman with effect from 6-5-1977. If not to what relief the workman is entitled ?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 103 of 1984 and notices were issued to the parties.

2. In the claims statement the Petitioner, ex-Watchman of F.C.I. represented that he worked as daily rated watchman from 7-2-1976 to 5-5-1977 at the F.C.I., Thimancherla and that his services were terminated from 5-5-1977 for no fault of his though the F.C.I. Head Office, New Delhi issued a Gazette Notification dated 4-2-1976 for regularisation of service of daily rated watchman who were recruited directly by giving an opportunity while conducting interview along with the candidates sponsored by the Employment Exchange. It is mentioned that the District Manager of F.C.I. did not adhere to the circular but removed him from service and thereupon he made representation to various authorities and finally the matter was represented to the Assistant Commissioner of Labour (Central) for intervention and the matter was referred to the Tribunal for adjudication. So it is requested that he should be paid all back wages since 5-5-1977 till the date from which the reinstatement will be done and for also continuity of service with terminal benefits from the date of his first appointment on 7-2-1976.

3. In the counter, it is mentioned that the claimant petitioner worked only from 7-2-1976 to 6-5-1977 with breaks and thus he worked for 15 months. It is contended that the Industrial Disputes Act has no application as he had no continuous service for one year and thus he is not entitled to any reliefs under the Act. The Management further mentioned that Gazette Notification referred to is not applicable to him since he is not exempted from the conditions of sponsorship by the Employment Exchange. It is mentioned that he is not regularly appointed or continued in Employment and thus the question of non-compliance with the Gazette Notification did not arise.

(a) It is mentioned that the daily rated watchman were found surplus on 17-1-1977 and hence the service of the claimant had to be terminated while the service of the senior watchmen were regularised. The petitioner is only working at hired godowns, Kurnool and they were de-hired and the process of de-hiring and closure of godowns were under taken phase-wise and ultimately the godowns were de-hired on 16-1-1978.

(b) So it is mentioned that the worker has no right to challenge the termination order since his services were terminated by reasons of closure of godowns and closure of activities/business at Kurnool Godown which were de-hired infact. The petitioner is not entitled to be called for interview. Moreover the Petitioner is guilty of latches for not raising a dispute over a period of five years. If this petition is entertained the administration will be confronted with numerous personal problems. There is no comparison between the cases of the others to whom the petitioner made reference.

(c) The management further submits that the Gazette Notification dated 4-2-1976 will not be applicable to the petitioner and he is not entitled to claim benefit thereof.

4. The Petitioner examined himself as W.W1 and marked Exs. W1 to W7. On the other hand the Management examined one Sri I.V. Ramana Murthy and marked Exs. M1 and M2.

5. The sum and substance of the evidence of W.W1 is that under Ex. W1 he was appointed as Watchman on daily rated basis from 7-2-1976 to 5-5-1977. According to him he made representations to the Department to take him into employment and he approached the authorities concerned with his employment card. Finally the matter was raised before the Conciliation Officer under Ex. W2 and the conciliation proceeding failed.

6. He pointed out that Sri ramamurthy, S. A. Basha and S. Arshad Basha were reinstated as per Exs. W3, W4 and W5 while he was not considered and the management applied inconsistent in similar circumst ances of the workers. He filed the Notification dt. 4-2-1976 as Ex. W6 wherein the Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971 were amended paying way for consideration for such employees for interview. It is his case that he was not called for interview along with the sponsored candidates from the Employment Exchange though he had experience. He requested that he should be reappointed on the lines as was done in the case of Arshad Basha, S. A. Basha and Sriramamurthy. In the cross examination he admitted that he did not complete 240 days continuously but he worked for 388 days with breaks. He denied the suggestion that the case of S.A. Basha, Arshad Basha and Sriramamurthy are different from his case. He denied that Ex. W6 has no application to him as he was appointed subsequent to the commencement of the said G. O.

7. On behalf of the Management, the then District Manager, Kurnool was examined and marked Exs. M1 and M2. Ex. M1 is the service particulars of the petitioner. It showed that the petitioner was in Thimancherla hired godowns. Ex. M2 showing de-hired godowns during the years 1975-76 and 1976-77. According to him this godown was de-hired on 28-5-1977. In the cross examination he admitted that he was not aware of Ex. W6 issued by the Head Office, New Delhi which he saw subsequently. He conceded that there is recruitment of watchmen after this retrenchment and according to him as the contents of Ex. W6 was general in nature the same was not implemented.

8. The facts are not in dispute. The evidence of W.W1 as well as the claims statement read with Ex. M1 would show that the petitioner (W.W1) worked as daily rated watchman from 7-2-1976 to 5-5-1977 with breaks as shown in Ex. M1. He was terminated on 5-5-1977. It is admitted that he worked for all 388 days with breaks. The argument of the management is that the Industrial Disputes Act had no application as he did not complete 240 days continuous service of attendance for eligibility for consideration under the provisions of the I.D. Act etc. has no application to the present facts on the basis of Exs. W3, W4 and W5. Ex. W3 is a Notification with reference to Sriramamurthy, Ex-Watchman regarding his termination of services on which the Government of India, Ministry of Labour issued instructions to the Regional Manager. It is clarified that the said Srirama Murthy be reinstated on the same terms and conditions on which he was working earlier and the intervening period when the workman services were terminated and when he is to be reinstated should be treated by the Food Corporation of India without back wages but at the same time with continuity of services for the payment of terminal benefits. Thus it was mentioned that it was not a fit case where the matter should be referred to industrial adjudication. The factum of issuing such instructions in the case of Srirama Murthy were borne out by Ex. W3 and the same were not denied. Similarly in the case of S. A. Basha who was also an ex-watchman, there terms of settlement dated 16-2-1983 between the parties showing that the Management (F. C. I.) Kurnool was reinstating S. A. Basha, Ex-Watchman with effect from 1-3-1983 on the same terms and conditions as he was working earlier and that the reinstatement should be without back wages but it would affect continuity of service for the payment of terminal benefits and they were asked to send implementation report with reference to the said Settlement. In the said case as could be seen under Ex. W4 the Watchman was appointed as daily rated basis from 22-12-1975 onwards till 18-11-1976 with breaks and

he was removed from service and the matter was pending before the Conciliation, the parties representing the Food Corporation of India Management as well as the representative of the workers (Md. Miskin Iqbal) arrived at the said Settlement as mentioned therein. This is also not disputed. Similarly under Ex. W5 dated 16-2-1985 on the same date in the case of S. Arshad Basha who was an ex-Watchman, similar orders were passed reinstating him without back wages but giving him continuity of service with terminal benefits. These proceedings under Exs. W3, W4 and W5 would show that the Management has considered similar cases of ex-watchman who were terminated though they have not completed 240 days continuous service in a calendar year by reinstating them in 1982-83 as could be seen thereunder. In this context Ex. W6 is relevant. Ex. W6 dated 4-2-1976 is a Gazette Notification published in India Gazette with regard to the Staff Regulations of the F.C.I. 1971. It is mentioned that "Provided further that such of the employees who were recruited on daily rate basis for period of less than 3 months on or purely temporary basis and whose services have been retained after allowing periodical breaks shall also be eligible to be considered for appointment against direct recruitment along with the candidates sponsored by the respective Employment Exchanges." This Notification issued by the Government of India for Food Corporation of India, Head Office. It clearly mentions that those persons who were having periodical breaks and whose services were retained after allowing these breaks shall also be eligible to be considered for appointment along with the direct recruited candidates sponsored by the Employment Exchanges. In the instant case it is prima facie borne out and admitted by M.W1 also that this petitioner is not called for interview along with other candidates sponsored by the respective Employment Exchanges when there were direct recruitment. It is admitted by M.W1 that 171 persons were newly recruited after these persons were retrenched. On the face of Ex. W3 to W5 when similarly situated persons were reinstated without back wages but giving continuity of service for payment of terminal benefits as it happened to Srirama Murthy, S. A. Basha and S. Arshad Basha and when there is clear amendment to the regulation of the F.C.I. stating that these persons who were having periodical breaks and those who have been recruited on daily rated basis for a period of not less than 3 months also or purely temporary basis are eligible for being called for interview, and when they are not been called for interview and when petitioner made representation and the same was not considered; it is incorrect and illegal to take a stand that this petitioner is not entitled for similar treatment on the basis of Regulations of F.C.I. which are in fact enforced in other cases i.e. Exs. W3, W4 and W5. Ex. W7 would show that 171 persons were recruited. If Ex. W6 Regulations are properly applied and considered, the person who is temporarily appointed as Watchman even if there is de-hiring of godowns and his services were terminated on 5-5-1977 the Management should have considered his application along with the applicants sponsored by the Employment Exchange in view of his past experience in the same field and he should have been preferred in the given circumstances. Exs. W3, W4 and W5 would strengthen the case of the petitioner since they too had similar practice and the Management did not hesitate to have a settlement with them though they did not complete 240 days continuous services in a calendar year in the light of the said Gazette Notification under Ex. W6. Ex. W6 is a boon for such workers and they were terminated under the Regulations of the F.C.I. and thus the petitioner is entitled to claim benefits there of even he is appointed subsequently.

9. Thus on a consideration of the entire material placed before me, I hold that the Petitioner is entitled to be reinstated forthwith without back wages but with continuity of service for the purpose of payment of terminal benefits. The petitioner also expressed his willingness to work at any where if posted in the entire Zone and the same will not also come in way of administration for fixing them properly without inconvenience to any one Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 18th day of June, 1985.

Sd.- Industrial Tribunal

Appendix of Evidence

Witnesses Examined

For the Workmen

W.W1 S. Basheer.

Witnesses Examined

For the Management

M.W.1 I. V. Ramana Murthy.

Documents marked for the Workmen :

- Ex. M1 Certificate dt. 2-16-77 issued by the Assistant Manager, Food Corporation of India, Timmancherla to S. Basheer.
- Ex. W2 Minutes of Conciliation Proceedings filed on 23-3-84 under Section 12(4) of I.D. Act, 1947 in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their Ex-Workman S. Basheer with regard to alleged illegal termination of his services as daily rated watchman.
- Ex. W3 Photostat copy of the order No. L-42012(3)/82-FCI/D. IV(A) dt. 6-5-82 issued by the Desk Officer, Government of India, Ministry of Labour, New Delhi to C. Srirama Murthy with regard to his reinstatement in to Service.
- Ex. W4 Photostat copy of the Memorandum of Settlement arrived at under Section 12(3) of I.D. Act, 1947 during the conciliation proceedings held on 16-2-83 in the Office of District Manager, Food Corporation of India, Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their Ex-Workman S. A. Basha.
- Ex. W5 Photostat copy of the Memorandum of Settlement arrived at U/S. 12(3) of the I.D. Act, 1947 during the conciliation Proceedings held on 16-2-83 in the Office of District Manager, Food Corporation of India, Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of F.C.I. Kurnool and their ex-Workman S. Arashad Basha.
- Ex. W6 Photostat copy of the Notification dt. 4-2-76 issued by the Food Corporation of India, Head Office, New Delhi with regard to Food Corporation of India Staff regulations 1971.

- Ex. W7 Photostat copy of the Office Order issued by the F.C.I. Kurnool to 171 workmen.

Documents marked for the Management

- Ex. M1 Statement showing the attendance particulars of S. Basheer, Ex-Watchman.
- Ex. M2 Photostat copy of the Statement showing the details of Godowns hired/dehired during the years 1975-76 and 76-77.

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L-42012/13/84-D.V]

का. अ. 3414—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम कुरनूल के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 1 जुलाई 1988 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3414.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st July, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao,
Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 1 of 1985

BETWEEN

AND

The Workmen of Food Corporation of India, Kurnool
(A.P.).

AND

The Management of Food Corporation of India, Kurnool
(A.P.).

APPEARANCES :

Sri Md. Miskin Iqbal, Industrial Law Consultant—for
the workmen.

Sri M. V. Bharathi, Advocate—for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-42012(3)/84-D. IV/D.V. dated 22-12-1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10 (1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.) to this Tribunal for adjudication.

"Whether the management of Food Corporation of India, Kurnool is justified in terminating the Services of Shri G. Venkateswarlu Setty, Daily Rated Watchman with effect from 18-11-76? If not to what relief the workman is entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 1 of 1985 and notices were issued to both the parties.

2. In the claims statement the Petitioner-ex-watchman of F.C.I. represented that he worked as daily rated watchman from 23-12-1975 onwards till 18-11-1976 at the F.C.I. Kurnool and that his services were terminated from 19-11-1976 for no fault of his though the F.C.I. Head Office, New Delhi issued a Gazette Notification on 4-2-1976 for regularisation of services of daily rated watchmen who were recruited directly by giving an opportunity while conducting interview along with the candidates sponsored by the Employment Exchange. It is mentioned that the District Manager of Food Corporation of India did not adhere to the circular but removed him from service and there-upon he made representations to various authorities and finally the matter was represented to the Assistant Commissioner of Labour (Central) for intervention and the matter was referred to the Tribunal for adjudication. Thus the question of completion of 240 days of attendance for eligibility for consideration under the provisions of the Industrial Disputes Act did not arise when the specific instructions under reference are in force for appointment. So it is requested that he should be paid all back wages since 19-11-1976 till the date from which the reinstatement will be done and for also continuity of service with terminal benefits from the date of his first appointment on 23-12-1975.

3. In the counter, it is mentioned that the petitioner worked as daily rated watchman and has not worked for 240

days in a year continuously. It is contended that the Industrial Disputes Act has no application as he had not continuous service for one year and thus he is not entitled to any reliefs under the Act. The Management further mentioned that Gazette Notification referred to is not applicable to him since he is not exempted from the conditions of sponsorship by the Employment Exchange. It is mentioned that he is not regularly appointed or continued in Employment and thus the question of non-compliance with the Gazette Notification did not arise.

(a) It is mentioned that the daily rated watchmen were no more required since the hired godowns were closed. The petitioner is only working on hired godowns, Kurnool and they were de-hired and the process of de-hiring and closure of godowns were undertaken phase-wise and ultimately the godowns were de-hired on 16-1-1978.

(b) So it is mentioned that the workers have no right to challenge the termination order since his services were terminated by reasons of closure of godowns and closure of activities/business at Kurnool Godowns which were de-hired intact. The Petitioner is not entitled to be called for interview. Moreover the Petitioner is guilty of laches for not raising a dispute over a period of six years. If this petition is entertained the administration will be confronted with numerous personal problems.

4. The petitioner examined himself as W.W.1 and marked Exs. W1 to W8. On the other hand and the Management examined one Sri I. V. Ramana Murthy and marked Exs. M1 and M2.

5. The sum and substance of the evidence of W.W.1 is that under Ex. W1 he was appointed as watchman on daily rated basis from 23-12-1975 to 18-11-1976. According to him he made representations to the Department to take him into employment and he approached the authorities concerned with his employment card. Finally the matter was raised before the Conciliation Officer under Ex. W2 and the conciliation proceedings failed as per Ex. W3.

6. He pointed out that Srirama Murthy, S. A. Basha and S. Arashad Basha were reinstated as per Exs. W4, W5 and W6 while he was not considered and the management applied inconsistency in similar circumstances of the workers. He filed the Notification dated 4-2-1976 as Ex. W7 wherein the Food Corporation of India (Staff) Regulations 1971 were amended paving way for consideration for such employees for interview. It is his case that he was not called for interview along with the sponsored candidates from the Employment Exchange though he had experience. He requested that he should be reappointed on the lines as was done in the case of Arshad Basha, S. A. Basha and Sriramurthy. In the cross examination he admitted that he did not complete 240 days continuously without breaks. He denied the suggestion that the case of S.A. Basha, S. Arshad Basha and Sriramurthy are different from his case. He denied that Ex. W7 has no application to him as he was appointed subsequent to the commencement of the said G.O.

7. On behalf of the Management, the then District Manager, Kurnool was examined and marked Exs. M1 and M2. Ex. M1 is the service particulars of the Petitioner. It showed that the Petitioner was in Kurnool hired Godowns. Ex. M2 showing de-hired godowns during the years 1975-76 and 1976-77. According to him this godown was de-hired on 17-1-1977. In the cross examination he admitted that he was not aware of Ex. W7 issued by the Head Office, New Delhi which he saw subsequently. He conceded that there is recruitment of watchmen after this retrenchment and admitted that one watchman was recruited subsequent to this retrenchment as per Ex. W8. According to him as the contents of Ex. W7 were general in nature the same was not implemented.

8. The facts are not in dispute. The evidence of W.W. 1 as well as the claims statement read with Ex. M1 would show that the Petitioner (W.W. 1) worked as daily rated watchman from 23-12-1975 to 18-11-1976 with breaks as shown in Ex.

M1. He was terminated on 19-11-1976. It is admitted that he worked in all 276 days with breaks. The argument of the management is that the Industrial Disputes Act had no application as he did not complete 240 days continuous service of attendance for eligibility for consideration under the provisions of I. D. Act etc., has no application to the present facts on the basis of Ex. s. W4, W5 and W6. Ex. W4 is a notification with reference to Sri Sriramamurthy, Ex-Watchman regarding his termination of services on which the Government of India, Ministry of Labour issued instructions to the Regional Manager. It is clarified that the said Sriramamurthy be reinstated on the same terms and conditions on which he was working earlier and the intervening period when the workman's services were terminated and when he is to be reinstated should be treated by the Food Corporation of India without back wages but at the same time with continuity of service for the payment of terminal benefits. Thus it was mentioned that it was not a fit case where the matter should be referred to industrial adjudication. The factum of issuing such instructions in the case of Sriramamurthy were borne out by Ex. W4 and the same were not denied. Similarly in the case of S.A. Basha who was also an Ex-Watchman, there were terms of settlement dated 16-2-1983 between the parties showing that the Management (F.C.I.), Kurnool was reinstating S. A. Basha, Ex-Watchman with effect from 1-3-1983 on the same terms and conditions as he was working earlier and that the reinstatement should be without back wages but it would affect continuity of service for the payment of terminal benefits and they were asked to send implementation report with reference to the said settlement. In the said case as could be seen under Ex. W5 the Watchman was appointed daily rated basis from 22-12-1975 onwards till 18-11-1976 with breaks and he was removed from service and the matter was pending before the Conciliation, the parties representing the Food Corporation of India Management as well as the representative of the workers (Md. Miskin Isbal) arrived at the said settlement as mentioned therein. This is also not disputed. Similarly under Ex. W6 dated 16-2-1983 on the same date in the case of S. Arshad Basha who was an Ex-Watchman, similar orders were passed reinstating him without back wages but giving him continuity of service with terminal benefits. These proceedings under Exs. W4, W5 and W6 would show that the management has considered similar cases of ex-watchmen who were terminated though they have not completed 240 days continuous service in a calendar year by reinstating them in 1982-83 as could be seen thereunder. In this context Ex. W7 is relevant. Ex. W7 dated 4-2-1976 is a Gazette Notification published in India Gazette with regard to the Staff Regulations of the F.C.I. 1971. It is mentioned that "provided further that such of the employees who were recruited on daily rate basis for period of less than 3 months on or purely temporary basis and whose services have been retained after allowing periodical breaks shall also be eligible to be considered for appointment against direct recruitment along with the candidates sponsored by the respective Employment Exchanges". This Notification was issued by the Government of India for Food Corporation of India, Head Office. It clearly mentions that those persons who were having periodical breaks and whose services were retained after allowing those breaks shall also be eligible to be considered for appointment along with the direct recruitment candidates sponsored by the Employment Exchanges. In the instant case it is prima facie borne out and admitted by MW.1 also that this petitioner is not called for interview along with other candidates sponsored by the respective Employment Exchange when there were direct recruitments. It is admitted by MW.1 that 171 persons were newly recruited after these persons were retrenched. On the face of Exs. W4 to W6 when similarly situated persons were reinstated without back wages but giving continuity of service for payment of terminal benefits as it happened to Sriramamurthy, S.A. Basha and S. Arshad Basha and when there is clear amendment to the Regulation of the F.C.I. stating that these persons who were having periodical breaks and those who have been recruited on daily rate basis for a period of not less than 3 months also or purely temporary basis are eligible for being called for interview, and when they are not been called for interview and when petitioner made representation and the same was not considered, it is incorrect and illegal to take a stand that this petitioner is not entitled for similar treatment on the basis of Regulations of F.C.I. which are in fact enforced in other cases i.e. Exs. W4

W5 and W6. Ex. W8 would show that 171 persons were recruited. If Ex. W7 regulations are properly applied and considered, the person who is temporarily appointed as Watchman even if there is dehiring of godown and his services were terminated on 19-11-1976 the Management should have considered his application along with the applicants sponsored by the Employment Exchange in view of his past experience in the same field and he should have been preferred in the given circumstances. Exs. W4, W5 and W6 would strengthen the case of the petitioner since they too had similar practice and the Management did not hesitate to have a settlement with them though they did not complete 240 days continuous service in a calendar year in the light of the said Gazette Notification under Ex. W7. Ex. W7 is a boon for such workers and they were terminated under the Regulations of the F.C.I. and thus the petitioner is entitled to claim benefits thereof even he is appointed subsequently.

10. Thus on a consideration of the entire material placed before me, I hold that the petitioner is entitled to be reinstated forthwith without back wages but with continuity of service for his purpose of payment of terminal benefits. The petitioner also expressed his willingness to work at anywhere if posted in the entire Zone and the same will not also come in the way of administration for fixing them properly without inconvenience to any one.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 10th day of June, 1985.

Sd/- (Illegible),
Industrial Tribunal

Appendix of Evidence.

Witnesses examined for the workman:

(1) W.W. 1 : G. Venkateswarlu Setty.

For the Management:

(1) M.W. 1 : I. V. Ramana Murty.

Documents marked for the workman.

(1) Ex. W1. Appointment order dt. 22-12-75 issued by the District Manager, Food Corporation of India, Kurnool to G. Venkateswarlu Setty.

(2) Ex. W2 Minutes of conciliation proceedings held under Section 12(4) of I. D. Act, 1947 in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their ex-workman G. Venkateswarlu Setty on 27-1-1984 in the office of the District Manager, F.C.I., Kurnool, regarding alleged illegal termination of his services as watchman.

(3) Ex. W3 Failure of conciliation report dated 7-2-84, between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their workman G. Venkateswarlu Setty, Ex-Watchman regarding illegal termination of services under Section 12(4) of the I. D. Act.

(4) Ex. W4 Photo Stat copy of the order No. L-42012(3)/82-F. C. I.D. IV(A) dt. 6-5-82 from Desk Officer, Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, with regard to reinstatement of C. Sriramamurthy.

(5) Ex. W5 Photo Stat copy of the Memorandum of Settlement dated 16-2-83 arrived at under Section 12(3) of I.D. Act, 1947 during the conciliation proceedings held in the Office of District Manager, Food Corporation of India, Kurnool

in the Industrial Dispute between the Management of F.C.I., Kurnool and their ex-workman S. A. Basha.

- (6) Ex. W6 Photo Stat copy of the Memorandum of Settlement dt. 16-2-83 arrived at under Section 12(3) of I.D. Act, 1947 during the conciliation proceedings held in the Office of District Manager, F.C.I., Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of F.C.I., Kurnool and their ex-workman S. Arashad Basha.
- (7) Ex. W7 Photo stat copy of the notification dt 4-2-76 issued by the Food Corporation of India, Head Office, New Delhi with regard to Food Corporation of (Staff) Regulations, 1971.
- (8) Ex. W8 Photo Stat copy of the Office order issued by the District Manager, Food Corporation of India, Kurnool to 171 workmen.

Documents marked for the Management

1. Ex. M1 Statement showing the Attendance particulars of G. Venkateswarlu Setty.
2. Ex. M2 Photo Stat copy of the Statement showing the details of Godowns hired/dehired during the years 1975-76 and 1976-77.

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L-42012/3/84-D. IV (B)]D. V]

का. अ. 3415.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम, कुरनूल के प्रबंधकों से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1 जुलाई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3415.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Kurnool (AP) and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st July, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal.

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 86 OF 1984.

BETWEEN :

The Workmen of Food Corporation of India, Kurnool, A.P.

AND

The Management of Food Corporation of India, Kurnool, A.P.

APPEARANCES :

Sri Md. Miskin Iqbal, Industrial Law Consultant for the Workmen.

Sri M. V. Bharathi, Advocate for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-42012(2)/84-D.IV(B)]D.V., dated 21-11-1984 referred the following dispute under Section 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workman and the

Management of Food Corporation of India, Kurnool, A.P. to this Tribunal for adjudication.

"Whether the management of Food Corporation of India, Kurnool is justified in terminating the services of Shri M. Chalapathi, daily rated Watchman with effect from 24-1-77. If not, to what relief the workman is entitled ?

This reference was registered as Industrial Dispute No. 86 of 1984 and notices were issued to the parties.

2. In the claims statement the Petitioner, Ex. Watchman of F.C.I. represented that he worked as daily rated watchman from 15-1-1976 to 24-1-1977 at the F.C.I., Kurnool and that his services were terminated from 25-1-1977 for no fault of his though the F.C.I. Head Office, New Delhi issued a Gazette Notification on 4-2-1976 for regularisation of service of daily rated watchmen who were recruited directly by giving an opportunity while conducting interview along with the candidates sponsored by the Employment Exchange. It is mentioned that the District Manager of Food Corporation of India did not adhere to the circular but removed him from service and thereupon he made representation to various authorities and finally the matter was represented to the Assistant Commissioner of Labour (Central) for intervention and the matter was referred to the Tribunal for adjudication. So it is requested that he should be paid all back wages since 25-1-1977 till the date from which the reinstatement will be done and for also continuity of service with terminal benefit from the date of his first appointment on 15-1-1976.

3. In the counter, it is mentioned that the claimant petitioner worked only from 15-1-1976 to 24-1-1977. It is contended that the Industrial Disputes Act has no application as he had no continuous service for one year and thus he is not entitled to any reliefs under the Act. The Management further mentioned that the Gazette Notification referred to is not applicable to him since he is not exempted from the conditions of sponsorship by the Employment Exchange. It is mentioned that he is not regularly appointed or continued in Employment and thus the question of non-compliance with the Gazette Notification did not arise.

(4) It is mentioned that the daily rated watchmen were found surplus on 17-1-1977 and hence the service of the claimant had to be terminated while the service of senior watchmen were regularised. The Petitioner is only working at hired godowns, Kurnool and they were dehired and the process of dehiring and closure of godowns were undertaken phasewise and ultimately the godowns were dehired on 16-1-1978.

(b) So it is mentioned that the worker has no right to challenge the termination order since his services were terminated by reasons of closure of godowns and closure of activities/business at Kurnool godowns which were dehired in fact. The petitioner is not entitled to be called for interview. Moreover the petitioner is guilty of laches for not raising a dispute over a period of five years. If this petition is entertained, the administration will be confronted with numerous personal problems. There is no comparison between the cases of the others to whom the petitioner made reference.

(c) The Management further submits that the Gazette Notification dated 4-2-1976 will not be applicable to the petitioner.

4. The petitioner examined himself as W.W1 and marked Exs. W1 to W7. On the other hand the Management examined one Sri I. V. Ramana Murthy and marked Exs. M1 and M2.

5. The sum and substance of the evidence of W.W1 is that under Ex. W1 he was appointed as Watchman on daily rated basis from 15-1-1976 to 24-1-1977. According to him he made representations to the Department to take him into employment and he approached the authorities concerned with his employment card. Finally the matter was raised before the Conciliation Officer under Ex. W2 and the conciliation proceedings failed.

6. He pointed out that Sriramamurthy, S. A. Basha and S. Arshad Basha were reinstated as per Exs. W3, W4 and W5

he was not considered and the management applied inconsistency in similar circumstances of the workers. He filed the Notification dated 4-2-1976 as Ex. W6 wherein the Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971 were amended paving way for consideration for such employees for interview. It is his case that he was not called for interview along with the sponsored candidates from the Employment Exchange though he had experience. He requested that he should be re-appointed on the lines as was done in the case of Arshad Basha, S. A. Basha and Sriramamurthy. In the cross-examination he admitted that he did not complete 240 days continuously but he worked for 321 days with breaks. He denied the suggestion that the case of S. A. Basha, Arshad Basha and Sriramamurthy are different from his case. He denied that Ex. W6 has no application to him as he was appointed subsequent to the commencement of the said G.O.

7. On behalf of the Management, the then District Manager, Kurnool was examined and marked Exs. and M2. Ex. M1 is the Attendance particulars of the petitioner. It showed that the Petitioner was in Nandyal hired godowns. Ex. M2 showing dehiired godowns during the years 1975-76 and 1976-77. According to him this godown was dehiired on 11-3-1977. In the cross-examination he admitted that he was not aware of Ex. W6 issued by the Head Office, New Delhi which he saw subsequently. He conceded that there is recruitment of watchmen after this retrenchment. According to him as the contents of Ex. W-6 were general in nature the same was not implemented.

8. The facts are not in dispute. The evidence of W.W1 as well as the claim statement read with Ex. M1 would show that the petitioner (W.W1) worked as daily rated watchman from 15-1-1976 to 24-1-1977 with breaks as shown in Ex. M1. He was terminated on 25-1-1977. It is admitted that he worked in all 321 days with breaks. The argument of the Management is that the Industrial Disputes Act had no application as he did not complete 240 days continuous service of attendance of a legitimacy for consideration under the provisions of the I. D. Act etc. has no application to the present facts on the basis of Exs. W3, W4 and W5 is a notification with reference to Sriramamurthy. Ex-Watchman regarding his termination of service on which the Government of India, Ministry of Labour issued instructions to the Regional Manager. It is clarified that the said Sriramamurthy be reinstated on the same terms and conditions on which he was working earlier and the intervening period when the services of workman were terminated and when he is to be reinstated should be treated by the Food Corporation of India without back wages but at the same time with continuity of service for the payment of terminal benefits. Thus it was mentioned that it was not a fit case where the matter should be referred to industrial adjudication. The factum of issuing such instructions in the case of Sriramamurthy were borne out by Ex. W3 and the same were not denied. Similarly in the case of S. A. Basha who was also an ex-watchman, there were terms of settlement dated 16-2-1983 between the parties showing that the management (F.C.I.), Kurnool was reinstating S.A. Basha, Ex-Watchman with effect from 1-3-1983 on the same terms and conditions as he was working earlier and that the reinstatement should be without back wages but it would affect continuity of service for the payment of terminal benefits and they were asked to send implementation report with reference to the said settlement. In the said case as could be seen under Ex. W-4 the Watchman was appointed on daily rated basis from 22-12-1975 onwards till 18-11-1976 with breaks and he was removed from service and the matter was pending before the Conciliation, the parties representing the Food Corporation of India Management as well as the representative of the workers (Md. Miskin Iqbal) arrived at the said settlement as mentioned therein. This is also not disputed. Similarly under Ex. W-5 dated 16-2-1983 on the same date In the case of S. Arshad Basha who was an ex-watchman, similar orders were passed reinstating him without back

wages but giving him continuity of service with terminal benefits. These proceedings under Exs. W-3, W-4 and W-5 would show that the Management has considered similar cases of ex-watchman who were terminated though they have not completed 240 days continuous service in a calendar year by reinstating them in 1982-83 as could be seen thereunder. In this context Ex. W-6 is relevant. Ex. W-6 dated 4-2-1976 is a Gazette Notification published in India Gazette with regard to the Staff Regulations of the F.C.I. 1971. It is mentioned that "provided further that such of the employees who were recruited on daily rate basis for period of less than 3 months on or purely temporary basis and whose services have been retained after allowing periodical breaks shall also be eligible to be considered for appointment against direct recruitment along with the candidates sponsored by the respective Employment Exchanges". This Notification issued by the Government of India for Food Corporation of India, Head Office. It clearly mentions that those persons who were having periodical breaks and whose services were retained after allowing those breaks shall also be eligible to be considered for appointment along with the direct recruited candidates sponsored by the Employment Exchanges. In the instant case it is prima facie borne out and admitted by WW-1 also that this petitioner is not called for interview along with other candidates sponsored by the respective Employment Exchanges when there were direct recruitments. It is admitted by MW-1 that 171 persons were newly recruited after those persons retrenched. On the face of Exs. W-3 to W-5 when similarly situated persons were reinstated without back wages but giving continuity of service for payment of terminal benefits as it happened to Sriramamurthy, S. A. Basha and S. Arshad Basha and when there is clear amendment to the Regulation of the F.C.I. stating that the persons who were having periodical breaks and those who have been recruited on daily rated basis for a period of not less than 3 months also or purely temporary basis are eligible for being called for interview, and when they have not been called for interview and when petitioner made representation and the same was not considered, it is incorrect and illegal to take a stand that this petitioner is not entitled for similar treatment on the basis of regulations of F.C.I. which are in fact enforced in other cases i.e. Exs. W-3, W-4 and W-5. Ex. W-7 would show that 171 persons were recruited. If Ex. W-6 Regulations are properly applied and considered, the person who is temporarily appointed as Watchman even if there is de-hiring of godown and his services were terminated on 25-1-1977, the Management should have considered his application along with the applicants sponsored by the Employment Exchanges in view of the past experience in the same field and he should have been preferred in the given circumstances Exs. W-3, W-4 and W-5 would strengthen the case of the petitioner since they too had similar practice and the Management did not hesitate to have a settlement with them though they did not complete 240 days continuous service in a calendar year in the light of the said Gazette Notification under Ex. W-6. Ex. W6 is a boom for such workers and they were terminated under the Regulations of the F.C.I. and thus the petitioner is entitled to claim benefits thereof even if he is appointed subsequently

9. Thus on a consideration of the entire material placed before me, I hold that the Petitioner is entitled to be reinstated forthwith without back wages but with continuity of service for the purpose of payment of terminal benefits. The petitioner also expressed his willingness to work at anywhere if posted in the entire Zone and the same will not also come in the way of administration for fixing them properly without inconvenience to any one.

Award passed accordingly.

(Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 14th day of June, 1985).

Industrial Tribunal

Appendix of Evidence

Witnesses Examined

Witnesses Examined

For the Workmen—WW-1 M. Chalapathi.

For the Management :

WW-1 M. Chalapathi.

For the Management—MW-1 I. V. Ramana Murthy.

Documents marked for the Workmen :

Ex. W-1—Service Certificate issued by Quality Inspector, Food Corporation of India, Nandyal to M. Chalapathi.

Ex. W-2—Minutes of conciliation proceedings held under Section 12(4) of I. D. Act, 1947 in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their ex-Workman M. Chalapathi on 21-1-84 in the Office of the District Manager, F.C.I. Kurnool regarding alleged illegal termination of his Services as Watchman.

Ex. W-3—Photostat copy of the Order No. L-42012 (3)/82-FCI/D.IV (A) dated 6-5-82 issued by the Desk Officer, Government of India Ministry of Labour, New Delhi issued to C. Srirama Murthy.

Ex. W-4—Photostat copy of the Memorandum of Settlement dated 16-2-83 arrived at under Section 12(3) of Industrial Dispute Act, 1947, during the Conciliation proceedings held in the Office of District Manager, Food Corporation of India, Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their Ex-Workman, S. A. Basha.

Ex. W-5—Photostat copy of the Memorandum of Settlement dated 16-2-83 arrived at under Section 12(3) of the I. D. Act, 1947, during the Conciliation held in the Office of District Manager, Food Corporation of India, Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their ex-workman S Arashad Basha.

Ex. W-6—Photostat copy of the Notification dated 4-2-1976 issued by the Food Corporation of India, Head Office, New Delhi, with regard to Staff regulations 1971.

Ex. W-7—Photostat copy of the office order with regard to appointment of Watchman on Short term basis, regularisation of appointment issued by the Management.

Documents marked for the Management :

Ex. M-1—Statement showing the attendance particulars of M. Chalapathy Ex-Workman

Ex. M-2—Photostat copy of the Statement showing the details of Godowns hired/dehired during the years 1975-76 and 1976-77.

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal
[No. L-42012/2/84-D. IV(B)/D.V]

का. प्र. 2416:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की सारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय खाद्य नियम, कुरनूल प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1 जुलाई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3416.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of Industrial Tribunal, Hyderabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Kurnool and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st July, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 98 of 1984

BETWEEN

The Workmen of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.).

AND

The Management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.).

APPEARANCES :

Sri Md. Miskin Iqbal, Industrial Law Consultant—for the Workmen.

Sr. M. V. Bharathi, Advocate—for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by the Order L-42012(11)/84-DV dated 22-11-1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Food Corporation of India, Kurnool to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of Food Corporation of India, Kurnool is justified in terminating the services of Shri S. Maula Ali, Ex. Watchman with effect from 10-1-77? If not to what relief the workman is entitled?”

This reference was registered as Industrial Dispute No. 98 of 1984 and notices were issued to both the parties.

2. In the claims statement the Petitioner ex-Watchman of Food Corporation of India represented that he worked as daily rated watchman from 7-1-1976 onwards till 17-1-1977 at the F.C.I. Kurnool and that his services were terminated from 18-1-1977 for no fault of his though the F.C.I. Head Office, New Delhi issued a Gazette Notification on 4-2-1976 for regularisation of service of daily rates watchman who were recruited directly by giving an opportunity while conducting interview along with the candidates sponsored by the Employment Exchange. It is mentioned that the District Manager of Food Corporation of India did not adhere to the circular but removed him from service and thereupon he made representation to various authorities and finally the matter was represented to the Assistant Commissioner of Labour (Central) for intervention and the matter was referred to the Tribunal for adjudication. According to him as per the Gazette Notification dated 23-1-1976 it is mentioned as follows :—

“Provided further that such of the employees who were recruited on daily rate basis for period of less than 3 months on or purely temporary basis and whose service as have been retained after allowing periodical breaks shall also be eligible to be considered for appointment against direct recruitment along with the candidates sponsored by the respective Employment Exchanges”.

Thus the question of completion of 240 days of attendance for eligibility for consideration under the provisions of the Industrial Disputes Act did not arise when the specific

instructions under reference are in force for appointment. So, it is requested that he should be paid all back wages since 1-1-1977 till the date from which the reinstatement will be done and for also continuity of service with terminal benefits from the date of his first appointment on 7-1-1976.

3. In the counter, it is mentioned that the claimant petitioner worked only from 7-1-1976 to 17-1-1977 and thus he worked for one year with breaks. The daily rated workman is not an employee of any cadre or category of regular employee enlisted in the Food Corporation of India Staff Regulations.

(a) It is mentioned that the daily rated watchman were found surplus on 17-1-1977 and hence the service of the claimant had to be terminated while the service of senior watchman were regularised. The Petitioner is only working at hired godowns, Kurnool and they were de-hired and the process of de-hiring and closure of godown were undertaken phase-wise and ultimately the godowns were de-hired on 16-1-1978.

(b) So it is mentioned that the worker has no right to challenge the termination order since his services were terminated by reasons of closure of godowns and closure of activities/business at Kurnool Godowns which were de-hired infact. The Petitioner is not entitled to be called for interview. Moreover the Petitioner is guilty of laches for not raising a dispute over a period of five years. If this petition is entertained the administration will be confronted with numerous personal problem. There is no comparison between the cases of the others to whom the petitioner made reference.

(c) The Management further submits that it was already clarified that the Gazette Notification dated 4-2-1976 will be applicable to only such of those daily rated workmen who were appointed on or before 25-1-1976 the Petitioner having been appointed on 7-1-1976.

4. The Petitioner examined himself as WW-1 and marked Exs. W-1 to W-8. On the other hand the Management examined one Sri I. V. Ramana Murthy and marked Exs. M-1 to M-2.

5. The sum and substance of the evidence of WW-1 is that under Ex. W-1 he was appointed as Watchman on daily rated basis from 7-1-1976 to 17-1-1977. According to him he made representations to the Department to take him into employment and he approached the authorities concerned with his employment card. Finally the matter was raised before the Conciliation Officer under Ex. W-2 and the conciliation proceedings failed as per Ex. W-3.

6. He pointed that Srirama Murthy, S. A. Basha and S. Arshad Basha were reinstated as per Exs. W-4, W-5 and W-6 while he was not considered and the management applied inconsistent in similar circumstances of the workers. He filed Notification dated 4-2-1976 as Ex. W-7 wherein the Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971 were amended paying way for consideration for such employees for interview. It is his case that he was not called for interview along with the sponsored candidates from the Employment Exchange though he had experience. He requested that he should be reappointed on the lines as was done in the case of Arshad Basha, S. A. Basha and Srirama Murthy. In the cross examination he admitted he did not complete 240 days continuously but he worked for 284 days. He denied the suggestion that the case of S. A. Basha, Arshad Basha and Sriramamurthy are different from his case.

7. On behalf of the Management, the then District Manager, Kurnool was examined and marked Exs. M-1 and M-2. Ex. M-1 is the service particulars of the petitioner. It showed that the Petitioner was in Kurnool hired Godowns. Ex. M-2 showing the de-hired godowns during the years 1975-76 and 1976-77. According to this godown was de-hired on 17-1-1977. In the cross examination he admitted that he was not aware of Ex. W-7 issued by the Head Office, New Delhi which he saw subsequently. He conceded that there is recruitment of watchman after this retrenchment and admitted that one watchman was recruited subsequent to this retrenchment as per Ex. W-8. According to

him as the contents of Ex. W-7 was general in nature the same was not implemented.

8. The facts are not in dispute. The evidence of WW-1 as well as the claims statement read with Ex. M-1 would show that the Petitioner (WW-1) worked as daily rated watchman from 7-1-1976 to 17-1-1977 with breaks as shown in Ex. M-1. He was terminated from 18-1-1977. It is admitted that he worked in all 284 days with breaks. The argument of the management is that the Industrial Disputes Act had no application as he did not complete 240 days continuous service of attendance for eligibility for consideration under the provisions of the I. D. Act etc. has no application to the present facts on the basis of Exs. W-4, W-5 and W-6. Ex. W-4 is a Notification with reference to Srirama Murthy, Ex. Watchman regarding his termination of service on which the Government of India, Ministry of Labour issued instructions to the Regional Manager. It is clarified that the said Sriramamurthy be reinstated on the same terms and conditions on which he was working earlier and the intervening period when the workman services were terminated and when he is to be reinstated should be treated by the Food Corporation of India without back wages but at the same time with continuity of services for the payment of terminal benefits. Thus it was mentioned that it was not a fit case where the matter should be referred to industrial adjudication. The factum of issuing such instructions in the case of Srirama Murthy were borne out by Ex. W-4 and the same were not denied. Similarly in the case of S. A. Basha who was also an ex-watchman, there were terms of settlement dated 16-2-1983 between the parties showing that the Management (F.C.I.) Kurnool was reinstating S. A. Basha Ex-Watchman with effect from 1-3-1983 on the same terms and conditions as he was working earlier and that the reinstatement should be without back wages but it would affect continuity of service for the payment of terminal benefits and they were asked to send implementation report with reference to the said Settlement. In the said case as could be seen under Ex. W-5 the Watchman was appointed as daily rated basis from 22-12-1975 onwards till 18-11-1976 with breaks and he was removed from service and the matter was pending before the Conciliation, the parties representing the Food Corporation of India Management as well as the representative of the workers (Md. Miskin Iqbal) arrived at the said settlement as mentioned therein. This is also not disputed. Similarly under Ex. W-6 dated 16-2-1983 on the same date in the case of S. Arshad Basha who was an ex-Watchman, similar orders were passed reinstating him without back wages but giving him continuity of service with terminal benefits. These proceedings under Exs. W-4, W-5 and W-6 would show that the Management had considered similar cases of ex-watchman who were terminated though they have not completed 240 days continuous service in a Calendar year by reinstating them in 1982-83 as could be seen thereunder. In this context Ex. W-7 is relevant. Ex. W-7 dated 4-2-1976 is a Gazette Notification published in India Gazette with regard to the Staff Regulations of the F.C.I. 1971. It is mentioned that "provided further that such of the employees who were recruited on daily rate basis for period of less than 3 months on or purely temporary basis and whose services have been retained after allowing periodical breaks shall also be eligible to be considered for appointment against direct recruitment along with the candidates sponsored by the respective Employment Exchanges." This Notification issued by the Government of India for Food Corporation of India, Head Office. It clearly mentions that those persons who were having periodical breaks and whose services were retained after allowing those breaks shall also be eligible to be considered for appointment along with the direct recruited candidates sponsored by the Employment Exchanges. In the instant case it is prima facie borne out and admitted by MW-1 also that this petitioner is not called for interview along with other candidate sponsored by the respective Employment Exchange when there were direct recruitments. It is admitted by MW-1 that 171 persons were newly recruited after these persons were retrenched. On the face of Exs. W-4 to W-6 when similarly situated persons were reinstated without back wages but giving continuity of service for payment of terminal benefits as it happened to Srirama Murthy, S. A. Basha and S. Arshad Basha and when there is clear amendment to the regulation of the F.C.I. stating that these persons who were having periodical breaks and those who have been

recruited on daily rated basis for a period of not less than 3 months also or purely temporary basis are eligible for being called for interview, and when they are not been called for interview and when petitioner made representation and the same was not considered, it is incorrect and illegal to take a stand that this petitioner is not entitled for similar treatment on the basis of regulations of F.C.I. which are in fact enforced in other cases i.e. Exs. W-4, W-5 and W-6. Ex. W-8 would show that 171 persons were recruited. If Ex. W-7 regulations are properly applied and considered, the person who is temporarily appointed as watchman even if there is de-hiring of godowns and his services were terminated from 18-1-1977 the Management should have considered his application along with the applicants sponsored by the Employment Exchange in view of his past experience in the same field and he should have been preferred in the given circumstances. Exs. W-4, W-5 and W-6 would strengthen the case of the petitioner since they too had similar practice and the Management did not hesitate to have a settlement with them though they did not complete 240 days continuous service in a calendar year in the light of the said Gazette Notification under Ex. W-7. Ex. W-7 is a boon for such workers and they were terminated under the Regulations of the F.C.I. and thus the petitioner is entitled to claim benefits thereof even he is appointed subsequently.

10. Thus on a consideration of the entire material placed before me, I hold that the Petitioner is entitled to be reinstated forthwith without back wages but with continuity of service for the purpose of payment of terminal benefits. The petitioner also expressed his willingness to work at anywhere if posted in the entire Zone and the same will not also come in way of administration for fixing them properly without inconvenience to any one.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal this the 17th day of June, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Appendix of Evidence

Witnesses Examined

For the Workmen :

WW-1S. Maulo Ali

Witnesses Examined

For the Management :

MW-1 I. V. Ramona Murthy.

Documents marked for the Workmen

- Ex. W-1—Certificate dated 18-11-1976 issued by the District Manager, Food Corporation of India, District Office, Kurnool (A.P.) to S. Maula Ali.
- Ex. W-2—Minutes of conciliation proceedings held on 23-3-84 under Section 12(4) of I. D. Act, 1947 in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their Ex-Workman S. Maula Ali in the Office of the District Manager, Food Corporation of India, Kurnool regarding alleged illegal termination of his services as daily rated watchman.
- Ex. W-3—Failure of conciliation report under Section 12(4) of the I. D. Act, 1947 between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their workman S. Maula Ali.
- Ex. W-4—Photostat copy of the Order No. L-42012 (3)/82-FCI/D.IV(A) dated 6-5-82 issued by the Desk Officer, Government of India, Ministry of Labour, New Delhi with regard to reinstatement of C. Srirama Murthy.
- Ex. W-5—Photostat copy of the Memorandum of Settlement dated 16-2-83 arrived at under Section 12(3) of I. D. Act, 1947 during the conciliation Proceedings held on 16-2-83 in the Office of District Manager, Food Corporation of India, Kurnool in

the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their ex-workman S. Arshad Basha.

- Ex. W-6—Photostat copy of the Memorandum of Settlement dated 16-2-83 arrived at under Section 12(3) of I. D. Act, 1947 during the conciliation proceedings held on 16-2-83 in the office of District Manager, Food Corporation of India, Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their ex-workman S. Arshad Basha.
- Ex. W-7—Photostat copy of the Notification dated 4-2-76 issued by the Food Corporation of India, Head Office, New Delhi with regard to Food Corporation of India Staff Regulations 1971.
- Ex. W-8—Photostat copy of the Office Order issued by the Food Corporation of India, Kurnool to 171 workmen.

Documents marked for the Management :

- Ex. M-1—Statement showing the Attendance particulars in respect of S. Maula Ali, Ex-Watchman.
- Ex. M-2—Photostat copy of the Statement showing the details of Godowns hired/dehired during the years 1975-76 and 1976-77.

[No. L-42012/11/84-D.V.]

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

का. प्र. 3417—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय खाद्य निगम, कुरुनूल के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1 जुलाई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

[सं० 42012/16/84-डी०वी०]

S.O. 3417.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Kurnool and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st July, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD.

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 83 of 1984

Industrial Dispute No.83 of 1984

BETWEEN

The workmen of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.).

AND

The Management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.).

APPEARANCES :

Shri B. Nagi Reddy, Advocate—for the workmen.

Sri M. V. Bharathi, Advocate—for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-42012/16/84-D.V. dated 16-11-1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the

Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P) to this Tribunal for adjudication:

"Whether the management of Food Corporation of India, Kurnool is justified in terminating the services of Sri B. Narayana, Ex-Watchman with effect from 20-4-1977? If not, to what relief the workmen is entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 83 of 1984 and notices were issued to the parties.

2. In the claims statement it is mentioned that the Petitioner-workmen Sri B. Narayana was appointed as Watchman on daily rated basis with effect from 25-6-1976 and that he was continuously working ever since his appointment being attached to Timmencherla. According to him all appointments in the Food Corporation of India have been made initially on daily rated basis in Andhra Pradesh region even though there were clear vacancies and the F.C.I. Head Quarters issued circulars to the Regional Manager, Hyderabad to treat the period of service of daily rated employees as ad hoc appointment with effect from 8-1-1976. According to him even subsequent appointees also shall be given the benefits of scales. It is this case that the Respondent did not implement the direction of the Headquarters.

(a) While so, the Petitioner's services were terminated with effect from 20-4-1977 without any reasonable cause or notice. The matter was taken up by the Union immediately and the matter was also finally raised before the Asst. Commissioner of Labour (Central) for conciliation but without any effect of reinstatement.

(b) It is his case that the termination of service is illegal and invalid and the same is in violation of the Industrial Disputes Act. It is also his case that the employees who were appointed later to the petitioner were retained in service and thereby the Respondent contravened the provisions of Section 25-G of the I.D. Act. According to the Respondent also opened a number of depots subsequent to the termination and when there are number of permanent vacancies who should have reinstated them. Since he is eligible to hold the post of Watchman and he had experience and necessary qualification prescribed. The petitioner should have been entitled for regular scale attached to the watchman ever since he was appointed in view of the circular. Moreover in June 1984 the Management entered in to a Settlement with the Union and granted regular appointment to all the daily rated staff. But for the illegal termination the Petitioner could have got all the benefits under the said settlement.

3. In the counter it is mentioned that the daily rated watchman have no service conditions than the principles of work and pay. The claimant petitioner in this case was ex-watchman working at Open Storage Godown at Timmencherla and the services were terminated at the open storage godown system was abolished and the very nature of godown was to store the paddy for temporary period. It is mentioned that the service of casual labourers such as the petitioner were terminated due to closure of open storage godown and transfer of entire goods to permanent godowns. It is also pointed out as an economic measure the Management has to cut off the dead wood and streamline the administration. According to him the facts of the case attract provisions of Section 25FFF of the I.D. Act and the workman is not entitled for reinstatement, and his termination is justified. According to him the casual labour has no right for reinstatement or re-appointment even though he completes 240 days of continuous attendance in a year within the meaning of Section 25-B of the I.D. Act. It is also mentioned that the circular is not an authority to re-appointment and there is no guarantee of re-appointment or fresh appointment in service are not applicable to him. It is also mentioned that he did not require notice of termination. He denied opening of new depots and vacancies being available. In the instant case the recruitment of Employment Exchange candidates was held on 31-3-1977 and termination was effected from 23-4-1977. All the claims of the workman are not tenable.

4. On behalf of the workman, the Petitioner himself is examined as W.W.1 and marked Exs.W1 to W6. While the Respondent-Management examined M.W.1 and marked Ex.M1.

5. W.W.1 stated that he worked as Watchman at Timmencherla Depot from 28-4-1976 to 23-4-1977 and he was terminated on 23-4-1977 without any notice. According to him he is a daily rated watchman working on ad hoc basis at F.C.I., Timmencherla. He marked the certificate issued by the District Manager, F.C.I. to show the same as Ex. W1 and he also marked termination order given to him as Ex. W2. He marked service certificate as Ex. W3. According to him he approached the authorities for conciliation to settle their dispute as per Ex. W4, and also marked S.S.C. appeared as per the certificate issued to him as per Ex.W5. According to him he should be considered for reinstatement as was done in the case S.A. Basha, S. Arshad Basha and Sriramamurthy. The Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971 as amended on 4-2-1976 is marked as Ex. W6, and mentioned that there is provision for reinstatement. According to him Ex.W7 marked in I.D. No. 81/84 is a representation made by him for reinstatement to the Depot Superintendent, Timmencherla and that he is un-employed all these years and he also expressed himself to appoint him as a fresh candidate without insisting back wages to provide any watchman job by the F.C.I.

6. The evidence of M.W.1 who is the District Manager, F.C.I. Branch to the following effect. He deposed that due to heavy receipt of imported wheat in 1976 and to accommodate the said stock large units of private godowns were taken on hire. According to him to protect the said stocks he appointed watchman on daily rate basis depending upon the volume of stocks. He marked Ex. M-1 to show that the petitioner is appointed as daily rated watchman by filing his particulars of attendance and wages. According to him as per Ex.M2 which is dated 4-2-1976 (which is marked in I.D. No.81/84) it was stated that where the officials were taken before 25-1-1976 without employment exchange channel such officials should be interviewed along with the candidates sponsored through the Employment Exchanges and regularise with effect from the date of such employment. In case such an interview has already been conducted after 25-1-1976 they may be regularised with effect from such date of interview. He admitted that under Ex.M3 dt. 26-2-1983 is one of the orders (marked in I.D. No. 81/84) by the Senior Regional Manager reinstating S. A. Basha and Arshad Basha. In the cross-examination he admitted that the workman was in service for a total period of 341 days by the time he was terminated. According to him during that settlement they might have terminated 100 people who were temporarily working as Watchmen and witness admitted after seeing Ex. W7 marked in I.D. No. 100/84 that Sriramamurthy is reinstated as Watchman with the same terms and conditions on which he was working earlier and there was a Memorandum of Settlement dated 16th February, 1983 with reference to S. Arshad Basha and S. A. Basha as per Exs. W8 and W9 which are marked in I.D. No. 100/84. He conceded that the Petitioner should have interviewed candidates sponsored by the Employment Exchange channel vacancies which are filed after 4th February, 1976. He also admitted that in view of the clarification he should have been regularised with effect from such date of interview after 25th January, 1976 provided he is appointed prior to 25th January, 1976. He denied that the termination of the petitioner on 23rd April, 1977 is illegal and invalid. He admitted that F.C.I. is now expanding and progressing Corporation and it required lot of man power.

7. The admitted facts are the petitioner worked as daily rated watchman at Timmencherla in the Food Corporation of India Godowns from 25-6-1976 to 20-4-1977 and it is elicited that in the evidence of M.W.1 that he had put in a total period of 341 days in all by the time he was terminated. It is also conceded that as per Ex. W5 and also as per Exs. W2 and W1 read with the oral evidence that the petitioner had requisite qualification to be appointed as Watchman and that under Exs. W1 and W2 termination was done without notice. The order of appointment would show under Ex. W1 that he will be paid daily wages for the days of work as per the usual allowance. Failure of conciliation report marked under Ex. W4 would show that the management though was directed to apply the circular namely Gazette Notification dt. 4-2-1976, the Management mentioned that it is not possible to give effect for the said Circular. Now the Circular dated 4-2-1976 mentioned that it was a Gazette Notification amending the

Food Corporation of India (Staff) Regulations and it is mentioned that the said Regulations should have come into force on 27-1-1976 and the same should be added to the existing prov.so of the F.C.I. Regulations namely provided further that such of the employees who were recruited on daily rated basis for periods of less than 3 months or on purely temporary basis and whose services have been retained after allowing periodical breaks, shall also be eligible to be considered for appointment against direct recruitment along with candidates sponsored by the respective Employment Exchanges. It means that the Food Corporation of India, Head Office amended the Regulations to consider those employees who were employed as daily rated for periods of less than three months or purely temporary basis and whose services have been retained after filing periodical breaks, shall be eligible for appointment against direct recruitment along with the candidates sponsored by the respective Employment Exchanges, and the same is brought to the notice of the Regional Manager, F.C.I. under Ex.W7. The Manager did not act wisely. Moreover it is admitted that on an earlier occasion Sri S.A. Basha, S. Arshad Basha and Sriramamurthy were reinstated by the Management. In similar circumstances in the case of Srirama Murthy, he was re-appointed without back wages and given continuity of service for payment of terminal benefits by the Headquarters of the F.C.I. and in the case of S.A. Basha and S. Arshad Basha, the Management entered into a Settlement on similar terms. Now in the instant case when the employee worked for 341 days and when he is having all the requisite qualifications to be considered for regularisation as Watchman being S.S.C. in the light of the Circular Ex. W-6 the management should have considered this person who is terminated without any notice for appointment against the direct recruitment of candidates sponsored by the respective Employment Exchanges. This is a mandatory provision as per the amended F.C.I. Regulations. It is admitted that there was recruitment of candidates even under Ex.M2 (marked in I.D. No.81/84) as per the clarification of the circular where officials had been taken before 25-1-1976 without Employment Exchange channel such official should be interviewed along with the candidates sponsored through Employment Exchange and regularise with effect from the date of such employment and in case such interview had already been conducted after 25-1-1976 they may be regularised with effect from such date of interview. No subsequent to this clarification it is admitted that under Ex.M3 (marked in I.D. No.81/84) the reinstatement of S.A. Basha and S. Arshad Basha were done. The Management conceded that the Petitioner should have been interviewed along with the candidates sponsored by the Employment Exchange channel when there are vacancies which are filed after 4-2-1976 and it is also conceded even by the clarification under Ex. M-2 they should have been regularised with effect from such date of interview after 25-6-1976 provided appointed prior to 25-1-1976. In this case on 25-6-1976. According to the management the said clarification under Ex.M2 and Ex.W6 will not apply to those persons who are appointed after 25-1-1976. When the persons are governed by the F.C.I. Regulations and Regulations are amended with reference to the persons who are appointed prior to 25-1-1976 and there is notification issued on 4-2-1976 and clarification was also given under Ex. M-2 how those persons should be interviewed and appointed. It cannot be said that the said Ex.M2 and Ex.W6 had no prospective application to the candidates who were appointed subsequently, when the same is applicable retrospectively it automatically follows that the same is also applicable prospectively. Now the question of workmen completing more than 240 days of service in a calendar year for being considered under the provisions of the I.D. Act is not at all applicable to this case. The very Ex.W6 and Ex.M2 and the subsequent action of the management with reference to the reinstatement of Sriramamurthy, S.A. Basha and S. Arshad Basha in the light of the notification dt. 4-2-1976 and the subsequent clarification Ex. M2 would show that the management clearly violated the mandatory provisions of Section 25F of the said I.D. Act and the said termination is ab initio void. Moreover there is clear evidence and admission that after this petitioner is terminated the Management recruited some persons through Employment Exchanges. While so when the candidates were sponsored by the Employment Exchange were interviewed the Petitioner was not called for the selection and the action of the termination of the service of the petitioner in not calling for

interview along with them is contrary to the rules and Regulations of the F.C.I. It is not in dispute that some new persons were appointed on regular scales after these petitioners and others numbering about 100 were terminated. This is in violation of Section 25(H) of the I.D. Act and the contention of the Management that there was no necessity of continuing the post of Watchman is absolutely ill-founded and baseless. The evidence of W.W.1 and M.W.1 when read together would show that the termination is aimed only for denying the regular status of watchman to the Petitioner and that the termination is mala fide and colourable exercise of powers by the Management.

8. In fact the appointment of daily rated workmen were banned by the F.C.I. by circular dated 4-2-1976 and subsequently modified circular dated 20-12-1977 under Ex. M2 the employees were working on daily rated basis were all ad hoc appointments provided under F.C.I. Regulations. The petitioner is also entitled for the scales from the date of his appointment i.e. 25-6-1976 till his services were terminated on ad hoc basis. The argument of the Management is that watchmen were recruited at Open Storage Godowns and that the Open Storage Godowns system was abolished and therefore the services of casual labour were such as the petitioner were terminated due to closure of the Open Storage Godowns and transfer of entire stocks to permanent godowns is not at all borne out by record. There is no evidence that these petitioners and others like him were subsequently engaged for looking after the hired godowns. There was also no evidence to show that the so called hired godowns handed over back to the respective owners. Moreover when similarly placed daily rated watchman like Sriramamurthy, Arshad Basha and S.A. Basha were reinstated and when similarly placed daily rated watchmen working at Sanathnagar were given regular posts of Watchmen in January, 1985 from the date of their appointment including seniority and other benefits, I must hold that the said termination of this workman is in violation of Section 25F of the I.D. Act and that the said termination must be held to be illegal. Moreover the petitioner is now over-aged, he cannot be compelled to seek employment elsewhere and it is also elicited that he was not able to secure any employment and that he was working as hired labour and when there are admitted vacancies under the control of Senior Regional Manager, Hyderabad must be held that the petitioner can be easily accommodated for the post of watchman and it is also admitted that there is expansion scheme and the F.C.I. is a progressing Corporation and it required lot of man power. Having regard to all these circumstances I hold that the termination of B. Narayana is illegal and he is directed to be reinstated forthwith without back wages but at the same time with continuity of service for the purpose of payment of terminal benefits as is done in the case of Srirama Murthy, S. Arshad Basha and S.A. Basha, I, therefore, hold the Management of Food Corporation of India, Kurnool is not justified in terminating the service of Sri B. Narayana, Ex. watchman with effect from 23-4-1977 as per Exs. W2 and W3 though the reference says 20-4-77 and that further directed that he should be reinstated forthwith without back wages in the given circumstances but with continuity of service for payment of terminal benefits. The petitioner also expressed his willingness to work at anywhere if posted in the entire zone and the same will not cause any difficulty in way of administration for fixing them properly without inconvenience to any one.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 19th day of June, 1985.

Appendix of evidence

Witnesses examined:

For the workman. For the Management
(1) W.W.1 B. Narayana (1) M.W.1 I. V. Ramana Murty

Documents marked for the workman

- (1) Ex. W-1—True copy of the appointment order dated 28-4-76 issued by the District Manager, Food Corporation of India, Kurnool to B. Narayana.
- (2) Ex. W-2—Termination order dated 27-4-77 issued by District Manager, Food Corporation of India Kurnool to B. Narayana.
- (3) Ex. W-3—Certificate dated 4-5-77 issued by the Assistant Manager (Depot) Food Corporation of India, Thimmancherla to B. Narayana.
- (4) Ex. W-4—Failure of conciliation report u/s. 12(4) of the I. D. Act, 1947, between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their workman B. Narayana.
- (5) Ex. W-5—Photostat copy of the Statement showing the particulars of B. Narayana and others worked at Thimmancherla depot.
- (6) Ex. W-6—Photostat copy of the notification dated 4-2-76 issued by the Food Corporation of India, Head Office, New Delhi with regard to Food Corporation of India Staff Regulations, 1976.

Documents marked for the Management

- (1) Ex. M-1—True copy of the Statement showing the attendance particulars of B. Narayana.

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L-42012(16)|84-D.V.]

का. सं. 3418:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय खाद्य निगम, कुरनूल के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1 जुलाई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-42012/4/84-D.IV(B)/DV]

S.O. 3418.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Kurnool, and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st July, 1985.

[No. L-42012(4)|84-D.IV(B)|D.V.]

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT:

Shri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 97 of 1984

BETWEEN

Workmen of Food Corporation of India, Kurnool, A.P.

AND

The Management of Food Corporation of India, Kurnool, A.P.

APPEARANCES:

Sri Md. Miskin Iqbal, Industrial Law Consultant—for the Workmen.

Sri M. V. Bharathi, Advocate—for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-42012(4)/84-D.IV(B)/DV dated 22nd November, 1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Food Corporation of India, Kurnool, to this Tribunal, for adjudication:

"Whether the management of Food Corporation of India, Kurnool is justified in terminating the service of Shri D. Chandrana, daily rated Watchman with effect from 24th January, 1977? If not to what relief the workman is entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 97 of 1984 and notices were issued to all the parties.

2. In the claims statement the petitioner, ex-Watchman of FCI represented that he worked as daily rated Watchman from 4th January, 1976 to 24th January, 1977 at the FCI, Kurnool and that his services were terminated from 25th January, 1977 for no fault of his though the FCI Head Office, New Delhi issued Gazette Notification on 4th February, 1976 for regularisation of service of daily rated watchman who were recruited directly by giving an opportunity while conducting interview along with the candidates sponsored by the Employment Exchange. It is mentioned that the District Manager of FCI did not adhere to the circular but removed him from service and thereupon he made representation to various authorities and finally the matter was represented to the Assistant Commissioner of Labour (Central) for intervention and the matter was referred to the Tribunal for adjudication. So it is requested that he should be paid all back wages since 25th January, 1977 till the date from which the reinstatement will be done and for also continuity of service with terminal benefits from the date of his first appointment on 4th January, 1976.

3. In the counter, it is mentioned that the claimant petitioner worked only from 4th January, 1976 to 24th January, 1977. It is contended that the Industrial Disputes Act has no application as he had no continuous service for one year and thus he is not entitled to any relief under the Act. The Management further mentioned that Gazette Notification referred to is not applicable to him since he is not exempted from the conditions of sponsorship by the Employment Exchange. It is mentioned that he is not regularly appointed or continued in employment and thus the question of non-compliance with the Gazette Notification did not arise.

(a) It is mentioned that the daily rated watchman were found surplus on 17th January, 1977 and hence the services of the claimant had to be terminated while the service of senior watchmen were regularised. The petitioner is only working as hired godowns, Kurnool and they were de hired and the proceeds of de hiring and closure of godowns were under-taken phase-wise and ultimately the godowns were de hired on 16th January, 1978.

(b) So it is mentioned that the worker has no right to challenge the termination order since his services were terminated by reasons of closure of godowns and closure of activities/business at Kurnool Godowns which were de-hired infact. The petitioner is not entitled to be called for interview. Moreover the Petitioner is guilty of latches for not raising a dispute over a period of five years. If this petition is entertained the administration will be confronted with numerous personal problems. There is no comparison between the cases of the others to whom the petitioner made reference.

(c) The Management further submits that the Gazette Notification dated 4th February, 1976 will not be applicable to the petitioner.

4. The petitioner examined himself as W.W. 1 and marked Exs. W-1 to W-8. On the other the management examined one Sri I. V. Ramana Murthy and marked Exs. M1 and M2.

5. The sum and substance of the evidence of W.W.1 is that under Ex. W1 he was appointed as Watchman on daily rated basis from 4th January, 1976 to 24th January, 1977. According to him he made representations to the Department to take him into employment and he approached the authorities concerned with his employment card. Finally the matter was raised before the Conciliation Officer under Ex. W2 and the conciliation proceedings failed as per Ex. W3.

6. He pointed out that Srirama Murthy, S. A. Basha and S. Arshad Basha were reinstated as per Ex. W4, W5 and W6 while he was not considered and the management applied inconsistent in similar circumstances of the workers. He filed the Notification dated 4th February, 1976 as Ex. W7 wherein the Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971 were amended paving way for consideration for such employees for interview. It is his case that he was not called for interview along with the sponsored candidates from the Employment Exchange though he had experience. He requested that he should be reappointed on the lines as was done in the case of Arshad Basha, S. A. Basha and Sriramamurthy. In the cross examination he admitted that he did not complete 240 days continuously but he worked for 277 days with breaks. He denied the suggestion that the case of S. A. Basha, Arshad Basha and Sriramamurthy are different from his case. He denied that Ex. W7 has no application to him as he was appointed subsequent to the commencement of the said G.O.

7. On behalf of the Management, the then District Manager, Kurnool was examined and marked Exs. M-1 and M-2. Ex. M1 is the service particulars of the petitioner. It showed that the petitioner was in Nandyal Hired Godowns, Ex. M-2 showing de-hired godowns during the years 1975-76 and 1976-77. According to him this godown was de-hired on 11th April, 1977. In the cross-examination he admitted that he was not aware of Ex. W-7 issued by the Head Office, New Delhi which he saw subsequently. He conceded that there is recruitment of watchman after this retrenchment and admitted that appointment of 171 workmen is shown as Ex. W8. According to him as the contents of Ex. W7 was general in nature the same was not implemented.

8. The facts are not in dispute. The evidence of W.W.1 as well as the claims statement read with Ex. M1 would show that the Petitioner (W.W. 1) worked as daily rated watchmen from 4th January, 1976 to 24th January, 1977 with breaks as shown in Ex. M1. He was terminated on 25th January, 1977. It is admitted that he worked in all 277 days with breaks. The argument of the management is that the Industrial Dispute Act had no application as he did not complete 240 days continuous service of attendance for eligibility for consideration under the provisions of the I.D. Act etc. has no application to the present facts on the basis of Exs. W-4, W-5 and W-6. Ex. W-4 is a Notification with reference to Sri Sriramamurthy. Ex. Watchman regarding his termination of service on which the Government of India, Ministry of Labour issued instructions to the Regional Managers. It is clarified that the said Sriramamurthy be reinstated on the same terms and conditions on which he was working earlier and the intervening period when the workmen services were terminated and when he is to be reinstated should

be treated by the Food Corporation of India without back wages but at the same time with continuity of service for the payment of terminal benefits. Thus it was mentioned that it was not a fit case where the matter should be referred to industrial adjudication. The factum of issuing such instructions in the case of Srirama Murthy were borne out by Ex. W4 and the same were not denied. Similarly in the case of S. A. Basha who was also an Ex-Watchman, there were terms of settlement dated 16th February, 1983 between the parties showing that the Management (FCI) Kurnool was reinstating S. A. Basha, Ex-Watchman with effect from 1st March, 1983 on the same terms and conditions as he was working earlier and that the reinstatement should be without back wages but it would effect continuity of service for the payment of terminal benefits and they were asked to send implementation report with reference to the said Settlement. In the said case as could be seen under Ex. W5 that Watchman was appointed on daily rated basis from 22nd December, 1975 onwards till 18th November, 1976 with breaks and he was removed from service and the matter was pending before the Conciliation the parties representing the Food Corporation of India Management as well as the representative of the Workers (Md. Miskin Iqbal) arrived at the said settlement as mentioned therein. This is also not disputed. Similarly under Ex. W6 dated 16th February, 1983 on the same date in the case of S. Arshad Basha who was an ex-Watchman, similar orders were passed reinstating him without back wages but giving him continuity of service with terminal benefits. These proceedings under Exs. W4, W5 and W6 would show that the Management has considered similar cases of ex-watchmen who were terminated though they have not completed 240 days continuous service in a calendar year by reinstating them in 1982-83 as could be seen thereunder. In this context Ex. W-7 is relevant. Ex. W-7 dated 4th February, 1976 is a Gazette Notification published in India Gazette with regard to the Staff Regulations of the FCI 1971. It is mentioned that "provided further that such of the employees who were recruited on daily rate basis for period of less than 3 months on or purely temporary basis and whose services have been retained after allowing periodical breaks shall also be eligible to be considered for appointment against direct recruitment along with the candidates sponsored by the respective Employment Exchanges. This notification issued by the Government of India for Food Corporation of India, Head Office. It clearly mentions that those persons who were having periodical breaks and whose services were retained after allowing those breaks shall also be eligible to be considered for appointment along with the direct recruited candidates sponsored by the Employment Exchanges. In the instant case it is prima facie borne out and admitted by M.W.1 also that this petitioner is not called for interview along with other candidates sponsored by the respective Employment Exchanges when there were direct recruitments. It is admitted by M.W. 1 that 171 persons were newly recruited after these persons were retrenched. On the face of Exs. W4, W5 and W6 when similarly situated persons were reinstated without back wages but giving continuity of service for payment of terminal benefits as it happened to Srirama Murthy, S. A. Basha and S. Arshad Basha and when there is clear amendment to the Regulations of the FCI stating that these persons who were having periodical breaks and those have been recruited on daily rated basis for a period of not less than 3 months also or purely temporary basis are eligible for being called for interview and when they are not been called for interview and when petitioner made representation and the same was not considered. It is incorrect and illegal to take a stand that this petitioner is not entitled for similar treatment on the basis of Regulations of FCI which are infact enforced in other cases i.e. Exs. W-4, W-5 and W-6. Ex. W-8 would show that 171 persons were recruited. If Ex. W7 regulations are properly applied and considered, the person who is temporarily appointed as watchman even if there is de-hiring of godown and his services were terminated on 25th January, 1977 the Management should have considered his application along with the applicant's sponsored by the Employment Exchange in view of his past experience in the same field and he should have been preferred in the given circumstances. Exs. W4, W5 and W6 would strengthen the case of the petitioner since they too had similar practice and the management did not hesitate to have a settlement with them though they did not complete Exs. W1 W5 and W6. Ex. W8 would show that 171 persons light of the said Gazette Notification under Ex. W7. Ex. W7 is a boon for such workers and they were terminated

under the Regulations of the FCI and thus the petitioner is entitled to claim benefits thereof even he is appointed subsequently.

9. Thus on a consideration of the entire material placed before me, I hold that the Petitioner is entitled to be reinstated forthwith without back wages but with continuity of service for the purpose of payment of terminal benefits. The petitioner also expressed his willingness to work at anywhere if posted in the entire Zone and the same will not also come in way of administration for fixing them properly without inconvenience to any one.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 15th day of June, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Appendix of Evidence

Witnesses Examined

For the Workmen :

WW-1 D. Chandranna

For the Management :
Witnesses Examined

MW-1 I. V. Ramana Murthy.

Documents marked for the Workman :

Ex. W-1—Appointment Order dated 5-1-76 issued by the District Manager Food Corporation of India, District Office, Kurnool to D. Chandranna.

Ex. W-2—Minutes of Conciliation Proceedings held under Section 12(4) of I. D. Act, 1947 in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their ex-Workman D. Chandranna, on 27-1-84 in the office of the District Manager, F.C.I., Kurnool regarding alleged illegal termination of his services as Watchman.

Ex. W-3—Failure of Conciliation Report dated 7-2-84 in Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their workman D. Chandranna, Ex-daily rated watchman regarding alleged illegal termination of services under Section 12(4) of the I. D. Act, 1947.

Ex. W-4—Photostat copy of the Order No. L-42012 (3)/82-FCI/D.IV (A) from the Desk Officer, Government of India, Ministry of Labour, New Delhi to C. Srirama Murthy with regard to reinstatement as daily rated workman.

Ex. W-5—Photostat copy of the Memorandum of Settlement arrived under Section 12(3) of I. D. Act, 1947, during the conciliation proceedings held on 16-2-83 in the Office of District Manager, Food Corporation of India, Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their ex-Workman S. A. Basha.

Ex. W-6—Photostat copy of the Memorandum of Settlement arrived at under Section 12(3) of the I. D. Act, 1947 during the conciliation proceedings held on 16-2-83 in the Office of the District Manager, Food Corporation of India, Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their ex-Workman S. Arshad Basha.

Ex. W-7—Photostat copy of the notification dated 4-2-76 issued by the Food Corporation of India, Head Office, New Delhi with regard to Staff Regulations, 1971.

Ex. W-8—Photostat copy of the Office Order issued by the District Manager, Food Corporation of India, Kurnool to 171 workmen.

Documents marked for the Management :

Ex. M-1—Statement showing the Attendance particulars in respect of D. Chandranna, Ex-Workman.

Ex. M-2—Photostat copy of the statement showing the details of Godowns hired/dehired during the years 1975-76 and 1976-77.

J. VENUGOPALL RAO, Industrial Tribunal

[No. L-42012/4/84.D.IV(B)|D.V]

नई दिल्ली, 8 जुलाई 1985

का. प्रा. 3419:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम, कुरुनूल के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1 जुलाई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-42012/16/84-डी. 4 बी/डी. 5]

New Delhi, the 8th July, 1985

S.O. 3419.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.) and the workmen, which was received by the Central Government on the 1st July, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopal Rao, Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 44 of 1984

BETWEEN

The workmen of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.)

AND

The Management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.)

APPEARANCES :

Sri Md. Miskin Iqbal, Industrial Law Consultant—for the workmen.

Sri M. V. Bharathi, Advocate—for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-42012(16)/83-D.IV(B)/D.V dated 12-7-1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Food Corporation of India, Kurnool (A.P.) to this Tribunal for adjudication :

"Whether the management of the Food Corporation of India, Kurnool is justified in terminating the services of Shri Shaik Abdul Lateef, Watchman w.e.f. 17-1-1977 ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

This reference was registered as Industrial Dispute No 44 of 1984 and notices were issued to parties.

2. In the claims statement the petitioner, ex-watchman of F.C.I., represented that he worked as daily rated watchman from 26-12-1975 onwards till 17-1-1977 at the F.C.I. Kurnool and his services were terminated from 18-1-1977 for no fault of his though the F.C.I. Head Office, New Delhi issued a Gazette Notification on 4-2-1976 for regularisation of services of daily rated watchmen who were recruited directly by giving an opportunity while conducting interview along with the candidates sponsored by the Employment Exchange.

It is mentioned that the District Manager of Food Corporation of India, did not adhere to the circular but removed him from service and thereupon he made representation to various authorities and finally the matter was represented to the various authorities and finally the matters was represented to the Assistant Commissioner of Labour (Central) for intervention and the matter was referred to the Tribunal for adjudication. So it is requested that he should be paid all back wages since 18-1-1972 till the date from which the reinstatement will be done and of also continuity of service with terminal benefits from the date of his first appointment on 26-12-1975.

3. In the counter, it is mentioned that the claimant petitioner worked only from 27-12-1975 to 17-1-1977 and thus he worked for one year with breaks. It is contended that the Industrial Disputes Act has no application as he had no continuous service for one year and thus he is not entitled to any reliefs under the Act. The Management further mentioned that Gazette Notification referred to is not applicable to him since he is not exempted from the conditions of sponsorship by the Employment Exchange. It is mentioned that he is not regularly appointed or continued in Employment and thus the question of non-compliance with the Gazette Notification did not arise.

(a) It is mentioned that the daily rated watchman were found surplus on 17-1-1977 and hence the service of the claimant had to be terminated while the services of senior watchmen were regularised. The petitioner is only working at Hired godowns, Kurnool and they were de-hired and the process of de-hiring and closure of godowns were undertaken phase-wise and ultimately the godowns were de-hired on 17-1-1978.

(b) So it is mentioned that the worker has no right to challenge the termination order since his services were terminated by reasons of closure of godowns and closure of activities/business at Kurnool Godowns which were de-hired infact. The petitioner is not entitled to be called for interview. Moreover the petitioner is guilty of latches for not raising a dispute over a period of five years. If this petition is entertained the administration will be confronted with numerous personal problems. There is no comparison between the cases of the others to whom the petitioner made reference.

(c) The management further submits that the Gazette Notification dated 4-2-1976 will not be applicable to the petitioner.

4. The petitioner examined himself as WW-1 and marked Exs. W-1 to W-8. On the other hand the Management examined one Sri I. V. Ramana Murthy and marked as Exs. M-1 and M-2.

5. The sum and substance of the evidence of WW-1 is that under Ex. W-1 he was appointed as Watchman on daily raised before the Conciliation Officer and the conciliation the Department to take him into employment and he is approached the authorities concerned. Finally the matter was raised before the Conciliation Officer and the conciliation proceedings failed as per Ex. W-2.

6. He pointed that Sri S. Arshad Basha and S. A. Basha were reinstated as per Exs. W-3 and W-4 while he was not considered and the management applied inconsistency in similar circumstances of the workers. He filed the Notification dated 4-2-1976 as Ext. W-6 wherein the Food Corporation of India (Staff Regulations 1971) were amended paying way for consideration for such employees for interview. It is his case that he was not called for interview along with the sponsored candidates from the Employment Exchange though he had experience. He requested that he should be re-appointed on the lines as was done in the case of Arshad Basha and S. A. Basha and Srirama Murthy. In the cross examination he admitted that he did complete 240 days continuously. He denied the suggestion that the case of S.A. Basha and Arshad Basha and Sriramamurthy are different from his case. He denied the Ex. W-6 has no application to him as he was appointed subsequent to the commencement of the said G.O.

7. On behalf of the management, the then District Manager, Kurnool was examined and marked Exs. M-1 and M-2. Ex. M-1 is the Attendance particulars of the Petitioner.

It showed that the petitioner was in Kurnool hired godown. Ex. M-2 showing de-hired godowns during the years 1975-76 and 1976-77. According to him this godown was de-hired on 17-1-1977. In the cross examination he admitted that he was no aware of Ex. W-6 issued by the Head Office, New Delhi which he saw subsequently. He conceded that there is recruitment of watchman after this retrenchment. According to him as the contents of Ex. W-6 was general in nature the same was not implemented.

8. The facts are not in dispute. The evidence of WW-1 as well as the claims statement read with Ex. M-1 would show that the petitioner (WW-1) worked as daily rated watchman from 26-12-1975 till 17-1-1977 with breaks as shown in Ex. M1. He was terminated on 18-1-1977. The argument of the management is that the Industrial Disputes Act had no application as he did not complete 240 days continuous service of attendance for eligibility for consideration under the provisions of the I. D. Act etc. has no application to the present facts on the basis of Exs. W-3, W-4 and W-5. Ex. W-3 is a notification with reference to Sri S. Arshad Basha, Ex. Watchman regarding his termination of service on which the Government of India, Ministry of Labour issued instructions to the Regional Managers. It is clarified that the said S. Arshad Basha be reinstated on the same terms and conditions on which he was working earlier and the intervening period when the workman's services were terminated and when he is to be reinstated should be treated by the Food Corporation of India without back wages but at the same time with continuity of service for the payment of terminal benefits. Thus it was mentioned that it was not a fit case where the matter should be referred to industrial adjudication. The factum of issuing such instructions in the case of S. Arshad Basha were borne but by Ex. W-3 and the same were not denied. Similarly in the case of S. A. Basha who was also an ex-watchman, there were terms of settlement dated 16-2-1983 between the parties showing that the management (F.C.I.) Kurnool was reinstating S. A. Basha, Ex-Watchman with effect from 1-3-1983 on the same terms and conditions as he was working earlier and that the reinstatement should be without back wages but it would affect continuity of service for the payment of terminal benefits and they were asked to send implementation report with reference to the said settlement. In the said case as could be seen under Ex. W-4 the watchman was appointed on daily rated basis from 22-12-1975 onwards till 18-11-76 with breaks and he was removed from service and the matter was pending before the Conciliation, the parties representing the Food Corporation of India Management as well as the representative of the Workers (Md. Miskin Iqbal) arrived at the said settlement as mentioned therein. This is also not disputed. Similarly under Ex. W-5 dated 6-5-1982 on the same date in the case of Srirama Murthy who was an ex-watchman, similar orders were passed reinstating him without back wages but giving him continuity of service with terminal benefits. These proceedings under Exs. W-3, W-4 and W-5 would show that the Management has considered similar cases of ex-watchmen who were terminated though they have not completed 240 days continuous service in a calendar year by reinstating them in 1982-83 as could be seen thereunder. In this context Ex. W-6 is relevant. Ex. W-6 dated 4-2-1976 is a Gazette Notification published in India Gazette with regard to the Staff Regulations of the FCI 1971. It is mentioned that "provided further that such of the employees who were recruited on daily rate basis for period of less than 3 months on purely temporary basis and whose services have been retained after allowing periodical breaks shall also be eligible to be considered for appointment against direct recruitment along with the candidates sponsored by the respective Employment Exchanges." This notification issued by the Government of India for Food Corporation of India, Head Office. It clearly mentions that those persons who were having periodical breaks and whose services were retained after allowing those breaks shall also be eligible to be considered for appointment along with the direct recruitment candidates as sponsored by the Employment Exchanges. In the instant case it is prima facie borne out and admitted by M.W.1 also that this petitioner is not called for interview along with other candidates sponsored by the respective Employment Exchanges when there were direct recruitment. It is admitted by M.W.1 that 171 persons were newly recruited after these persons were retrenched. On the face of Exs. W3, W4 and W5 when similarly situated persons were reinstated without back wages but giving continuity of service for

payment of terminal benefits as it happened to S. Arshad Basha, S. A. Basha and Srirama Murthy, when there is clear amendment to the Regulation of the F.C.I. stating that those persons who were having periodical breaks and those who have been recruited on daily rated basis for a period of not less than 3 months also or purely temporary basis are eligible for being called for interview and when they have not been called for interview and when petitioner made representation and the same was not considered; it is incorrect and illegal to take a stand that this petitioner is not entitled for similar treatment on the basis of regulation of F.C.I. which are infact enforced in other cases i.e. Exs. W3, W4 and W5. Ex. W8 would show that 171 persons were recruited. If Ex. W6 Regulations are properly applied and considered the person who is temporarily appointed as watchman even if there is de-hiring godown and his services were terminated on 18-1-1977 the Management should have considered his application along with the applicants sponsored by the Employment Exchange in view of his past experience in the same field and he should have been preferred in the given circumstances. Exs. W3, W4 and W5 would strengthen the case of the petitioner since they too had similar practice and the Management did not hesitate to have a settlement with them though they did not complete 240 days continuous service in a calendar year in the light of the said Gazette Notification under Ex. W6. Ex. W6 a boon for such workers and they were terminated under the Regulations of the F.C.I. and thus the petitioner is entitled to claim benefits thereof even he is appointed subsequently.

9. Thus on a consideration of the entire material placed before me, I hold that the petitioner is entitled to be re-instated forthwith without back wages but with continuity of service for the purpose of payment of terminal benefits. The petitioner also expressed his willingness to work at anywhere if posted in the entire zone the same will not also come in way of administration for fixing them properly without inconvenience to any one.

Award passed accordingly.

Dictated to the stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 12th day of June, 1985.

APPENDIX OF EVIDENCE

Witness examined for the Workman. For the Management.

1. W.W.1 Shaik Abdul late of (1) MW.1. I. V. Ramana Murty.

Documents marked for the workman

1. Ex. W1. Appointment order dated 26-12-75 issued by the District Manager Food Corporation of India, Kurnool to Shaik Abdul Lateef.
2. Ex. W2 Minutes of the conciliation proceedings held on 9-12-83 in the Office of the RLC(c) Hyderabad in the Industrial Disputes between the Management of Food Corporation of India, Kurnool and their workman Shaik Abdul Lateef, Ex-Workman regarding alleged illegal termination of Services.
3. Ex. W3 Photostat copy of the Memorandum of settlement arrived at U/s. 12(3) of I.D. Act, 1947 during the conciliation proceedings held on 16-2-83 in the office of District Manager, F.C.I. Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of F.C.I. Kurnool and their ex-workman S. Arashad Basha.
4. Ex W4 Photo Stat copy of the Memorandum of Settlement arrived at U/s. 12(3) of I.D. Act, 1947 during the conciliation proceedings held on 16-2-83 in the office of District Manager, F.C.I. Kurnool in the Industrial Dispute between the Management of F.C.I. Kurnool and their ex-workman S. A. Basha.
5. Ex. W5 Photo Stat copy of the Order No. L-42012-(3)/82-F.C.I./D.IV(A) dated 6-5-82 issued by the Desk Officer, Government of India Ministry of Labour, New Delhi with regard to re-instatement of C. Shri Srirama Murty.

6. Ex. W6 Photo Stat copy of the notification dt. 4-2-76 issued by the Food Corporation of India, Head Office, New Delhi, with regard to Food Corporation of India (Staff) Regulations 1971.

7. Ex. 7 Representation dt. 23-12-82 made by Shaik Abdul Lateef to the Regional Manager, Food Corporation of India, Regional Office, Hyderabad with regard to re-instatement.

8. Ex. W8 Photo Stat copy of the Office order issued by the Food Corporation of India, Kurnool to 171 workmen.

Document marked for the Management

1. Ex. M1 Statement showing the Attendance particulars of Shaik, Abdul Lateef.

2. Ex. M2 Statement Showing the details of Godowns hired/dehired during the years 1975-76 and 76-77.

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal
[No. L-42012/16/82-D.IV(B)/D.V]

R. K. GUPTA, Desk Officer

नई दिल्ली, 5 जून, 1985

का. अ. 3420—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केंद्रीय सरकार भारत कोकिंग कोल लि. को बनेडीह कोलियरी के प्रबंधसंघ से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच झुनबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केंद्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, न. 2, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 2-7-1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 5th July, 1985

S.O. 3420.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Benedih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd July, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT:

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 8 of 1985

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

PARTIES:

Employers in relation to the management of Benedih Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of the employers: Shri B. Joshi, Advocate.

On behalf of the workmen: Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

STATE: Bihar.

INDUSTRY: Coal.

Dated, Dhanbad, the 25th June, 1985

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-20012(324)/84-D.III(A), dated, the 25th January, 1985.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Benedih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. P.O. Nawagarh, Distt. Dhanbad in not regularising Shri Raj

Kishore Choudhary as Loading Clerk Grade-II is justified? If not, to what relief is he entitled?"

The case of the workman is that the concerned workman Shri Raj Kishore Choudhary had been working as Asstt. Loading Clerk since 1-5-73. Since 7-3-80 he has been working as Loading Clerk Grade-II in place of Shri P. C. Sah Loading Clerk who was promoted as Loading Superintendent. Since 3-9-80 the concerned workman has been performing the same and similar job as is being performed by Shri P. C. Sah Loading Supdt. The concerned workman has put in more than 240 days attendance as Loading Clerk in each calendar year since 7-3-80 and he should have been regularised as Loading Clerk in Grade-II after completion of one year of continuous service. The concerned workman represented before the management several times for his regularisation as Loading Clerk in Grade-II but the management did not regularise. The B.C.K.U. of which the concerned workman is a member, raised an industrial dispute before the ALC(C) Dhanbad on 15-4-81 for conciliation. During the said conciliation proceeding the management assured the union that the concerned workman will be regularised through D.P.C. and on the said assurance of the management the union withdrew the dispute. The concerned workman waited patiently on the said assurance for sometime and when the management refused to regularise him the union again raised the dispute in respect of the concerned workman before the ALC(C), Dhanbad on 13-3-84. The conciliation proceeding ended in failure and thereafter the present reference was made by the Govt. The action of the management in not regularising the concerned workman as loading Clerk in Grade-II is illegal, arbitrary and against the principles of natural justice. The concerned workman had in the past received the difference of wages of Clerical Grade-II and Clerical Grade-III for 9 months when he had worked as Loading Clerk. The concerned workman is an active member of B.C.K. Union and as such the management is biased against him. The demand of the workman is that the management be directed to regularise the concerned workman as Loading Clerk in Grade-II with retrospective effect with consequential benefits.

The case of the management is that the concerned workman has been working as Asstt. Loading Clerk since 1-5-73 and has been placed in Clerical Grade-III. According to the recommendation of the Coal Wage Board Asstt. Loading Clerks are placed in Clerical Grade-III whereas Loading Clerks are placed in Clerical Grade-II and they work under the supervision of the Loading Supervisor placed in Clerical Grade-I or Special Grade. The duties of Loading Clerks and Asstt. Loading Clerks are similar in some respects but the responsibilities of the Loading Clerk is higher depending upon the capacity of siding and number of wagon loaders deployed in a siding and accordingly clerical duties are entrusted to a Loading Clerk or an Asstt. Loading Clerk. The placement of Loading Personnel at different sidings is purely at the discretion of the management according to their requirement. Shri P. C. Sah is the Loading Supdt. under whose control and supervision the Loading Clerk, Asstt. Loading Clerk and Loading Munshi etc. work in different sidings. There is a cadre scheme of promotion of clerical staff and the Loading Personnel are also promoted from lower grade to higher grade according to the norms of promotion which is Seniority-cum-suitability. The concerned workman was not promoted to the post of Loading Clerk and as such he was not placed in clerical Grade-II. The demand of the concerned workman be promoted to the post of Loading Clerk in Clerical Grade-II by way of regularisation is without any basis. The concerned workman had not been deputed to work as Loading Clerk and he has not performed the duties of Loading Clerk and as such his claim for regularisation on the substantive post of Loading Clerk cannot be accepted. The management denies that the concerned workman performed the duties of Loading Clerk since 7-3-80 or that he was performing the duties of Loading Supdt. from 3-9-83. The management had never given any assurance for regularising the concerned workman in Clerical Grade-II. The concerned workman did not ever put 240 days of attendance in any calendar year as Loading Clerk. There is no policy to regularise a Clerk in higher grade on the basis of duties performed by him of higher grade and the post of higher grade are filled up by the promotion done according to the promotion scheme. Accordingly it is submitted on behalf of the management that the concerned workman is not entitled to any relief.

The point for determination in this reference is whether the concerned workman is working as Loading Clerk since 7-3-80 and that he deserves to be regularised as Loading Clerk in Grade-II.

The management have examined three witnesses in support of their case and the workmen have examined two witnesses in support of the case of the concerned workman. Besides that the management have produced document which have been marked Ext. M-1 to M-5. The documents produced on behalf of the concerned workman have been marked as Ext. W-1 to W-6.

From the facts stated above it will appear that the claim of the concerned workman is that he should be regularised as Loading Clerk in Clerical Grade-II as he has been working as Loading Clerk since 7-3-80. The question, therefore to be first determined is whether the concerned workman was working as a Loading Clerk from 7-3-80. WW-2 is the concerned workman. He has stated that he has no letter with him to show that Shri Mahendra Lal, Agent of Benedih Colliery had asked him to take over charge as loading Clerk from P. C. Sah who had been promoted as Loading Superintendent. It is therefore admitted that the management had not issued any letter of authorisation to the concerned workman to take charge from Shri P.C. Sah as Loading Clerk. Shri P.C. Sah however, who has been examined as WW-1 has stated that he had handed over charge of Loading Clerk to the concerned workman in 1980 when he became loading Supdt. Thus according to the evidence of WW-1 and WW-2 it is asserted that the concerned workman was working as a Loading Clerk since 5-3-80 although there is no document to show that the concerned workman had been authorised to take charge from Shri P. C. Sah as a Loading Clerk.

WW-2 has given his evidence about the job performed by an Asstt. Loading Clerk and has stated that as Asstt. Loading Clerk he used to take the number of wagons placed for Loading and to affix label on the wagons and further to write down the names of the persons engaged for loading and to handover the same to the Loading Clerk. He has also stated as to what job was performed by Shri P. C. Sah as a Loading Clerk and has stated that Shri P. C. Sah was maintaining Form IVA and Form E. He has asserted that if Form IVA and Form E is brought it will show that he was working as a Loading Clerk from 1980 and that he was designated as Loading Clerk. WW-1 has also stated that as Loading Clerk he used to mark attendance of Wagon Loaders and shale pickers and used to prepare Form IVA of the wagons loaders and shale pickers and that while he was working as Loading Clerk he was in Grade-II. The case of the management on the other hand is that the duties of Loading Clerk and Asstt. Loading Clerk are similar except in respect of the higher responsibilities of the Loading Clerk. MW-2 is working as Manager (Operation) in Benedih Colliery since February, 1983. He has stated that Shri R. N. Choudhary was the Loading Supervisor who was subsequently transferred and in his place Shri P. C. Sah became the Loading Supervisor. He has also stated that the concerned workman who was working as Asstt. Loading Clerk was transferred to Dugda Washery and he worked there as Asstt. Loading Clerk. He has also stated about the job of Asstt. Loading Clerk which is similar to the evidence of WW-1 and WW-2. He has denied that the concerned workman had worked as Loading Clerk. According to him the Loading Clerk works under the supervision and direction of the Loading Supervisor and the Loading Clerk is next to the Loading Supervisor and all persons under him work under the Loading Clerk. He has stated that there was no Loading Clerk when he had joined Benedih Colliery in February, 1983. In his further cross-examination he has stated that the Loading Clerk maintains Form IVA and Form E register and the Asstt. Loading Clerk also does the same job. It will appear from the evidence of MW-2 and WW-2 that the concerned workman was posted at Dugda Washery along with P. C. Sah and at that place the concerned workman did not maintain any Form IVA or Form E. It will appear from their evidence that the duties being performed by the concerned workman at Dugda Washery was different from the duties which were being performed by the concerned workman in Benedih Colliery. Thus the period during which the concerned workman asserts to have worked as a Loading Clerk is confined between the period from 7-3-80 to 8-5-83 as the concerned workman was posted at Dugda washery since 9-5-83.

Ext. M-2 is the Staff Attendance register written by the Time Keeper Shri K. K. Singh in which the attendance is marked by the workmen. The attendance of the concerned workman also is marked in this attendance register Ext. M-2. This attendance register Ext. M-2 is for the period from 16-7-82 to 15-2-83. The designation of the workmen is stated in it. In the attendance register from 16-7-82 to 15-2-83 the concerned workman has been shown designated as Asstt. Siding Clerk except in the attendance for 16-9-82 to 15-10-82 his designation is shown as Loading Clerk and the column for designation in the attendance for 16-1-83 to 15-2-83 is blank. I have carefully gone through the entries in this register and have noticed that at some places the designation of workmen are not stated. Even in the case of the concerned workman in the attendance for the period from 16-1-83 to 15-2-83 the designation is not written in the said column. Except in the Attendance for 16-9-82 to 15-10-82 the concerned workman has been shown as Asstt. Siding Clerk which is equivalent to the Asstt. Loading Clerk. There is no evidence but on careful perusal it appears that the Loading Clerk in the Attendance Register from 16-9-82 to 15-10-82 was inserted sometime afterwards as the said column might have been left blank. The reason for this conclusion is based on the fact that in the said attendance register prior to 16-9-82 and after 15-10-82 the concerned workman has been shown designated as Asstt. Siding Clerk. The overall picture which Ext. M-2 presents is that the concerned workman was shown designated as Asstt. Siding Clerk during the period 16-7-82 onwards. This register therefore cannot be used to establish that the concerned workman was shown as Loading Clerk in the Attendance Register and that it appears from this attendance register that he was working as Asstt. Siding Clerk which is equivalent to Asstt. Loading Clerk.

Ext. M-1 to M-1/4 are registers in Form E for the period from 13-1-80 to 9-8-80. These registers are in the writing of Shri P. C. Sah and the concerned workman and the attendance of the shale pickers are marked in it. The case of the concerned workman is that these registers were maintained by the Loading Clerk but the case of the management, on the other hand in that these registers are maintained by both Asstt. Loading Clerk and the Loading Clerk. On perusal of Ext. M-1 it appears that day-to-day attendance are mostly signed by Shri P. C. Sah who was admittedly the Loading Clerk and that on some dates the concerned workman has also signed the attendance. It will also appear that P.C. Sah has signed as the person who has kept this register on all the dates except on 26-1-80 which is signed by the concerned workman. In some of the pages of the Attendance Register, I have found that both P. C. Sah and the concerned workman have signed the attendance register on a number of days. Thus it appears from Ext. M-1 that this was being maintained by the Loading Clerk and the concerned workman who was admittedly an Asstt. Loading Clerk during the period when Ext. M-1 was maintained was also maintaining it. Similarly is the case in Ext. M-1/5 which is for the period from 10-2-80 to 8-3-80. The case of the concerned workman is that he took over charge from Shri P. C. Sah on 7-3-80 and since then he was doing the work of Loading Clerk. But from the last page of Ext. M-1/5 it will appear that P. C. Sah has signed this register as Loading Clerk and had dated it as 9-3-80. Thus it appears that Shri P. C. Sah continued working as Loading Clerk till 9-3-80 and that this register will not show that the concerned workman had started working as Loading Clerk on 7-3-80. Ext. M-1/4 is the Attendance Register from 9-3-80 to 5-4-80. It will appear that till 14-3-80 this register was not being maintained by the concerned workman. The concerned workman has signed this register as Loading Clerk from 15-3-80. Ext. M-1/1 is from 4-5-80 to 7-6-80 and Ext. M-1/3 is from 6-7-80 to 9-8-80. Admittedly, all these registers contain the signature of the concerned workman in which he has described himself as Loading Clerk. On further perusal of these registers it will appear that Shri P. C. Sah was signing on each day of the register even after the date from which it is claimed that he became a Loading Supervisor. This fact lends support to the case of the management that P. C. Sah was actually working as a Loading Clerk even after 7-3-80, although he is stated to be promoted as a Loading Supervisor, and as such he was also maintaining the attendance register along with the concerned workman. WW-1 P. C. Sah has stated that Shri R. N. Choudhary was senior to him and that he (Shri P. C. Sah) was working under

him. He has stated that Shri R. N. Choudhary was transferred in Block 2 Office in March 1983. WW-2 has also stated in his cross-examination that Shri R. N. Choudhary was transferred to Block 2 area office in 1983 and that Shri P. C. Sah was working under him. He has also stated that Shri P. C. Sah along with him were transferred to Dugda in 1983. It will appear therefore that as Shri R. N. Choudhary was transferred to Block 2 area office in 1983, P. C. Sah was still working as Loading Clerk till 1983 as Shri R. N. Choudhary had not been transferred from there and it was for this reason that Shri P. C. Sah was also marking the attendance in Ext. M-1 series even after the period of his alleged promotion as Loading Supervisor.

Ext. M-3 is Form IVA of Benedih Colliery in which the work done by piece rated workers namely permanent wagon loaders and casual wagon loaders is detailed. Admittedly this was prepared by the concerned workman as stated by MW-1. This has been filed to show that the concerned workman had described himself as Loading Clerk from 20-6-83 to 11-8-83 and it is also signed by Shri P. C. Sah. Admittedly the word "स" has been inserted before 'Ladan Lipik' by Shri K. K. Singh Time Keeper in Ext. M-3 series. MW-1 has stated that the designation was corrected by the Time Keeper as the concerned workman had described himself as Loading Clerk although he was Asstt. Loading Clerk. As Ext. M-3 was prepared by the concerned workman it was in his hand to describe himself as Loading Clerk but when it came to the notice of the Time Keeper he corrected his designation as Asstt. Loading Clerk.

Ext. M-4 to M-4/2 are three Leave applications under the signature of the concerned workman in which the concerned workman has shown his designation as Asstt. Loading Clerk. These are the petitions for leave during the year 1984. If the concerned workman was working as Loading Clerk he would not have described himself as Asstt. Loading Clerk in Ext. M-4 series. These applications were made in due course before the management and he had correctly described his designation as Asstt. Loading Clerk as these applications were with the management he could not lay his hand on it to change the said designation of Asstt. Loading Clerk stated in it. These papers had gone out of his hands but so far Ext. M-1 series, Ext. M-3 are concerned the concerned workman had described himself as Loading Clerk. In the office order Ext. W-3 and W-4 the concerned workman has been shown designated as Asstt. Loading Clerk in the year 1983-84. It will appear from the W.S. of the concerned workman that the industrial dispute was first raised before the ALC (C), on 15-4-81 Ext. W-1 is the comment filed on behalf of the management before the ALC(C), Dhanbad on 12-5-81 in which it is stated that the concerned workman was designated as Asstt. Loading Clerk and performing the duties of Asstt. Loading Clerk. It appears, therefore that the concerned workman had started claiming as Loading Clerk since 15-4-81 and it is quite possible that since then he was creating papers which were in his possession to show that he was a loading clerk and the papers which have been filed showing him designated as Loading Clerk are only those documents which have been created by the concerned workman. Ext. M-2 is the Attendance Register for the year 1982-83 in which the designation of the concerned workman is shown as Asstt. Loading Clerk and if that was not the correct designation the concerned workman would have objected to it. The designation of Loading Clerk shown in Ext. M-2 in one month, as I have discussed above, appear to be a subsequent entry as the Column was left blank.

WW-1 Shri P. C. Sah has come to support the case of the concerned workman and from the perusal of the register it appears that he had the concerned workman had always worked together and as such he has come to support the concerned workman.

It will appear that there is no reliable materials on the record to show that the concerned workman was directed to take charge of a Loading Clerk from P. C. Sah on 7-3-80 and that he was working as a Loading Clerk since then. It is admitted by Shri P. C. Sah (WW-1) himself that there was no order in writing to show what work are to be done by the Loading Clerk or the Asstt. Loading Clerk and that the Asstt. Loading Clerk used to help the Loading Clerk and

he was to work as assigned by the Loading Clerk. WW-2 has also stated that he has no paper to show as to what work has to be done by the Asstt. Loading Clerk and what work are to be done by the Loading Clerk. He has stated that the work of Asstt. Loading Clerk is to help in the work of Loading Clerk and that he was doing all the work as directed by Shri P. C. Sah. A suggestion was made to him that Form IVA and Form E are maintained both by the Loading Clerk and the Asstt. Loading Clerk but he has denied. It is clear therefore that the writing of Form IVA and Form E Registers by the concerned workman will not establish that he had written those registers as a Loading Clerk.

*In view of the discussions made above I hold that the concerned workman was working as Asstt. Loading Clerk and that he was not either directed to work as Loading Clerk or had worked as Loading Clerk from 7-3-80 and as such there is no question of his regularisation as Loading Clerk in Grade-II. The question of promotion of a workman is a managerial function and the Tribunal cannot interfere in this reference.

In the result I hold that the action of the management of Benedh Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. in not regularising the concerned workman Shri Raj Kishore Chaudhary a Loading Clerk in Grade-II is justified and that the concerned workman is not entitled to any relief.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer
[No. L-20012/324/84-D. III(A)]
A. V. S. SARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1985

का. प्र. 3431:—प्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरी खानी, जिला करीम नगर, उक्त अधिनियम की धारा 33 क के अन्तर्गत श्री आई. पी. वाट्स द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निदिष्ट प्रौद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 12th July, 1985

S.O. 3421.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri I. P. Watts a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao,
Chairman, Industrial Tribunal (Central).
Miscellaneous Petition No. 140/83.

IN

Industrial Dispute No. 11/82

BETWEEN :

I.P. Watts Workman of
Singareni Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar
District, (A.P.) .. Petitioner.

AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
(Andhra Pradesh) .. Respondent.

APPEARANCES :

(1) Sri G. Bikshapathy, Advocate—for the petitioner.
(2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigal and
Kumari G. Sudha, Advocate—for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of the I.D. Act, while I.D. No. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition become unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal
[No. L-29025/3/85-D.III(B) (XVI)]

का. प्र. 3422:—प्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरी खानी, जिला करीमनगर, उक्त अधिनियम की धारा 33 क के अन्तर्गत श्री एस. राजेश्वर राव द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध यथा निदिष्ट प्रौद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार 27 जून, 1985 प्राप्त हुआ था।

S.O. 3422.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri S. Rajeshwara Rao, workman of Singareni Collieries Company Limited, Karimnagar Distt. which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao,
Chairman, Industrial Tribunal (Central).
Miscellaneous Petition No. 146/83

IN

Industrial Dispute No. 11/82

BETWEEN :

S. Rajeshwar Rao,
Workman of Singareni Collieries Company
Limited, Godavarikhani,
Karimnagar District, (A.P.) —Petitioner.

AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
(Andhra Pradesh) —Respondent.

APPEARANCES :—

(1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the petitioner.
(2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Seigal and
Kumari G. Sudha, Advocate for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act, while I.D. No. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition become unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO,
Industrial Tribunal
[No. L-29025/3/85-D. III (B) (xxi)]

का. प्र. 3423:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 16 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरीखानी, जिला करीमनगर, उक्त अधिनियम की धारा 33क के अन्तर्गत श्री पी. कन्काईया द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 प्राप्त हुआ था।

S.O. 3423.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri P. Kanakaiah, a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani Karimnagar Distt. A.P. which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao,

Chairman, Industrial Tribunal (Central).

Miscellaneous Petition No. 154/83.

IN

Industrial Dispute No. 11/82

BETWEEN :

P. Kanakaiah,

Workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani,

Karimnagar District, (A.P.)

—Petitioner.

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, (Andhra Pradesh)

—Respondent.

APPEARANCES :—

(i) Sri G. Bilhapathy, Advocate for the petitioner.

(2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocate for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of the I.D. Act, while I.D. No. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition become unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L-29025/3/85-D.III(B)/(xxix)]

का. प्र. 3424:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरीखानी जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33क के अन्तर्गत श्री के. वेंकटेश्वर द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3424.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri K. Venkataiah a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani Karimnagar Distt. (A.P.) which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao,
Chairman, Industrial Tribunal (Central).
Miscellaneous Petition No. 153/83

IN

Industrial Dispute No. 11/82

BETWEEN :

K. Venkataiah,

Workman of Singareni Collieries Company, Limited, Godavarikhani,

Karimnagar District, (A.P.)

—Petitioner.

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, (Andhra Pradesh)

—Respondent.

APPEARANCES :—

(1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the petitioner.

(2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocate for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of the I.D. Act, while I.D. No. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition become unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L-29025(3)/85-D.III(B)/(xxviii)]

का. प्र. 3425:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड गोदावरीखानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33क के अन्तर्गत श्री के. वेंकटेश्वर द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 प्राप्त हुआ था।

S.O. 3425.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri D. Sanjeevaiah, workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani Karimnagar Distt. (A.P.) which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal
(Central).

Miscellaneous Petition No. 144/83

IN

Industrial Dispute No. 11/82.

BETWEEN

D. Sanjeevaiah,

Workman of Singareni Collieries Company,
Limited, Godavarikhani,
Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

...Petitioner.

AND

The Management of Singareni,
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,

Andhra Pradesh.

...Respondent.

APPEARANCES :

Sri G. Bikshapathy, Advocate—for the Petitioner.
Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigal and
Kumari G. Sudha, Advocates—for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO,

Industrial Tribunal

[No. L-29025/3/85-D. III(B)/(xxvi)]

का. आ. 3426:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरीखानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33क के अन्तर्गत श्री बी. राजागोपाल रेड्डी द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैबराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 प्राप्त हुआ था।

S.O. 3426.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri V. Rajagopal Reddy a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani Distt. Karimnagar which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal
(Central).

Miscellaneous Petition No. 143/83.

IN

Industrial Dispute No. 11/82.

BETWEEN

V. Rajagopal Reddy,
Workman of Singareni Collieries Company,
Limited, Godavarikhani,
Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

...Petitioner.

AND

The Management of Singareni,
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

...Respondent.

APPEARANCES :

Sri G. Bikshapathy, Advocate—for the Petitioner.
Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigal and
Kumari G. Sudha, Advocates—for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Industrial Tribunal

Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L-29025/3/85-D. III (B) (xxv)]

का. आ. 3427:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरीखानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33क के अन्तर्गत श्री बी. वी. सत्यानारायण द्वारा दायर की शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैबराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 प्राप्त हुआ था।

S.O. 3427.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri V. V. Satyanarayana, a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Distt. Karimnagar (A.P.) which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal
(Central).

Miscellaneous Petition No. 141/83.

IN

Industrial Dispute No. 11/82.

BETWEEN

D. Satyanarayana,
Workman of Singareni Collieries Company,
Limited, Godavarikhani,
Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

...Petitioner.

AND

The Management of Singareni,
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

...Respondent.

APPEARANCES :

Sri G. Bikshapathy, Advocate—for the Petitioner,
Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and
Kumari G. Sudha, Advocates—for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L-29025/3/85-D. III(B)/(xxiii)]

का. घा. 3428:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरीखानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33क के अन्तर्गत श्री के. वीरास्वामी द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 प्राप्त हुआ था।

S.O. 3428.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri K. Veera Swamy a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani Karimnagar Distt (A.P.) which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal
(Central).

Miscellaneous Petition No. 151/83

IN

Industrial Dispute No. 11/82.

BETWEEN

K. Veera Swamy,

Workman of Singareni Collieries Company,
Limited, Godavarikhani,
Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

...Petitioner.

AND

The Management of Singareni,
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

...Respondent.

458 GJ/85—21

APPEARANCES :

Sri G. Bikshapathy, Advocate—for the Petitioner.
Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and
Kumari G. Sudha, Advocate—for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L-29025/3/85-D. III(B) (xx)]

का. घा. 3429:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरीखानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33 के अन्तर्गत श्री डी. संजीवहया द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 प्राप्त हुआ था।

S.O. 3429.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri V. Sanjeevaiah a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani Karimnagar Distt (A.P.) which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal
(Central).

Miscellaneous Petition No. 150/83.

IN

Industrial Dispute No. 11/82.

BETWEEN

V. Sanjeevaiah,

Workman of Singareni Collieries Company,
Limited, Godavarikhani,
Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

Petitioner.

AND

The Management of Singareni,
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

...Respondent.

APPEARANCES :

Sri G. Bikshapathy, Advocate—for the Petitioner.
Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and
Kumari G. Sudha, Advocate—for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman
Industrial Tribunal
[No. L-29025/3/85-D. III(B)(xix)]

का. आ. 3430:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरीखानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33क के अन्तर्गत श्री दाई. एल. कन्थाराव द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3430.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri Y. L. Kantha Rao a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani Distt. Karimnagar (A.P.) which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal
(Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 143/83

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82.

BETWEEN

Y. L. Kantha Rao,

Workman of Singareni Collieries Company,
Limited, Godavarikhani,
Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

...Petitioner.

AND

The Management of Singareni,
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

..Respondent.

APPEARANCES :

Sri G. Bikshapathy, Advocate—for the Petitioner.

Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and
Kumari G. Sudha, Advocates—for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman
Industrial Tribunal
[No. L-29025/3/85-D. III(B)/(xviii)]

का. आ. 3431:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरी खानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33क के अन्तर्गत श्री डी. सुर्याप्रकाश द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3431.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri D. Suryaprakash, a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Distt. Karim Nagar (A.P.) which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal
(Central).

Miscellaneous Petition No. 141/83

IN

Industrial Dispute No. 11/82

BETWEEN

D. Suryaprakash,

Workman of Singareni Collieries Company,
Limited, Godavarikhani,
Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

...Petitioner.

AND

The Management of Singareni,
Collieries Company Limited,

Karimnagar District,

Andhra Pradesh.

..Respondent.

APPEARANCES :

Sri G. Bikshapathy, Advocate—for the Petitioner.

Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and
Kumari G. Sudha, Advocates—for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman
Industrial Tribunal
[No. L-29025/3/85-D. III(B)/(xvii)]

का. प्रा. 3433.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरीखानी, जिला करीमनगर, उक्त अधिनियम की धारा 33-क के अन्तर्गत श्री श्री. रामाराव द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3432.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri V. Rama Rao a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar Distt. (A.P.) which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD

PRESENT

Sri J. Venugopal Rao,
Chairman, Industrial Tribunal (Central)

MISCELLANEOUS PETITION NO. 139/83

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82

BETWEEN

V. Rama Rao, Workman
of Singareni Collieries
Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
(Andhra Pradesh) ...Petitioner.

AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh. ...Respondent.

APPEARANCES :

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate—for the Petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates—for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed under Section 33(a) of I.D. Act, while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman
Industrial Tribunal
[No. L-29025/3/85-D.III(B)](xv)]

का. प्रा. 3433.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरीखानी, जिला करीमनगर, उक्त अधिनियम की धारा 33-क के अन्तर्गत श्री ई. वेन्कटे द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3433.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri E. Venkate, a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar Distt. A.P. which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD

PRESENT

Sri J. Vanugopala Rao,
Chairman, Industrial Tribunal (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 152/83

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82

BETWEEN

E. Venkate, workman of
Singareni Collieries Company
Limited, Godavarikhani,
Karimnagar District (A.P.) ...Petitioner

AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh. ...Respondent

APPEARANCES :

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate—for the Petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigar and Kumari K. Sudha, Advocates—for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed under section 33(a) of I.D. Act, while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed of this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman
Industrial Tribunal
[No. L-29025/3/85-D. III(B)](xxvii)]

का. प्रा. 3434.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरीखानी, जिला करीमनगर, उक्त अधिनियम की धारा 33-क के अन्तर्गत श्री जे. मल्लैया द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3434.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri J. Mallaiiah, a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani Karimnagar Distt. which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL
(CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 149/83

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82

BETWEEN

J. Mallaiiah, workman of
Singareni Collieries
Company Limited, Godavarikhani,
Karimnagar District, (A.P.) .. Petitioner

AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh. ... Respondent

APPEARANCES :

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocate for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman,
Industrial Tribunal

[No. L-29025/3/85-D. III(B)](xxiv)]

सं. आ 3435.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरीखानी, जिला करीमनगर, उक्त अधिनियम की धारा 33-क के अन्तर्गत श्री च. वेंकटाiah द्वारा की गई शिकायत पर यथा अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है जो राष्ट्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3435.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri Ch. Venkataiah, a workman of Singareni Collieries Company Limited, which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL
(CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 142/83

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82

BETWEEN

Ch. Venkataiah, workman of
Singareni Collieries Company Limited,
Godavari Khani,
Karimnagar District (A.P.) .. Petitioner

AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh. ... Respondent

APPEARANCES

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed under Section 33(a) of the I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman,
Industrial Tribunal

[No. L-29025/3/85-D. III(B)](xiii)]

का. आ 3436.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरीखानी जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33-क के अन्तर्गत श्री एन. रामानारायणा द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3436.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (AP) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri N. Ramnarayana, a workman of Singareni Collieries Company Ltd., Godavrikhani, Distt. Karimnagar, AP. which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL :
AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal, (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 162/83 IN INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82.

BETWEEN

N. Ramnarayana workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District (A.P.)—Petitioner.

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh. ... Respondent.

APPEARANCES :

(1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner.

(2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence.

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman,
Industrial Tribunal.

[No. L-29025(3)/85-D.III.B(viii)]

का. भा. 3437.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरीखानी जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33-क के अंतर्गत श्री के. सुधाकर रेड्डी द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3437.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri K. Sudhakar Reddy, a workman of Singareni Collieries Company Ltd., which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL
(CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 138/83.

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82.

BETWEEN :

K. Sudhakar Reddy,
Workman of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh. ... Petitioner.

AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh. ... Respondent.

APPEARANCES :

(1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner.

(2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence.

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman,
Industrial Tribunal

[No. L-29025(3)/85-D.III.B(xiv)]

का. भा. 3438.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरीखानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33-क के अंतर्गत श्री जी. वी. सत्यानारायणा द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3438.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri G. V. Satyanarayana, a workman of Singareni Collieries Company Ltd., Godavarikhani, District Karimnagar, A.P., which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL
(CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial
Tribunal (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 163/83.
IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82.

BETWEEN :

G. V. Satyanarayana,
Workman of Singareni
Collieries Company Limited,

Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

.. Petitioner.

AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

... Respondent.

APPEARANCES :

(1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner.

(2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribe by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence.

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman,
Industrial Tribunal.

[No. L-20025(3)/85-D.III.B(ix)]

का. आ. 3439.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कंपनी लिमिटेड, गोदावरीखानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33 क के अंतर्गत श्री एम. नारायण द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3439.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under

Section 33-A of the said Act, filed by Shri M. Narasiah, a workman of Singareni Collieries Company Ltd., Godavarikhani, District Karimnagar, which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL
(CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial
Tribunal (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 161/83.

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82.

BETWEEN :

M. Narasiah,
Workman of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

... Petitioner.

AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

... Respondent.

APPEARANCES :

(1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner.

(2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence.

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman,
Industrial Tribunal

[No. L-20025(3)/85-D.III.B(xii)]

का. भा. 3440.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोयलीज कंपनी लिमिटेड, गोदावरी खानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33क के अंतर्गत श्री ए. एलाहया द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निविष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence.

NIL

Industrial Tribunal

[No. L-29025(3)|85-D.III.B(xii)]

S.O. 3440.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri A. Ellaiah, a workman of Singareni Collieries Company Ltd. Godavrikhani, District Karimnagar which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL
(CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 164|83.

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11|82.

BETWEEN :

A. Ellaiah,

Workman of Singareni

Collieries Company Limited,

Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

... Petitioner.

AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

... Respondent.

APPEARANCES :

(1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner.

(2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11|82 is pending.

Since I.D. No. 11|82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

का. भा. 3441.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोयलीज कंपनी लिमिटेड, गोदावरी खानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33क के अंतर्गत श्री बी. रामाचन्द्रा रेड्डी द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निविष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3441.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri B. Ramachandra Reddy, a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, District Karimnagar A.P. which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL
(CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 160|83.

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11|82.

BETWEEN :

B. Ramachandra Reddy,
Workman of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

... Petitioner.

AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh.

APPEARANCES :

(1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner.

(2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence.

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman,

Industrial Tribunal

[No. L-29025/3/85-D.III(B)(vi)]

का. आ. 3442.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कंपनी लिमिटेड, गोदावरी खानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33क के अंतर्गत श्री के. नारायणा रेड्डी द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3442.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad (AP) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri K. Narayana Reddy, a workman of Singareni Collieries Company Ltd. Godavarikhani, Distt. Karimnagar which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL
(CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial
Tribunal, (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 159/83.

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82.

BETWEEN

K. Narayana Reddy, Workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District (A.P.Petitioner

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh. Respondent.

APPEARANCES

(1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the petitioner.

(2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed under Section 33(a) of I. D. Act while I. D. 11/82 is pending.

Since I. D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary at the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Sd/-

Industrial Tribunal

Appendix of Evidence.

NIL

arma/12-6-85.

J. VENUGOPALA RAO, Chairman,

Industrial Tribunal

[No. L-29025(3)/85-D.III.B(v)]

का. आ. 3443.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कंपनी लिमिटेड, गोदावरी खानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33क के अंतर्गत ए. वीरमल्लू द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3443.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad (AP) as shown in the Annexure, in respect of the complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri A. Veeramallu, a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godhavarikhani, Karimnagar Distt. which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL
(CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial
Tribunal (Central)

MISCELLANEOUS PETITION NO. 158/83

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82

BETWEEN

A. Veeramallu, Workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District (A.P.)Petitioner

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh.Respondent.

BETWEEN

C. Ramaiah, Workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District (A.P.) ... Petitioner.

APPEARANCES

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh.Respondent.

AWARD

This is a petition filed under section 33(a) of I. D. Act while I. D. 11/82 is pending.

Since I. D. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence.

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman.

Industrial Tribunal

[No. L-29025(3)/85-D. III. B(iv)]

का. अ. 3444.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरी खानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33-क के अन्तर्गत श्री. सी. रामाiah द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3444.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri C. Ramaiah, a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Distt. Karimnagar (A. P.), which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

MISCELLANEOUS PETITION NO. 165/83

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 11/82

458 GI/85—22

APPEARANCES

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocate for the Respondent

AWARD

This is a petition filed under Section 33(a) of I. D. Act while I. D. 11/82 is pending.

Since I. D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Appendix of Evidence.

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Chairman,
Industrial Tribunal

[No. L-29025(3)/85-D. III(B)(xi)]

का. अ. 3445.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरी खानी, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33-क के अन्तर्गत श्री डी. कामराiah द्वारा दायर की गई शिकायत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3445.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (A. P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri D. Komaraiah, a workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar Distt., which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

**BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL
(CENTRAL) AT HYDERABAD.**

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial Tribunal (Central).

Miscellaneous Petition No. 157/83.

IN

Industrial Dispute No. 11/82

BETWEEN :

D. Komaraiah, Workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District (A. P) ... Petitioner

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavarikhani, Karimnagar District, Andhra Pradesh. Respondent.

APPEARANCES :

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigal and Kumari G. Sudha, Advocates for the respondent.

AWARD

This is a petition filed under Section 33(a) of I.D. Act, while I. D. 11/82 is pending.

Since I D. No. 11/82 disposed off, this petition become unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Industrial Tribunal.

Appendix of Evidence.

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal.

[No. L-29025/3/85-D. III. B(iii)]

का.अ. 3446—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, निम्नलिखित कोल्गेज कंपनी लिमिटेड रामगुंडम वि.द्विज 32 रोड,दरौ खाती जिला वर्मन नगर उक्त अधिनियम का धारा 33 क के अन्तर्गत श्री ए. रघुरामु द्वारा दायर की गई शिकायत पर न्याय में धरा निदिष्ट केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पत्र को प्रकाशित करत है,

S.O. 3446.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by A. Raghuramulu, Vice-President a workman of Singareni Collieries

Company Limited, Ramagundam, Division-II, Godavarikhani, Distt. Karimnagar.

**BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL
(CENTRAL) AT HYDERABAD**

PRESENT

Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal. Miscellaneous Petition No. 82 of 1982.

Industrial Dispute No. 12 of 1982.

BETWEEN :

A. P. Colliery Mazdoor Sangh., Godavari Khani, Karimnagar District.

....Petitioner

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-II, Godavari Khani, Karimnagar District.Respondent.

APPEARANCES :

Sri G. Bikshapathi, Advocate for the worwman.
Sri K. Srinivasa Murthy Hon. Secretary, A. P. Federation of Chamber of Commerce and Industry for the Management.

AWARD

This is a petition filed under Section 33(A) of the Industrial Disputes Act, 1947 by A. Raghuramulu, Vice-President, A. P. Colliery Mazdoor Sangh, Godavari Khani, Karimnagar, District preying for not to change service conditions of the workmen by allotting them with heavy workload and new jobs and also not to discontinue the incentive bonus with effect from February, 1982.

2. A notice was served upon the Divisional Superintendent, Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-II, Godavari Khani, Karimnagar District to file his counter statement on or before 15th June, 1982, while serving a copy on the other side. The notice was acknowledged by the Management. After some adjournments Sri K. Srinivasa Murthy filed authorisation for the Management and Sri G. Bikshapathi, Advocate filed vakalat for the workman on 3-9-1982. Even counter was filed on that day. For enquiry the matter was adjourned to 17-9-1982. From 17-9-1982 it has been adjourning from time to time since both parties were not ready till 29-9-84. On 29-10-84 Sri G. Biskhathapi counsel for the workman called absent. A. P. Collieries Mazdoor Sangh also called absent representing Sri A. Raghuramulu. It is represented that Sri A. Raghuramulu is no more alive. For further steps by the Advocate for substitution of the said Vice President of the Workers in the meanwhile it is adjourned to 26-11-1984. The case was adjourned from time to time till this day i.e. 26-11-1984, 28-12-1984, 4-2-1985; 2-3-1985, 29-3-1985, 26-4-85 and 20-5-85. On 20-5-1985 Sri Saigal, counsel for the Management present. Sri G. C. Venkatswamy is present for Sri G. Bikshapathi, counsel for the workmen mentioned that since the main I. D. No. 12/82 is disposed off, this petition become infructuous as not necessary. Hence Award is passed accordingly treating this petition as not pressed.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal this the 20th day of May, 1985.

Sd/- Industrial Tribunal

Appendix of Evidence.

NIL

J. VINUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L29015(3)|85-D. III(B)(i)]

का. धा. 3447.—आयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्र सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पन, लिमिटेड गोवावर, खान, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम के धारा 33 के अन्तर्गत धा. न. पाथाराजू द्वारा दायर की गई शिक्षा-यत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पचाट की प्रकाशित करता है, जो केन्द्र सरकार को 27 जून, 1985 प्राप्त हुआ था।

S.O. 3447.—in pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the industrial Tribunal, Hyderabad (A.P.) as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri V. Potha Raju a workman of Singareni Collieries Company Limited Godavarikhani, Karimnagar Distt which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL
(CENTRAL) AT HYDERABAD.

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Chairman, Industrial
Tribunal (Central).
Miscellaneous Petition No. 147|83

IN

INDUSTRIAL DESPUTE NO. 11|82

Between V. Potha Raju, Workman of
Singareni Collieries Company
Limited, Godavarikhani,
Karimnagar District (A. P) ... Petitioner

AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh. Respondent.

APPEARANCES .

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for theRespondent

AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act, while I. D. 11|82 is pending.

Since I D. No. 11|82 disposed off, this petition become unnecessary as the point involved in this

petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Sd/- Industrial Tribunal

Appendix of Evidence.

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal.

[No. L-29025|3|85-D. III(B)|(xxii)]

का. धा. 3448.—आयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्र सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पन, लिमिटेड गोवावर, खान, जिला करीमनगर उक्त अधिनियम की धारा 33 के अन्तर्गत धा. न. पपी रेड्डी द्वारा दायर की गई शिक्षा-यत पर अनुबंध में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पचाट की प्रकाशित करता है, जो केन्द्र सरकार को 27 जून, 1985 प्राप्त हुआ था।

S.O. 3448.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, A.P., as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri B. Papi Reddy, a workman of Singareni Collieries Company Ltd., Godavarikhani, Distt. Karimnagar, A.P., which was received by the Central Government on the 27th June, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL
(CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao,
Chairman, Industrial (Central).
Miscellaneous Petition No. 155|83

IN

Industrial Disputes No. 11|82

BETWEEN

B. Papi Reddy, Workman of
Singareni Collieries Company
Limited, Godavarikhani,
Karimnagar District (A.P.) —Petitioner.

AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh, Hyderabad. —Respondent.

APPEARANCES .

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

AWARD

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL
(CENTRAL) AT HYDERABAD

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao,
Chairman, Industrial Tribunal (Central)

Miscellaneous Petition No. 156/83

IN

Industrial Dispute No. 11/82

BETWEEN

Ch. Kishan Rao, Workman of
Singareni Collieries Company
Limited, Godavarikhani,
Karimnagar District (A.P.) --Petitioner.

AND

The Management of Singareni
Collieries Company Limited,
Godavarikhani, Karimnagar District,
Andhra Pradesh. —Respondent.

APPEARANCES :

- (1) Sri G. Bikshapathy, Advocate for the Petitioner.
- (2) Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saighal and Kumari G. Sudha, Advocates for the Respondent.

AWARD

This is a petition filed Under Section 33(a) of I.D. Act while I.D. 11/82 is pending.

Since I.D. No. 11/82 disposed off, this petition becomes unnecessary as the point, involved in this petition is already decided. Hence award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and seal of this Tribunal, this the 6th day of June, 1985.

Sd/-

Appendix of Evidence

NIL

Sd/-

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal.

[No. L-29025(3)/85-D. III. B(ii)]

HARI SINGH, Desk Officer

Appendix of Evidence.

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal.

[No. L-29025(3)/85-D. III. B(x)]

का. आ. 3449:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कोलरीज कम्पनी लिमिटेड गोदावरी खाना, जिला करमनगर उक्त अधिनियम के धारा 33क के अन्तर्गत श्री. चो. कृष्ण राव द्वारा दायर का गई शिकायत पर अवधि में यथा निर्दिष्ट औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करने, है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जून, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3449.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33-A of the said Act, filed by Shri Ch. Kishan Rao, a workman of Messrs Singareni Collieries Company Ltd., Godhavrikhani, Karimnagar Distt. which was received by the Central Government on the 27th, June, 1985.